



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 51] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 23, 1978 (पौष 2, 1900)  
No. 51] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 23, 1978 (PAUSA 2, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं  
(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 नवम्बर 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रश्ना० III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के निम्नलिखित स्थायी सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई अवधि के लिये, अथवा आगामी आवेदनों तक जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से, तदर्थ आधार पर, कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया है।

क्र० सं०	नाम	अवधि जिसके लिये अनुभाग अधिकारी नियुक्त किया गया
1	2	3
1.	श्री एस० आर० खन्ना	1-9-78 से 15-11-78 तक की अवधि के लिये।
2.	श्री एन० के० ढीगरा	14-9-78 से 12-11-78 तक की अवधि के लिये।
3.	श्री बी० एल० शर्मा	17-9-78 से 15-11-78 तक की अवधि के लिये।

1	2	3
4.	श्री कैलाश चन्द्र	22-9-78 से 6-11-78 तक की अवधि के लिये।
5.	श्री एन० एम० एल० भटनागर	9-10-78 से 23-11-78 तक की अवधि के लिये।
6.	श्री एम० एन० अरोड़ा	3-11-78 से 18-12-78 तक की अवधि के लिये।

दिनांक 28 नवम्बर 1978

सं० ए० 38013/5/76-प्रश्ना० III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री आर० एल० झीगन को राष्ट्रपति द्वारा कामिक विभाग के का० शापन सं० 33/12/73 स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार 30 नवम्बर, 1978 के अपराह्न से वादर्थक्य निवर्तन आयु हो जाने के कारण सरकारी सेवा से निवृत्ति की सहर्ष अनुमति प्रदान की गई है।

एस० बालाचन्द्रन,  
अवर सचिव,  
(प्रशासन प्रभारी)  
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मन्त्रालय  
का० एवं प्र०सु० विभाग  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1978

सं० ए०-20014/5/75-प्रशासन-1—पुलिस उप-महा-निरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, पश्चिम बंगाल पुलिस के अधिकारी श्री एम० के० बनर्जी को दिनांक 23-10-78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, कलकत्ता (आधिक्य अपराध स्कन्ध) शाखा में अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

रिपुदमन सिंह,  
प्रशासनिक अधिकारी (लेखा)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 1 दिसम्बर 1978

सं० ओ० दो० 1094/78 स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर स्वरूपानन्द नायक को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमाण्डर) के पद पर 28 सितम्बर, 1978 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 दिसम्बर 1978

सं० ओ० दो० 1098/78-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर रविन्द्र नाथ बहेड़ा को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमाण्डर) के पद पर 5 अक्तूबर, 1978 के अपराह्न से नियुक्त करते हैं।

सं० ओ० दो० 1099/78-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर योगेन्द्र प्रकाश को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमाण्डर) के पद पर 3 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 दिसम्बर 1978

सं० ओ० दो० 845/72-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर कृष्णा किशोर सैनी को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में सिनियर मैडिकल आफिसर (कमाण्डेंट) के पद पर 20 अक्तूबर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर कृष्ण किशोर सैनी के सिनियर मैडिकल आफिसर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने बेस हॉस्पिटल-I केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, नई दिल्ली में जी० डी० ओ० ग्रेड-1 के पद का कार्यभार दिनांक 6 अक्तूबर, 1978 के पूर्वाह्न से त्याग दिया।

सं० ओ० दो०-1/78 सी० बी० स्थापना—राष्ट्रपति ने, चिकित्सा अधीक्षक ले० कर्नल आर० एल० सरकार, महा-निदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली का त्यागपत्र दिनांक 29 अगस्त, 1978 से स्वीकृत कर लिया है।

ए० के० बन्धोपाध्याय  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 29 नवम्बर 1978

सं० 10/6/78-प्रशा०-1—इस कार्यालय की तारीख 17 जून, 1978 की समसंख्यांक अधिसूचना का अधिकृत करते हुए, राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा की प्रथम सूची के सेलेक्शन ग्रेड अधिकारी श्री बी० पी० पांडे को तारीख 26 मई 1978 के अपराह्न से तारीख 25 अगस्त 1978 तक तीन महीने की अवधि के लिए पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर भारत के उपमहापंजीकार के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

राष्ट्रपति, श्री बी० पी० पांडे को 26 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक अस्थायी तौर पर भारत के उपमहापंजीकार के पद पर नियमित आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री पांडे का मुख्यालय नई दिल्ली में है।

दिनांक 4 दिसम्बर 1978

सं० 11/5/77-प्रशा० एक—इस कार्यालय की तारीख 19-9-1978 की समसंख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, केरल में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में अन्वेषक श्री एस० जयशंकर की उसी कार्यालय में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ नियुक्ति की अवधि को तारीख 1 अक्तूबर, 1978 से तारीख 31 दिसम्बर, 1978 तक तीन महीने की और अवधि के लिए या अगले आदेशों तक, जो भी समय इनमें कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं। उनका मुख्यालय त्रिवेन्द्रम में ही रहेगा।

पी० पद्मनाभ,  
भारत के महापंजीकार

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय, पश्चिम रेलवे

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1978

सं० एस० ए०/एच० क्यू०/प्रशासन/पी० सी०/5412—श्री एच० टी० कनल, अस्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी 31-8-1978 के अपराह्न से निवर्तमान आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

अ० ना० विश्वास  
मुख्य लेखा परीक्षक, पश्चिम रेलवे

रक्षा मंत्रालय  
भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा  
महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता-700016, दिनांक 29 नवम्बर 1978

सं० 80/78/जी०—वार्षिक निवृत्ति आयु (58 वर्ष)  
प्राप्त कर, श्री टी० पी० घोष, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक  
(मौलिक एवं स्थायी फोरमैन), दिनांक 28-2-1978 (अपराह्न)  
से सेवा निवृत्त हुए।

वी० के० मेहता,  
सहायक महानिदेशक,  
आर्डनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मन्त्रालय  
(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 नवम्बर 1978

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण  
(स्थापना)

सं० 6/661/62-प्रशासन (राज०)/8429—सेवा निवृत्ति  
की आयु होने पर, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (अब  
संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात) के कार्यालय, कानपुर में,  
श्री एच० एन० सहाय, नियंत्रक, आयात-निर्यात को 30 अप्रैल,  
1976 के दोपहर बाद स सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति  
दी गई थी।

2. इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या 6/661/62-  
प्रशासन (राज०)/2462 दिनांक 31-3-1977 रद्द की जाती  
है।

का० वें० शेषाद्रि,  
मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात

इस्पात और खान मन्त्रालय  
(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-700020, दिनांक 26 सितम्बर 1978

सं० ई०-1-13 (107)/78—श्री हरिमोहन दास, अधीक्षक  
को एतद्वारा, दिनांक 13-9-1978 (पूर्वाह्न) से वर्तमान  
समय में तीन माह के लिए कामचलाऊ आधार पर सहायक भुगतान  
आयुक्त (इस्को प्रतिपूरण) के संवर्ग बाह्य पद पर तदर्थ  
स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 20 अक्टूबर 1978

सं० ई०-1-12 (10)/78(.)—वरिष्ठ उप महा लेखापाल,  
वाणिज्य, कार्य तथा विविध, कलकत्ता के कार्यालय के लेखा  
अधिकारी श्री ए० के० मिश्र की एतद्वारा 6 अक्टूबर, 1978 के

अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए लेखा अधिकारी पद पर  
स्थानापन्न नियुक्ति की जा रही है।

पी० के० सरकार,  
लोहा और इस्पात नियंत्रक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 28 नवम्बर 1978

सं० सी०-5438/707—निम्नलिखित अधिकारियों को  
उनके नाम के सामने दी गई तारीख से भारतीय सर्वेक्षण  
विभाग में अधिकारी सर्वेक्षक (ग्रुप 'बी' पद) के पद पर 650-  
30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-  
40-1200 रु० के वेतनमान में पूर्णतः तदर्थ आधार पर अनन्तिम  
रूप में नियुक्त किया जाता है :—

क्र० सं०	नाम तथा पद	यूनिट/कार्यालय	से लागू
1.	श्री जे० बी० पाथी सर्वेक्षक सिले० ग्रेड	सं० 2 पार्टी (प० सं०) मसूरी	16 मई 1978 (पूर्वा०)
2.	श्री जेड० केरकेटा, सहा० सर्वेक्षक सिले० ग्रेड	सं० 75 पार्टी (द० पू० सं०) मधुपुर	12 अक्टूबर 1978 (पूर्वा०)
3.	श्री नाथू राम शर्मा सर्वेक्षक सिले० ग्रेड	सं० 74 पार्टी (व० पू० सं०) रांची	16 अक्टूबर 1978 (पूर्वा०)
4.	श्री सोमरा टिर्के सर्वेक्षक सिले० ग्रेड	सं० 74 पार्टी (द० पू० सं०) रांची	23 अक्टूबर 1978 (पूर्वा०)
5.	श्री जगदीश चन्द्र सर्वेक्षक सिले० ग्रेड	सं० 26 (फोटो) पार्टी (उ० सं०) देहरादून	24 अक्टूबर 1978 (पूर्वा०)
6.	श्री जय चन्द्र रेखी सर्वेक्षक सिले० ग्रेड	सं० 26 (फोटो) पार्टी (उ० सं०) देहरादून	24 अक्टूबर 1978 (पूर्वा०)
7.	श्री एस० एम० उनियाल सर्वेक्षक सिले० ग्रेड	सं० 1 पार्टी (उ० सं०) देहरादून	8 नवम्बर 1978 (पूर्वा०)

के० एल० खोसला  
मेजर-जनरल  
भारत के महासर्वेक्षक

## आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1978

सं० 4/47/77-एस-1—श्री पीटर बी० शांगप्लीयांग ने अपने त्यागपत्र की स्वीकृति के फलस्वरूप 29 सितम्बर, 1978 अपराह्न को आकाशवाणी, कोहिमा में कार्यक्रम निष्पादक के पद का कार्य-भार छोड़ा।

ए० के० ब्रोस,  
प्रशासन उपनिदेशक,  
कृते महानिदेशक

## कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

ग्रामीण विकास विभाग

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1978

सं० ए० 12026/2/78-प्र०-III—अपने मूल संगठन अर्थात् लेखा निदेशक का कार्यालय (डाक) में प्रत्यावर्तन होने के उपरान्त श्री बी० ए० पसारकर, लेखा अधिकारी को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, प्रधान शाखा कार्यालय, नागपुर में दिनांक 3-11-1978 (अपराह्न) से उनके कार्य से मुक्त किया गया है।

दिनांक 1 दिसम्बर 1978

सं० ए० 19025/117/78-प्र० III—श्री के० जयनंदन, वरिष्ठ निरीक्षक को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, मद्रास में दिनांक 13-11-1978 (पूर्वाह्न) से 31-12-1978 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-1) नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनिहार,  
निदेशक, प्रशासन,

कृते कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार

## सूचना और प्रसारण मन्त्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 29 नवम्बर 1978

सं० ए०-24013/39/78-सिबन्वी 1—श्री पी० व्ही० राव स्थानापन्न शाखा प्रबन्धक फिल्म प्रभाग हैदराबाद को मंजूर की हुई छुट्टी समाप्ति पर श्री एस० ए० नाईक स्थानापन्न शाखा प्रबन्धक फिल्म प्रभाग हैदराबाद को दिनांक 6-11-78 के पूर्वाह्न विक्रेता के पद पर प्रत्यावर्तित किया।

एस० चन्द्रन नायर,  
प्रशासकीय अधिकारी,  
कृते प्रमुख निर्माता

## भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 3 जुलाई 1978

सं० पी० ए०/81(11)/78-आर०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, इस अनुसंधान केंद्र के निम्नलिखित अधिकारियों को इसी अनुसंधान केंद्र में 1 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड-एस० बी० नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं०	नाम	कोई स्थाई पद	स्थानापन्न रूप में
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	श्री अरविद बाबूराव फडणीस	—	वैज्ञानिक सहायक (सी)
2.	श्री पुलाकल राजेन्द्रन नायर	सहायक सुरक्षा अधिकारी	फोरमैन
3.	श्री नागासुन्दरन विप्रनाथन	वैज्ञानिक सहायक (बी)	वैज्ञानिक सहायक (सी)
4.	श्री हंसराज मिसल	नक्शामचीस (बी)	नक्शानवीस (सी)
5.	श्री जॉन जितेंद्र चरन	—	वैज्ञानिक सहायक (सी०)
6.	श्री विष्णु जयराम खांडेकर	नक्शानवीस (ए)	नक्शानवीस (सी)
7.	श्री पिल्लालामरी हनुमंत राव	वैज्ञानिक सहायक (बी)	वैज्ञानिक सहायक (सी)

## स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर 1978

सं० ए० 38012/2/78-(एच० ब्यू०)/प्रशासन-I—सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो में उप-निदेशक (स्कूल स्वास्थ्य शिक्षा) के पद पर कार्य कर रही श्रीमती के० एस० भाटिया ने 30 जून, 1978 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गयी हैं।

सं० 32014/6/78-(एस० जे० एच०)प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली के हेड क्लर्क श्री श्रींकार सिंह गुजराल को 1 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी अस्पताल में सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 1 दिसम्बर 1978

सं० ए० 39013/1/78-प्रशासन-I—डा० एस० एस० लुथरा का त्याग-पत्र मंजूर हो जाने पर उन्होंने 11 अप्रैल, 1978 के अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, मेरठ से दन्त शल्य चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

शाम लाल कुठियाला,  
उप निदेशक प्रशासन



(1)	(2)	(3)	(4)	—
8.	श्री सिलवेस्टर जॉन	सहायक फोरमैन	फोरमैन	—
	करकाडा			
9.	श्री विजन कुमार	" "	" "	
	घोष			
10.	श्री नरसिसो	" "	" "	
	इगनाटियस सिलवेरा			
11.	श्री नारायण सुब्बु	वैज्ञानिक सहायक (ए)	वैज्ञानिक सहायक (सी)	
	पिपले			
12.	श्री कीर्ति कुलम	" "	" "	
	नारायणन			
13.	श्री गुरुबचन सिंग	" "	" "	
14.	श्री कुरियल श्रीधर	" "	" "	
	सोमायाजी			
15.	श्री गिरिधर झा	" "	" "	
16.	श्री गुरुनाथ	" (बी)	" "	
	बलवंतराव जोशी			
17.	श्री चेलकारा	वैज्ञानिक सहायक (बी)	वैज्ञानिक सहायक (सी)	
	सुब्रमणिया			
	सूर्यनारायणन			
18.	डा० प्रकाशचंद्र वर्मा	—	" "	
19.	श्रीमती पूनम हरि	वैज्ञानिक सहायक (बी)	" "	
	परदासानी			
20.	श्री बीरेन्द्र सिंग	" "	" "	
21.	श्री अशोक त्रिम्बक	—	" "	
	सोमण			
22.	श्री हरबंशलाल वर्मा	नक्शानवीस (ए)	नक्शानवीस (सी)	
23.	फंडु रंग	सहायक फोरमैन	फोरमैन	
	दत्तात्रेय भुरके			
24.	श्री नूर मोहम्मद	चार्जहेड	" "	
	गफूर पीरजादा			
25.	श्री नडुक्कुडि	वैज्ञानिक सहायक (ए)	वैज्ञानिक सहायक (सी)	
	पूमादथिल सेथुराम			
26.	श्री मंगेश शंकरराव दलवी	" "	" "	
27.	श्री मोहम्मदभाई	वैज्ञानिक सहायक (ए)	वैज्ञानिक सहायक (सी)	
	इब्राहिम डाक्टर			
28.	श्री मोदुगुला	—	" "	
	सत्यनारायण			
29.	श्री अजय कुमार	—	" "	
	बन्द्योपाध्याय			
30.	कु० विद्या सदाशिव	वैज्ञानिक सहायक (ए)	" "	
	कांबली			
31.	श्री चन्द्रकांत बापुजी	" "	(बी) "	
	गोखले			
32.	श्री हरकिशन	" "	" "	
	शुंबरलाल कांगला			

(1)	(2)	(3)	(4)
33.	श्री कमाल अब्दुलकरीम	—	वैज्ञानिक सहायक (सी)
	सैयद		
34.	श्री भगवान	—	" "
	नारायण महाजन		
35.	कु० मदनलाल उषा	—	" "
	कुमारी		
36.	श्री रघुनाथ त्रिगुल	वैज्ञानिक सहायक (बी)	" "
	फाटक		
37.	श्री अनिल वामन	—	" "
	आपटे		
38.	श्री दत्तात्रेय कृष्णाजी	नक्शानवीस (ए)	नक्शानवीस (सी)
	जाधव		
39.	श्री चिथुकुडु	—	वैज्ञानिक सहायक (सी)
	हरिहरण		
40.	श्री नारायणन	वैज्ञानिक सहायक (ए)	" "
	अनंतरमण		
41.	श्री गणेश त्रिम्बक	चार्जहेड	फोरमैन
	मराठे		

दिनांक 22 सितम्बर 1978

सं० पी० ए०/73(13)/78-आर०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, डा० (कुमारी) वरिन्धर बलवंतसिंग कौर को, इस अनुसंधान केंद्र के चिकित्सा प्रभाग में, 13 सितंबर, 1978 के पूर्वार्द्ध से 25 अक्तूबर 1978 के अपराह्न तक, डा० (श्रीमती) एस० आर० त्रिभुवन के स्थान पर, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, बिलकुल अस्थायी रूप से स्थानिक चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/73(13)/78-आर०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, डा० (श्रीमती) चन्द्रप्रभा सत्यप्रकाश मित्तल को, इस अनुसंधान केंद्र के चिकित्सा प्रभाग में, 19 सितम्बर, 1978 के पूर्वार्द्ध से 10 नवम्बर, 1978 के अपराह्न तक, डा० (श्रीमती) पी० के० अजबानी के स्थान पर, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, बिलकुल अस्थायी रूप से स्थानिक चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 अक्तूबर 1978

सं० पी० ए०/85(1)/78-आर०-4—परमाणु ऊर्जा विभाग के भारी पानी परियोजना, कोटा से तबादला होने पर, निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, श्री शेलके प्रभाकर सूर्यमान को, 24 अप्रैल, 1978 के पूर्वार्द्ध से अगले आदेशों तक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० निकयुत करते हैं।

दिनांक 20 अक्तूबर 1978

सं० पी० ए०/68(6)/77-आर०-4—परमाणु ऊर्जा विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग से भारमुक्त होने पर,

निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, श्री पोंगालिउर कंडासामी मायलसामी को, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में, 19 जून, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, अस्थाई रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 10 नवम्बर 1978

सं० पी० ए०/73(13)/78-आर०-4—समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 22 सितम्बर, 1978 के सिलसिले में, निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, डा० (कुमारी) वरिन्दर बलवंतसिंग कौर को, इस अनुसंधान केंद्र के चिकित्सा प्रभाग में, अतिरिक्त अवधि 26 अक्टूबर के पूर्वाह्न से 27 अक्टूबर, 1978 के अपराह्न तक, डा० (श्रीमती) एस० आर० त्रिभुवन के स्थान पर, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, बिलकुल अस्थाई रूप से स्थानिक चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन,  
उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक सितम्बर 1978

सं० बी०/488/स्थापना II/4083—सेवा-निवृत्ति अवस्था के होने पर, श्री मनोहर दामोदर बापट, स्थाई सहायक प्रशासनिक अधिकारी (ग्रेड र० 650-960) दिनांक 31 अगस्त, 1978 अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० एम०-4/लेखा/स्थापना II/4085—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र ने, श्री फारूख एरचशा मिस्त्री, स्थाई सहायक लेखापाल तथा स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी, लेखा प्रभाग का, सेवा से त्यागपत्र 31 अगस्त, 1978 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 18 सितम्बर 1978

सं० 5/1/78/स्थापना II/3301—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र श्री एफ० डीसूजा, सहायक लेखापाल को, इसी अनुसंधान केंद्र में, दिनांक 30 मार्च 1977 (पूर्वाह्न) से 22 अप्रैल, 1977 (अपराह्न) तक, श्री आर० जी० मसूरकार, सहायक लेखा अधिकारी के स्थान पर, जिन्हें 30 मार्च 1977 से 30 अप्रैल, 1977 तक छुट्टी प्रदान की गई है, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 सितम्बर 1978

सं० 5/1/78-स्थापना II/3399—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के आगे लिखी अवधि के लिए, तदर्थ आधार पर, स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं०	नाम तथा पद	स्थानापन्न नियुक्ति	अवधि	
			से (पूर्वाह्न)	तक (अपराह्न)
1.	श्री एफ० डी, सूजा सहायक लेखापाल	सहायक लेखा अधिकारी	10-4-78	31-7-78
2.	श्रीमती एस० पी० मेहरजी सहायक लेखापाल	सहायक लेखा अधिकारी	3-7-78	2-9-78

सं० 5/1/78-स्थापना II/3400—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के आगे लिखी अवधि के लिए तदर्थ आधार पर स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी II/सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं:

क्र० सं०	नाम तथा पद	स्थानापन्न नियुक्ति	अवधि	
			से (पूर्वाह्न)	तक (अपराह्न)
1.	श्री एस० आर० डोंगरे सहायक कार्मिक अधिकारी	प्रशासनिक अधिकारी-II	26-12-77	9-4-78
2.	श्री एस० डी० मेंहता सहायक कार्मिक अधिकारी	प्रशासनिक अधिकारी-II	10-4-78	30-8-78
3.	श्री ए० के० कात्रे सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी	26-12-77	30-8-78

दिनांक 5 अक्टूबर 1978

सं० 5/1/78-स्थापना II/4089—क्रय तथा भंडार निदेशालय, कोटा से तबादला होने पर, श्री गजानन

लक्ष्मणराव हल्दीपुर (एक स्थाई सहायक लेखापाल) ने 11 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में, स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी II का कार्यभार ग्रहण किया।

दिनांक 13 अक्टूबर 1978

सं० 5/1/78-स्थापना II/4234—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, श्री देव नारायण प्रधान, स्थाई सहायक सुरक्षा अधिकारी को, इसी अनुसंधान केंद्र में 26 जुलाई, 1978 पूर्वाह्न से 29 सितंबर, 1978 अपराह्न तक, श्री बी० एन० बागची, सुरक्षा अधिकारी के स्थान पर, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 अक्टूबर 1978

सं० 5/1/78-स्थापना II/4326—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र श्री के० आर० सी० पिल्लै, सहायक को, इसी अनुसंधान केंद्र में, 11 सितंबर, 1978 पूर्वाह्न से 16 अक्टूबर, 1978 अपराह्न तक, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 7 नवम्बर 1978

सं० 5/1/78-स्थापना II/4671—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, निम्नलिखित अधिकारियों को, उनके नामों के आगे लिखी अवधि के लिए, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी-II/सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं :—

क्र.सं०	नाम तथा पद	स्थानापन्न नियुक्ति	अवधि	
			से (पूर्वाह्न)	तक (अपराह्न)
1.	श्री एस० के० कपूर सहायक कार्मिक अधिकारी	प्रशासनिक अधिकारी II	11-9-78	21-10-78
2.	श्री बी० के० स्वामी सहायक कार्मिक अधिकारी	प्रशासनिक अधिकारी II	25-9-78	27-10-78
3.	श्री पी० बी० करंदीकर सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी	20-9-78	27-10-78
4.	श्री बी० एम० नाइक एस० जी० सी०	सहायक कार्मिक अधिकारी	25-9-78	27-10-78

दिनांक 15 नवंबर 1978

सं० 5/1/78-स्थापना II/4740 — नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, निम्नलिखित अधिकारियों को, उनके नामों के आगे लिखी अवधि के लिये तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं :

क्र.सं० नाम तथा पद	स्थानापन्न नियुक्ति	अवधि	
		से (पूर्वाह्न)	तक (अपराह्न)
1. श्री एल० बी० गावडे सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी	27-9-78	7-11-78
2. श्री एन० के० भिडे एस० जी० सी०	सहायक कार्मिक	27-9-78	7-11-78

दिनांक 17 नवम्बर 1978

सं० पी०/2269/स्थापना-II/4781—विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग से तबादला होने पर, श्री तुलसीदास टी० पिशीरी, पी० पी० ई० डी० में एक स्थाई सहायक कार्मिक अधिकारी ने, इस अनुसंधान केंद्र में 1 नवम्बर 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, सहायक प्रशासनिक अधिकारी (ग्रेड 650-960) के पद का स्थानापन्न रूप से कार्यभार ग्रहण कर लिया।

एम० एस० राव  
उप-स्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 30 सितम्बर 1978

सं० 5(5)/78-पुष्टिकरण/1857—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, निम्नलिखित अधिकारियों को इसके द्वारा, 1 फरवरी 1977 से, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में, मौलिक रूप में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

क्र० सं०	नाम	अभी का पद	प्रभाग	बी० ए० आर० सी० में स्थाई पद
1.	श्री एस० एस० सैनी	एस० सी०	प्राइमरी आयसोटोप अनुभाग	नक्शानवीस सी०
2.	श्री के० एन० मांडके	एस० सी०	आर०-5 परियोजना	नक्शानवीस सी०
3.	श्री आर० डी० काले	एस० बी०	स्वास्थ्य भौतिकी	वै० स० (सी०)
4.	श्री एस० के० राय	एस० सी०	केन्द्रीय वर्कशाप	फोरमैन
5.	श्री एम० बी० जोशी	एस० सी०	प्रीफरी	वै० स० (सी०)
6.	श्री बी० डी० कांडेकर	एस० बी०	इलेक्ट्रानिकी	वै० स० (सी०)
7.	श्री डी० एस० बिष्ट	एस० सी०	न्यूक्लीय भौतिकी	वै० स० (सी०)
8.	श्री डी० के० मुलश्रोकर	एस० बी०	रेडियो रसायनिकी	नक्शानवीस सी०
9.	श्री एस० जी० शुक्ला	एस० सी०	न्यूक्लीय भौतिकी	वै० स० (सी०)
10.	श्री जी० सुब्रमणियन	एस० सी०	स्वास्थ्य भौतिकी	वै० स० (सी०)
11.	श्री एम० एन० तांबवेकर	एस० सी०	विश्लेषणात्मक रसायनिकी	वै० स० (सी०)
12.	श्री ए० सेधुमाधवन	एस० सी०	स्पेक्ट्रोस्कोपी	वै० स० (सी०)
13.	श्री एन० ई० मेहरजी	एस० बी०	पुस्तकालय एवं सूचना सेवाएं	वै० स० (सी०)
14.	श्री जी० एस० पाणिकर	एस० बी०	तकनीकी सेवाएं	फोरमैन
15.	श्री एल० आर० चोरगे	एस० सी०	तकनीकी सेवाएं	फोरमैन
16.	श्री ए० डी० इंगले	एस० बी०	इलेक्ट्रानिकी	वै० स० (सी०)
17.	श्री बी० एन० कामथ	एस० बी०	इलेक्ट्रानिकी	वै० स० (सी०)
18.	श्री एम० पी० शंकरन	एस० सी०	विकिरण चिकित्सात्मक संरक्षण प्रभाग	वै० स० (सी०)
19.	श्री के० एल० गुलिआनी	एस० सी०	तकनीकी सेवाएं	नक्शानवीस ए०
20.	श्री बी० पी० रानडे	एस० बी०	परिवहन अनुरक्षण यूनिट	फोरमैन
21.	श्री आर० एस० उदयावर	एस० बी०	न्यूक्लीय भौतिकी	वै० स० (बी०)
22.	श्री एन० के० मेहता	एस० बी०	स्वास्थ्य भौतिकी	वै० स० (सी०)
23.	श्री एस० आर० फिरके	एस० सी०	न्यूट्रान भौतिकी	वै० स० (सी०)
24.	श्री के० राजामनी	एस० बी०	तकनीकी सेवाएं	फोरमैन
25.	श्री एस० जी० रेगे	एस० बी०	इंधन पुनर्संसाधन	वै० स० (सी०)
26.	श्री पी० एल० के० शाली	एस० बी०	स्वास्थ्य भौतिकी	वै० स० (सी०)
27.	श्री पी० सी० मित्रा	एस० सी०	न्यूट्रान भौतिकी	वै० स० (सी०)
28.	श्री के० डी० विनायक	एस० सी०	रिएक्टर प्रचालन	फोरमैन
29.	श्री जी० एल० सी० गोनसालवेस	एस० बी०	तकनीकी सेवाएं	फोरमैन
30.	श्री बी० एस० निगुडकर	एस० बी०	तकनीकी सेवाएं	फोरमैन

सं० 5 (5)/78-पुष्टीकरण/1858—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को इसके द्वारा, 1 फरवरी, 1977 से, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में, मौलिक रूप में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं :

क्रम सं०	नाम	वर्तमान पद	प्रभाग
1.	श्री ए० आर० नायक	एस० सी०	स्वास्थ्य भौतिकी
2.	श्री बी० आर० एस० गुंड	एम० सी०	केन्द्रीय वर्क-शाप
3.	श्री एस० पी० मुखर्जी	एस० सी०	दृश्यभूमि एवं अंतरांग अनुसंधान

कुमारी एच० बी० विजयकर,  
उप-स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग  
रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपाक्कम-603102, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० ए०-32013/6/78 आर०—परियोजना निदेशक, रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र इस केन्द्र के निम्नलिखित अस्थायी अधिकारियों को उसी केन्द्र में 1 अगस्त, 1978 के पूर्वार्द्ध से अगले आदेश तक के लिये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड-एस० बी० के पदों पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं :—

एम० आर० जनार्दनम	वैज्ञानिक सहायक 'सी'
श्री के० चंचुनायडु	फोरमैन
3. श्री आर० उमापतैया	फोरमैन
4. श्री के० नारायणन	फोरमैन
5. श्री बनेडिक्ट रेयन	ड्राफ्ट्समैन 'सी'

ए० सेतमाधवन,  
प्रशासनिक अधिकारी  
कृते परियोजना निदेशक  
रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 2 सितम्बर 1978

सं० ई० (1) 03892—भारत मौसम विभाग, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के स्थानापन्न मौसम विज्ञानी श्री ए० सदागोपन निवर्तन की आयु प्राप्त कर 30-10-1978 अपराह्न से शासकीय सेवा से निवृत्त हुए।

2—386 GI/78

सं० ई० (1) 04287—भारत मौसम विभाग, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के स्थानापन्न मौसम विज्ञानी श्री बी० सुन्दरेमा राव निवर्तन की आयु प्राप्त कर 30-10-1978 अपराह्न से शासकीय सेवा से निवृत्त हुये।

दिनांक 4 दिसम्बर 1978

सं० ई० (1) 00843—भारत मौसम विज्ञान विभाग मौसम विज्ञान के महानिदेशक के मुख्यालय के सहायक मौसम विज्ञानी श्री जी० नागराजाराव का त्याग-पत्र 10-5-78 अपराह्न से स्वीकार कर लिया गया है।

जी० आर० गुप्ता,  
मौसम विज्ञानी  
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1978

सं० ए० 32013/10/77-ई०-I—महानिदेशक नागर विमानन ने इस विभाग के श्री एस० डब्ल्यू० एच० आफरी, स्थायी पुस्तकाध्यक्ष को 17-11-1978 (पूर्वार्द्ध) से छः मास की अवधि के लिए या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, इस विभाग में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में मुख्य पुस्तकाध्यक्ष (समूह 'ख' राजपत्रित) पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 32013/7/78-ई०-I—इस कार्यालय की दिनांक 22-9-78 की अधिसूचना संख्या ए० 32013/7/78 ई०-I के क्रम में राष्ट्रपति ने श्री एस० सी० मजुमदार उपनिदेशक को 25-10-78 के बाद 30-8-79 तक या पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, निदेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास एकक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सी० के० वत्स,  
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1978

सं० ए० 32013/5/77-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री एच० डब्ल्यू० अम्बलेर, विमानक्षेत्र अधिकारी को दिनांक 26 अक्टूबर, 1978 से छः मास के लिए अथवा पद के नियमित रूप में भरे जाने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है। श्री अम्बलेर को नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र बमरौली (इलाहाबाद) में तैनात किया जाता है।

सं० ए० 39013/6/78-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने सिविल विमानक्षेत्र वाराणसी के श्री एन० कौशल,

सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी का दिनांक 24 नवम्बर, 1978 से सरकारी सेवा से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 30 नवम्बर 1978

सं० ए० 32013/3/78-ई० एस०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री जे० एस० विष्ट को दिनांक 21-11-1978 से नागर विमानन विभाग के केलिब्रेशन यूनिट में रेडियो अधिकारी के पद पर स्थायी रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 1 दिसम्बर 1978

सं० ए० 32013/3/77-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक विमानक्षेत्र अधिकारियों को नागर विमानन विभाग के विमान-मार्ग एवं विमानक्षेत्र संगठन में उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से और अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है:—

क्रम सं०	नाम	तारीख	तैनाती स्टेशन
1.	श्री जे० एस० गिल	5-5-78	अमृतसर
2.	श्री ए० कै० सिन्हा	21-5-78	दम दम
3.	श्री बी० एस० चावला	11-7-78 अपराह्न	भोपाल
4.	श्री एस० सी० श्रीवास्तव	13-11-78	ना० वि० प्र० के० बमरोली (हलाहाबाद)
5.	श्री जे० के० धारन	26-6-78	बम्बई एयरपोर्ट
6.	श्री बी० के० शराफ	10-5-78	सफदरजंग एयरपोर्ट
7.	श्री हरशरण सिंह	16-10-78	जोधपुर
8.	श्री एस० के० रस्तोगी	21-7-78 अपराह्न	उदयपुर
9.	श्री के० के० पुंज	6-5-78	नागपुर
10.	श्री जे० एस० आहूजा	11-7-78	उधमपुर
11.	श्री एस० एन० खन्ना	11-7-78	पोरबन्दर
12.	श्री आर० सी० कोचर	1-8-78	आगरा
13.	श्री जी० एस० अरुवाणी	31-5-78	बम्बई एयरपोर्ट
14.	श्री पी० बी० ए० नैयर	10-8-78	कलकत्ता एयरपोर्ट
15.	श्री शिशो रतन लाल	8-5-78	कलकत्ता एयरपोर्ट
16.	श्री साधू सिंह	22-7-78	बम्बई एयरपोर्ट
17.	श्री बाई० के० बोहरा	19-7-78	कलकत्ता एयरपोर्ट
18.	श्री के० बी० कृष्णन	6-5-78	हैदराबाद
19.	श्री जी० जी० नसेरी	6-5-78	नागपुर
20.	श्री एस० के० माटा	23-5-78	मद्रास
21.	श्री एस० के० लाला	2-6-78 अपराह्न	पालम
22.	श्री टी० बी० रामास्वामी	6-5-78	गोहाटी
23.	श्री एस० के० हाण्डा	10-7-78 अपराह्न	गोहाटी
24.	श्री एम० एन० पार्थासारथी	8-5-78	बम्बई एयरपोर्ट
25.	श्री बी० एल० धर	12-7-78	रायपुर
26.	श्री पी० सी० लुईस	20-6-78	मद्रास
27.	श्री एस० पी० सिक्का	18-8-78	दिल्ली एयरपोर्ट पालम
28.	श्री बी० सी० मिस्त्री	17-5-78	भुवनेश्वर
29.	श्री कमल कान्त	10-5-78 अपराह्न	बम्बई एयरपोर्ट
30.	श्री आशा राम	29-6-78 अपराह्न	पोर्ट ब्लेयर (लाम्बा लाईन्स)
31.	श्री विलियम मिज	10-7-78	गया
32.	श्री टी० एन० सोम	14-8-78	दम दम
33.	श्री बी० पंचपकेशन	30-8-78	तिरुपति
34.	श्री एस० एन० बनर्जी	25-8-78 अपराह्न	पानागढ़
35.	श्री पी० आर० जादव	27-7-78	बम्बई एयरपोर्ट

1	2	3	4
36. श्री एस० एस० सिंह		31-7-78	बम्बई एयरपोर्ट
37. श्री सी० विजयकुमार		26-7-78	बम्बई एयरपोर्ट
38. श्री बी० आर० कक्कड़		26-7-78	बम्बई एयरपोर्ट
39. श्री एस० एन० राय		28-8-78 अपराह्न	नार्थ लखीमपुर

एस० एल० खण्डपुर  
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1978

सं० ए० 32013/11/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निदेशक रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली कार्यालय के श्री के० एस० नरसिम्हन, तकनीकी अधिकारी को दिनांक 10-7-78 (पूर्वाह्न) से नियमित आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें अन्य आदेश होने तक उसी कार्यालय में तैनात किया है।

सं० ए० 32013/3/78-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 27-12-77 की अधिसूचना सं० ए० 32013/3/77-ई० सी० तथा 7-1-78 की अधिसूचना सं० ए० 32013/5/77-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित तीन अधिकारियों को (जो इस समय महानिदेशक नागर विमानन के कार्यालय में सहायक निदेशक संचार के रूप में तदर्थ आधार पर कार्यरत हैं) दिनांक 13-7-78 से और अन्य आदेश होने तक सहायक निदेशक संचार के ग्रेड में नियमित रूप से नियुक्त किया है और उन्हें उसी कार्यालय में तैनात किया है।

1. श्री आर० पी० शर्मा
2. श्री एल० आर० गर्ग
3. श्री पी० एस० धुन्ता

सं० ए० 32013/5/78-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 13-11-78 की अधिसूचना सं० ए० 32013/5/78-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने श्री आर० पी० शर्मा को नागर विमानन विभाग में उपनिदेशक संचार के रूप में तदर्थ नियुक्ति की अवधि 25-10-78 से 30-8-79 तक अथवा उक्त ग्रेड में रिक्ति उपलब्ध रहने तक, जो भी पहले हो, बढ़ा दी है और उन्हें महानिदेशक नागर विमानन के कार्यालय में तैनात किया है।

दिनांक 4 सितम्बर 1978

सं० ए० 38012/1/77-ई० सी०—निदेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय में श्री जी० आर० वर्मा, सहायक तकनीकी अधिकारी के निवृत्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर 30 सितम्बर, 1978 अपराह्न से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ए० 32014/1/78-ई० सी०—महानिदेशक, नागर विमानन ने श्री आर० के० गुप्ता, संचार सहायक, आई०

ए० एस० अनुभाग, महानिदेशक नागर विमानन मुख्यालय को दिनांक 7-6-78 से सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उसी कार्यालय में तैनात किया गया है। यह नियुक्ति श्री पी० एल० युहना, सहायक संचार अधिकारी के स्थान पर की गई है जिन्हें दिनांक 23-5-78 से 11-8-78 तक अजित छुट्टियां मंजूर की गई हैं।

सत्य देव शर्मा,  
उपनिदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 27 नवम्बर 1978

सं० 1/467/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा श्री पी० व्ही० एस० एन० मूर्ति को 1 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक नई दिल्ली शाखा में अस्थायी तौर पर सहायक अभियंता नियुक्त किया जाता है।

2. इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 1/467/78-स्था० दिनांक 25/10/78 को रद्द जाती है।

पा० कि० गोविन्द नायर  
निदेशक (प्रशा०),  
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क समाहत्तलिय,

पटना, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

सं० 11 (7) 2-स्थापना/78-12136—भारत सरकार वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग), नई दिल्ली के आदेश संख्या 153/78 दिनांक 22-9-78 के अनुसरण में श्री एस० आर० भट्टाचार्य, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क ग्रुप 'ए' इस समाहत्तलिय के सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क का कार्यभार दिनांक 27-9-78 (अपराह्न) को ग्रहण किया।

सं० 11 (7) 2-स्थापना/78/12150—मंत्रालय के आदेश सं० 79/78 दिनांक 24-5-78 के अनुसार निम्नलिखित संचार पदाधिकारी को वेतनमान रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300/- तथा रु० 100/-

प्रतिमाह की दर से विशेष वेतन पर, संचार पदाधिकारी के रूप में निम्न प्रकार कार्यभार ग्रहण किया :—

नाम	पदस्थापन के स्थान	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
1. ले० क० योगिन्दर सिंह	मोतिहारी	14-7-78 (पूर्वाह्न)
2. विंग क० के० आर० नम्बीयर	पटना	21-6-78 (पूर्वाह्न)
3. कै० प्रदीप विरमणी	फारबिसगंज	13-10-78 (पूर्वाह्न)

डी० के० सरकार  
समाहर्ता  
केन्द्रीय उत्पाद, पटना

#### नौवहन और परिवहन मंत्रालय

##### नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 1 दिसम्बर 1978

##### (वाणिज्य नौवहन)

सं० 6(2)-सी० आर०-ए०/78—नौवहन महानिदेशक, विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर एतद्वारा श्री डी० पी० चटर्जी, (तदर्थ रूप में) स्थानापन्न उप निदेशक, नाविक नियोजन कार्यालय, कलकत्ता, को 31 अगस्त, 1978 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक लम्बी समयावधि के आधार पर उप निदेशक, नाविक नियोजन कार्यालय, कलकत्ता के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० एस० सिधू  
नौवहन उप महानिदेशक

#### केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 6 नवम्बर 1978

सं० 1/8/78-प्रशा०-तीन—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री कृष्ण चन्द्र गुप्त को केन्द्रीय जल आयोग में हिन्दी अधिकारी के पद पर पूर्णतया अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 30-10-78 से 29-4-1979 तक अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

केन्द्रीय जल आयोग में हिन्दी अधिकारी के पद पर श्री कृष्ण चन्द्र गुप्त की नियुक्ति पूर्णतया स्थानीय व्यवस्था के रूप में होगी तथा केन्द्रीय जल आयोग में नियमित

आधार पर हिन्दी अधिकारी के पद पर उन्हें दावा करने का अधिकार नहीं रहेगा।

जसवंत सिंह  
अवर सचिव  
केन्द्रीय जल आयोग

#### प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

##### केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1978

सं० 1/98/69/ई० सी०-9—इस विभाग के स्थानापन्न वास्तुक सर्वश्री एस० एस० गुप्ता और जे० पी० कृष्णा वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से दिनांक 30-11-78 (अपराह्न) को सेवानिवृत्त हो गए।

कृष्ण कान्त,  
प्रशासन उपनिदेशक

#### केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022, दिनांक 25 नवम्बर 1978

सं० 6/5/78-प्र०-2—अध्यक्ष केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा निम्नलिखित तकनीकी सहायकों/पर्यवेक्षकों/प्रधान प्रारूपकार को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (श्रेणी-2) सेवा में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के ग्रेड में उनके नामों के सामने दी गई तिथियों के अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न तौर पर नियुक्त करते हैं :—

1. श्री सुभाष मनचंदा, तकनीकी सहायक 30-10-78
2. श्री रमेश बाहरी, तकनीकी सहायक 30-10-78
3. श्री एस० के० चौधरी, तकनीकी सहायक 30-10-78
4. श्री एस० एल० ओहरी, प्रधान प्रारूपकार 30-10-78
5. श्री हरबंस लाल खुराना, तकनीकी सहायक 30-10-78
6. श्री जादवा दत्ता, तकनीकी सहायक 30-10-78
7. श्री ए० के० चक्रवर्ती, तकनीकी सहायक 7-11-78
8. श्री ए० के० रस्तोगी, पर्यवेक्षक 1-11-78
9. श्री ज्ञान चन्द बग्गा, पर्यवेक्षक 30-10-78
10. श्री के० के० भट्टाचार्य, पर्यवेक्षक 30-10-78
11. श्री मोहन लाल ताहिल रमानी, पर्यवेक्षक 30-10-78
12. श्री वी० के० भट्टा, पर्यवेक्षक 8-11-78

दिनांक 30 नवम्बर 1978

सं० 6/11/78-प्र०-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, एतद्वारा श्री एस० पी० गुप्ता, तकनीकी सहायक को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (वर्ग 'ब') के अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर 28-10-78 (अपराह्न) से अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न तौर पर नियुक्त करते हैं।

संतोष विश्वास,  
अवर सचिव



## उत्तरी रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1978

सं० 33—भण्डार विभाग के उत्तर रेलवे के निम्नलिखित अधिकारी उनके नाम के सामने दी गई तिथि से अन्तिम रूप से रेल सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

(1) श्री बी० बी० वंसल, अपर मुख्य भण्डार नियंत्रक (निर्माण)—31-3-78

(2) श्री एम० एम० एम० भल्ला, सहायक भण्डार नियंत्रक, आलम बाग, लखनऊ—30-4-78

(3) श्री एस० के० सभरवाल—मुख्य भण्डार नियंत्रक, —30-6-78

(4) श्री के० एन० मल्होत्रा, सहायक भण्डार नियंत्रक —31-10-78

बी० एस० धीर  
रुते महा-प्रबन्धक (कार्मिक)

## विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

## कम्पनी विधि बोर्ड

## कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स मेटा क्राफ्ट्स इंजीनियरिंग प्राईवेट लि० के सम्बन्ध में

जयपुर, दिनांक 28 नवम्बर 1978

सं० सांख्यिकी/1610/8389—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स मेटा क्राफ्ट्स इंजीनियरिंग प्राईवेट लि० का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किये गए तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स महालक्ष्मी लघु उद्योग प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

नागपुर, दिनांक 30 नवम्बर 1978

सं० सांख्यिकी/1084—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स महालक्ष्मी लघु उद्योग प्राईवेट लि० का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किये गए तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जावेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स विजय लक्ष्मी कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जयपुर, दिनांक 30 नवम्बर 1978

सं० सांख्यिकी/595—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर

मैसर्स विजय लक्ष्मी कम्पनी प्राईवेट लि० का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किये गए तो रजिस्ट्रार से काट दिया जावेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जावेगी।

रामदयाल कुरील,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,  
राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री करतार सेविंग्स फंड प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 28 नवम्बर 1978

सं० ए० 650/3149(2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि करतार सेविंग्स फंड प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स प्रोग्रेसिव टेक्नीशियन्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 28 नवम्बर 1978

सं० एस० ए० 299/3150(2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है मैसर्स प्रोग्रेसिव टेक्नीशियन्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स न्यू स्टूडेन्ट्स स्टोर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 28 नवम्बर 1978

सं० एस० 218/3151(2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स न्यू स्टूडेन्ट्स स्टोर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और के उडीसा एन्टरप्राइसेस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 28 नवम्बर 1978

सं० एस० ए० 469/3152(2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उडीसा एन्टरप्राइसेस प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और के महानदी इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 28 नवम्बर 1978

सं० एस० ए० 432/3153(2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में

एतद्वारा सूचना दी जाती है कि महानदी इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है :

डी० के० पाल,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
उड़ीसा

कम्पनी अधिनियम 1956 और सदर्न पाल प्लास्टिक प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 1 दिसम्बर 1978

सं० 6284/560(5)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सदर्न पाल प्लास्टिक प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और क्रिस्चियन म्युचुअल बेनिफिट फंड (कोयम्बतूर) लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 1 दिसम्बर 1978

सं० 6421/560(3)/सी० IV/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर क्रिस्चियन म्युचुअल बेनिफिट फंड (कोयम्बतूर) लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अश्रै नाडु पब्लिकेशन्स लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 1 दिसम्बर 1978

सं० 6243/560(3)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अश्रै नाडु पब्लिकेशन्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लान्डस्केप डेवलपरस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 1 दिसम्बर 1978

सं० 6261/560(3)/सी० IV/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा

द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर लान्डस्केप डेवलपरस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के० पञ्चापकेशन,  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और तरकानंशी श्री वर्तका-शिवुड्डी कम्पनी के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 28 नवम्बर 1978

सं० 133/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर तरकानंशी श्री वर्तका शिवुड्डी कम्पनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एमएस वैनसा प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 29 नवम्बर 1978

सं० 2766/560/78—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एमएस वैनसा प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बोक्कोसियो एजेन्सीस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 29 नवम्बर 1978

सं० 2413/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बोक्कोसियो एजेन्सीस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० एन० गुहा,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
कर्नाटका

प्रश्न आई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली-I

नई दिल्ली दिनांक: 5 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/111/एस. आर०-11/  
12-78/320—अतः मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या ज०-13/36 है राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री किरोरी राम, सुपुत्र श्री लक्खी राम, (अन्तरक) निवासी ज०-10/49, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री कुलवन्त राय, सुपुत्र श्री हरका दाम, निवासी गली मन्दिर वाली, भकान नं० 224182 वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक दुकान तथा भकान जोकि 215 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बन हुआ है, इसका नं० ज०-13/36 है, राजौरी गार्डन नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० 13/35

पश्चिम : भकान नं० 13/37

उत्तर : सड़क तथा पार्क

दक्षिण : सर्विस लेन

डी० पी० गोयल,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-I

तारीख : 5-12-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०----

(1) श्रीमती वरूणीसा बीबी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० पी० अबूबेकर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चीन-16, दिनांक 23 अक्टूबर, 1978

निर्देश सं० एल० सी० 252/78-79—यत/ मुद्रा, वी०  
मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो गुरुवायूर में स्थित  
है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में, कोट्टपडी में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
2-3-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

68½ Cans of land Vide document No 200/78 of SRO  
Kottappady

बी० मोहनलाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 23-10-1978  
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 दिसम्बर, 1978

निदेश ए०एस०सी/78-79/88—यतः मुझ, जी० एल० गारूज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 2309/12, बाजार रामसरण दास, अमृतसर है, तथा जो अमृतसर शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए घटकरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से ऐसे वृक्षमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और घटकरिती (घटकरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—386 GI/78

(1) श्री शिव कुमार पुत्र गोवर्धन दास 5-ए०, मकान रोड, अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्री राम आसरा सुपुत्र आत्म राम 59-हाईड मार्किट, अमृतसर (अन्तरिती)

(3) उपरोक्त मकान में यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) यदि कोई अन्य व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2309/12, बाजार राम शरण दास, अमृतसर, जैसा रजिस्ट्रीकर्ता 275, अप्रैल 1978 का रजिस्ट्रीकर्ता, अमृतसर शहर

जी० एल० गारूज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 2-2-78

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

निदेश सं० एक्सी०/78-79/86—यतः मुझे, जी० एल० गारू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं० म० न० 2309/12 बजार रामसरण दास, अमृतसर है तथा जो अमृतसर शहर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-4-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितता द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती राजवती विधवा गोवर्धन 5-ए०, मकबूल रोड, अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री राम आसरा पुत्र आरमा राम 59 हावर्ड मार्केट अमृतसर

(अन्तरिती)

3 श्री/श्रीमती/कुमारी उपरोक्त यदि कोई किरायदार हो तो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4 श्री/श्रीमती/कुमारी ओर यदि कोई अन्य व्यक्ति सम्पत्ति में सचि रखता हो

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्रोप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में तथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2309/12 बजार राम सरण दास, अमृतसर जैसा रजिस्ट्रीकर्ता नं० 273 अप्रैल, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अमृतसर शहर में है।

जी० एल० गारू

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 2-12-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० एक्वी०/78-79/87—यतः मुद्रा, जी० एल०  
गारु

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 2309/12 बजार राय सरण  
दास, अमृतसर है तथा जो अमृतसर शहर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 18-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) चिमन लाल सुपुत्र 5-ए०, मकबूल  
रोड, अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्री राम आसरा सुपुत्र आत्मा राम 59-हाईड  
मार्किट, अमृतसर (अन्तरिती)

(3) उपरोक्त मकान में यदि कोई किरायेदार हो तो  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
में सम्पत्ति है)

(4) यदि कोई अन्य व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो तो  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2309/12, बजार राम सरण दास, अमृतसर  
जैसा रजिस्ट्रीकर्ता 274, अप्रैल, 1978 की रजिस्ट्रीकर्ता  
अमृतसर शहर में है।

जी० ल० गारु  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, अमृतसर

तारीख : 2-12-1978

मोहर :

## प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 नवम्बर, 1978

निदेश सं० सी०एच०डी०/112/77-78—अतः मुझे,

नत्थू राम

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1001 वर्ग गज है तथा जो नं० 2168 सैक्टर, 15 सी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्मा:—

(1) श्री सन्त सिंह बरार पुत्र श्री हन्दर सिंह वकील मुकतरसर द्वारा श्री सुखदर्शन सिंह वासी गांव व डाकघर 60-बी०, टैलीग्राफ आफिस, श्री-करणपुर (राजस्थान)

(अन्तरक)

(2) श्री हरबन्स सिंह पुत्र श्री सन्त सिंह, वासी मकान नं० 228, सैक्टर 9 सी०, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लॉट नं० 21689, सैक्टर 15 सी०, चण्डीगढ़, जिसका क्षेत्रफल 1001 वर्ग गज है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1344, मार्च, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम,  
सक्षम प्राधिकारी;  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-11-1978

ओहूर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 ( 1961 का 43 ) की धारा

269 ब ( 1 ) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त ( निरीक्षण )

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निदेश सं० सी एच० डी०/121/77-78—अतः मुझे, नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 ( 1961 का 43 ) ( जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है ) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 305, सैक्टर, 21-ए, चण्डीगढ़ जिसका क्षेत्रफल 500.5 वर्ग गज है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है और इससे उपबाध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 ( 1908 का 16 ) के अधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 ( 1922 का 11 ) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 ( 1957 का 27 ) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा ( 1 ) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

( 1 ) श्री गत भूषण कोशिल पुत्र बनारसी दास वासी 1 सैक्टर, 26, चण्डीगढ़

(अन्तरिक)

( 2 ) श्री गुरदियाल भसीन पुत्र श्री जीवन दास भसीन वासी 1162, सैक्टर 21-बी०, चण्डीगढ़

(अन्तरिती)

( 3 ) श्री डी० सी० बन्दा (किरायदार) कोठी नं० 305, सैक्टर 21 ए०, चण्डीगढ़

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 305, सैक्टर 21-ए०, चण्डीगढ़

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० 1441 मार्च, 1978 में दर्ज है।

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 नवम्बर, 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 1 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एल० डी० एच०/138/77-78—अतः मुझे, नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 10 कनाल 8 मरले है तथा जो गांव भैरो मझा तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुवर्ण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मलकीत सिंह पुत्र श्री धर्म सिंह व श्री अमरीक सिंह पुत्र श्री कर्म सिंह वासी गांव भैरो मझा तहसील लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री दर्शन कुमार ओसवाल पुत्र श्री रतन चन्द ओसवाल वासी 534-बी०-19, कालज रोड, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 10 कनाल 8 मरले है और जो गांव भैरो मझा, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 6524 मार्च, 1978 में दर्ज है)।

(नत्थू राम)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 1 नवम्बर, 1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निदेश सं० एल० डी०एच०/352/77-78—अतः मुझे, नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० दुकान जिसके प्लॉट का क्षेत्रफल 40.1/2 2 वर्ग गज है तथा जो चौड़ी सड़क लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमरनाथ सूद पुत्र श्री दुनी चन्द, बासी चौड़ी सड़क, लुधियाना (अन्तरक)

(2) सर्वश्री राधेशाम गिरधर गोपाल पुत्र श्री प्रेम सागर बासी 780, लक्कड़ बाजार, लुधियाना (अन्तरिती)

(3) मै० ज्योति प्रसाद प्रेम सागर चौड़ी सड़क लुधियाना (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान जिसके प्लॉट का क्षेत्रफल 40.1/2 वर्ग गज है और जो चौड़ी सड़क, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 3864, मार्च, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 नवम्बर, 1978

मोहर :

## प्रारूप धार्मिक टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 1 नवम्बर 1978

निदेश सं० एल० डी० एच० /389/77-78—अतः मुझे,  
नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 4 बी० जिसका क्षेत्रफल 367 वर्ग  
गज है तथा जो इंडस्ट्रीअल एरिया 'ए०' लुधियाना में स्थित  
है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
मार्च 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति  
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में  
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती कुसुम लता पत्नी श्री कैलाश कुमार  
वासी बी-9.1061, संगलावाला शिवाला रोड,  
लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री बृज रत्न पत्नी श्री मंगल चन्द मारफत मैसर्स  
अगरवाल वूल ट्रेडर्स, चौड़ी सड़क, सुनहरी  
गुरद्वारा, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं वही भर्ष होना, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 4 बी, जिसका क्षेत्रफल 367 वर्ग गज है  
और जो इंडस्ट्रीअल एरिया 'ए' लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना  
के कार्यालय के विलेख संख्या 4351, मार्च, 1978 में  
दर्ज है)

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 1 नवम्बर, 1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एल० डी०एच०/394/77-78—अतः मुझे,  
नरथू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 450 वर्ग गज है तथा  
जो प्लॉट नं० 15-ए०, साराभा नगर, लुधियाना में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्र-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
4—386GI/78

(1) श्री गुरनाम सिंह पुत्र श्री बहादुर सिंह वासी  
38-ई, साराभा नगर, लुधियाना  
(अन्तरक)

(2) श्री ममदूर सिंह पुत्र भगवान सिंह वासी गांव  
नारंगवाल, तहसील, लुधियाना  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 450 वर्ग गज है और जो प्लॉट  
नं० 15-ए०, साराभा नगर, लुधियाना में स्थित है।

(जायदादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना  
के कार्यालय के विलेख संख्या 4396, मार्च, 1978 में दर्ज  
है)।

नरथू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10 नवम्बर, 1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 1 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एल० डी०एच०/403/77-78—अतः मुझे,  
नरथू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद नं० बी०-4-333 है तथा जो  
बाजार साराफा, लुधियाना में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च  
1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उक्त दृश्यमान प्रतिकल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी माय या किसी खन या अन्य भास्तिनों  
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या  
किया जाना चाहिए था, धियान में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
नैं, नैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स हुकमी मल शाम लाल द्वारा श्री हरि चन्द,  
एन०-90 गरीटर कैलाश, नई दिल्ली-48।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रशोत्तम लाल पुत्र श्री अमर नाथ, ऊंची  
गली, कुच्चा शिवदयाल, लुधियाना।

मार्फत मै० पिशीरी लाल अमर नाथ सराफा बाजार  
लुधियाना।

(अन्तरिती)

(3) (1) श्री सन्त राम (2) मैसर्स कृष्ण चन्द  
रत्न चन्द व (3) श्री वेद प्रकाश मारफत दुकान  
नं० बी०-4-333, बाजार साराफा, लुधियाना।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति  
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाकेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० बी०-4-333 का भाग जो बाजार साराफा  
लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना  
के कार्यालय के विलेख संख्या 4450, मार्च, 1978 में दर्ज  
है)।

नरथू राम,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 1 नवम्बर 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निदेश सं० एल०डी०एच०/404/77-78—अतः मुझे, नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० बी०-4-333 का भाग जिसका क्षेत्रफल 43 वर्ग गज है तथा जो बाजार साराफा, लुधियाना में स्थित (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के अधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स हुकमी मल शाम लाल द्वारा श्री पुत्र श्री शाम लाल एन०-90 ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली-48

(अन्तरक)

(2) श्री अमर नाथ पुत्र श्री राम चन्द वासी समराला रोड, मुहल्ला हरबन्स पुरा, लुधियाना मारफत मैसर्स पिशोरी लाल अमर नाथ, साराफा बाजार, लुधियाना

(अन्तरिती)

3. (1) केनहिया लाल ठाकुर, (2) अमृत लाल, (3) मैसर्स कृष्ण चन्द रत्न चन्द, (4) श्री बेद प्रकाश मारफत दुकान नं० बी०-4-333, साराफा बाजार, लुधियाना

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्मा के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्टबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० बी०-4-333 का भाग जिसका क्षेत्रफल 43 वर्ग गज है और जो बाजार साराफा, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 4451, मार्च, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 नवम्बर, 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निदेश सं० एल०डी०एच०/410/77-78—अतः मुझे,

मत्थू राम

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 4-ए० जिसका क्षेत्रफल 517.2/3 वर्ग गज है तथा जो इंडस्ट्रियल एरिया 'ए' लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कैलाश कुमार पुत्र श्री सत प्रकाश, वासी बी-9, 1061 शिवाला संगला बाला रोड, लुधियाना (अन्तरक)

(2) श्री ब्रह्म दत्त पुत्र श्री मंगल चन्द मारफत मैसर्स अग्रवाल बल ट्रेडर्स, चौड़ी सड़क, सुनहरी गुरुद्वारा, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 517.2/3 वर्ग गज है और जो इंडस्ट्रियल एरिया 'ए' लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 4558, मार्च, 1978 में दर्ज है)।

मत्थू राम  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 नवम्बर, 1978  
मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निदेश सं० एल०डी०एच०/69/78-79—अतः मुझे, नत्थू

राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 203.7/9 वर्ग गज है तथा जो तर्फ पिरूबन्दा, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री प्रेम प्रकाश पुत्र श्री हरिराम, मकान नं० बी० 3-369, पुराना बाजार, लुधियाना (अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी राम पुत्र श्री करतार चन्द, मारफत मैसर्स गाइड इलेक्ट्रीकल कम्पनी, सावन बाजार, लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 203.7/9 वर्ग गज है और जो तरफ पिरूबन्दा, तहसील लुधियाना में स्थित है)।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2001, अगस्त, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 नवम्बर, 1978

मोहर :

## प्राक्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निदेश सं० सीएच०डी०/46/78-79—अतः मुझे, नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-50 से अधिक है,

और जिसकी सं० मकान नं० 20, सैक्टर 2-ए०, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती चान्द रानी पत्नी श्री के० सी० धूपा व श्रीमती कृष्णा वती गोपाल पुत्री श्री के० सी० धूपा, वासी 12/26, पंजाब एग्रीकल्चर, यूनिवर्सिटी कैम्पस, लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्री मोहिन्दर सिंह गिल पुत्र श्री अर्जन सिंह गिल 20, सैक्टर 2-ए०, चण्डीगढ़

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान नं० 20, सैक्टर 2-ए०, चण्डीगढ़

(जयिदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 157 मई, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10 नवम्बर 1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 नवम्बर 1978

निदेश सं० बी० जी० आर०/39/77-78—अतः मुझे,

रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० औद्योगिक प्लॉट नं० 78, सैक्टर 6, है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बलबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 78

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० अलाइड इंडस्ट्रीअल सिडीकेट 138, कैनिंग स्ट्रीट, कलकत्ता

(अन्तरक)

(2) मै० बरमैको फैब्रीकेटर्स, 19, इण्डस्ट्रियल एरिया फरीदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मन्त्रि के अज्ञ के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञ के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाप में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

इण्डस्ट्रीअल प्लॉट नं० 78 सहित बिल्डिंग, सैक्टर, 6, फरीदाबाद और जिसका क्षेत्रफल 5000 वर्गगज है।

(सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता बलबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 5502 मास मार्च 78 पर दर्ज है)।

रवीन्द्र कुमार पठानिया

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, रोहतक

तारीख : 7-11-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 नवम्बर 1978

निदेश सं० बी० जी०आर०/41/77-78—अतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० बी० पी० नं० 49, एन० एस०-1 है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बलबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मेंकमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य मास्तिधों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) म० ओरिएण्टल स्टील तथा इंडस्ट्रीज लि०, कलकत्ता, मार्फत श्री आर० के० राजगरिया, डायरेक्टर

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती शकुन्तला देवी, पत्नी श्री मांगे राम,  
(2) श्री सूरज नाथ पुत्र श्री ईश्वर दास  
(3) श्री चन्द पुत्र श्री अमर नाथ निवासी  
एन० आई० टी० फरीदाबाद,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी प्लॉट नं० 49, ए० एस०-1 फरीदाबाद और जिसका क्षेत्रफल 1200 वर्ग गज है।

(सम्पत्ति जैसेकि रजिस्ट्रीकर्ता बलबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 5789 मास मार्च, 78 पर दर्ज है)

रवीन्द्र कुमार पठानिया  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख: 7-11-1978  
मोहर:

प्रकृप धार्ज० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 नवम्बर 1978

निदेश सं० बी० जी० आर०/42/77-78—अतः मुझे,  
रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 249 कनाल 19  
मरले है तथा जो ग्राम कबूलपुर खादर पट्टी महताब में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लबगढ़  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—  
5—386 GI/78

(1) सर्वश्री नारायणदास, अर्जुन देव, युधिष्ठिर लाल  
पुत्रान श्री परमा नन्द निवासी डब्ल्यू-17, राजौरी  
गॉर्डन नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री प्रताप सिंह, मोहिन्द्र सिंह, गजराज सिंह,  
आनन्द सिंह, पुत्रान श्री दाल चन्द निवासी अमीना-  
बाद उर्फ नियाणा (यू० पी०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका रकबा 248 कनाल 19 मरले है और  
जो ग्राम कबूलपुर खादर पट्टी महताब में स्थित है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता बल्लबगढ़ के कार्यालय में  
रजिस्ट्री क्रमांक 5838 मास मार्च, 78 पर  
दर्ज है)।

रवीन्द्र कुमार पठानिया

सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख : 7 नवम्बर, 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, सोनीपत रोड, योहतक

रोहतक, दिनांक 7 नवम्बर 1978

निदेश सं० एल०एच०आर०/1/78-79—अतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि 208 कनाल है तथा जो गांव मोहता तह० लोहारू में स्थित है (और इससे पाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लोहारू में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री नारायण दास पुत्र श्री भोजा राम निवासी राम पुरा टाउन शिप मुख्यारे ग्राम श्री वेद प्रकाश (2) श्रीमती विद्या रानी पुत्री श्रीमती बसन्ती बाई (3) श्रीमती बसन्ती बाई विधावा श्री दीदा राम निवासी गांव मोहता तह० लोहारू, जिला भिवानी

2. सर्वश्री उम्पैद सिंह, मनभर या अन्तराम पुत्रान श्री तोता राम, श्री रणसिंह, श्री धनसिंह व महा सिंह पुत्रान श्री हेतु राम निवासी गांव मड़ान तह० भिवानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 208 कनाल है और जो गांव मोहता तह० लोहारू जिला भिवानी में स्थित है ।

'सम्पत्ति जैसे के रजिस्ट्रेशन नं० 7 में दी है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लोहारू के कार्यालय में अप्रैल, 1978 को लिखी गई'

रवीन्द्र कुमार पठानिया

सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख: 7-11-1978

मोहर:

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 नवम्बर 1978

निदेश सं० टी एच एन/10/78-79:—अतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि 155 कनाल 17 मरला है तथा जो गांव भूना तहिले टोहाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टोहाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1978 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति राम दिप्ती पुत्री श्री हरी राम निवासी गांव भूना तहिले टोहाना जिला हिसार।

(अन्तरक)

2. सर्व श्री राजेन्द्र बजीर सिंह, हरी सिंह, महेन्द्र पुत्रान श्री शेर सिंह, श्री शेर सिंह, रामजी लाल, दलीप सिंह पुत्रान श्री भागीरथ श्री पिरथी सिंह, सतबीर पुत्रान श्री धर्मपाल निवासी गांव बैजल पुर तहिले टोहाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

राज्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 155 कनाल 17 मरला जो गांव भूना तहिले टोहाना जिला हिसार में स्थित है।

"सम्पत्ति जैसे रजिस्ट्रेशन नं० 65 में दी है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी टोहाना के कार्यालय में 17-8-1978 को लिखा गया"।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख : 7-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक  
रोहतक, दिनांक 7 नवम्बर 1978

निदेश सं० रोहतक/दिल्ली/17/78-79:—यतः मुझे,  
रवीन्द्र कुमार पठानिया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान नं० 177-एल० है तथा जो माडल टाउन,  
रोहतक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख मई, 1978  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री राकेश कुमार शर्मा, राजेश कुमार शर्मा पुत्रान  
श्री वलायती राम शर्मा दुबारा मदन लाल सूवन  
निवासी 176-एल०, माडल टाउन, रोहतक।

(अन्तरक)

2. श्री हन्स राज पुत्र श्री शम्बील दास, 44-ईस्ट एवेन्यू,  
पन्जाबी बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 177-एल जो माडल टाउन रोहतक में स्थित  
है।

"सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं० 268 में दी है और जो  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दिल्ली के कार्यालय में मई, 1978  
को लिखी गई"

रवीन्द्र कुमार पठानिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 7 नवम्बर, 1978।  
मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 नवम्बर 1978

निदेश सं० एच० एस० आर०/1/78-79:—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 210 कनाल है तथा जो ग्राम कैमरी, तहसील तथा जिले हिसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किंवा बनाया जा चुका, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सहदेव आर्य, वकील, हिसार, (2) सर्वश्री तिरलोक चन्द, जयदेव, सत्य पाल, आनन्द देव पुत्रान श्री फते चन्द निवासी हिसार।

(अन्तरक)

2. श्री अमर सिंह पुत्र श्री छबील दास निवासी हिसार।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका रकबा 210 कनाल और खेबर नं० 7 मिन व 71 खातूनी नं० 21 व 110-111 और जोकि ग्राम कैमरी, तहसील हिसार में स्थित है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता हिसार के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 302 मास मई, 78 पर दर्ज है)।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 7 नवम्बर, 1978।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 6168:—यतः मुझे, टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 24/सी, है जो धिरी रोड, टी० नगर, मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (डाकूमेंट सं० 273/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिद्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री आर० प्रसाद और वी० रादाकृष्णन ।

(अन्तरक)

2. कुमारी एन० सत्यवती ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और घर—24/सी०, धिरी रोड, टी० नगर, मद्रास-17

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 17 नवम्बर, 1978 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 6178:—यतः मुझे, टी० बी० पी० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 3/16ए० है, जो मौंट रोड, मद्रास-2 (भाग) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिपलिकेन, मद्रास डाकूमेंट नं० 215/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908) (1908 क 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री अडरनीस आफ दि बनिफियरीस आफ लेट डी० डी० ईडालिया ।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री म्यूसी म्यूसिकलस ।

(अन्तरिती)

3. सर्वश्री म्यूसी म्यूसिकलस ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

व्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

**अनुसूची**

भूमि और घर—3/16ए, मौंट रोड, मद्रास-2 (भाग) ।

टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 12 नवम्बर, 1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 6119:—यतः, मुझे, टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 5 और 6 आफ सं० 5, है, जो घीमस् रोड, मद्रास-6 (1/5 भाग) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैदापैट्टे (डाकूमेंट सं० 219/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिनों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. श्री राम मुहोस नायक्कर, 2. राम तिरुनाकवरसु और 3. राम आनंदन और 4. टी० गोविन्दस्वामि ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० जे० वरडन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और घर—प्लॉट सं० 5 और 6, आफ सं० 5, घीमस् रोड, मद्रास-6 ।

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास ।

तारीख : 13 नवम्बर, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 नवम्बर 1978

निदेश सं० 8156:—यतः, सुश्रे, टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 54 और 54 बिस है, जो बारती स्ट्रीट, पांडिचेरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पांडिचेरी (डाकूमेंट सं० 631/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में; मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

6-386GI/78

(1) श्री एम० एस० सरवेस्वरन ।

(अन्तरक)

2. श्री जयप्रकाश और अन्नथन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और घर—54 और 54 बिस बारती स्ट्रीट, पांडिचेरी  
(डाकूमेंट सं० 631/78) ।

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 13 नवम्बर, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 नवम्बर, 1978

निदेश सं० 6164—अतः मुझे टी० वी० जी० कृष्ण-  
मूर्ति,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 3 है जो सीतानमेयिन रोड मद्रास  
34 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
तियाकरायनगर मद्रास (डाकूमेंट सं०-265/78) में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए

धन: अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री एम० एस० महादेवन और महादेवन अशोक  
(अन्तरक)

2 श्री आर० नवाश हुसैन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

भूमि और घर-3, सीतानगर, मेयिन रोड, मद्रास-34 ।  
टी० वी० कृष्णमूर्ति,

सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 13-11-1978  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० 4-119/गोहाटी 78-79/6253-54—अतः  
मुझे राजेन्द्र नाथ बरा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० दाग नं० 569 के० पी० पट्टा नं० 113 है तथा जो गांव जाफरीगंज मोजाबेला तो गोहाटी आसाम में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गोहाटी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-4-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

(1) श्री जिला कान्त शर्मा बरदालई, सैक्रेटरीएट का वित्त विभाग।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स खेमका वायर हाउसिंग कारपोरेशन, विस-पुर गोहाटी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 9 बीघा जो जाफरीगंज मीजा गांव, बेल-तोला गोहाटी, उल्लूबारी के निकट, जी० एस० रोड काम-रूप जिला असम में स्थित है।

राजेन्द्र नाथ बरा,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II शिलांग

तारीख : 26 दिसम्बर 1978

मोहर :

प्रारूप धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए-198/जे आर टी/78-79/6246-48—अतः  
मुझे राजेन्द्र नाथ बरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दाग नं० 579, 574 और 2815 पट्टा नं० 252, 486 और 297 है तथा जो ए० टी० रोड, जोरहाट में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय असम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-5-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री इन्द्राचन्द बोथरा, ए० टी० रोड, जोरहाट ।  
(अन्तरक)

(2) 1. श्री बंशी धर अग्रवाल, ए० टी० रोड, जोरहाट,

(3) श्री प्रेमसुख खेतन, ए० टी० रोड, जोरहाट ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्विस्तारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का माप 3 कट्टा 10 $\frac{1}{2}$  ल० दो तल्ला आर० सी० सी० मकान के साथ जो ए० टी० रोड, जोरहाट में स्थित है ।

राजेन्द्र नाथ बरा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
तारीख : 2-12-1978  
अर्जुन रेंज, शिलांग  
मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन—यतः मुझे, हरी शंकर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० — है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 अप्रैल, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्—

(1) बसन्ती लाल अग्रवाल, ई-168 मस्जिद मठ, निगमर ग्रेटर कैलाश, पार्ट 2, एक्सटेंशन स्कीम, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री राधामोहन अग्रवाल, 632 बिहाउन्ड चान्दी की टकसाल, जयपुर। (अन्तरिती)

(3) श्री बलदेव गोस्वामी, बी-204, बापूनगर, जयपुर (किरायदार)  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं० बी-204, बापूनगर, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रमांक 995 दिनांक 29-4-78 में पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर,  
समक्ष प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 8 नवम्बर, 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन०—यतः मुझे  
हरी शंकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० — है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 अप्रैल, 1978

को पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाप की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

(1) श्री बसन्ती लाल अग्रवाल, ई-168 मस्जिद मठ, नियर ग्रेटर कैलाश पार्क 2 एक्सटेंशन, न्यू दिल्ली-48।  
(अन्तरक)

(2) श्री ओ० पी० गुप्ता, बी-204, राजेन्द्र मार्ग, बापूनगर, जयपुर।  
(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोद्देश्यकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं० बी-204, बापूनगर, जयपुर का हिस्सा जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रमांक 1006 दिनांक 29 अप्रैल, 1978 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 8 नवम्बर, 1978  
मोहर।

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन—यतः मुझे, हरी  
शंकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 4343 है तथा जो जयपुर में स्थित है,  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 8 मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा द्रव्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

मतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

(1) श्री इन्दर चन्द पुत्र खूब चन्द जैन, श्रीसवाल  
निवासी गांधी चौक देहली, वर्तमान में नथमलजी का घेर,  
जयपुर । (अन्तरक)

(2) श्री मोती लाल पुत्र छोट लाल जैन, खजड़ेवालों  
का रास्ता, जयपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 4343 बोकड़ी घाटगेट, रास्ता पुरानी  
कोतवाली, जयपुर के ग्राउन्ड फ्लोर एवं फर्स्ट फ्लोर का  
भाग जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 488 दिनांक  
8 मार्च, 1978 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत  
रूप से विवरणित है ।

हरी शंकर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 8 नवम्बर, 1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन—यतः मुझे, हरी  
शंकर

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4343 है तथा जो जयपुर में स्थित है,  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्मा—

(1) श्री इन्दर चन्द पुत्र खूब चन्द ओसवाल निवासी चांदनी  
चौक देहली वर्तमान में तथमलजी का घेर, जयपुर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती विमला देवी धर्मपति श्री मोती लाल  
रास्ता खंजड़ेवालों का, चांदपोल बाजार, जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 4343 चौकड़ी घाट गेट रास्ता पुरानी कोत-  
वाली का दूसरी एवं तीसरी मंजिल जो उप पंजियक जयपुर  
द्वारा क्रम संख्या 487 दिनांक 8 मार्च, 1978 पर पंजिबद्ध  
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 8 नवम्बर 1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 8 नवम्बर 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन—यतः मुझे, हरी  
शंकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और  
इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 2 मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नरेन्द्र सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह, राजपूत,  
सूरजपोल बाजार, उदयपुर। (अन्तरक)

(2) श्री बाल किशन पुत्र हीरा लाल तेली, तेलीपाड़ा  
उदयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन का अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी धर्म्य व्यक्ति द्वारा धमोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

आवासीय मकान नं० 3 का भाग, सरस्वती मार्ग,  
सूरजपोल के बाहर, उदयपुर जो उप पंजिक, उदयपुर  
द्वारा क्रमांक 401 दिनांक 2 मार्च, 1978 पर पंजिक  
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 8 नवम्बर, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत-सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन—यतः, मुझे, हरी  
शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 31-ए है तथा जो उदयपुर में स्थित है,  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 14 मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित न किया हों गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ  
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धर्मात् :—

1. श्री नरेन्द्र सिंह पुत्र प्रताप सिंह राजपूत, सूरजपोल  
बाजार, उदयपुर (अन्तरक)
2. श्रीमती प्रतिभा रानी पत्नि श्री नरेन्द्र सिंह  
राजपूत निवासी भगवतप्रकाश, सूरजपोल के बाहर,  
उदयपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियः करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

31-ए, सरस्वतीमार्ग, उदयपुर में स्थित दो दुकानें जो  
उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रमांक 488 दिनांक 14 मार्च  
1978 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवर-  
णित है ।

हरी शंकर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 8 नवम्बर, 1978  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एन०—

(1) श्री सुखदेव दास बाहाति । (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्रीमती इन्दुमति पारिक । (अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० ए० सी०-41/अर्जन रेंज-IV/कल०/78-79—अतः, मुझे, एस० के० दासगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 111 है तथा जो ब्लॉक 'सी', बांगुर एवेन्यु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्षातु :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट सं०-111, 'सी' ब्लॉक, बांगुर एवेन्यु, कलकत्ता-53 में स्थित 6 कट्टा 8 छटाक जमीन, साथ अंशान एक मंजिला अंशत दो मंजिला मकान के सब कुछ जैसे के दलिल सं० 1493, दि० 18-3-78 में और पूर्ण रूप से वर्णित है ।

एस० के० दासगुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

54, रफी अहमद किबवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 10-11-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 नवम्बर 1978

निर्देश सं० ए० सी०-42/अर्जन रेंज-IV/कल०/78-79—

अतः, मुझे, एस० के० दासगुप्ता

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो मौजा ओकस, थाना, जोरा बांगलो, जिला दार्जिलिंग में स्थित है (और इससे उपाब्ज अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-3-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. रानी टिकाकुमारी देवी। (अन्तरक)

2. मेसर्स सुमन प्लाइवुड इंडस्ट्रीज लि०। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धावेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

वि ओकस् टि एस्टेट के नाम से परिचित चाये बागिचा, मौजा ओकस परगणा, सोनादा, थाना—जोरा बांगलो, जिला दार्जिलिंग के 423.19 एकड़ जमीन के सब कुछ साथ सब मेस्युजेस, बांगलो तथा अन्य स्ट्रक्चर्स जो सब उस चाये बागिचा के अंश हैं जैसे कि दलिल सं० 1438 दि० 15-3-1978 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

54, रफी अहमद कदवउ रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 15-11-1978

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एल०—

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

60/61 एरंडवना, कर्वे रोड,

अर्जन रेंज, पूना 411004

पूना-411004, दिनांक 9 नवम्बर 1978

निर्देश सं० सी० ए० 5/हवेली-I/जुलाई, 78/373—अतः, मुझे, श्रीमति पी० ललवानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या 6, सी० सं० क्र० 2-बी०, एरंडवना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली-I में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक अन्तः अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथाः—

1. श्री गोविन्द आत्माराम धोपेस्टी वर्कमेन ताँवर ऑफ अटार्नी श्रीमति मालती पी० सुलाखी फर्ग्युसन कालेज रोड, पूना। (अन्तरक)

2. श्री मती देवीदास धर्माधिकारी, 359, सदाशिव पेठ, पूना-30। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन :— प्लॉट क्र० 6, सीटी० सर्वे क्र० 2-बी०, एरंडवना  
क्षेत्रफल : 6616.50 वर्गमीटर

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख क्र० 1815/जुलाई 1978 को सब-रजिस्ट्रार हवेली-I पूना के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमति पी० ललवानी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 9-11-1978

मोहर :

प्रकृप प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

60/61 एंडवना, कर्वे रोड

अर्जन रेंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 9 नवम्बर 1978

निर्देश सं० सी० ए० 5/हवेली-I/जुलाई 78/372—अतः  
मुझे, श्रीमति पी० ललवानी  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे क्र० 34, हिस्सा नं० 1/ए इन हिस्सा नं० 6  
है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय हवेली-I में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 25-7-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चगुण प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बाबासाहेब भाऊसाहेब पवार, 'जयश्री' प्लॉट नं०  
25, 75, अब्दुल गफ्फूरखान रोड, वीरली, बाम्बे-25.

(अन्तरक)

2. श्री संजय वसंतराव ठाकुर 1219, शुक्रवार पेठ,  
पूना-2. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट :—सर्वे नं० 34, हिस्सा नं० 1/ए इन हिस्सा  
नं० 6, भोसले नगर, पुणे कार्पोरेशन नं० 37.

क्षेत्रफल :— 5455 वर्ग फुट

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1489/जुलाई 78  
की सब-रजिस्ट्रार हवेली-I के दफ्तर में लिखा है।)

श्रीमति पी० ललवानी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 9 नवम्बर 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निर्देश सं० सी० ए०-5/हवेली-II/अगस्त-78/374—यतः

मुझे, श्रीमती पी० ललबानी,

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फा० नं० प्लॉट क्र०-343 एंड 344, सब प्लॉट नं० 3 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हवेली-II में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-8-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

1. श्री बी० करमरकर,  
प्लॉट, नं० 17/67, पूने बिल्डिंग,  
नेपियन सी रोड, बाम्बे-6

(अन्तरक)

2. श्री रमेश पुंडलिक सरोदे,  
ब्लाक, नं० 60, बडार हीसिंग सोसायटी,  
शिवाजी नगर, पूना-16

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट : पुणे शिवाजी नगर, टाउन प्लानिंग स्कीम नं०-1  
फायल प्लॉट नं० 343 एंड 344, सब प्लॉट नं० 3

क्षेत्रफल : 505.85 वर्ग मीटर।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1328/अगस्त, 78 को सब रजिस्ट्रार हवेली-II के दफ्तर में लिखा है)

श्रीमती पी० ललबानी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 10-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (2961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन रूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, पटना

पटना, दिनांक 17 नवम्बर 1978

निदेश सं० 111-281/अर्जेंट/78-79—अतः मुझे, एम० एन० तिवारी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है सम्पत्ति, वर का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खाता सं० 860 सकिल नं० 252 है, तथा जो वार्ड नं० 34, थाना नं० 10, पटना म्युनिसिपल कारपोरेशन सालिमपुर डुमरा थाना गरदनीबाग जिला पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-3-78 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बुर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बुर्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मोहम्मद सीराजुल हक खान सुपुत्र स्वर्गीय हाजी अब्दुल सकूर खान  
गांव सालिमपुर डुमरा, थाना गरदनीबाग, जिला पटना (अन्तरक)

2. मैसर्स ओरियन्ट प्लास्टिक इन्डस्ट्रीज,  
केरिंग केनाल रोड, पटना (RF)  
द्वारा श्री शिव कुमार अग्रवाल (पार्टनर)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेंट के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेंट के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

घरारी जमीन जिसका रकबा 6 डीसमल अर्थात् करीब 2 कट्ठा जिसका खाता नम्बर, 60 सकिल, नम्बर, 252, वार्ड नम्बर, 34, थाना नम्बर, 10 जो सालिमपुर डुमरा थाना गरदनीबाग जिला पटना तथा पटना म्युनिसिपल कारपोरेशन के अन्तर्गत है, जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 1755, दिनांक 20-3-78 में वर्णित है और जो जिला अवसर निवेधन पदाधिकारी पटना द्वारा पंजीकृत है।

एम० एन० तिवारी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)  
अर्जेंट रेंज, पटना

तारीख : 17-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रज, बिहार

पटना, दिनांक 17 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 111-282/अर्जन-78-79—अतः मुझे एम०  
एन० तिवारी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० होलिडिंग नं० 185 है, सकिल नं० 27, है  
तथा जो वार्ड नं० 16, प्लॉट नं० 1430, सीट नं० 84, पटना  
म्यूनिसिपल कारपोरेशन एनीवेसेन्ट रोड, पटना 4 में स्थित है  
(और इससे उपबन्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
10-3-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—  
8—386 GI/78

1. श्री अरुण चन्द्र मित्रा, तरुण चन्द्र मित्रा, अरुण चन्द्र मित्रा  
निरूप चन्द्र मित्रा, सुपुत्र स्वर्गीय श्री शरद चन्द्र मित्रा,  
निवासी गोविन्द मित्रा रोड, थाना पीछ होर, जिला  
पटना ।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती सुधा हिन्हा, पति श्री राम नन्दन सहाय  
सिन्हा, वी० एन० दास रोड, पटना ।

(2) श्री रविनन्दन सहाय सुपुत्र श्री रामनन्दन सहाय  
सिन्हा, वी० एम० दास रोड, पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

मकान सहित धरारी जमीन का रकबा 2 कट्ठा, 11 धूर  
और 11 धूरकी जिस का होलिडिंग नम्बर, 185, सकिल नम्बर  
27 वार्ड नम्बर, 16 प्लॉट नम्बर 1430, सीट नम्बर, 86 है  
और जो एनीवेसेन्ट रोड, पटना में स्थित है और जो पूर्ण रूप से  
दस्तावेज संख्या 1543, दिनांक 10-3-1978 में वर्णित है  
और जो जिला अधर निबन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा  
पंजीकृत है ।

एम० एन० तिवारी

सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जुन रज, पटना

तारीख : 17-11-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 17 नवम्बर, 1978

निदेश सं० 111-283/अर्जन/78-79—अतः मुझे एम०  
एन० तिवारी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसका सं० होल्डिंग नं० 184 है, तथा जो सैकिल नं० 27  
वार्ड नं० 16, प्लॉट नं० 1430, सीट नं० 86, पटना म्यु-  
निसिपल कॉर्पोरेशन, एनी वेसेन्ट रोड, पटना में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रार-नर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रारकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अरुण चन्द्र मित्रा, तरुण चन्द्र मित्रा, अरुण चन्द्र मित्रा,  
निरुप चन्द्र मित्रा सुपुत्र स्वर्गीय शरद चन्द्र मित्रा,  
निवासी गोविन्द मित्रा रोड, थाना, पीरबहौर, जिला  
पटना ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री राम नन्दन सहाय सिन्हा,  
सुपुत्र श्री गिरीश चन्द्र सहाय सिन्हा,  
बी० एम० दास रोड, पटना ।

(2) श्री राज नन्दन सहाय  
सुपुत्र श्री राम नन्दन सहाय सिन्हा  
बी० एम० दास रोड, पटना ।

(अन्तरिती)

(3) प्रो० के० पी० अम्बठा,  
पटना कालिज ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है ) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिदा करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

मकान सहित धरारी जमीन का रकबा 3 कट्ठा, 2 धूर,  
और 8 धुरकी जिसका होल्डिंग नम्बर, 184, सैकिल नं० 27  
वार्ड नं० 16 प्लॉट नं० 1430, सीट नं० 85 और जो एनी वेसेन्ट  
रोड, पटना में स्थित है और जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या  
1544, दिनांक 10-3-78 में वर्णित है और जो जिला अवर  
निबन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है ।

एम० एन० तिवारी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 17-11-78

मोहर :

प्रकाश सं० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 17 नवम्बर 1978

निर्देश सं० IIL-284/अर्जुन/78-79—अतः, मुझे, एम० एन० तिवारी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० खाता सं० 369 (नया), 360 (पुराना), खसरा सं० 432 (नया) 917 (पुराना) है, तथा जो बीबीगंज, ब्रह्मपुरा, जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-3-78 को प्रयोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिकाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए --

1. श्री प्रमोद कुमार साह और सुशोभ कुमार साह बल्द श्री प्रयाग जी साह,  
(2) श्री प्रमोदपाल साह बल्द श्री रावोजी साह एवं श्री रामाशोश साह, बल्द श्री रघुनाथ जी साह सा० बीबीगंज, ब्रह्मपुरा, जिला मुजफ्फरपुर।  
(अन्तरक)

2. श्री सलन कुमार झा, बल्द श्री रामुदार झा, सा० हमलोबट्टी, मुजफ्फरपुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्मन्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोदस्तावेजों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के प्रयोग 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रयोग में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 69 जेसीमज है जो साकिन बीबीगंज, ब्रह्मपुरा, मुजफ्फरपुर में स्थित है, जिसका खाता नं० 369 (नया), 360 (पुराना), खसरा नं० 432 (नया), 917 (पुराना) है, तथा जो दस्तावेज, सं० 3068, दिनांक 3-3-78 में पूर्णतया वर्णित है एवं इसका निबन्धन जिला प्रचल निबन्धक, मुजफ्फरपुर में हुआ है।

एम० एन० तिवारी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पटना

तारीख: 17-11-78  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 17 नवम्बर 1978

निर्देश सं० III-285/अर्जन/78-79—अतः, मुझे, एम० एन० तिवारी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी खाता सं० 369 (नया), 360 (पुराना), खसरा सं० 432 (नया) 917 (पुराना) है, तथा जो बीबीगंज, ब्रह्मपुरा, मुजफ्फरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिता (अन्तरिनीति) के बाव में अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से लाया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्तातः—

1. श्री कैलाश बिहारी साह, बल्द श्री रघुनाथजी साह, सा० बीबीगंज, ब्रह्मपुरा, जिला मुजफ्फरपुर।

(अन्तरक)

2. श्री जवाहरलाल झा, बल्द श्री रामदर झा, मोहल्ला हमली चट्टी, मुजफ्फरपुर।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन का रकबा 27 असीमल है जो साकिन बीबीगंज, ब्रह्मपुरा, मुजफ्फरपुर में स्थित है जिसका खाता नं० 369 (नया), 360 (पुराना) खसरा नं० 432 (नया), 917 (पुराना) है, तथा जो दस्तावेज सं० 3069, दिनांक 3-3-78 में पूर्णतया वर्णित है एवं इसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक, मुजफ्फरपुर में हुआ है।

एम० एन० तिवारी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

तारीख: 17-11-78

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बिहारा

पटना, दिनांक 17 नवम्बर 1978

निदेश सं० III-286/अर्जन/78-79—अतः मुझे एम०  
एन० तिवारी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सशप प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये  
से अधिक है  
और जिसकी सं० खाता नं० 59, 68, 60 सकिल नं० 252,  
है, तथा जो वार्ड नं० 34, थाना नं० 10 पटना म्युनिसिपल कारपो-  
रेशन, सालिमपुर डुमरा थाना गरदनीबाग जिला पटना में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-3-78  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
निम्नलिखित व्यक्तियों, के अधीन अर्थात् :—

1. श्री महम्मद गफ्फार खान और बीबी जोवेचदा खानुन  
ग्राम : सालिमपुर, डुमरा, थाना गरदनीबाग, जिला  
पटना ।

(अन्तरक)

2. श्री मैसर्स ओरियन्ट प्लास्टिक इन्डस्ट्रीज,  
बोरिंग केनाल रोड, पटना  
द्वारा विप्रबनाथ अग्रवाल (पार्टनर)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

घरारी जमीन जिसका रकबा 29 डिसमल, अर्थात् करीब  
10 कठ्ठा जिसका खाता नं० 59, 68 और 60, सकिल नं०  
252, वार्ड नंबर 34 थाना नम्बर, 10 जो सालिमपुर डुमरा  
थाना गरदनीबाग, जिला पटना तथा पटना म्युनिसिपल कारपो-  
रेशन के अन्तर्गत है, जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 1753,  
दिनांक 20-3-78 में वर्णित है, और जो जिला अवर निबन्धन  
पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है ।

एम० एन० तिवारी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पटना

तारीख : 17-11-78

मोहर :

प्रमाण आई० टी० ए० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 289घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 17 नवम्बर 1978

निदेश सं० 111-287/अर्जुन/78-79—अतः मुझे एम० एन० तिवारी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० खाता नम्बर 59, 6 एंड 60 है, सर्किल नं० 252, वार्ड नं० 34, थाना नं० 10, पटना, म्युनिसिपल कारपोरेशन सालिमपुर डूमरा थाना गरदनीबाग जिला पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-3-78 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें शरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 289-घ का उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुहम्मद वायजुल, हक और पुत्र मुहम्मद मोखतार खान  
ग्राम : सालिमपुर डूमरा, थाना गरदनीबाग, जिला पटना ।

(अन्तरक)

2. श्री मेसर्स ओरियन्टल प्लास्टिक इन्डस्ट्रीज,  
बोरिंग केनाल रोड, पटना (RF)  
द्वारा निरंजन कुमार अग्रवाल, (पार्टनर)

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घरारी जमीन जिसका रकबा 31 डिसमल, अर्थात् करीब 10 कट्ठा जो खाता नंबर 59, 6 और 60, सर्किल नम्बर 252, वार्ड नं० 34, थाना नम्बर 10 जो सालिमपुर डूमरा थाना गरदनीबाग, जिला पटना तथा पटना म्युनिसिपल कारपोरेशन में स्थित है और पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 1754, दिनांक 20-3-78 में वर्णित है, और जो जिला अवर निर्बन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है ।

एम० एन० तिवारी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पटना

तारीख: 17-11-78

मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 18 नवम्बर 1978

निदेश सं० III-288/अर्जन/78-79—यतः मुझे एम०

एन० तिवारी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित, बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मौजा नं० 253, प्लॉट नं० 13, खाता नं० 3 है, तथा जो चिरकुण्डा रोड, धनबाद में स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. डा० रणेन्द्र भूषण घोष सुपुत्र स्वर्गीय श्री सुरपति घोष आकखाना/पुलिस स्टेशन चौरकुण्डा, जिला धनबाद ।  
(अन्तरक)

2. श्री मंजीत सिंह चिमनी सुपुत्र स्वर्गीय महेन्द्र सिंह द्वारा लक्ष्मी टाकीज, आकखाना/पुलिस स्टेशन चौरकुण्डा, जिला धनबाद ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

घरारी जमीन का रकबा, दो मंजिला मकान के साथ 11 कट्ठा, जिसका मौजा नम्बर, 253, खाता नम्बर, 3 प्लॉट नं० 13 जो चिरकुण्डा, जिला धनबाद में स्थित है और जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 2594, दिनांक 13-3-78 में वर्णित है और जो जिजा अवर निबन्धन पदाधिकारी धनबाद के द्वारा पंजीकृत है ।

एम० एन० तिवारी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पटना

तारीख 18-11-78  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निदेश सं० 39 ए/मिरड/7879—अतः मुझे विजय भार्गव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सं० सूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-3-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में वसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिनियम प्रकाशित करता हूँ :—

1. श्री मोहम्मद रदरीश पुत्र बुद्धू एवं अन्य ।

(अन्तरक)

2. श्री महेन्द्र, किरन सत्यवीर पुत्रगण श्री बार्हिसह निवासी कुकरा परगना, एवं तहसील मुजफ्फर नगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम कुकरा परगना एवं तहसील मुजफ्फर नगर, 66,000 के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

विजय भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
[सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)]  
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-11-78

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 1060/मु० नगर/78-79—अतः मुझे विजय

भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुढाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—:

9—386 GI/78

1. श्री मोफिजुद्दीन शम्मा शाहजादा फिरोजुद्दीन पुत्रगण  
मौजी जाट, निवासी कल्यानपुर, शिकारपुर,  
मुजफ्फर नगर।

(अन्तरक)

2. श्री यशपाल, प्रीतम सिंह, पुत्रगण श्री मुजान सिंह  
एवं अन्य

नि० ग्राम : कल्यानपुर, शिकारपुर, मु० नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम कल्यानपुर, शिकारपुर जिला  
मु० नगर 74900 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

विजय भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-11-78

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

मास्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 4 नवम्बर 1978

निवेदन सं० 191 ए/कानपुर/78-79—अतः मुझे विजय भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-3-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल न लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कलावती, विधवा, स्वर्गीय विश्राम सिंह निवासी ग्राम अराजी ईशपुर, विल्हार, कानपुर।  
(अन्तरक)

2. श्री जोगन्द सिंह, जालेन्द्र सिंह एवं अन्य निवासी उक्त।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ईशपुर विल्लौर कानपुर 80,000 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

विजय भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-11-78  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 989/हाथरस/78-79—अतः मुझे विजय भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हाथरस (अलीगढ़) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री बाबूलाल पुत्र भगवान दास, राजेन्द्र शिशुपाल, प्रेमचन्द, पुत्रगण, भगवान दास निवासी गली छगन, हाथरस, अलीगढ़ ।

(अन्तरक)

2. श्री नेसीराम, जवाहर सिंह, रमन सिंह, हरी सिंह, कन्हैया, रघुबीर सिंह पुत्र हेतराम, ओंकार सिंह निवासी तालगढ़ी, हाथरस, अलीगढ़ ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि 2 में है ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित हाथरस, तहसील ब जिला अलीगढ़, 43000 रु० में बेची गयी ।

विजय भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-11-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 189/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है,  
और जिसकी सं० 9/85 है, जो पलीपट, रास्ता, नगरी में स्थित  
है (और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय नागरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 1-3-78  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती कुवेरी अम्बानाशमल पती तनगवेलु मडाली  
यलीयाहू रास्ता, नागरी पोस्ट पुतुर-तालुक  
धीतुर जिला ।

(अन्तरक)

2. श्री बरी बकतावधेलम नायडू, पिता आवेजी नायडू  
तलारी गली, नागरी पोस्ट पुतुर तालुक, धीलुर जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम  
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धर नं० 9/85 पलीपट, नागरी रास्ता पुतुर तालुक धीरपुर  
जिला रजिस्ट्री दस्तावेज, नं० 183-78 उप रजिस्ट्री कार्यालय  
नागरी में ।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-11-78

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 190/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-7-612 है, जो कलीलवाड़ी में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैजामाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-3-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पुरनलाल पिता देशराज, कलीलवाड़ी, नैजामाबाद (अन्तरक)

2. श्री गोपी रमण पिता गोपी मनगदर, गुरबाबादी, नैजामाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 5-7-612 कलीलवाड़ी, नैजामाबाद रजिस्ट्रीदास्ता वेज नं० 661/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद में ।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-11-78

मोहर ।

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निदेश सं० 191/78-79—यतः मुझ के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 7-1-39/6, है, जो पीरधीकमपौनड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैजामाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-3-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमा कराने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मती रत्नादेवी पति श्री गंगारेडी,  
1-9-837, मोहन दाकीस, चौरास्ता,  
नैजामाबाद ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सावित्री देवी पती दीनगरमल बालाजी  
बाबूलाल के धार नेहरूपार्क, नैजामाबाद ।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कुल जमीन धर नं० 7-1-39/6 मीरबी कमपौनड  
नैजामाबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 940/78 उप रजिस्ट्री  
कार्यालय, नैजामाबाद

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-11-1978  
मोहर :

प्रकरण छह—टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० ने०-192/78-79—यतः मुझे, (के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 18-7-24 है, जो कोयेल गली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धीतुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-3-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पञ्चम प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या धन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बी० पी० शालाशम्मा पिता वीरास्वामी नायडु गुरप्पा नायडु गली धीतुर। (अन्तरक)

2. (1) श्री पी० गदाक्रीशण्णा धोटी

(2) श्री बी० सत्यानारायण धोटी

(3) श्री पी० पानडु सगय्याधोटी तमाम लोग शान्द्रा टामवर कमपली के पार्टनर है (अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी धीतुर

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोद्देशाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर का आधा भाग नं० 18-7-24 पीनयमन कोयेल गली में धीतुर-धीतुर रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1316/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय धीतुर में।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० 193/78-79—यतः; मुझे, के० एस० वेंकट

रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० शाप 3-4-500 है, जो बरकतपुरा; हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्रीमती ई० इन्दिरा देवी पत्नी स्वर्गीय ई० रामचन्द्रा रेडी; 3-4-500 बरकतपुरा; हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० अनंत रेड्डी वकील एच नं० 3-4-500 बरकतपुरा; हैदराबाद; (एल० आई० जी० एच० 8/4 आर० टी०) बरकतपुरा हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो जो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पांच शॉपस और सीढ़ियों का एक कमरा—150 वर्ग यार्ड घर नं० 3-4-500 (8/4 आर० टी०) बरकतपुरा; हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1105/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० 194/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट  
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी खुली जमीन सर्वे नं० 59 है, जो करीमनगर मार्केट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करीमनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—  
10—386GI/78

1. (1) श्री वी० नरसीमलु (2) श्री जीवनरेड्डी, पिता  
मल्लारेड्डी, करीमनगर । (अन्तरक)

2. मंगीलाल मनदादा, पिता सीताराम, करीमनगर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

खुली जमीन जिसका वीस्तार एक एकड़ 37 गुन्टास 52 वर्ग याई सर्वे नं० 59 में है, जीराजी मार्केट करीमनगर—  
करीमनगर में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 954/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय करीमनगर में ।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-11-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० 195/78-79—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इममें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 82/बी है, जो यादव गली, तीरुपती में स्थित  
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तीरुपती में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पञ्चम प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या दिया  
जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुदुपुता राधाश्रीरामय्या—करुनाला गली, तीरुपती।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती एम० धनयागयम पत्नी श्री कुपय्या तीरुपती

(2) बी० बालरामय्या पुत्र धरमय्या चित्तूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त आशेष सम्पत्ति में निम्नलिखित  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोऽस्ताक्षरी के मास  
लिखित में दिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

## अनुसूची

धर नं० 82-बी, यादव गली, तीरुपती रजिस्ट्री दस्तावेज  
नं० 599/78, उपरजिस्ट्री कार्यालय तीरुपती में।

के० एस० वेंकट रामन

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० 196/78-79—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 22-5-131 से-138 है, जो गुलजार हाउस,  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आजम-  
पुरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(न) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री रामकुंवर (2) श्री वीशवानंद, घर नं०  
21-2-540/1 उर्दुशरीफ, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती सनतीश बाई (2) श्रीमती विमला बाई  
(3) श्री विमल गुप्ता (4) श्रीमती कुसमलता —तमाम  
रहते हैं 21-2-429 मीटीकाशे रचारकमान, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

घर नं० 22-5-131 से 138 पटेलगली, गुलजार हाउस  
के पास हैदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 877/78 उप-रजिस्ट्री  
कार्यालय, आजमपुरा, हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-11-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० नं० 197/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 6 है, जो रेड हीलस नामपली  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैंताबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 30-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से हथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अप्रतिभों, अर्थात् :—

1. श्री ए० बी० प्रभाकर शास्त्री घर नं० 7-1-212/3  
सनजीव रेड्डी नगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमति केसर सतार पति एम० ए० सतार  
(2) श्रीमती मलेका अजीज पुत्री एम० ए० अजीज  
11-6-852 रेड्डी हीलस हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 6 घर नं० 11-5-152/6/ए० के० बाजुमें है  
रेड हीलस नामपली हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं०  
786/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैंताबाद हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-11-1978

मोहर :



प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० नं० 198/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मन्त्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो 5-8-510 मुकरबजंग गली में स्थित है (और इस उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) युनीवरसल कोऑपरेटिव हाऊस कनस्ट्रक्शन सोसाइटी लिमिटेड सचिव द्वारा श्री गीरी राज 5-3-1053 उस्मानगंज हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश प्रसाद घर नं० 21-2-293। धानसी बाजार हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन म्युनीसिपल नं० 5-8-510 मुकरबजंग गली हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 635/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-11-1978।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० तं० 199/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 5-7-287 है, जो आगापुरा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती शेरबानु पत्नी श्री अहमद अली घर नं० 5-7-28 7 आगापुरा हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री सैयद तकमीदीन (2) श्री सैयद रजीईद्दीन दोनों के नीगरानीकार उनके पिता श्री सैयद गीयासुद्दीन है घर नं० 5-7-28 7 आगापुरा हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसंधी

घर नं० 5-7-287 आगापुरा हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1115/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-11-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर, 1978

सं० नं० 200/78-79—यतः मुझे के० एम० वेंकट  
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 5-4-448/1 है, जो मामपली  
स्टेशन रास्ता हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1909 का 16) के अधीन, मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री महमद ऊमर पिता महमद सीदीकी घर नं०  
220/2 सीबाजीनगर चेलगड़-महाराष्ट्र
- (2) श्री महमद उसमान पीता सीदीकी 220/2 शिवा  
नगर जेलमाउ—महाराष्ट्र।

(अन्तरक)

2. श्री सी० राम कृष्ण पुत्र स्वर्गीये सी० कीनडप्पा  
10-2-385/8 बीजयनगर कालोनी हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

घर नं० 5-4-448/9 मलगी और खुली जमीन नामपली  
स्टेशन रास्ता हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 783/78  
उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एम० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-11-1978

मोहर:

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 201/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 4-7-2-936 में है, जो हीसमगनज सिक्कीन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिक्कीन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्रीप्रोददुरी इन्द्र प्रकाश

(2) श्री प्रोददुरी लक्ष्मम्मा घर नं० 7-1-777 पुरान जेल गली सिकन्द्राबाद।

(अन्तरक)

2. श्री द्वारका दास पुनेरीया घर नं० 7-2-936 हीसमगनज सिक्कीन्द्राबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मलगी नं० 4 घर नं० 7-2-9376 हीसमगनज सिक्कीन्द्राबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 596/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय सिक्कीन्द्राबाद में।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-11-1978।

भोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हदराबाद

हदराबाद, दिनांक 15 नवम्बर, 1978

निदेश सं० नं० 202/78-79--यतः मुझे, के० एस० वेंकट  
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 5-घर नं० 7-2-937 हीसमगनज  
सीकीन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सीकीन्द्रा-  
बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 (1908 का  
16) के अधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--  
11-386 GI/78

1. (1) श्री प्रोदटुरी इन्द्र प्रकाश

(2) श्री०-सक्षमम्पा घर नं० 7-1-777 । जेल गली  
सीकीन्द्राबाद ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री अमरनाथ पुनेरीया

(2) श्री कदारनाथ पुनेरीया घर नं० 7-2-936 । हीसम-  
नज--सीकीन्द्राबाद ।

(अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीती/कुमारी

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मलगी नं० 5 घर नं० 7-2-937 हीसमगनज सीकीन्द्राबाद  
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 608/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय  
सीकीन्द्राबाद में ।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हदराबाद ।

तारीख: 15-11-78

मोहर:

प्रारूप आर्डी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० नं० 203/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट

रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 333 है, जो चन्द्रालोक  
कामपलक्स में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सीकीन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मसर्स स्वास्तीक कन्स्ट्रक्शन कम्पनी 111-एस० डी०  
रास्ता सीकीन्द्राबाद।

(अन्तरक)

2. श्री के० एल० एन० रड्डी

(2) श्री के० बी० रमेश रड्डी 3:6-200 हीमायत नगर  
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

कार्यालय नं० 333 तीसरा मंजिला पर चन्द्रालोक कामपलक्स  
111-सरोजनी देवी रास्ता सीकीन्द्राबाद दस्तावेज नं० 828/78  
उपरजिस्ट्री कार्यालय सीकीन्द्राबाद में।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-11-78

मोहर :

## प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 नवम्बर 1978

निदेश सं० 204/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 8-2-337 है, जो बनजाराहिल्स हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रशस्तः—

1. श्रीमती उमिला देवी पत्नी श्री शामसुन्दर रङ्गी

(2) श्री जी० समपत कुमार रङ्गी घर नं० 16-ए वलबदास बालाक नामपली हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री बीला रङ्गी कुमार कोटी रङ्गी पिता वनकटेश्वर रङ्गी गनपावरमगळ मलारम बीजयावाड़ा—कृष्ण जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन नं० 8-2-337 वेस्टर्न 1126 मीटर बनजारा हिल्स हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 755/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-11-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

नि० सं० 205/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट  
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 32 चन्द्रलोक कम्पलेक्स में स्थित है  
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सीकन्दाबाद में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
मार्च 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
की, जिन्हें भारतीय, आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में  
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती उशाकुमारी पत्नी के० कनकराजू जीलीमटला  
सीकन्दाबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्री एन० सत्यानारायणा

(2) श्री सी० एच० सत्यानारायणा घर नं० 32  
चन्द्रलोक कम्पलेक्स सीकन्दाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 32 चन्द्रलोक कम्पलेक्स ऊस घर नं०  
111 सरोजीनी देवी रास्ता, सीकन्दाबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं०  
758/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सीकन्दाबाद में।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-11-78

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1978

नि० सं० 227/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट-  
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 37-बी है, जो राजाबाग आशोक नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-3-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर, अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

(1) श्री पी० बी० अननदराउ रायादुर्ग जी० पी० ए०  
श्री पी० बी० चलोपती राउ घर नं० 25-बी आनंदा  
बेनक कालोनी मलकपेट हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री नालनी चोक्रवर्तुला बेनकटा रंगचारी घर  
1-10-212 अशोकनगर हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों, पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट की जमीन नं० 37-बी-सर्वे नं० 776 राजाबाग  
अशोकनगर हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 693/78 उप  
रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18-11-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1978

सं० नं० 228/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 48 है, जो गगनमहल हैदराबाद में स्थित है, (और इससे उपायवत् अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, धब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरा राजा गोपाला रेड्डी घर नं० 2-8-289/22 शान्तीनगर हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री यू० ग्रीगरी रेड्डी पुत्र स्वर्गीय जोगी रेड्डी 3-5-899 हीमायत नगर हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 48 बीस्टन 385 वर्ग यार्ड सर्वे नं० 186 का पार्ट है दायरा गांव गगन महल हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1110/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18-11-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1978

सं० 229/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० पार्स 4-1-587 और 588 है जो तुरूप बजार हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री एम० ए० रशीद-खान

(2) श्री प्रेम चन्द जीशानन्द

(3) श्री हरदासमल भोक्लदास रोचलानी एस० नं० 1 और 2, एस० नं० 3 रखवाले है घर नं० 19 बैंक गली बम्बई-1

(अन्तरक)

2. (1) श्री सैयद महमद पाशा कादरी 21-4-201 हुसैन आलम हैदराबाद

(2) श्री एम० ए० वहीद

(3) श्री वीजय सिंह, 5-4-631-कटलमनडी हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 4-1-587 का भाग है तुरूप बजार हैदराबाद में बीस्टन 369 बर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 674/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-11-78

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1978

सं० 230/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भाग 4-1-587 और 588 है, जो तुरूप बजार हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री एम० ए० रशीद खान

(2) श्री प्रेम चन्द जैठानंद

(3) श्री हरदासमल गोकल दास रोचलाणी सीर्यल नं० 1 और 2 सीर्यल नं० 3 रखवाला है घर नं० 19-बैंक गली बम्बई-1।

(अन्तरक)

2. (1) श्री सैयद महमद पाशा कादरी 21-4-201 हैदराबाद

(2) श्री एम० ए० वहीद 3-5-782/62 हैदराबाद

(3) विजय सिंह, 5-4-631 नामपल्ली हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर का नं० 4-1-587 और 588 का भाग है तुरूप बजार हैदराबाद बीस्टन 327 वर्ग याडें है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 675/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-11-78।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1978

सं० 231/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 4-1-587 और 588 का पार्टे है, जो तुरूप बजार हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायग्रन्थसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

12-386GI78

1. (1) श्री एस० ए० रशीद खान
- (2) श्री प्रेम चन्द जैठानं
- (3) श्री हरदास मल गोकल दास रोचलानी सी० नं० 1 और 2 सी० नं० 3 रखवाले हैं, घर नं० 19 बैक का गली बम्बई-11

(अन्तरक)

2. (1) श्री सैयद महमूद पाशा कादरी 21-4-201, हैदराबाद ।

- (2) श्री एस० ए० वहीद 3-5-782/62 कीनगकोटी हैदराबाद ।

- (3) श्री विजय सिंह, 5-4-831 कटलमन्डी हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 4-1-587 और 588 का भाग है तुरूप बजार हैदराबाद वीस्टन 314 बर्ग याडें रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 676/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

के० एस० वेंकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रंज, हैदराबाद

तारीख: 18-11-78

मोहुर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1978

सं० 232/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० भाग 4-1-587 और 588 है जो रूप बजार  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1978 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिन्तलिखित  
उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने  
या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्त्ता :-

1. (1) श्री एम० ए० रशीदखान
- (2) श्री प्रेम चन्द जैठानन्द
- (3) श्री हरदास मल गोकल दास रोचलानी सी० नं० 1  
और 2, सी० नं० 3 रखवाले हैं घर नं० 19-  
बैंक गली बम्बई-1।

(अन्तरक)

2. (1) श्री सैयद महमद पाशा कादरी 21-4-201  
हैदराबाद।
- (2) श्री एम० ए० वहीद 3-5-782/62 कीनगाटी  
हैदराबाद।
- (3) श्री बिजय सिंह 5-4-631 कटलमन्डी हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 4-1-587 और 588 का भाग है—रूप बजार  
हैदराबाद विस्तृत 239.00 वर्ग याडें रजिस्ट्री दस्तावेज नं०  
677/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18-11-78  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

नि० सं० आई० ए० सी० एम्बु०/III/12-78/321—

यतः मुझे, डि० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 44-बी है, तथा जो शंकर गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-3-1978 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिती) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सावित्री देवी, विधवा पत्नी श्री मेहता मोती राम, निवासी 5/1-बी०, रूप नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरचरण सिंह, सुपुत्र श्री दर्शन सिंह, तथा श्री मोहिन्द्र पाल सिंह, सुपुत्र श्री दर्शन सिंह, निवासी बी-44, शंकर गार्डन, दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फीहोल्ड प्लॉट जिसका नं० 44, ब्लॉक नं० 'बी' है और क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है, शंकर गार्डन, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० बी-45  
पश्चिम : प्लॉट नं० बी-43  
उत्तर : 15/लेन  
दक्षिण : 16/रोड़

डी० पी० गोयल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज III, दिल्ली नई दिल्ली-1.

तारीख : 14-12-1978.

मोहर :

## संघ लोक सेवा आयोग

## नोटिस

## सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा—मई 1979

नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1978

सं० फा० 8/9/78-प०-I(ख)—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निम्नांकित पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु 1 मई, 1979 से एक सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा आयोजित की जाएगी :—

पाठ्यक्रम का नाम	रिक्तियों की संभावित सं०
भारतीय सेना भकादमी, बेहराबून (जनवरी, 1980 में प्रारम्भ होने वाला 68वां पाठ्यक्रम)	120 [एन० सी० सी० 'ग' प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध) प्राप्त उम्मीदवारों के लिये भारक्षित 32 रिक्तियां सम्मिलित हैं]
नौ सेना भकादमी, कोचीन (जनवरी, 1980 में प्रारम्भ होने वाला पाठ्यक्रम)	80
अधिकारी प्रशिक्षणशाला, मद्रास (मई, 1980 में प्रारम्भ होने वाला 31वां पाठ्यक्रम)	180

**नोट I—**एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध) प्रमाण-पत्र प्राप्त उम्मीदवार नौसेना भकादमी तथा अल्पकालिक सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) पाठ्यक्रमों की रिक्तियों के लिये भी प्रतियोगिता में बैठ सकते हैं। चूंकि अभी तक उनके लिये इन पाठ्यक्रमों में कोई भारक्षण नहीं है, अतः इन पाठ्यक्रमों में रिक्तियों को भरने के लिये उन्हें सामान्य उम्मीदवारों की तरह समझा जाएगा। जिन उम्मीदवारों को अभी भी एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध) परीक्षा अभी उत्तीर्ण करना है, किन्तु अथवा वे भारक्षित रिक्तियों के लिये प्रतियोगिता में बैठने के पात्र हों, तो वे भी आवेदन कर सकते हैं, किन्तु उन्हें एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध) परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा, जो कि आयोग के कार्यालय में 31 दिसम्बर, 1979 तक पहुंच जाए।

**नोट II—**भारतीय सेना भकादमी पाठ्यक्रमों में भारक्षित रिक्तियों को भरने के लिये परीक्षा परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्र प्राप्त उम्मीदवारों के पर्याप्त संख्या में न मिलने के कारण न भरी गई भारक्षित रिक्तियों को भारक्षित समझा जाएगा और उन्हें सामान्य उम्मीदवारों से भरा जाएगा।

आयोग द्वारा आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिये आयोजित शैक्षिक और व्यक्तिगत परीक्षण के परिणाम के आधार पर उपर्युक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। (क) परीक्षा की योजना, स्तर और पाठ्यचर्या (ख) भकादमी/शाला में प्रवेश हेतु शारीरिक क्षमता-स्तर तथा (ग) भारतीय सेना भकादमी, नौ सेना भकादमी और अधिकारी प्रशिक्षण शाला में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों की सेवा आदि की संक्षिप्त सूचना के संबंध में क्रमशः परिशिष्ट I, II और III में विस्तार से समझाया गया है।

**नोट:** परीक्षा के समस्त विषयों के प्रश्न पत्रों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे। तमूने के प्रश्नों सहित विस्तृत विवरण कृपया परिशिष्ट V पर "उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका" में देखिए।

2. परीक्षा के केन्द्र : महमबाबाद, इलाहाबाद, बगलौर, भोपाल, बंबई, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोचीन, कटक, विल्ली, विसपुर, (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, सखनऊ, जम्मू, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटियाला, पटना, शिलांग, शिमला, श्रीनगर और त्रिवेन्द्रम।

## 3. पात्रता की शर्तें :

## (क) राष्ट्रिकता :

उम्मीदवार या तो

- भारत का नागरिक हो या
- भूटान की प्रजा हो या
- नेपाल की प्रजा हो या
- तिब्बती शरणार्थी जो स्थाई रूप से भारत में रहने के इरादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले आ गया हो, या
- भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थाई रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, और पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कीन्या, उगांडा तथा तंजानिया का संयुक्त गणराज्य या आम्बिया, मलावी, जेरे तथा इथियोपिया और बियतनाम से प्रजनन कर आया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (iii), (iv) और (v) के अंतर्गत आने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो।

पर नेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिये यह पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक नहीं होगा।

जिस उम्मीदवार के लिये यह पात्रता-प्रमाण-पत्र आवश्यक होगा, उसको इस शर्त पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है और भकादमी या शाला में भी, जैसी भी स्थिति हो, प्रवेश दिया जा सकता है कि बाद में भारत सरकार द्वारा वह उक्त प्रमाण-पत्र प्राप्त करे।

## (ख) आयु-सीमाएं, स्त्री या पुरुष या वैवाहिक स्थिति :—

- भा० से० भकादमी और नौ सेना भकादमी के लिये : केवल अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पात्र हैं जिनका जन्म 2 जनवरी, 1958 से पहले और 1 जनवरी, 1961 के बाद न हुआ हो।
- अधिकारी प्रशिक्षण शाला के लिये : केवल वही पुरुष उम्मीदवार (विवाहित या अविवाहित) पात्र हैं जिनका जन्म 2 जनवरी, 1957 से पहले और 1 जनवरी, 1961 के बाद न हुआ हो।

**नोट :** जन्म की तारीख केवल वही मान्य होगी जो मैट्रिकुलेशन/हायर सेकेंडरी या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में लिखी गई हो।

(ग) शैक्षिक योग्यताएं :—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समकक्ष। जो उम्मीदवार अभी डिग्री परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं परन्तु, उनकी डिग्री परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण नीचे की तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंचाना होगा अन्यथा उनकी उम्मीदवारी रद्द मानी जाएगी।

- भा० से० भकादमी और नौ सेना भकादमी में प्रवेश के लिये—31 दिसम्बर, 1979 को या उससे पहले।
- अधिकारी प्रशिक्षण शाला में प्रवेश के लिये —4 अप्रैल, 1980 को या उससे पहले।

जिन उम्मीदवारों के पास व्यावसायिक और तकनीकी योग्यताएं हों, जो सरकार द्वारा व्यावसायिक और तकनीकी डिग्री के समकक्ष मान्यताप्राप्त हों, वे भी परीक्षा में प्रवेश के लिये पात्र होंगे।



अपवाद की परिस्थितियों में, आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को इस नियम में निर्धारित योग्यताओं में से किसी से युक्त न होने पर भी, शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है जिसके पास ऐसी योग्यताएं हों जिनका स्तर, आयोग के विचार से, इस परीक्षा में प्रवेश पाने योग्य हो।

**नोट I**—ऐसे उम्मीदवार, जिन्हें द्वितीय परीक्षा में अग्रणी अर्हता प्राप्त करनी है और जिनको संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी है, उन्हें नोट कर लेना चाहिए कि उनको भी गई यह विशेष छूट है। उन्हें द्वितीय परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत करना है और बुनियादी अर्हक विश्वविद्यालय परीक्षा के देर से आयोजित किये जाने, परिणाम की घोषणा में विलम्ब या अन्य किसी कारण से इस तारीख को और आगे बढ़ाने से संबंध किसी भी अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों को नहीं दिया जाएगा।

**नोट II**—जो उम्मीदवार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी प्रकार के कमिशन से अलग हैं, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे। अगर प्रवेश दिया गया तो उनकी उम्मीदवारी रद्द की जायेगी।

**नोट III**—विशेष सेवा अनाश्रितों को छोड़कर बाकी अनाश्रित नाबिक (जिनमें किशोर और कारीगर, प्रशिक्षु सम्मिलित हैं), जिनको अपने नियत कार्य पूरे करने में छह महीने से कम समय बाकी है, इस परीक्षा में बैठने के पात्र नहीं होंगे। जिन विशेष सेवा अनाश्रितों को अपने नियत कार्य पूरे करने में छह महीने से कम समय बाकी है, उनके आवेदन पत्र तभी लिये जाएंगे जब वे उनके कमांडिंग अफसरों के द्वारा विधिवत् अनुमति हों।

4. आवेदन के साथ देय शुल्क: ₹० 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के लिये ₹० 7.00)। जिन आवेदन पदों के साथ यह निर्धारित शुल्क नहीं भेजा जाएगा, उनको एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा।

5. शुल्क से छूट: आयोग, यदि चाहे तो, निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब उनको इस बात का आश्वासन हो कि आवेदक भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 और 25-3-1971 के बीच की अवधि में भारत में प्रजनन कर आया है या वह बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रजनन कर आया है या वह श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूलतः व्यक्ति है जो अक्टूबर 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अंतर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

6. आवेदन कैसे किया जाए: केवल सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा में, 1979 के लिये निर्धारित पत्र में छपे हुए आवेदन-पत्र ही लिये जाएंगे जो इस परीक्षा के नोटिस के साथ लगे हुए हैं। आवेदन पत्र भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धोलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाने चाहिए। आवेदन प्रपत्र और परीक्षा के पूरे विवरण निर्माकित स्थानों से प्राप्त किये जा सकते हैं:—

- दो रुपये का मनीआर्डर या संघ लोक सेवा आयोग के सचिव को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित, भारतीय पोस्टल आर्डर भेजकर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धोलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के यहाँ से डाक द्वारा।
- दो रुपये नकद देकर आयोग के कार्यालय के काउंटर पर।
- निकटतम भर्ती कार्यालय, मिलिटरी एरिया/सब-एरिया मुख्यालय, एन० सी० सी० एकक तथा भी सेना प्रतिष्ठानों के यहाँ से निःशुल्क।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, जिनमें सशस्त्र सेना में सेवारत कर्मचारी भी शामिल हैं, या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उपक्रमों या इसी प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, आयोग को सीधे आवेदन-पत्र भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुँच जाए तो उस आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, मले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में, जिसमें सशस्त्र सेना भी शामिल है, स्थाई या अस्थायी हैसियत से काम कर रहे हों या किसी काम के लिये विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हों जिनमें आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं है, उनको इस परीक्षा में अंतिम रूप में प्रवेश पाने के पहले अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष या कमांडिंग अफसर की अनुमति प्राप्त करनी चाहिए। उनको चाहिए कि वे अपने आवेदन-पत्र को उसके अंत में संलग्न प्रमाण-पत्र की दो प्रतियाँ निकालकर, आयोग में सीधे भेज दें और प्रमाण पत्र की उन प्रतियों को तत्काल अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष या कमांडिंग अफसर को इस अनुरोध के साथ प्रस्तुत करें कि उक्त प्रमाण पत्र की एक प्रति विधिवत् भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली को जल्दी से जल्दी और किसी भी हालत में प्रमाण-पत्र की फार्मों में निर्दिष्ट तारीख से पहले भेज दी जाए।

#### 7. आयोग के कार्यालय में आवेदन की प्राप्ति की अंतिम तारीख—

- भारत में रहने वाले उम्मीदवारों से 12 फरवरी, 1979।
- विदेश में या अंडमान निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों से 26 फरवरी, 1979।

#### 8. प्रवेश जो आवेदन के साथ भेजे जाएँ।

##### (क) सभी उम्मीदवारों द्वारा:

- ₹० 28.00 (अनुसूचित जातियों/जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए ₹० 7.00) का शुल्क जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर के रूप में हो या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किये गये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहाँ के भारत के उच्चप्रायुक्त या राजदूत या विदेशी प्रति-निधि के कार्यालय में निर्धारित शुल्क जमा करें जिससे वह "051 लोक सेवा आयोग-परीक्षा शुल्क" के खाते में जमा हो जाए और उसकी रसीद आवेदन-पत्र के साथ भेज दें।

- उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियाँ जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत् अंकित हों।

##### (ख) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों द्वारा—

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के होने के दावे के समर्थन में, जहाँ उम्मीदवार या उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर पर रहते हों, उस जिले के (किसी प्रमाण-पत्र के नीचे उल्लिखित) सक्षम प्राधिकारी से परिशिष्ट IV में दिये गये प्रपत्र में लिये गये प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

##### (ग) शुल्क से छूट चाहने वाले उम्मीदवारों के द्वारा:—

- किसी जिला अधिकारी या राजपत्रित अधिकारी या संसद या राज्य विधान मंडल के सदस्य से लिये गये प्रमाण पत्र की

अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

- (ii) वस्तुतः विस्थापित/प्रत्यावर्तित व्यक्ति होने के बावजूद के समर्थन में निम्नलिखित प्राधिकारियों से लिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि:

(क) भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति

- (i) बंकिमपर्य परियोजना के ट्रेजिडि केन्द्रों या विभिन्न राज्यों के राहत शिविरों का शिविर संचालक।

अथवा

- (ii) उस इलाके का जिला मजिस्ट्रेट जहाँ पर वह, फिलहाल, रह रहा हो।

अथवा

- (iii) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास का प्रभारी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट।

अथवा

- (iv) सब-डिवीजनल अफसर अपने अधीनस्थ सब-डिवीजनल की सीमा तक।

अथवा

- (v) शरणार्थी पुनर्वास उपायुक्त, पश्चिमी बंगाल/निवेशक (पुनर्वासन) कलकत्ता।

(ख) श्रीलंका से प्रत्यावर्तित—:

श्रीलंका में भारत का उच्चायुक्त।

(ग) बर्मा से प्रत्यावर्तित

भारतीय दूतावास, रंगून या जहाँ का वह रहने वाला हो, उस क्षेत्र का जिला मजिस्ट्रेट।

- (घ) भा० से० अ० पाठ्यक्रम में आरक्षित रिक्तियों के लिये प्रतियोगिता में भाग लेने वाले एन० सी० सी० (सी०) प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध)

प्राप्त उम्मीदवारों द्वारा—

यह दिखाने के लिये कि उनके पास एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध) है अथवा वह एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध) परीक्षा में प्रवेश ले रहा है/प्रवेश ले चुका है, इस आशय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित प्रतिलिपि।

9. शुल्क की वापसी—आवेदन के साथ आयोग को भरा किया गया शुल्क वापस करने के किसी अनुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता और न वह किसी दूसरी परीक्षा या भयन के लिये सुरक्षित रखा जा सकता है—

(i) जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क दे दिया है, पर जिसको आयोग में परीक्षा में बैठने नहीं दिया, उसको रु० 15.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के मामले में रु० 4.00) वापस कर दिया जाएगा। परन्तु यदि कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार द्वितीय परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ है या द्वितीय परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाया तो उसके लिये शुल्क की वापसी मंजूर नहीं की जाएगी।

(ii) जो उम्मीदवार नवम्बर, 1978 को सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा में बैठा हो और उस परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी पाठ्यक्रम के लिये उसका नाम अनुसूचित हुआ हो तो उनके मामले में रु० 15.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 4.00) का शुल्क वापस किया जा सकता है, पर यह जरूरी है कि मई, 1979 की सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिये अपनी उम्मीदवारी रद्द कराने और शुल्क वापस पाने के लिये उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 15 अक्टूबर, 1979 को या उससे पहले पहुँच जाए।

10. आवेदन प्राप्ति की सूचना—इस परीक्षा के लिये निर्धारित फार्म में मिले सभी आवेदनों के पहुँचने की सूचना भेजी जाएगी। अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन पहुँचने की सूचना इस परीक्षा के आवेदन पहुँचने की अंतिम तारीख से एक महीने के अन्दर न मिले तो उसको प्राप्ति सूचना पाने के लिये तत्काल आयोग से संपर्क करना चाहिए।

11. आवेदन का परिणाम—अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक आयोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिये आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए। अगर इस बात का पालन नहीं हुआ तो, उम्मीदवार अपने मामले में विचार किये जाने के अधिकार से वंचित हो जाएगा।

12. परीक्षा में प्रवेश—किसी उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के संबंध में संशय लगे सेवा आयोग का निर्णय अंतिम होगा। आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

13. कदाचार के दोषी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई गलत विवरण न दें और न किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं। उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति में किसी भी हासत में वे किसी तरह का संशोधन या परिवर्तन या कोई फेर-बदल न करें और न ही फेर बदल किये गये/गड़े हुए प्रलेख को वे प्रस्तुत करें। अगर इस प्रकार के दो अधिक प्रलेखों में या उनकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई अशुद्धि या असंगति हो तो इस असंगति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निर्मांकित कदाचार का दोषी घोषित होता है या हो चुका है—

- (i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना; या
  - (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या
  - (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत कराना; या
  - (iv) जाली प्रलेख या फेर-बदल किये गये प्रलेख प्रस्तुत करना; या
  - (v) भ्रष्ट या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपा कर रखना; या
  - (vi) परीक्षा के लिये अपनी उम्मीदवारी के संबंधों में किसी अनियत या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना; या
  - (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाए हों; या
  - (viii) उत्तर पुस्तिका(ओं) पर भ्रमरगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा या भ्रमर भाषा की हों; या
  - (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो;
  - (x) परीक्षा चलाने के लिये आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक अति पहुँचाई हों, या
  - (xi) ऊपर के खंडों में उल्लिखित सभी या किसी कदाचार को और प्रवृत्त होना या आयोग को उत्तेजित-कराना।
- वह अपने को दंड-प्रभियोजन का शिकार बनाने के प्रतिरिक्त—
- (क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है, उसके लिये आयोग द्वारा प्रयोग्य ठहराया जा सकता है अथवा
- (ख) (i) आयोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या भयन के लिए।
- (ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के स्थायी रूप से या कुछ निदिष्ट अवधि के लिये प्रयोजित किया जा सकता है और

(ग) अगर वह पहले से सरकारों नौकरी में हो तो उचित नियमावली के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई का पात्र होगा।

14. मूल प्रमाण-पत्र—प्रस्तुतीकरण :—जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर साक्षात्कार के लिये योग्यता प्राप्त करते हैं, उनको, लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित होते ही अपनी आयु, शैक्षिक योग्यता आदि के सम्बन्ध में मूल प्रमाण-पत्र आयोग को प्रस्तुत करने को कहा जाएगा। लिखित परीक्षा के परिणाम संभवतः जुलाई, 1979 में घोषित किया जा सकता है।

15. आवेदन के संबंध में पत्र व्यवहार : आवेदन के संबंध में सभी पत्र व्यवहार, सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए और उसमें निम्नीकृत विवरण अवश्य होना चाहिए :—

- (1) परीक्षा का नाम।
- (2) परीक्षा का वर्ष और महीना।
- (3) रोल नम्बर, या जन्म की तारीख (अगर रोल नम्बर नहीं मिला हो)।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा और साफ लिखा हुआ)।
- (5) पत्र व्यवहार का पता, जैसा आवेदन-पत्र में दिया है।

ध्यान दें :—जिन पत्रों के साथ ऊपर का ब्योरा नहीं होगा, हो सकता है, उन पर कोई कार्रवाई न हो।

16. पते में परिवर्तन : उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन पत्र में दिये पते पर भेजे जाने वाले पत्र भावि आवश्यक होने पर उनके नए पते पर भिजवा दिये जायें। पते में जो भी परिवर्तन हो उसे ऊपर के पैरा 15 में उल्लिखित विवरण के साथ आयोग को यथाशीघ्र सूचित कर देना चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिये आयोग द्वारा अनुशंसित उम्मीदवारों ने अगर परीक्षा के लिये आवेदन करने के बाद अपना पता बदल लिया हो तो उन्हें परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाते ही अपना नया पता तत्काल सेना मुख्यालय, ए० जी० बांच रिक्वाटिंग, 6 (एस० पी०) (ई) (ii) वेस्ट ब्लॉक 3, विंग 1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इन आदेशों का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिये सम्मन पत्र न मिलने पर अपने मामले में विचार किए जाने के बावजूद से संबंधित हो जायेगा।

यद्यपि प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तनों पर पूरा पूरा ध्यान देते हैं फिर भी इस संबंध में वह अपने ऊपर कोई जिम्मेदारी नहीं ले सकते।

17. लिखित परीक्षा में योग्य उम्मीदवारों के साक्षात्कार के संबंध में पृष्ठताछ : जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिये अनुशंसित हैं, उनको अपने साक्षात्कार के संबंध में सभी पृष्ठताछ और अनुरोध सीधे सेना मुख्यालय, ए० जी० बांच रिक्वाटिंग, 6 (एस० पी०) (ई) (ii) वेस्ट ब्लॉक 3, विंग 1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिये भेजे गये सम्मन-पत्र द्वारा सूचित की गई तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेतु रिपोर्ट करनी है। साक्षात्कार को स्थगित करने से सम्बद्ध अनुरोध पर केवल यथार्थ परिस्थितियों में और प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिये निर्णायक प्राधिकरण सेना मुख्यालय होगा।

विभिन्न सेवा चयन केन्द्रों पर सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेतु बुलाए गए उम्मीदवार अपने साथ निम्नलिखित वस्तुएं लाएँ :—

- (क) सफेद कमीज में पासपोर्ट आकार के फोटो की 6 प्रतियाँ।
- (ख) बिस्तर और कम्बल (मौसम के अनुसार)
- (ग) सफेद कमीजों और हाफ पैटों के दो जोड़े।

- (घ) एक जोड़ी, पी० टी० के सफेद जूते और दो जोड़े सफेद मोजे।
- (ङ) पैटों और कमीजों के दो जोड़े।
- (च) काउटेन पेन, स्पाही और पेंसिल।
- (छ) बूट पालिश और सफेद ब्लैको
- (ज) एक मच्छरदानी।

18. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा, योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों का साक्षात्कार, अंतिम परिणाम की घोषणा और अंतिम रूप से योग्य पाए गए उम्मीदवारों का, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में, प्रवेश :—

संघ लोक सेवा आयोग, लिखित परीक्षा में आयोग के निर्णय पर निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को एक सूची तैयार करेगा। ये उम्मीदवार बौद्धिक तथा व्यक्तित्व परीक्षणों के लिये सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होंगे।

जो उम्मीदवार आई० एम० ए० (डी० ई०) कोर्स/और या नेबी (एस० ई०) कोर्स की लिखित परीक्षा में अर्हता प्राप्त करते हैं, चाहे वे एस० एस० सी० (एन० टी०) कोर्स के लिये अर्हता प्राप्त करें या नहीं, उनको अगस्त/सितम्बर, 1979 में सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिये भेजा जाएगा और जो उम्मीदवार केवल एस० एस० सी० (एन० टी०) कोर्स के लिये अर्हता प्राप्त करते हैं, उनको दिसम्बर, 1979/जनवरी, 1980 सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिये भेजा जाएगा।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर अपनी ही जोखिम पर वहाँ के परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा चयन बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उसके दौरान या उसके फलस्वरूप अगर उनको कोई चोट पहुंचती है तो उसके लिये सरकार की ओर से कोई क्षतिपूर्ति या सहायता पाने के वे हकदार नहीं होंगे, चाहे वह किसी व्यक्ति की लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीदवारों को आवेदन-पत्र के साथ संलग्न प्रपत्र में इस आशय के एक प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे।

स्वीकृति हेतु उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा तथा (ii) सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में अलग अलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा, उनके निर्णय के अनुसार, निश्चित किये जाएंगे। लिखित परीक्षा तथा से० च० बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर उम्मीदवारों की योग्यता-क्रम में रखा जाएगा। अलग, अलग उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किम रूप में और किस प्रकार सूचित किये जाएँ, इस बात का निर्णय आयोग अपने प्राप करेगा और परिणाम के संबंध में उम्मीदवारों से कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने मात्र से भारतीय सेना अकादमी, नौसेना अकादमी या अधिकारी प्रशिक्षण शाला में, जैसी स्थिति हो, प्रवेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा। अंतिम चयन शारीरिक क्षमता और अन्य सभी बातों में उपयुक्तता के अतिरिक्त उपलब्ध रिक्तियों की संख्या को दृष्टि में रखते हुए योग्यता के क्रम से किया जाएगा।

19. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिये अनर्हताएं : जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, भारतीय सेना अकादमी, वायुसेना उड्डयन महाविद्यालय, नौसेना अकादमी, कोचीन और अधिकारी प्रशिक्षणशाला, मद्रास में पहले प्रवेश पा चुके हैं, पर अनुशासनिक आधार पर वहाँ से निकाल दिये गये हैं, उनको भारतीय सेना अकादमी, नौसेना अकादमी या रक्षा-सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन में प्रवेश देने की बात पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण पहले भारतीय सेना अकादमी में वापस लिया गया हो उनकी भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को स्पेशल एण्ट्री नेवल कैंडिडेट के रूप में पहले चुन लिया गया हो, पर बाद में एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या नौसेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों से वापस लिया गया हो, वे भारतीय नौसेना में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण भारतीय सेना अकादमी, अधिकारी प्रशिक्षणशाला, एन० सी० सी० तथा स्नातक पाठ्यक्रम से वापस लिया गया हो, उनके बारे में बल सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन देने की बात पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों, को एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण, एन० सी० सी० तथा स्नातक पाठ्यक्रम से पहले वापस लिया गया हो, उनको भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

20. भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी में प्रशिक्षण के समय विवाह पर प्रतिबन्ध : भारतीय सेना अकादमी और नौ सेना अकादमी के पाठ्यक्रमों के उम्मीदवारों को इस बात का वचन देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा, तब तक वे शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार अपने आवेदन की तारीख के बाद शादी कर लेता है, उसको प्रशिक्षण के लिये चुना नहीं जाएगा, चाहे वह इस परीक्षा में या अगली किसी परीक्षा में भले ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षण-काल में शादी कर लेगा, उसे वापस भेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया है, वह सब उससे वसूल किया जाएगा। अल्प-कालिक सेवा कमीशन (एन० टी०) के पाठ्यक्रम का कोई भी उम्मीदवार

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ शादी की हो या शादी के लिये संविदा कर ली हो जिसकी पहले से कोई जीवित पति—है या था

(ख) जिसने, पहले से जीवित पति-पत्नी होते हुए भी, किसी व्यक्ति से शादी की हो या शादी के लिये संविदा कर ली हो।

अधिकारी प्रशिक्षणशाला में प्रवेश/अल्पकालिक सेवा कमीशन की प्रवृत्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु, यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि इस तरह की शादी ऐसे व्यक्तियों के लिये और शादी की दूसरी तरफ के व्यक्तियों के लिये लागू व्यक्तिगत कानून के अनुसार अनुमोदनीय है और ऐसा करने के ठोस कारण हैं तो किसी व्यक्ति को वह इस नियम के अनुपालन से छूट दे सकती है।

21. भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी में प्रशिक्षण के समय अन्य प्रतिबन्ध : भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी में प्रवेश प्राप्त करने के बाद उम्मीदवार किसी दूसरे कमीशन के लिये विचार योग्य नहीं होंगे। भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अंतिम रूप से उनका चयन हो जाने के बाद उनको और किसी भी साक्षात्कार या परीक्षा में उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

22. बौद्धिक परीक्षण संबंधी सूचना, रक्षा मंत्रालय (मनोवैज्ञानिक अनुसंधान निदेशालय) ने "सेवा चयन बोर्डों में उम्मीदवारों की बौद्धिक परीक्षण उपलब्धियों का अध्ययन" (ए स्टडी ऑफ इंटेलिजेंट टेस्ट कोर्स ऑफ कंडीटेड्स एंड सर्विसेज सेलेक्शन बोर्ड्स) शीर्षक पुस्तक प्रकाशित की है। इस पुस्तक को प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के बौद्धिक परीक्षणों के स्वरूप और स्वभाव से परिचित हो जाएं।

यह समूह्य पुस्तक प्रकाशन है और बिन्नी के लिये प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइसेंस, दिल्ली 110054 के यहाँ मिल सकती है। डाक द्वारा आदेश देकर या नकद भुगतान के द्वारा उनसे यह सीधे प्राप्त की जा सकती है। केवल नकद भुगतान के द्वारा यह (i) किताब महल, रिबोली सिनेमा के सामने, एम्पोरियम बिल्डिंग, सी ब्लॉक, बाबा खड्ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 (ii) उद्योग भवन की प्रकाशन शाखा, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 के बिन्नी केन्द्र पर तथा (iii) भारत सरकार पुस्तकालय 8 के० एस० राय रोड, कलकत्ता-700001 पर भी मिल सकती है।

23. जिन पुस्तकाओं में नियमावली तथा पिछली परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों का ब्यौरा सम्मिलित होता है उसके बारे में सूचना।

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, मई, 1978 से इस परीक्षा की योजना में सम्मिलित सभी प्रश्न-पत्रों के लिये वस्तुपूरक प्रश्न के लागू किये जाने पर इस परीक्षा के लिये नियमावली और प्रश्न-पत्रों सहित पुस्तिका का मुद्रण बन्द कर दिया गया है। किन्तु जिन पुस्तिकाओं में नियमावली तथा नवम्बर, 1977 में हुई सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा तक पिछली परीक्षाओं के प्रश्न-पत्रों का ब्यौरा सम्मिलित है, उनकी बिन्नी प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइसेंस, दिल्ली-110054 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहाँ से मेल आर्डर अथवा नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिबोली सिनेमा के सामने एम्पोरियम बिल्डिंग 'सी' ब्लॉक, बाबा खड्ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन शाखा का बिन्नी काउंटर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001, और (iii) गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया बुक डिपो, 8-के० एस० रोड, कलकत्ता-700001 से भी नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएँ विभिन्न मूपकस्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से प्राप्त की जा सकती हैं।

भार० एस० ग्रहलुवालिया,  
उप-सचिव

### परिशिष्ट I

(परीक्षा की योजना, स्तर और पाठ्य-विवरण)

#### क. परीक्षा की योजना

1. प्रतियोगिता परीक्षा में निम्नलिखित सम्मिलित होगा—

(क) नीचे के पैरा 2 में निश्चित रीति से लिखित परीक्षा,

(ख) उन उम्मीदवारों का बख्श और व्यक्तिगत परीक्षण (इस परिशिष्ट के भाग ख के अनुसार) के लिये साक्षात्कार जिन्हें किसी भी एक सर्विसेज सेलेक्शन सेंटर में साक्षात्कार के लिये बुलाया जाये।

2. लिखित परीक्षा के विषय, उनके लिये दिया जाने वाला समय और प्रत्येक विषय के लिये नियत अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे :—

(क)—भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश के लिये

विषय	अवधि	अधिकतम अंक
अतिरिक्त :—		
1. अंग्रेजी	2 घंटे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100
3. प्रारंभिक गणित	2 घंटे	100

वैकल्पिक—निम्नलिखित में से कोई एक विषय

विषय	कोड संख्या	नियत समय	अधिकतम अंक
भौतिकी	01	2 घंटे	150
रसायन विज्ञान	02	2 घंटे	150
गणित	03	2 घंटे	150
वनस्पति विज्ञान	04	2 घंटे	150
प्राणि विज्ञान	05	2 घंटे	150
भूविज्ञान	06	2 घंटे	150
भूगोल	07	2 घंटे	150
अंग्रेजी साहित्य	08	2 घंटे	150
भारत का इतिहास	09	2 घंटे	150
सामान्य अर्थशास्त्र	10	2 घंटे	150
राजनीति विज्ञान	11	2 घंटे	150
समाज शास्त्र	12	2 घंटे	150
मनोविज्ञान	13	2 घंटे	150

## (ख) नौसेना अकादमी में प्रवेश के लिये

विषय	नियत समय	अधिकतम अंक
<b>अनिवार्य :-</b>		
1. अंग्रेजी	2 घंटे	100
* 2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100
<b>वैकल्पिक</b>		
* 3. प्रारम्भिक गणित या प्रारम्भिक भौतिकी	2 घंटे	100
* 4. गणित या भौतिकी	2 घंटे	150

\* जो उम्मीदवार प्रारम्भिक गणित लेंगे उन्हें चौथे प्रश्न पत्र में भौतिकी विषय लेना होगा तथा जो उम्मीदवार प्रारम्भिक भौतिकी लेंगे उन्हें चौथे प्रश्न-पत्र में गणित विषय लेना होगा।

## (ग) अधिकारी प्रशिक्षण शाला में प्रवेश के लिये

विषय	नियत समय	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घंटे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100

लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिये जो अधिकतम अंक नियत किये गये हैं वे प्रत्येक विषय के लिये समान होंगे अर्थात् भारतीय सेना अकादमी, नौ सेना अकादमी और अफसर ट्रेनिंग स्कूल में भर्ती के लिये लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिये नियत अधिकतम अंक क्रमशः 450, 450 और 200 होंगे।

3. समस्त विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपूर्वक प्रश्न पूछे जाएंगे। नमूने के प्रश्नों सहित विस्तृत विवरण कृपया परिशिष्ट V पर उम्मीदवारों को सूचनायें विवरणिका में देखिये।

4. प्रश्न-पत्रों में जहाँ भी आवश्यक होगा केवल तोल और माप की मीटरी पद्धति से संबंधित प्रश्नों को ही पूछा जाएगा।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने चाहियें। किसी भी दशा में उन्हें प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए लिखने वाले की सहायता सुलभ नहीं की जायेगी।

6. परीक्षा के एक या सभी विषयों के अर्हक अंकों का निर्धारण आयोग की विवक्षा पर है।

## ख. परीक्षा का स्तर और पाठ्य विवरण

## स्तर

प्रारम्भिक गणित के प्रश्न पत्रों का स्तर मैट्रिकुलेशन परीक्षा का होगा, प्रारम्भिक भौतिकी के प्रश्न-पत्र का स्तर उच्चतर माध्यमिक परीक्षा जैसा होगा।

अन्य विषयों में प्रश्न-पत्रों का स्तर लगभग वही होगा जिसकी किसी भारतीय विश्वविद्यालय के स्नातक से अपेक्षा की जा सकती है।

इनमें से किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

## पाठ्य विवरण

## अंग्रेजी

प्रश्न-पत्र इस प्रकार होगा जिससे उम्मीदवार की अंग्रेजी और अंग्रेजी के शब्दों के बोध की परीक्षा ली जा सके।

## सामान्य ज्ञान

सामान्य ज्ञान तथा साथ में समसामयिक घटनाओं और दिन प्रतिदिन देखे और अनुभव किये जाने वाले इसी तरह के मामलों के वैज्ञानिक पक्ष

की जानकारी, जिसकी किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है, जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो। प्रश्न-पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल से संबंधित ऐसे प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवारों को, उन विषयों का विशेष अध्ययन किये बिना, देना चाहिये।

## प्रारम्भिक गणित

## अंक गणित

संख्या पद्धतियाँ—घनपूर्ण संख्यायें, पूर्णांक, परिमेय और वास्तविक संख्यायें, मूल संक्रियायें—जोड़, घटाना गुणन, और विभाजन, धन, मूल, दशमलव भिन्न।

एकिक विधि—समय तथा दूरी, समय तथा कार्य प्रतिशतता-साधारण तथा चक्रवृद्धि व्याज में अनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, अनुपात और समानुपात विवरण।

प्रारम्भिक संख्या सिद्धान्त—विभाजन की कलन विधि, अभाज्य और भाज्य संख्यायें, 2, 3, 4, 5, 9 और 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण अपवर्त्य और गुणन खण्ड। गुणन खंडन प्रमेय। महत्तम समापवर्तक तथा लघुतम समापवर्त्य, यूक्लिड की कलन विधि।

आधार 10 तक लघुगणक, लघुगणक के नियम, लघुगणकीय सारणियों का प्रयोग।

## बीज गणित

आधार भूत संक्रियाएँ : साधारण गुणन खण्ड। शेष फल प्रमेय, बहुपदों का महत्तम समापवर्तक और लघुतम समापवर्त्य। द्विघात समीकरणों का हल, इसके मूलों और गुणकों के बीच सम्बन्ध। (केवल वास्तविक मूल पर विचार किया जाए)। दो अज्ञात राशियों में युगपत् रेखिक समीकरण—विश्लेषण और ग्राफ सम्बन्धी हल। दो चरों में युगपत् रेखिक असमिकाएँ और उनके हल प्रायोगिक प्रश्न जिनसे दो चरों में दो युगपत् रेखिक समीकरण या असमिकाएँ बनती हैं या एक चर में द्विघात, समीकरण तथा उनके हल, समुच्चय भाषा तथा समुच्चय अंकन पद्धति, परिमेय व्यंजक तथा सप्रतिबन्ध तत्समक घातक नियम।

## त्रिकोणमिति :

ज्या  $X$ , कोटिज्या  $X$ , स्पर्श रेखा  $X$  जब  $0^\circ \leq X \leq 90^\circ$ ।

ज्या  $X$ , कोटिज्या  $X$ , स्पर्श रेखा  $X$  का मान क्योंकि  $X = 0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$ , और  $90^\circ$  सरल त्रिकोणमितीय तत्समक।

त्रिकोणमितीय सारणियों का प्रयोग।

अंशांशों और दूरियों के सरल कोण।

## ज्यामिति :

रेखा और कोण, समतल और समतल आकृति। निम्नलिखित पर प्रमेय:—(i) किसी बिन्दु पर कोणों के गुण धर्म, (ii) समांतर रेखाएँ, (iii) किसी त्रिभुज की भुजाएँ, और कोण, (iv) बिन्दुओं की समवर्गसमता (v) समरूप त्रिभुज, (vi) माध्यिकाओं और शीर्ष लम्बों का संगमन, (vii) समांतर चतुर्भुजों, आयत और वर्ग के कोणों, भुजाओं के विकर्णों के गुण धर्म, (viii) घृत और उसके गुण धर्म जिनमें, स्पर्श रेखा तथा अलिप्त भी शामिल हैं (ix) स्थानिक संघक।

## विस्तार कलन :

वर्गों, आयतों, समान्तर चतुर्भुजों, त्रिभुजों और वृत्तों क्षेत्रफल। उन आकृतियों के क्षेत्रफल जो इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं। (क्षेत्रवही) घनामों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन/लम्ब वृत्तीय शंकुओं और बेलनों का पार्श्व-पृष्ठ तथा आयतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन।

**सांख्यिकी**

सांख्यिकीय तथ्यों का संग्रहण तथा सारणीयन। आलेखी निरूपण-बारम्बारता बहुभुज, आयत चित्र, शलाका चार्ट, पाई चार्ट आदि, केन्द्रीय प्रवृत्ति का माप, रेखाओं के बीच-कोण।

**प्रारम्भिक भौतिकी**

(क) विस्तार कलन:—मापन के मात्रक, सी० जी० एस० और एम० के० एस० मात्रक। आदेश और संदिश। बल और वेग का संयोजन तथा नियोजन। एक समानत्वरण। एक समानत्वरण, के अधीन ऋजु-रेखीय गति। न्यूटन के गति नियम। बल की संकल्पना। बल के मात्रक। मात्रा और भार।

(ख) पिंड का घल विज्ञान:—गुरुत्व के अधीन/समानान्तरण बल। गुरुत्व केन्द्र साम्यावस्था/साधारण मशीन/वेग अनपात आनत समतल/पेंच और नियर सहित विभिन्न साधारण मशीनें/घर्षण, घर्षण कोण, घर्षण गुणांक कार्य, शक्ति और ऊर्जा/स्पिंग और गतिज ऊर्जा।

(ग) तरल गुणधर्म:—दाब और प्रणोद/पास्कल का नियम। आर्क. मिडीज का नियम। घनत्व और विशिष्ट गुरुत्व पिंडों और द्रव्यों के विशिष्ट गुरुत्वों को निर्धारित करने के लिये आर्किमिडीज के नियम का अनुप्रयोग। प्लवन का नियम के गैस द्वारा प्रयोग में लाये गये दाब का मापन। बायल नियम/वायु पम्प।

(घ) ताप—पिंडों का रेखिक विस्तार और द्रव्यों का घनाकार विस्तार द्रव्यों का वास्तविक तथा आभासी विस्तार। द्रवास्ते, नियम परमशून्य बायल और चार्ल्स नियम, पिंडों और द्रव्यों का विशिष्ट ताप, कैलोरीमिति/ताप का संचरण, धातुओं की ताप संवाहकता। स्थिति परिवर्तन। संलयन और वाष्पन की शून्य ऊष्मा। एस० बी० पी० नमी (आर्द्रता ओसांका और आपेक्षिक आर्द्रता)।

(ङ) प्रकाश:—ऋजुरेखीय संचरण। परावर्तन के नियम। गोलीय दर्पण, अपवर्तन, अपवर्तन के नियम, लैन्स, प्रकाशिक यंत्र कैमरा, प्रक्षेपित, पारापार चित्रदर्शी दूरबीन, दृक्मदर्शी, वाहनोपयुक्त तथा परिवर्शी। पिण्ड, प्रकीर्ण, के माध्यम से अपवर्तन।

(च) ध्वनि:—ध्वनि संचरण, ध्वनि परावर्तन, अनुनाद। ध्वनि प्रामो-कोण का अभिलेखन।

(छ) चुम्बकत्व तथा विद्युत—चुम्बकत्व के नियम, चुम्बकीय क्षेत्र, चुम्बकीय बल रेखाएँ, पारिक्त चुम्बकत्व। चालक और रोधी। ओमनियम, पी० डी० प्रतिरोधक, विद्युत् चुम्बकीय बल, क्षेत्री पार्ष्व में प्रतिरोधक। विभवमापी विद्युत् चुम्बकीय बल की तुलना। विद्युत धारा का चुम्बकीय प्रभाव चुम्बकीय क्षेत्र में संवाहकता। फ्लेमिंग का बायम हस्तनियम। मापक यंत्र—धारामापी ऐमीटर, बोल्ट मीटर, वाटमीटर, विद्युत धारा का रासायनिक प्रभाव, विद्युत, सेपन, विद्युत् चुम्बकीय प्रेरण, फेराइ विद्युत, बेलिक ए० सी० तथा डी० सी० जनिह।

**भौतिकी (कोड 01)****1. पदार्थ के सामान्य गुण और यांत्रिकी**

यूनिट और विभाएं, स्केलर और वेक्टर, मात्राएँ, जड़त्व आधुर्ण, कार्य ऊर्जा और संवेग। यांत्रिकी के मूल नियम, पूर्ण गति; गुरुत्वाकर्षण। सरल आवर्त गति, सरल और असरल लोलक, प्रत्यास्थता; प्रष्ठ तनाव, दब की स्थानता, रोठरी पम्प।

**2 ध्वनि**

अवमंदित, प्रणोदित और मुक्त कम्पन, तरंग-गति, डाप्लर प्रभाव, ध्वनि तरंग वेग, किसी गैस में ध्वनि के वेग पर दाब, तापमान और आर्द्रता का प्रभाव, डोरियों, झिल्लियों और गैस स्तम्भों का कम्पन, अनुनाद, विस्पंद, स्थिर तरंगें। ध्वनि का आवृत्ति वेग तथा तीव्रता। पराश्रव्य के मूल तत्व। ग्रामोफोन, टाफीज और साउंड स्पीकरों के प्रारम्भिक सिद्धान्त।

**3. ऊष्मा और ऊष्मा गति विज्ञान**

तापमान और उसका मापन; तापीय प्रसार, गसों में समतापी तथा द्रवोष्म परिवर्तन। विशिष्ट ऊष्मा और ऊष्मा चालकता; द्रव्य के अनुगति सिद्धान्त के तत्व; बोल्ट्समन के वितरण नियम का भौतिक बोध, बोल्ट्समन का अवस्था समीकरण, जूल चाम्पसन प्रभाव, गसों का द्रवण; ऊष्मा इंजन; कार्नोट-प्रमेय, ऊष्मागति-विज्ञान के नियम और उनका सरल अनुप्रयोग। कृष्णिका विकिरण।

**4. प्रकाश**

व्यामितीय प्रकाशिकी। प्रकाश का वेग, समतल और गोलीय पृष्ठों पर प्रकाश का परावर्तन और अपवर्तन। प्रकाशीय प्रतिबिम्बों में गोलीय और वक्रिक बोध और उनका निवारण। नेत्र और अन्य प्रकाशिक यंत्र। प्रकाश का तरंग सिद्धान्त, व्यतिकरण।

**5. विद्युत् और चुम्बकत्व**

विद्युत-क्षेत्र के कारण ऊर्जा, द्रव्य के वैद्युत् और चुम्बकीय गुण धर्म, इन्स्टेरिसिस चुम्बकशीलता और चुम्बकीय प्रवृत्ति; विद्युत धारा से उत्पन्न चुम्बकीय क्षेत्र; मूविंग मग्नेट एण्ड मूविंग चार्जल गैलवेनोमीटर; धारा और प्रतिरोध का मापन; रिफ्लेक्टिव सर्किट एलिमेंट्स के गुण धर्म और उनका निर्धारण; ताप-विद्युत प्रभाव, विद्युत् चुम्बकीय प्रेरण, प्रत्यावर्ती धाराओं का उत्पादन। ट्रांसफार्मर और मोटर; इलेक्ट्रानिक बाल्व और उनके सरल अनुप्रयोग।

**6. आधुनिक भौतिकी**

बोर के परमाणु सिद्धान्त के तत्व, इलेक्ट्रॉन, गैसों द्वारा विद्युत् का विसर्जन, कथोड र। रेडियोएक्टिवता, कृत्रिम रेडियोएक्टिवता, आइसोटोप, विखंडन और संलयन की प्रारम्भिक धारणा।

**रसायन विज्ञान (कोड 02)****1. अकार्बनिक रसायन विज्ञान:**

तत्वों का इलेक्ट्रानिक, विन्यास, आफवाज सिद्धान्त, तत्वों का आवर्ती वर्गीकरण। परमाणु क्रमांक। संक्रमण तत्व और उनके लक्षण।

परमाणु और आयनिक विस्थाप, आयनन विभव। इलेक्ट्रान बंधुता और विद्युत ऋणात्मकता।

प्राकृतिक और कृत्रिम विघटनमिकता। नाभिकीय विखण्डन और संलयन।

संयोजकता का इलेक्ट्रानिक सिद्धान्त, सिग्म और पाई बन्ध के बारे में प्रारम्भिक विचार, सहसंयोजी बान्ध की संकरण और दिशिक प्रकृति।

कार्बनर का समन्वय मिश्रण सिद्धान्त। उभयनिष्ठ धातुकर्मिय तथा विश्लेषीय प्रचालनों में निहित समिथों का इलेक्ट्रानिक विन्यास।

आक्सीकरण स्थितियों और आक्सीकरण संख्या। सामान्य उपचायक तथा अपचायक आक्सीकारक। आयनिक समीकरण।

ल्यूइस और ब्रन्स्टेड के अम्ल आर सिद्धान्त।

सामान्य तत्वों का रसायन विज्ञान और उनके आमिथ जिनकी विशेष रूप से आवर्ती वर्गीकरण की दृष्टि से अभिक्रिया की गई हो। निष्कर्षण के सिद्धान्त। महत्वपूर्ण तत्वों का नियोजन (और धातुकी)।

हाइड्रोजन पराक्साईड की संरचना, डाईबोरेन, ऐलूमिनियम क्लोराइड तथा नाइट्रोजन, फास्फोरस क्लोरीन और गंधक के महत्वपूर्ण आक्सी-ऐसिड।

अक्रिय गैस: वियोजन तथा रसायन।

अकार्बनिक रसायन विश्लेषण के सिद्धान्त।

सोडियम कार्बोनेट सोडियम हाइड्रोक्साइड, अमोनिया, नाइट्रिक अम्ल, गंधकीय अम्ल, सीमेट, ग्लास अर कृत्रिम उर्वरकों के निर्माण की रूप रेखा।

2 कार्बनिक रसायन विज्ञान

सहसंयोजी आबंधन, की आधुनिक संकल्पनाएं। इलेक्ट्रॉन विस्थापन प्रेरणिक, मेसोमरी और अति संयुग्मन प्रभाव। अनुवाय और कार्बनिक रसायन में उसका अनुप्रयोग। नियोजन स्थिरांक। (डिसी सिंथेस कांस्टेंट) पर संरचना का प्रभाव।

एल्केन, ऐल्कीन और ऐल्काइन। कार्बनिक मिश्रण के स्रोत के रूप में पेट्रोलियम। एलिफैटिक मिश्रणों के सरल व्युत्पन्न। ऐल्कोहल, ऐल्डीहाइड्स, कीटोन, अम्ल, हैलाइड, एस्टर, ईथर, अम्ल ऐनीडाइड, क्लोरोहाइड और अमिड। एथरकी हाइड्रासो कीटोनी और ऐमीनो अम्ल। कार्बोहायड्रेट मिश्रण और एसीटोएमिटिक एस्टर। टार्टरिक, सिट्रिक मैलेइक और फूमेरिक अम्ल। आर्बोहाइड्रेड वर्गीकरण और सामान्य अभिक्रिया। ग्लूकोस, फ्रुक्टोस और शुक्ररा।

द्विविम रसायन : प्रकाशकीय और ज्यामितीय समान्यता। संरूपण की संकल्पना।

बैन्जीन और इसके साधारण व्युत्पन्न; टॉलूईन, ज़ाइलीन, फीनाल, हैलाइड, नाइट्रो, और एमोमो मिश्रण। बेन्जाइक सैलिमिक, सिनेमिक, मथेलिक और सिलफोनिक अम्ल, एरोमैटिक ऐलिडहाइड और कीटोन। डाइजो, एजो और हाइड्रोजो मिश्रण, ऐरोमैटिक प्रतिस्थापन। नेपथलीन, पिरिडीन और क्यूनोलिन

3 भौतिक रसायन

गैसों और गैस नियमों का गतिक सिद्धान्त। मध्यमवैल का वेग वितरण नियम। वानडरवाल्स का समीकरण। संगत अवस्थाओं का नियम। गैसों का द्रवण। गैसों की विशेष ऊष्मा।  $10^0$  पी०/सी० यी० का अनुपात।

ऊष्मागतिकी :

ऊष्मागतिकी का पहला नियम। समतापी और द्रव्यमान प्रसार/पूर्ण ऊष्मा। ऊष्मा धारिता। ऊष्मरसायन अभिक्रिया। ऊष्मा; विरचन, विलयन और दहन। आबन्ध ऊर्जा की गणना। किरखोफ़ समीकरण।

स्वतः प्रवर्तित परिवर्तन का मानकण्ड। ऊष्मागतिकी का दूसरा नियम एन्ट्रॉपी। मुक्त ऊर्जा। रासायनिक संतुलन का मानकण्ड।

घोल—परासरण दाब, वाष्प दाब का कम करना, वाष्पदाब का अवनयन, वषयनांक बढ़ाना। घोल में अणु भार निश्चित करना। विलयों का संगणन और वियोजन।

रासायनिक संतुलन। द्रव्यमान अनुपाती अभिक्रिया और समांगी तथा विषमांगी संतुलन। ला-शारलिए नियम। रासायनिक संतुलन पर ताप का प्रभाव।

विद्युत् रसायन : फेराडे विद्युत् अपघटन नियम; विद्युत् अपघटन की चालकता; तुल्यांकी चालकता और तनुता में उसका परिवर्तन; अल्प विलय लवणों की विलयता; विद्युत् अपघटनी वियोजन। ओस्टवाल्ड तनुता नियम, प्रबल विद्युत् अपघटकी की असंगति, विलयता, गुणनफल, अम्लों और क्षारकों की प्रबलता, लवणों का जल अपघटन; हाइड्रोजन आयन की सांद्रता, उमय प्रतिरोध क्रिया (वफरक्रिया) सूचक सिद्धांत।

उत्क्रमणीय सेल। मानक हाइड्रोजन और कैलोमेल इलेक्ट्रोड और रेडॉक्स विभव। सान्द्रता सेल। पी० एच० का निर्धारण। अभिगमनांक पानी का आयनी गुणनफल। विषय सूचक अनुपातन।

रासायनिक बलगतिविज्ञान। अनुसंधयता और अभिक्रिया की कोटि। प्रथम कोटि की अभिक्रिया और दूसरी कोटि की अभिक्रिया। तापमान अभिक्रिया की कोटि का निर्धारण, अपक्रान्तिकता तापांक और सक्रियण ऊर्जा। अभिक्रिया दूरी पर सघट्ट सिद्धान्त। सक्रियित मजुल सिद्धान्त।

प्रावस्था नियम। इसकी शब्दावलियों की व्याख्या। एक और दो घटक तन्त्र का अनुप्रयोग। वितरण नियम।

कोलाइड : कोलाइडी विलयन का सामान्य स्वरूप और उनका वर्गीकरण; कोलाइड के विरचन और गुणों की सामान्य रीति। स्कन्दन। रक्षक क्रिया और स्वर्णांक। अधिशोषण।

उत्प्रेरण : समांग और विषमांग उत्प्रेरण। विवाकनन वर्धक।

प्रकाश रसायन : प्रकाश रसायन के नियम। मरल संव्यात्मक।

गणित : (कोड : 03)

1. बीजगणित :

समष्टियों का बीजगणित, संबंध और फलन, फलन का प्रतिलोम, संयुक्त फलन, तुल्यता संबंध; परिमेयसूचकांक के लिये व-मौल्यकर का प्रमेय और उनका सरल अनुप्रयोग।

2 मैट्रिसेस : मैट्रिसेस की बीजक्रिया, सारणिक सारणिकों के सरल गुण, सारणिकों के गुणनफल; सहसंयोज-आव्यूह; मैट्रिसेसों का प्रतिलोमन, मैट्रिसेस की आति। रैखिक समीकरण के हल निकालने के लिए मैट्रिसेसों का अनप्रयोग (तीन अज्ञात संख्याओं में)।

3. विषलेखिक ज्यामिति :

द्विविम की विश्लेषिक ज्यामिति : सरल रेखाएं, सरल रेखाओं की जोड़ी, वृत्त, वृत्त निकाय, परकलय, वीर्यवृत्त अतिपरिकलय (मुद्रय अंशों के संबंध में)। द्वितीय अंश समीकरण का मानक रूप में लवकरण। स्वर्गरेखाएं और अभिलंब।

द्विविम की विश्लेषिक ज्यामिति :

समतल, सीधी रेखाएं और गोलक (केवल कार्तीय निर्देशांक)।

4. फलन (केलकुलस) और विविध समीकरण :

अवकल गणित : सीमान्त की संकल्पना, वास्तविक चर फलन का सातत्य और अवकलनियता, मानक फलन का अवकलन, उत्तरोत्तर अवकलन। चोल का प्रमेय। मध्यामान प्रमेय; मैकलारिन और टेलर सीरीज (प्रमाण आवश्यक नहीं है) और उनका अनुप्रयोग; परिमेय सूचकांकों के लिए द्विपदप्रसरण चरणातीती प्रसरण, लघुगुणकीय त्रिकोण-विलोय और अति-परकलयिक फलन। अनिर्धारित रूप। एकल चर फलन का उच्चिष्ट और अधिष्ठ, स्वर्गरेखा, अभिलम्ब, अधः स्पर्शी, अधोलम्ब, अस्तस्पर्शी चक्रता (केवल कार्तीय निर्देशांक) जैसे ज्यामितीय अनुप्रयोग। एनक्लेप, आंशिक अवकलन। समांगी फलनों से संबंधित आयलर प्रमेय।

समाकलन-गणित—समाकलन की मानक प्रणाली। मतत फलन के निश्चित समाकलन की सीमान्त—परिभाषा। समाकलन गणित के मूल सिद्धान्त। परिशोधन, क्षेत्रफल, आयतन और परिक्रमण बनाकृति का पृष्ठीय क्षेत्रफल। संख्यात्मक समाकलन के बारे में सिम्पसन का नियम।

अवकल समीकरण : प्रथम कोटि के मानक अवकल समीकरण का हल निकालना। नियम गुणांक के साथ द्वितीय और उच्चतर कोटि के रैखिक समीकरण का हल निकालना। वृद्धि और अय की समस्याओं का मरल अनप्रयोग, सरल हारमोनिक रूपान्तरण। माधारण पेन्डुलम और समविश।

5. यांत्रिक (वेक्टर पद्धति का उपयोग किया जा सकता है)।

स्थिति विज्ञान :—समतलीय तथा सगामी बलों की सम्यावस्था की स्थिति। साधारण तत्वों के गुरुत्व केन्द्र। स्थैतिक घषण, साम्याघर्षण और सीमान्त घर्षण। घर्षण कोण। रूख आनत समतल पर के कण की साम्यावस्था। कल्पित कार्य (दो आयामों में)।

गति-विज्ञान :—शुद्ध गति विज्ञान—कण का त्वरण, वेग, चाल और विस्थापन, आपेक्षित, वेग। निरन्तर त्वरण की अवस्था में सीधी रेखा की गति। न्यूटन गति संबंधी सिद्धान्त। सकेन्द्र कक्षा। सरल प्रसंवा गति। (निर्वात में) गुरुत्वावस्था में गति। आवेग कार्य और ऊर्जा, रैखिक संवेग और ऊर्जा का संरक्षण। समान वर्तुल गति।

8. सांख्यिकी—प्रायिकता—प्रायिकता की शास्त्रीय और सांख्यिकीय परिभाषा, सचयात्मक प्रणाली की प्रायिकता। तारकनर, योग एवं गुणन प्रमेय, सप्रतिबंध प्रायिकता। यादृच्छिक चर (निर्वात और अविवरत), घनत्व फलन, गणितीय प्रत्याशा।

**मानक वितरण** :—द्विपक्ष वितरण, परिभाषा, माध्य और प्रसरण, वैषम्य सीमान्त रूप सरल अनुप्रयोग। प्वासो वितरण परिभाषा-माध्य और प्रसरण, योज्यता, उपलब्ध आंकड़ों में प्वासो वितरण का समंजन। सामान्य वितरण, सरल समानुपात और सरल अनुप्रयोग, उपलब्ध आंकड़ों में सामान्य में प्रसामान्य वितरण का समंजन।

**द्विचर वितरण** :—सहस्र, दो चरों का रैखिक समाश्रयण, सीधी रेखा का समंजन, परवलयिक और चतुर्घाताकी वक्र, सहसंबंधित गुणों के गुण।

सरल प्रतिदर्श वितरण और परिकल्पनाओं का सरल परीक्षण यादृच्छिक प्रतिदर्श। सांख्यिकी, प्रतिदर्शों बंटन और मानक त्रुटि। मध्य पदों के अन्तर की अर्थवत्ता के परीक्षण में प्रसामान्य टी, सी० एच० आर्डी० (CH<sub>2</sub>) और एफ० का सरल वितरण।

**टिप्पणी** :—उम्मीदवारों को दो विषयों—सं० 5 यांत्रिकी और सं० 6 सांख्यिकी—में से किसी एक विषय पर प्रश्नों के उत्तर लिखने का विकल्प होगा।

#### वनस्पति विज्ञान (कोड 04)

1. वनस्पति जगत का सर्वेक्षण—प्राणियों और पौधों में अन्तरः—जीवित जीव की विशेषताएँ : एक कोशिक और बहु कोशिक जीव : बाह्य वनस्पति जगत के विभाजन का आधार।

2. आकृति विज्ञान :—(i) एक कोशिका पौधे—कोशिका, इसकी संरचना और अन्तर्बस्तु कोशिकाओं का विभाजन और संवर्धन।

(ii) बहुकोशिक पौधे—असंयोज्य और संयोज्य पौधों के कार्य में भेद : संयोज्य पौधों का बाह्य और आंतरिक आकृति विज्ञान।

3. जीवन चक्र : इन पादप वर्गों के प्रत्येक वर्ष के कम से कम एक पौधे का जीवनचक्र—बकरीरिया, नील रहित शैवाल वर्ग (साइनोबैक्टीरिया), क्लोरोफाइट्स : भरा शैवाल वर्ग, गियाफाला शैवाल वर्ग (रोडोफाइट्स), पाइरूप्लासमसिटीज, एस्कोमाइसिटीज, बेसिडियमी, कवक, लिक्विडेटा; मासेस ; टेरिडोफाइट्स, जिम्नोस्पर्म और ऐन्जियोस्पर्म।

4. वर्गीकरण—वर्गीकरण के नियम, ऐन्जियोस्पर्म के वर्गीकरण की मुख्य पद्धतियाँ :

निम्नलिखित कुलों के विभिन्न लक्षण और आर्थिक महत्व :—

ग्रामिनि सिटामिन, पामेसी, लिलिएसी, आर्किडेसी, मोरेसी, लोरेन्थेसी; मनोसिएसी, लारेसी; कृसिकेरी; लग्युमिनोसी, रुटेसी; मीसिएसी; यूफो-न्यासी; एनाकार्डिएसी, मालवसी, एसोसाइनेसी; एस्कलीपिएडेसी; डिफ्ट-रोकारमसी; मर्टेसी, अम्बेलीफेरी, तुलसीकुल (लेबिएटी), सीलेनेसी; रुबिएसी कृकरबिटेरिएसी; बर्निसेसी और कम्पोजिटो।

5. पादप शरीर शिवाविज्ञान—स्वपोषण, परपोषण, जल और पोषक तत्वों का अन्तर्ग्रहण, वाष्पोत्सर्जन, प्रकाश संश्लेषण; खनिज पोषण; श्वसन, वृद्धि, जनन, पादप प्राणि संबंध, मनुजीवन, परजीविता, एन्जाइम, आक्सिम हार्मोन; दीप्तिफालिता।

6. पादप रोग विज्ञान—पौधों की बीमारियों के कारण और उनके पिचार; रोग जीव, बाह्य, हीनत, जन्म रोग; प्रतिरोध।

7. पादप पारिस्थितिक विज्ञान—विशेष रूप से भारतीय पेड़-पौधों और भारत के वनस्पति क्षेत्रों के सदर्भ में परिस्थितिक विज्ञान और वायु भूगोल से संबंधित आधारभूत तथ्य।

8. सामान्य जीव विज्ञान—काशिका—विज्ञान, आनुवंशिक विज्ञान पादप प्रजनन मण्डलवाद, सकरबीज, उत्परिवर्तन, विकास।

9. आर्थिक वनस्पति विज्ञान—पौधों का विशेषतः अनाज, दाल, फल, चूना, स्टार्च, तिलहन, मसाले पेय पदार्थ, रेशे, लकड़हो, रबर, औषधियों और वन्यजीव तेलों आदि वनस्पति उत्पादों में संबंधित गुण पादपों का मानव कल्याण के लिए लाभकारी उपयोग।

10. वनस्पति विज्ञान का इतिहास—वनस्पति विज्ञान संबंधी विज्ञान के विकास की सामान्य जानकारी।

#### प्राणि विज्ञान : (कोड 05)

प्राणि जगत का प्रमुख समूहों में वर्गीकरण विभिन्न वर्गों के विशिष्ट लक्षण।

रज्जु रहित (नान-कोर्डेट) किस्म के प्राणियों की बनावट, आदतें और जीवन चक्र :

अमीबा, मलेरिया—परजीवी। स्पंज, हाइड्रा, लिक्विड, कीटा कृमि; गोल कृमि, केचूआ; जीके; तिलचट्टा, गृह मक्खी; बिच्छू; ताजे पानी का मस्ल, ताल घोघा और स्टार-फिश (केवल बाह्य लक्षण)।

कीटों का आर्थिक महत्व। निम्नलिखित कीटों की परिस्थिति और जीवन चक्र :—

दीमक; टिट्टी; शहब की मक्खी और रेशम का कीड़ा।

रज्जुकी—क्रम वर्गीकरण।

निम्नलिखित प्रकार के रज्जुमान प्राणियों की बनावट और तुलनात्मक शरीर :—

ट्रैकिओस्टोमा; स्कोलिओडान; मेंढक; यरोमस्टिकस या कोई अन्य छिपकली (बेरनस का अस्थिपंजर), कबूतर (कुक्कुट का अस्थिपंजर); और खरगोश, बूढ़ा या गिलहरी।

मेंढक और खरगोश के संबंध में जन्तु कार्य के विभिन्न अंगों के ऊतकविज्ञान और शरीर क्रिया विज्ञान की प्रारम्भिक जानकारी; अन्तः—स्त्री प्रणियों और उनका कार्य।

मक और चूने के विकास की रूपरेखा, स्तनी जन्तुओं की बनावट और कार्य।

विकास के सामान्य नियम; विविधता, आनुवंशिकता; अनुकूलन; पुनरावर्तन परिकल्पना; मेंढेसीय आनुवंशिकता; अलैंगिक जनन और लैंगिक जनन की विधियाँ; अतिरिक्त जनन (पार्थेनोजेनेसिस); कायांतरण, पीढ़ी एकांतरण।

विशेष रूप से भारतीय जन्तु समूह के संबंध में जन्तुओं का पारिस्थितिक और भूवैज्ञानिक वितरण।

भारत के वन्य प्राणी जिनमें विषैले और विषहीन साँप भी शामिल हैं। शिकार पक्षी।

#### भूविज्ञान : (कोड 06)

सामान्य भूविज्ञान :

पृथ्वी की उत्पत्ति, काल और आंतरिक भाग, विभिन्न भूवैज्ञानिक एजेंसिया और स्थलाकृति, अपभ्रंश और अपरदन (इरोजन) पर उनका प्रभाव, मृदा के प्रकार, उनका वर्गीकरण और भारत के मृदा समूह, भारत के भू-आकृति उप-भार, वनस्पति और स्थलाकृति, ज्वालामुखी, भूकम्प, पर्वत पटलविस्फोटन (इयस्ट्रोफिज्म)।

2. संरचनात्मक भूविज्ञान :

ग्रानेथ, ग्रेनाइट और कायांतरित चट्टानें, नति, नतिलम्ब और बलान बलन, भ्रंश और विषम विन्दास और वृक्षों पर उनका प्रभाव, भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और मानचित्रण की विधियों के सम्बन्ध में प्रारम्भिक जानकारी।

3. क्रिस्टल विज्ञान और खनिज विज्ञान

(क्रिस्टल समिति के बारे में प्रारम्भिक जानकारी। क्रिस्टल विज्ञान का नियम, क्रिस्टल की प्रकृति और यमलन (ट्रिविंग)।

मूल्य खनिज, महत्वपूर्ण शैल-रचना, रसायनिक संयुक्त, भौतिक गुण, प्रकाशिक गुण-त्रय, परिवर्तन प्राति और वाणिज्यिक उपयोग संबंधी अध्ययन। अध्ययन।



4. आर्थिक भू विज्ञान :

भारत के महत्वपूर्ण खनिजों और उनकी उपस्थिति की अवस्था का अध्ययन । अयस्क निक्षेपों का उद्भव और वर्गीकरण ।

5. जल विज्ञान :

आग्नेय, अवसादी और कार्यान्तरित चट्टानों तथा उनके उद्भव और वर्गीकरण का प्रारम्भिक अध्ययन । चट्टानों के सामान्य प्रकारों का अध्ययन ।

6. स्तर क्रम विज्ञान :

स्तर क्रम विज्ञान नियम; वैज्ञानिक अभिलेखों का अर्थ वैज्ञानिक और कालानुक्रम उप-विभाजन । भारतीय स्तर क्रम विज्ञान की महत्वपूर्ण विशेषताएं ।

7. जीवाश्म विज्ञान :

जीवाश्म विज्ञान सम्बंधी आधार सामग्री का विकास से संबंध, जीवाश्म (फॉसिल) उनका स्वरूप और परिरक्षण की विधि । प्राणी-जीवाश्मों और पादप-जीवाश्मों की निरूप आकृतियों के आकृति विज्ञान और विभाजन की प्रारम्भिक जानकारी ।

भूगोल (कोड 07)

(i) प्रारम्भिक भू-आकृति विज्ञान : सीर मंडल और पृथ्वी का उद्भव, भू-आकृति, भू-लक्षण, प्रारम्भिक, भू-विज्ञान, चट्टानों और मिट्टी का बनाना ।

(ii) जलवायु विज्ञान : जलवायु और इसके तत्व, तापमान वायु, आर्द्रता, पवन प्रवृत्ति, चक्रवात और प्रतिचक्रवात का प्रारम्भिक ज्ञान, वृष्टिपात के प्रकार ।

(iii) समुद्र विज्ञान : भूमि और जल का वितरण, समुद्र जल का संकूलन, ज्वार, धाराएँ, लवणता, समुद्रतल निक्षेप ।

(iv) पाथ भूगोल : वनस्पतियों के प्रकार, भौगोलिक पर्यावरण से उनका सम्बन्ध, वन, घास के मैदान, रेगिस्तान, प्रधान प्राकृतिक क्षेत्र ।

(v) मानव भूगोल : पर्यावरण में मानव, मनुष्य की प्रजातियाँ, मनुष्य के कालांतर और जनसंख्या का विभाजन ।

(vi) आर्थिक भूगोल : मुख्य वनस्पतियाँ, पशु, खनिज उत्पादन, उनका वितरण और भौगोलिक पृष्ठ भूमि, उद्योग और उनका स्थानीकरण, कच्चे माल, खाद्यान्न और विनिर्मित माल का अंतराष्ट्रीय व्यापार ।

(vii) क्षेत्रीय भूगोल : भारत का विस्तार से और संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटन, रूस, चीन, जापान, दक्षिण पूर्वी एशिया, मध्य पूर्व श्रीलंका, बर्मा और पाकिस्तान का सामान्य रूप से ज्ञान ।

अंग्रेजी साहित्य (कोड 08)

उम्मीदवार को स्पेसर काल से लेकर महारानी विक्टोरिया का शासन समाप्त होने तक के अंग्रेजी साहित्य के इतिहास का सामान्य, और निम्नलिखित लेखकों की कृतियों का विशेष ज्ञान होना चाहिए :—

शेक्सपीयर, मिल्टन, जानसन, डिक्सन, चैम्बरस, कोट्स, कार्लाइल, टेनिसन और हार्डी ।

भारत का इतिहास (कोड 09)

1600 ई० से लेकर भारतीय गणराज्य की स्थापना तक का भारत, तथा इस अवधि में घटित सांविधिक प्रगति ।

टिप्पणी — इस विषय में उम्मीदवारों को भूगोल के उस पक्ष का भी ज्ञान होना चाहिए जिसका संबंध इतिहास से होता है । किसी अवधि के प्रारम्भ होने की यदि कोई निश्चित तारीख दी जाए तो उम्मीदवारों को सामान्य रूप से यह भी जानना चाहिए कि हम प्रारम्भिक स्थिति तक किस प्रकार पहुँचे हैं ।

सामान्य अर्थशास्त्र (कोड 10)

उम्मीदवारों को अर्थशास्त्र के सिद्धांत का ज्ञान होना चाहिए और उनकी तथ्यों की सहायता से सिद्धान्त का निरूपण करना और सिद्धांत के आधार पर तथ्यों का विश्लेषण करना दोनों जाना चाहिए । भारत और इंग्लैंड के आर्थिक इतिहास और उन देशों की आर्थिक स्थिति का कुछ ज्ञान भी होना चाहिए ।

राजनीति विज्ञान (कोड 11)

उम्मीदवारों को राजनीति विज्ञान और उसके इतिहास का ज्ञान होना चाहिए । राजनीति विज्ञान का ज्ञान केवल विधि-निर्माण के सिद्धांत के रूप में नहीं, बरन राज्य के सामान्य सिद्धांत के रूप में भी होना चाहिए । सांविधिक शासक के प्रकारों (प्रतिनिधि सरकार, संघवाद आदि) और लोक प्रशासन-केन्द्रीय और स्थानीय—पर पी प्रश्न पूछे जायेंगे उम्मीदवारों को वर्तमान संस्थाओं के उद्भव और विकास का भी ज्ञान होना चाहिए ।

समाज विज्ञान (कोड 12)

समाज विज्ञान की प्रकृति और क्षेत्र : समाज का अध्ययन, समाज विज्ञान और अन्य सामाजिक विज्ञानों से उनका संबंध ।

मूल धारणाएं : महत्व एवं कार्य, प्राथमिक एवं गौण वग, सामाजिक संस्थाएं, समाजिक संरचना, सामाजिक नियन्त्रण एवं अपवर्ती आचरण, सामाजिक द्वन्द्व, सामाजिक परिवर्तन :—

मूल सामाजिक संरचनाएं एवं संस्थाएं, विवाह, परिवार एवं रिश्तेदारी राजनीति संस्थाएं; धार्मिक संस्थाएं; सामाजिक स्तरण-जाति, वर्ग एवं वंश ।

वातावरण; समाज एवं संस्कृति : भारतीय समाज विज्ञान, जाति एवं जातिवाद; परिवार एवं रिश्तेदारी. ग्राम समाज आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन ।

मनोविज्ञान (कोड 13)सामान्य मनोविज्ञान

मनोविज्ञान की परिभाषा और विषय-वस्तु, मनोविज्ञान की पद्धतियाँ, अनुकूलन एवं आचरण क्रियाविधि की अवधारणा; आचरण का शरीर शास्त्रीय आधार ।

(क) अभिप्रायक, चाक्षुष, एवं श्रवण संबंधी, (ख) नाडी तन्त्र की सामान्य रूप रेखा;

(ग) कारक—मोसपेक्षियाँ एवं ग्रंथियाँ :—

मानव विकास के तत्व—आनुवंशिकता एवं पर्यावरण, परिपक्वता एवं शिक्षा प्राप्ति ।

अभिप्रेरणा एवं मनोवेग—उनकी प्रकृति, किस्म और विकास । प्रत्यक्ष ज्ञान एवं उनकी प्रकृति—रूप रंग और स्थान ।

अधिगम—उनकी प्रकृति, अनुकूलन, अन्तर्वृष्टि और प्रयत्न वृद्धि । अधिगम तथा स्मरण शक्ति और विस्मरण प्रक्रियाओं को प्रभावित करने वाले तत्व, स्मरण करने की सफल विधियाँ ।

चिन्तन और तर्क ।

प्रज्ञा और योग्यताएं—उनकी प्रकृति और मापन ।

व्यवित्त—प्रकृति, निर्धारक और मापन ।

असामान्य मनोविज्ञान

असामान्य आचरण—अवधारणा और कारण ।

कुंठा और द्वन्द्व, रसात्मक व्यक्ति ।

मनोवैज्ञानिक विकार—मनस्ताप एवं मनोविधिति, व्यक्तित्व एवं मनो-शास्त्रीय विकार ।

मानसिक विकार के उपचार का सामान्य ज्ञान—मनोरोग चिकित्सा ।

## सामाजिक मनोविज्ञान

समूह प्रक्रियाएँ—व्यक्ति और समूह, नेतृत्व, मनोबल एवं भीड़ का व्यवहार।

प्रचार और मनोवैज्ञानिक युद्ध।

## बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीदवारों की बुनियादी बुद्धि की जांच करने के लिए साक्षात्कार के अतिरिक्त मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जाएगी। उनके ग्रुप परीक्षण भी किए जाएंगे जैसे ग्रुप परिचर्चा, ग्रुप योजना, बहिरंग ग्रुप कार्यकलाप तथा उन्हें निदिष्ट विषयों पर सक्षिप्त व्याख्यान देने के लिए कहा जाएगा। ये सभी परीक्षा उम्मीदवारों की मेधाशक्ति की जांच के लिए हैं। मोट तौर पर ये परीक्षण वास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गुणों की जांच के लिए हैं अपितु इससे उनकी सामाजिक विशेषताओं तथा सामयिक घटनाओं के प्रति दिलचस्पी का भी पता चलेगा।

## परिशिष्ट II

(अकादमी/स्कूल में प्रवेश के लिए स्वास्थ्य का मानक)

टिप्पणी — उम्मीदवारों को निर्धारित स्वास्थ्य मानक के अनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। स्वस्थता संबंधी मानक नीचे बताए गए हैं।

बहुत से अर्हताप्राप्त उम्मीदवार घाघ में अस्वस्थता के आधार पर अस्वीकृति कर दिए जाते हैं अतः उम्मीदवारों के अपने हित के लिए सलाह दी जाती है कि अन्त म निराशा से बचने के लिए उन्हें अपना आशेदन पत्र भेजने से पहले अपने स्वास्थ्य की जांच करा लेनी चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड द्वारा अनुमोदित बहुत से उपयुक्त उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा सेना के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा की जाएगी। जो उम्मीदवार मेडिकल बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जाएगा उसकी अकादमी या स्कूल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सेवा के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा कर लिए जाने का अर्थ यह नहीं होगा या नहीं निकाला जाएगा कि उम्मीदवार अंतिम रूप से चुन लिया गया है। मेडिकल बोर्ड की कार्यवाही गुप्त होती है जिसको किसी को नहीं बताया जा सकता। अनुपयुक्त या अस्थायी रूप से अनुपयुक्त घोषित उम्मीदवारों का परिणाम उन्हें स्वस्थता प्रमाण-पत्र तथा अपील प्रस्तुत करने की कार्यविधि के साथ सूचित कर दिया जाता है। मेडिकल बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा मेडिकल बोर्ड के परिणाम से सम्बद्ध कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों को अपने हित में परामर्श है कि यदि उनकी दृष्टि अपेक्षित स्तर की न हो तो सेवा चयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार स्वास्थ्य-परीक्षा हेतु बुलाए जाने पर उन्हें अपने साथ संशोधक ऐनक लानी चाहिए।

1. अकादमी/स्कूल में प्रवेश के लिए उस उम्मीदवार को ही योग्य समझा जाएगा जिसका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक होगा और जिसमें कोई ऐसी अशक्तता नहीं होगी जिससे कुशलतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. किन्तु निम्नलिखित बातों के सम्बन्ध में तसल्ली कर ली जाएगी:

(क) कमजोर शरीर गठन, अपूर्ण विकास, गम्भीर कुरचना या स्थूलता तो नहीं है।

(ख) हड्डियों और संधियों का कृविकास तो नहीं हुआ है और उन में किसी प्रकार की क्षीणता तो नहीं हो गई है।

टिप्पणी—अस्पष्टित ग्रंथ पर्वका वाले उम्मीदवारों को भी स्वस्थ माना जा सकता है यदि उसमें उक्त रोग के लक्षण न हों। तथापि चिकित्सा बोर्ड की कार्यवाही में इस शेष का उल्लेख छोटी-मोटी अशक्तता के रूप में कर दिया जाएगा।

(ग) भोजन में तो बाधा नहीं पड़ती है।

(घ) सिर की रचना में तो दोष नहीं है या खोपड़ी की हड्डी टूटने या बचने से विकृतता तो नहीं आ गई है।

(ङ) कम सुनाई तो नहीं पड़ता है। कोई कान बह तो नहीं रहा है या रोगग्रस्त तो नहीं है। टिमौतिक मम्न में कम्पा जडम तो नहीं है या उग्र या पुराना मध्य कर्ण शोध के चिह्न तो नहीं है या श्रामूल या संशोधित श्रामूल कर्ण तो नहीं हुआ है।

टिप्पणी—यदि कान के पर्दे का छेब पूरी तरह से भरा गया हो, इसको और क्षति न पहुँची हो तथा सुनाई ठीक पड़ता हो तो इस अवस्था को थल सेना के लिए उम्मीदवार को स्वीकार करने में बाधक नहीं समझना चाहिए।

(च) नाक की हड्डी या उपास्थि का कोई रोग तो नहीं है या नोज पालिपस तो नहीं है अथवा नामाश्रसनी या सहायक कोटरी का कोई रोग तो नहीं है।

टिप्पणी—नासा पट के छोटे भ्रलक्षणों उवध्वातज छेद के कारण उम्मीदवार को एक दम अस्वीकृत नहीं किया जाएगा वरन ऐसे मामलों को आंज और मत के लिए कर्णविज्ञान सलाहकार के पास भेजा जाएगा।

(छ) गर्दन या शरीर के ग्रन्थ भागों की ग्रथियां बड़ी हुई तो नहीं है और बाहराहड ग्रथि सामान्य है।

टिप्पणी—तपेदिक की ग्रथियों को हटाने के लिए किए गए आपरेशन के निशान उम्मीदवार की अस्वीकृति का कारण नहीं बन सकते हैं बशर्ते कि गत 5 वर्षों में सक्रिय रोग न हुआ हो तो छाती लाक्षणिक आंच तथा एक्मरे करने पर रोग मुक्त पाई जाए।

(ज) गले, तालु, टोंथिल या मसूझों का कोई रोग नहीं है तथा किसी भी लम्बकी संधियों की सामान्य श्रिया पर प्रभाव डालने वाली कोई बीमारी या चोट तो नहीं है।

टिप्पणी—यदि बार-बार टोंसिल शोध होने का कोई यत्त न हो तो टोंसिलों की अतिवृद्धि अस्वीकृति का कारण नहीं होती।

(झ) हृदय तथा रक्त बाहिकाओं का क्रिया सम्बन्धी या अंग रोग के लक्षण तो नहीं हैं।

(ञ) फेफड़ों की तपेदिक या इस बीमारी का पूर्ववृत्त या फेफड़ों की कोई जीर्ण बीमारी का प्रमाण तो नहीं है।

(ट) जिगर और तिल्ली की किसी विलक्षणता सहित पाचक तन्त्र के किसी रोग का चिह्न तो नहीं है।

(ठ) वंक्षण हनिया तो नहीं है या उनके ाने की प्रवृत्ति तो नहीं है।

टिप्पणी — (i) वंक्षण हनिया (जिसमें शन्य चिकित्सा न की गई हो), अस्वीकृति का कारण होगा।

(ii) जिनका हनिया का आपरेशन हो चुका है उन्हें शारीरिक रूप से स्वस्थ माना जाएगा बशर्ते कि:

(i) आपरेशन हुए एक वर्ष व्यतीत हो गया हो। इसके लिए उम्मीदवार को लिखित प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

(ii) पेट की पेशी समूह सामान्यतया ठीक है।

(iii) हनिया की पुनरावृत्ति नहीं हुई है, या इसकी शक्य चिकित्सा से संबंधित कोई उल्लान गैरा नहीं हुई।

(ड) हाइड्रोसिल या निश्चिन वैरिकोसिल या जननेंद्रियों का अन्य कोई रोग या खराबी तो नहीं है।

ग्रान में — (i) यदि हाइड्रोसिल के आपरेशन के बाद कोई रज्जु और अण्ड ग्रथियों की धनक्षणताएं न हों और फाल्से-रियासिस का प्रमाण न हो तो उम्मीदवार को स्वीकार कर लिया जाएगा।

(ii) यदि एक और की प्रकृति: उदरीय अण्ड ग्रन्थि आरोही हो तो इस आधार पर उम्मीदवार की अस्वीकार नहीं किया जाता बशर्ते कि दूसरी अण्डग्रन्थि असामान्य हो तथा इन आरोही अण्डग्रन्थि के कारण कोई शारीरिक या मनोवैज्ञानिक कुप्रभाव न हो। यदि आरोही अण्डग्रन्थि संलग्न नलिका में अथवा उदरीय विलय में रुकी हो और आपरेशन से ठीक न हो सकती तो इस स्थिति में उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

- (क) किस्टुला और या गुदा का विदर या बवासीर के मस्से तो नहीं हैं।
- (ण) गुदों की कोई बीमारी तो नहीं है। ग्लुकोजमेह या एल्यूमिन मेह के सभी रोगी अस्वीकृत कर दिए जाएंगे।
- (त) अस्थायी अथवा मायूजी अत विज्ञो को छोड़कर कोई ऐसा खर्मे रोग तो नहीं है जिसके प्रचार अथवा स्थिति के कारण उम्मीदवार में अणवतता या बहुत अधिक कुक्ष्यता आ गई हो या आने की संभावना हो। उसी उम्मीदवार को इसी आधार पर अस्वीकार किया जाएगा।
- (थ) कोई सक्रिय गुप्त या जन्मजात रक्तिय रोग तो नहीं है।
- (द) उम्मीदवार या उसके परिवार में मानसिक रोग का कोई पूर्व कृत या प्रमाण तो नहीं है। जिन उम्मीदवारों को मिरगी आती हो, जिनका पेशाब बने ही या नीच में निकल जाता हो उन्हें स्वीकार नहीं किया जाएगा।
- (घ) भोगपन या अग्रि या पलकों की ऐसी विकृति तो नहीं जिसके बढ़ने या बुझा होने का खतरा हो सकता है।
- (न) सक्रिय रोट्रे (ट्रुकोमा) या इसकी जटिलताएं तथा अनुप्रभाव तो नहीं हैं।

टिप्पणी —इलाज के लिए आपरेशन प्रवेश से पूर्व करवाए जाएं। अन्तिम रूप से स्वीकार किए जाने की गारन्टी नहीं दी जाती है तथा उम्मीदवारों को यह स्पष्टतया समझ लेना चाहिए कि क्या आपरेशन धोखनीय है या आवश्यक है, इस बात का निर्णय उनके निजी चिकित्सा सलाहकार को ही करना है। आपरेशन के परिणाम अथवा किसी और खर्च का दायित्व सरकार अपने ऊपर नहीं लेगी।

3. कद, वजन तथा छाती के मापों के लिए मानक :

(क) कद :

(i) उम्मीदवार के कद की नाप उसे मापदण्ड के सामने दोनों पैर मिलाकर खड़ा करके ली जाएगी। उस समय वजन एंड्रियों पर होना चाहिए पंजे पर या पांख के बाहरी पायवों पर नहीं। वह बिना अकड़े इस प्रकार सीधा खड़ा होगा कि उसकी एडियां, पिंडलियां, नितम्ब और कंधे मापदण्ड के साथ लगे होंगे, उसकी ठोड़ी नीचे की ओर रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर थाड़ी छड़ के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा। 0.5 सेंटीमीटर से कम दशमलव भिन्न की अपेक्षा की जाएगी, 0.5 सेंटीमीटर का इसी रूप में रिकार्ड किया जाएगा तथा 0.6 सेंटीमीटर या उससे अधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

(ii) उम्मीदवार के लिए न्यूनतम स्वीकार्य 157.5 सेंटीमीटर (नौसेना के लिए 157 सेंटीमीटर) है, किन्तु गोरखा, नेपाली, असमिया, गढ़वाली उम्मीदवारों के लिए नीचे (ख) (i) में दी गई उससे संबंधित सारणी में दिए गए कद से 5.0 सेंटीमीटर कम किया जा सकता है। मणिपुर, मेघा, मेवालय और त्रिपुरा के नौसेना के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद 5 सेंटीमीटर और लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के मामले में कद 2 सेंटीमीटर कम कर दिया जाएगा।

(ख) वजन :

(i) उम्मीदवार का वजन पूरी तरह से कपड़े उतरवा कर या केवल जांघिया के साथ किया जाएगा। वजन करते समय 1/2 किलोग्राम का रिकार्ड नहीं किया जाएगा। आयु, कद तथा औसत वजन विषय परस्पर संबंधी सारणी मार्गदर्शन के लिए दी जा रही है :

पिछले जन्म विकास को आयु	बिना जूतों के ऊंचाई	वजन	
		औसत	
		न्यूनतम	अधिकतम
1	2	3	4
वर्ष	सेंटीमीटर	किलोग्राम	किलोग्राम
17 से 18	157.5 तथा 165.0 से कम	43.5	55.0
तक	165.0 तथा 172.0 से कम	48.0	59.5
	172.5 तथा 183.0 से कम	52.5	64.0
	183.0 तथा इससे अधिक	57.0	—
	183.0 तथा इससे अधिक	57.0	—
19	160.0 तथा 165.0 से कम	44.5	56.0
अधिक	165.0 तथा 172.5 से कम	49.0	60.5
	172.0 तथा 178.0 से कम	53.5	65.0
	178.0 तथा 183.0 से कम	58.0	69.5
	183.0 तथा इससे अधिक	62.5	—
20 तथा	160.0 तथा 165.0 से कम	45.5	56.5
अधिक	165.0 तथा 172.5 से कम	50.0	61.0
	172.5 तथा 178.0 से कम	54.5	66.0
	178.0 तथा 183.0 से कम	59.0	69.5
	183.0 तथा इससे अधिक	63.5	—

केवल नौसेना के लिए

कद और वजन

सेंटीमीटरों में ऊंचाई	आयु		
	कद और वजन		
	18 वर्ष	20 वर्ष	22 वर्ष
कि० ग्रा० म वजन			
157	47	49	50
160	48	50	51
162	50	52	53
165	52	53	55
168	53	55	57
170	55	57	58
173	57	59	60
175	59	61	62
178	61	62	63
180	63	64	65
183	65	67	67
185	67	69	70
188	70	71	72
190	72	73	74
193	74	76	77
195	77	78	78

(ii) कद तथा आयु के संबंध में वजन का ठीक-ठीक मानक निर्धारित करना संभव नहीं है। अतः परस्पर संबंधी सारणी केवल निर्देशिका मात्र

है तथा सभी मामलों में लागू नहीं की जा सकती है। सारणी में दिये गये औसत वजन से 10 प्रतिशत (नौसेना के मामले में 6 कि० ग्राम कम-ज्यादा) होने पर उसे वजन की सामान्य सीमा के अन्तर्गत माना जाता है। ऐसा भी हो सकता है कि कुछ व्यक्तियों का वजन उपर्युक्त मानक से अधिक हो किन्तु शरीर के सामान्य गठन की दृष्टि से वे सभी प्रकार से योग्य हो सकते हैं। ऐसे व्यक्तियों के अधिक वजन का कारण भारी हड्डियों और पेशीय विकास हो सकता है न कि मोटापा। इसी प्रकार जिसका वजन मानक से कम हो उसके बारे में भी उपर्युक्त सारणी मानकों के पूरी तरह पालन की अपेक्षा उनका सामान्य शरीर गठन और आनु-वातिक विकास की कसौटी होना चाहिए।

(ग) छाती :—छाती सभी प्रकार विकसित होनी चाहिए और फलाने पर न्यूनतम फैलाव 5.0 सेंटीमीटर होना चाहिए। उम्मीदवार की छाती का नाप लेते समय उसे इस प्रकार सीधा खड़ा किया जाए कि उसके पाँव जुड़े हों और उसकी बांहें सिर के ऊपर उठी हों। फीते की छाती के गिराव इस प्रकार से लाया जायेगा कि पीछे की ओर उसका ऊपरी किनारा असफलको (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणों (इन्फिरियर ऐंगल्स) के साथ लगा रहे और इसका निचला किनारा सामने बूझकों के ऊपरी भाग से लगा रहे। फिर बाहों को सीधा किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ खटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे उठे या पीछे की ओर झुके न हों जिससे कि फीता हट जाए, जब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिकतम तथा न्यूनतम फैलाव सावधानी से लिख लिया जाएगा। अधिकतम तथा न्यूनतम फैलाव सेंटी मीटर में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84/89, 86/91 इत्यादि।

नाप को रिकार्ड करते समय 0.5 सेंटीमीटर से कम वगमलव भ्रम की अपेक्षा की जाएगी तथा 0.5 सेंटीमीटर को इसी रूप में रिकार्ड किया जाएगा तथा 0.6 सेंटीमीटर या इससे अधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

नौसेना के लिए :—छाती का एक्सरे अनिवार्य है।

#### 4. दांतों की हालत

इस बात की सुनिश्चित कर देना चाहिए कि खाने का काम अच्छी तरह करने के लिए प्राकृतिक तथा मजबूत दांत काफी सख्या में हों।

(क) स्वीकृत होने के लिए यह आवश्यक है कि उसने दांतों के लिए कम से कम 14 प्वाइंट प्राप्त किये हों। किसी भी व्यक्ति के दांतों की हालत का पता लगाने के लिए परस्पर अच्छी तरह सटे और दूसरे जबड़े के अनुरूप दांतों की निम्न प्रकार प्वाइंट दिये जाएंगे :—

(i) बीच के काटने वाले दांत, बगल के काटने वाले दांत, रदनक प्रथम तथा द्वितीय छोटी दाढ़ तथा कम विकसित तृतीय बड़ी दाढ़ प्रत्येक के लिए एक-एक प्वाइंट।

(ii) प्रथम तथा द्वितीय बड़ी दाढ़ तथा पूर्णतया विकसित तृतीय बड़ी दाढ़ के लिए दो-दो प्वाइंट।

पूरे 32 दांत होने पर कुल 22 प्वाइंट दिए जाएंगे।

(ख) प्रत्येक जबड़े के निम्नलिखित दांत एक दूसरे से इस प्रकार सटे हुए हों कि उनसे अच्छी तरह काम लिया जा सके :—

(i) घागे के 6 में से कोई 4 दांत।

(ii) पीछे के 10 में से कोई 6 दांत।

टिप्पणी :—जिन उम्मीदवारों के नकली दांत अच्छी तरह लगे हों उन्हें कमीशन के लिए स्वीकार कर लिया जाएगा।

(ग) तीव्र पायरिया वाले उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिस उम्मीदवार का पायरिया दांत अधिकारी की राय में बिना दांत निकाले अच्छा किया जा सकता है उसे स्वीकार किया जा सकता है।

#### (5) दृष्टिमानक (नौसेना)

अच्छी आंख खराब आंख		
दूर की नजर	(चश्मा लगाकर)	6/6 6/18

निकट दृष्टि (मायोपिया) जिसमें व्यक्त अभिव्युक्तता (एस्टिमेटिज्म मैनीफेस्ट) सम्मिलित—3.5 डी० से अधिक नहीं। दूर दृष्टि (हाइपर-मेट्रोपिया) जिसमें अभिव्युक्तता (एस्टिमेटिज्म) सम्मिलित है +3.5 डी० से अधिक नहीं।

टिप्पणी :— 1. फेब्रस तथा मीडिया स्वस्थ तथा सामान्य सीमा में हो चाहिए।

2. वर्धन निकट दृष्टि के सूक्ष्म वियमस या कोरियोरेटिना के अनावश्यक न्यपगनन बिन्दु नहीं।

3. दोनों आंखों में द्विलो (बाइनोकुलर) दृष्टि संयमित शक्ति और पूर्ण दृष्टि क्षेत्र होना चाहिए।

4. कोई ऐसा घागिक रोग नहीं होना चाहिए जिसके प्रकोपन अथवा खराब होने की संभावना हो।

#### निकट दृष्टि (मायोपिया)

किसी भी एक मेरेडियम में 0.5 डायोप्ट्रेस अधिक नहीं होना चाहिए।

द्विलो दृष्टि :—उम्मीदवार की द्विलो दृष्टि ठीक होनी चाहिए। (दोनों आंखों में पयूजन् फैकल्टी और पूर्ण दृष्टि क्षेत्र होना चाहिए)। रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान

जिन उम्मीदवारों को अधोपरिभाषित न्यूनतम वर्ण भ्रमण मानक सी पी० 3 (सदोष सुरक्षा) न होता हो उन्हें अयोग्य माना जाएगा :—

सी० पी०-3 (सदोष सुरक्षा) :—उम्मीदवार इस योग्य न हों कि वे 1.5 मीटर की दूरी से सफेद, संकेत लाल और संकेत हरे रंगों को ठीक प्रकार से पहचान सकें जैसा कि माटिन छैटर्न में दिखाया गया है या इतिहास बुक/टोकियो मैडिकल कालिज बुक की अपेक्षित प्लेटों को पढ़ सकें।

#### दृष्टि मानक (नौसेना)

(क) दृष्टि तीक्ष्णता मानक 1		
दूर की नजर	अच्छी आंख	खराब आंख
	बी 6/6	बी० 6/9
	चश्मा	सहित 6/6

#### (i) नौसेना दृष्टिमानक 1 :

कार्य-पालक शाखा के उम्मीदवार चश्मा नहीं लगायेंगे लेकिन नौसेना मुख्यालय की अनुमति से इस मानक में डी० बी० जा सकती है। इंजीनियरी, इलेक्ट्रिकल सप्लाय और सचिवालय शाखा के सब प्रकार उपयुक्त उम्मीदवारों के मामले में 6/18, 6/36 तक डी० बी० दी जाए बशर्त कि चश्मा पहनने पर दृष्टि 6/6 हो।

#### (ii) विशेष अपेक्षाएं :

सामान्यतः नौसेना की सभी शाखाओं के कैडेटों/डाइरेक्ट एंट्री अफसरों को राशि दृष्टि तीक्ष्णता के वास्ते जेलाकासा की जांच नहीं की जाएगी और स्वास्थ्य परीक्षा के समय उनसे निम्नलिखित प्रमाण पत्र देने के लिए कहा जाएगा जो मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के साथ तथ्यी कर दिया जाएगा :

“मैं प्रमाणित करता हूँ कि मुझे रतौंधी नहीं है और जहाँ तक मेरी जानकारी है मेरे परिवार के किसी सदस्य को भी जन्म से रतौंधी नहीं है।”

ह० उम्मीदवार

बिकिरता अधिकारी के प्रति हस्ताक्षर

## रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान

नेत्र विचलन प्रवृत्ति मेडोक्स राइ/विगटेस्ट के साथ (बशर्ते कि अभि-  
मरण दोष तथा अन्य रोग लक्षण न हों) निम्नलिखित से अधिक नहीं  
होनी चाहिए :—

(क) 6 मीटर की दूरी से

एक्सोफोरिया

8 प्रिज्म

हायोप्टर

इंसोफोरिया

8 प्रिज्म

हायोप्टर

हाइपरफोरिया

1 प्रिज्म

हायोप्टर

(ख) 30 से० मी० की दूरी से

इंसोफोरिया

6 प्रिज्म

हायोप्टर

एक्सोफोरिया

16 प्रिज्म

हायोप्टर

हाइपरफोरिया

1 प्रिज्म

हायोप्टर

कार्यान्वित स्तर

(रोमाट्रोपिना के प्रतंगत)

दूर दृष्टिता की सोमा

सही घ्रांख

दूरदृष्टिता

1.5 हायोप्टर

साधारण दीर्घ दृष्टिता वैषम्य

0.75

दीर्घ दृष्टिता मरिडियन का  
दोष

संयुक्त दीर्घ दृष्टिता वैषम्य

1.5 हायोप्टर से अधिक  
नहीं होना चाहिए इसमें से  
0.75 हायोप्टर से अधिक  
दृष्टि वैषम्य के कारण नहीं  
होना चाहिए।

दूरदृष्टिता

सबसे खराब घ्रांख 2.5  
हायोप्टर

साधारण दूरदृष्टिता वैषम्य

1.5 हायोप्टर

संयुक्त दूर दृष्टिता वैषम्य

दूरदृष्टिता वैषम्य दोष  
2.5 हायोप्टर से अधिक  
नहीं होना चाहिए,  
इसमें से 1.00 हायोप्टर  
से अधिक दृष्टि वैषम्य के  
कारण नहीं होना चाहिए।

## 6. श्रवण मापक

श्रवण परीक्षा वाक् परीक्षण द्वारा की जाएगी। जहाँ आवश्यक होगा  
अस्थिता मापी (आइसोमेट्रिक) रिकार्ड भी ले लिए जाएंगे।

(क) वाक् परीक्षा:—उम्मीदवार को जो कि एक उचित ढंग से  
शान्त कमरे में परीक्षण की ओर पीठ करके 608.5 सेंटीमीटर की दूरी  
पर खड़ा हो प्रत्येक कान से फसफसाहट की आवाज सुनाई पड़नी चाहिए।  
परीक्षक को अवशिष्ट वायु से फुसफुमाना चाहिए अर्थात् वह साधारण  
निःश्वास प्रवृत्ति में लेगा।

(ख) श्रव्यता मितिक रिकार्ड :—उम्मीदवार को प्रत्येक कान से  
128 से 4096 साइकिल वृत्ति सैकिन्ड की आवृत्ति पर सुनना चाहिए।  
(श्रव्यता-मितिक पाठ्यांक + 10 तथा — 10 के बीच होना चाहिए) (नो सेना  
के लिए लागू नहीं है)।

## परिशिष्ट III

सेवा आदि के संक्षिप्त विवरण नीचे दिए गए हैं :—

(क) भारतीय सेना प्रकाशनी, देहरादून में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों  
के लिए :—

1. भारतीय सेना प्रकाशनी में भर्ती करने से पूर्व —

(क) उसे इस आशय का प्रमाण पत्र देना होगा कि वह यह समझता है कि  
किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणामस्वरूप यदि उसे कोई  
चोट लग जाए या ऊपर लिखित किसी कारण से या अन्यथा आव-

श्यक किसी सज्जकल आपरेशन या संबेदनाहरण बाधा के परिणाम-  
स्वरूप उसमें कोई शारीरिक प्रभावकता आ जाने या उसकी मृत्यु  
हो जाने पर वह या उसके वैध उत्तराधिकारी को सरकार के  
विरुद्ध किसी मुआवजे या अन्य प्रकार की राहत का दावा करने का  
हक न होगा।

(ख) उसके माता-पिता या संरक्षक को इस आशय के बन्ध-पत्र पर  
हस्ताक्षर करने होंगे कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके नियुक्त  
में समझे जाते हैं, उम्मीदवार पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले वापस  
भरना चाहता है या कमीशन प्रस्वीकार कर देता है तो उस पर  
शिक्षा शुल्क, भोजन, वस्त्र पर किए गए व्यय तथा दिए गए बेटन  
और भत्ते की कुल राशि या उतनी राशि जो सरकार निश्चित करे  
उसे वापस करनी होगी।

2. अंतिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को लगभग 18 महीनों का प्रशिक्षण  
दिया जाएगा। इन उम्मीदवारों के नाम सेना अधिनियम के अधीन "जेन्टलमैन  
कैडेट" के रूप में वर्ज किए जाएंगे। जेन्टलमैन कैडेट पर साधारण अनुशासनात्मक  
प्रयोजनों के लिए भारतीय सेना प्रकाशनी के नियम और विनियम लागू होंगे।

3. यद्यपि, आवास, पुस्तकें, वर्दी, बोडिंग और चिकित्सा सहित, प्रशिक्षण  
के खर्च का भार सरकार वहन करेगी लेकिन यह आशा की जाती है कि उम्मीदवार  
अपना जेब खर्च खुद बर्दास्त करेंगे। भारतीय सेना प्रकाशनी में (उम्मीदवार का  
न्यूनतम मासिक व्यय 55.00 रु० से अधिक होने की संभावना नहीं है। यदि  
किसी कैडेट के माता-पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या आंशिक  
रूप में बर्वास्त करने में असमर्थ हों तो सरकार द्वारा उन्हें वित्तीय सहायता दी  
जा सकती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता-पिता या संरक्षक की मासिक  
आय 450.00 रु० या इससे अधिक हो, वे इस वित्तीय सहायता के पात्र नहीं होंगे  
वित्तीय सहायता की पात्रता निर्धारित करने के लिए प्रचल सम्पत्तियों और  
सभी साधनों से होने वाली आय का भी ध्यान रखा जाएगा।

यदि उम्मीदवार के माता-पिता/संरक्षक किसी प्रकार की वित्तीय सहायता  
प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें अपने पुत्र/संरक्षित के भारतीय सेना प्रकाशनी  
में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने जाने के तत्काल बाद अपने जिले के जिला  
मजिस्ट्रेट के माध्यम से एक आवेदन-पत्र देना चाहिए जिसे जिला मैजिस्ट्रेट अपनी  
अनुमति सहित भारतीय सेना प्रकाशनी, देहरादून के कमाण्डेंट को अग्रेषित कर  
देगा।

4. भारतीय सेना प्रकाशनी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने  
गए उम्मीदवारों को भ्राने पर, कमाण्डेंट के पाम निम्नलिखित राशि जमा करानी  
होगी :—

(क) प्रतिमास 55.00 के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च	275.00
(ख) वस्त्र तथा उपस्कर की सर्वों के लिए	800.00
योग	1075.00

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राशि में से  
नीचे लिखी राशि वापिस कर दी जाएगी :—

55.00 प्रतिमाह के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च  
275.00

5. भारतीय सेना प्रकाशनी में निम्नलिखित छात्रवृत्तियां उपलब्ध हैं :—

(1) परमुराम भाऊ पटवर्धन छात्रवृत्ति :—यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र  
तथा कर्नाटक के कैडेटों को दी जाती है। इस छात्र वृत्ति की राशि  
प्रति मास 500.00 रु० प्रति वर्ष है जो कि कैडेटों को  
भारतीय सेना प्रकाशनी में रहने की अवधि के दौरान दी जाती है  
बशर्ते कि उसकी प्रगति संतोषजनक हो। जिन उम्मीदवारों को यह  
छात्रवृत्ति मिलती है वे किसी अन्य सरकारी वित्तीय सहायता के  
हकदार न होंगे।

## (2) कर्नल कैडेट फील्ड मेमोरियल छात्रवृत्ति ---

इस छात्रवृत्ति की राशि 360/- रुपये प्रति वर्ष है और यह किसी ऐसे पात्र मराठा कैडेट को दी जाती है जो किसी भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त होने वाले किसी वित्तीय सहायता के अतिरिक्त होती है।

6. भारतीय सेना अकादमी के प्रत्येक कैडेट के लिए सामान्य शर्तों के अन्तर्गत समय-समय पर लागू होने वाली दसों के अनुसार परिधायन भत्ता अकादमी के कमांडेंट को सौंप दिया जाएगा। इस भत्ते की जो रकम खर्च होगी वह

(क) कैडेट को कमीशन दिए जाने पर दे दी जाएगी।

(ख) यदि कैडेट को कमीशन नहीं दिया गया तो भत्ते की यह रकम राज्य को वापस कर दी जाएगी।

कमीशन प्रदान किए जाने पर इस भत्ते से खरीदे गए वस्त्र तथा अन्य आवश्यक चीजें कैडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जाएगी। किन्तु यदि प्रशिक्षणाधीन कैडेट त्याग पत्र दे दे, या कमीशन से पूर्व उसे निकाल दिया जाए या वापस बला सिया जाए तो उपर्युक्त वस्तुओं को उससे वापस ले लिया जाएगा। इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित का दृष्टिगत रखते हुए निपटान कर दिया जाएगा।

7. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान त्यागपत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। लेकिन प्रशिक्षण के दौरान त्यागपत्र देने वाले जेंटलमैन कैडेटों को थल सेना मुख्यालय द्वारा उनका त्यागपत्र स्वीकार होने तक घर जाने की आज्ञा दे दी जानी चाहिए। उनके प्रस्थान से पूर्व उनके प्रशिक्षण, भोजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाला खर्च उनसे वसूल किया जाएगा। भारतीय सेना अकादमी में उम्मीदवारों को भर्ती किए जाने से पूर्व उनके माता-पिता अभिभावकों को इस आशय के एक बांड पर हस्ताक्षर करने होंगे। जिस जेंटलमैन कैडेट को प्रशिक्षण का सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पूरा करने के योग्य नहीं समझा जाएगा उसे सेना मुख्यालय की अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीदवार को अपनी रेजिमेंट या कोर में वापस भेज दिया जाएगा।

8. यह कमीशन प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने पर ही दिया जाएगा। कमीशन देने की तारीख प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख अगले दिन से शुरू होगी। यह कमीशन स्थायी होगा।

9. कमीशन देने के बाद उन्हें सेना के नियमित अफसरों के समान वेतन, प्रोन्नति, पेंशन, और छुट्टी दी जाएगी तथा सेवा की अन्य शर्तें भी वही होंगी जो सेना के नियमित अफसरों पर समय-समय पर लागू होंगी।

## प्रशिक्षण :—

10. भारतीय सेना अकादमी में आर्मी कैडेट को "जेंटलमैन कैडेट" का नाम दिया जाता है तथा उन्हें 18 मास के लिए कड़ा सैनिक प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इन्फैंट्री के उप भूमिदलों का नेतृत्व करने के योग्य बन सकें। प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त जेंटलमैन कैडेटों को सैकंड लेफ्टिनेंट के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है बशर्ते कि एस० एच० ए० पी० ई० में भारीरूप से स्वस्थ हों।

## II सेवा की शर्तें :—

## (i) वेतन :—

रैंक	वेतनमान
सैक्रेटरी लेफ्टिनेंट	750-790
लेफ्टिनेंट	830-950
कैप्टन	1100-1550
मेजर	1400-1800
लेफ्टिनेंट-कर्नल (अग्रिम द्वारा)	1750-1950
लेफ्टिनेंट कर्नल (समय वेतनमान)	1800 नियत
कर्नल	1950-2175
ब्रिगेडियर	2200-2400
मेजर जनरल	2500-125/2-2750
लेफ्टिनेंट जनरल	3000 प्रतिमास

## (ii) भत्ते :—

वेतन के अतिरिक्त अफसरों को इस समय निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं :—

(क) सिविलियन राजपत्रित अफसरों पर समय-समय पर लागू शर्तें

और शर्तों के अनुसार ही इन्हें भी भत्तों के अधिकार तथा सहायता मिलते हुए मिलते हैं।

(ख) 50 रु० प्रतिमास की दर से किट अनुदान भत्ता।

(ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रवास भत्ता मिलेगा। यह विदेश भत्ते की तदनुसूची एकल दर का 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक होगा।

(घ) विपुक्ति भत्ता, जब विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहाँ परिवार सहित नहीं रहा जा सकता है तब वे अफसर 70/- रु० प्रतिमास की दर से विपुक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं :—

## (iii) तैनाती

थल सेना अफसर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किए जा सकते हैं।

## (iv) पदोन्नति :

## (क) स्थायी पदोन्नति :

उच्चतर रैंकों पर स्थायी पदोन्नति के लिये निम्नलिखित सेवा सीमाएँ हैं :—

समय	वेतनमान से
लेफ्टिनेंट	2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कैप्टन	6 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर	13 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर से लेफ्टिनेंट कर्नल यदि अग्रिम द्वारा पदोन्नति	
न हुई हो	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
अग्रिम द्वारा	
लेफ्टिनेंट कर्नल	16 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कर्नल	20 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
ब्रिगेडियर	23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर जनरल	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लेफ्टिनेंट जनरल	28 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
जनरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं

## (ख) कार्यकारी पदोन्नति

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमाएँ पूरी करने पर, अग्रिम उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिए पात्र होंगे बशर्ते कि रिक्तियाँ उपलब्ध हों :—

कैप्टन	3 वर्ष
मेजर	5 वर्ष
लेफ्टिनेंट कर्नल	6-1/2 वर्ष
कर्नल	8-1/2 वर्ष
ब्रिगेडियर	12 वर्ष
मेजर जनरल	20 वर्ष
लेफ्टिनेंट जनरल	25 वर्ष

(ख) नौसेना अकादमी, कोचीन में भर्ती होने वाले उम्मीदवारों के लिये :

1 (क) जो उम्मीदवार अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अंतिम रूप से चुन लिये जायेंगे, उन्हें नौसेना की कार्यकारी शाखा में कडेटों के रूप में नियुक्त किया जायेगा। उन उम्मीदवारों को नौसेना अकादमी, कोचीन के प्रभारी अफसर के पास निम्नलिखित राशि जमा करानी होगी।

(1) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिये आवेदन-पत्र नहीं दिया हो :

(i) 45.00 रुपए प्रतिमास की दर से पाँच मास के लिये जब श्रव 225.00 रु०

(ii) कपड़ों और सज्जा-सामग्री के लिये 460.00 रु०

जोड़ . 685.00 रु०

(2) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिये आवेदन-पत्र दिया हो ,

(i) 45 00 रु० प्रति मास की दर से दो मास के लिये जेब खर्च	90.00
(ii) कपड़ों और सज्जा-सामग्री के लिये	460.00
जोड़	550.00

(ख) (i) चुने हुए उम्मीदवारों को कैडेटों के रूप में नियुक्त किया जायेगा तथा उन्हें नौसेना जहाजों और प्रसिष्ठानों में भी भेजा दिया गया प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा —

- (क) कैडेट प्रशिक्षण तथा नौकायं प्रशिक्षण 6 मास—1 वर्ष
- (ख) मिडशिपमैन नौकायं प्रशिक्षण 6 मास
- (ग) कार्यकारी सब-लेफ्टिनेंट तकनीकी पाठ्यक्रम 8 मास
- (घ) सब-लेफ्टिनेंट :

पहला वेतन का प्रमाण-पत्र लेने के लिये 6 मास की न्यूनतम गम्भीर सेवा आवश्यक है ।

- (ii) नौसेना अकादमी में कैडेटों के शिक्षण, भ्रमण और संबद्ध सेवाओं, पुरतकों, वर्दी भोजन तथा डाक्टरी इलाज का खर्च सरकार वहन करेगी । किन्तु कैडेटों के माता-पिता/अभिभावकों को उनका जेब खर्च और निजी खर्च वहन करना होगा । यदि कैडेट के माता-पिता अभिभावकों की मासिक आय 450 रु० से कम हो और वह कैडेट का जेब खर्च पूर्णतया अथवा आंशिक रूप से पूरा न कर सके हों तो, सरकार कैडेट के लिए 55 रु० प्रतिमास वित्तीय सहायता स्वीकार कर सकती है । वित्तीय सहायता लेने का हल्का उम्मीदवार अपने चुने जाने के बाद शीघ्र ही अपने जिला मैजिस्ट्रेट के माध्यम से आवेदन पत्र दे सकता है । जिला मैजिस्ट्रेट उस आवेदन पत्र को अपनी अनुमति के साथ निवेशक, कामिक सेवा, नौसेना मुख्यालय नई दिल्ली के पास भेज देगा ।

यदि किसी माता-पिता/अभिभावक के दो अथवा उससे अधिक पुत्र या आश्रित नौसेना जहाजों/प्रसिष्ठानों में साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हों तो उन सभी को साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की शक्ति के लिए उपर्युक्त वित्तीय सहायता दी जा सकती है बशर्ते कि माता-पिता/अभिभावक की मासिक आय 400/ रु० से अधिक न हो ।

- (iii) बाद का प्रशिक्षण भारतीय नौसेना के जहाजों और स्थापनाओं में भी उन्हें सरकारी खर्च पर दिया जाता है । अकादमी छोड़ने के बाद उनके पहले छह मास के प्रशिक्षण के दौरान उन्हें उपर्युक्त पैरा (ii) के अनुसार अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों को मिलने वाली वित्तीय सहायता के समान सहायता दी जाएगी । भारतीय नौसेना के जहाजों और उनके प्रसिष्ठानों में छह मास का प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने के बाद जिन कैडेटों की मिडशिपमैन के रैंक में पदोन्नति कर दी जाएगी और वे वेतन प्राप्त करने लगेंगे, तब उनके माता-पिता को उनका कोई खर्च नहीं देना होगा ।

- (iv) कैडेटों को सरकार से निःशुल्क वर्दी मिलेगी किन्तु उन्हें इसके अलावा कुछ और कपड़े भी लेने होंगे । इन कपड़ों के सही नमूने और उनकी एकरूपता को सुनिश्चित करने के लिए, ये कपड़े नौसेना अकादमी में तैयार किए जाएंगे तथा उनका खर्च कैडेटों के माता-पिता/अभिभावकों को वहन करना होगा । वित्तीय सहायता के लिए आवेदन-पत्र देने वाले कैडेटों को कुछ कपड़े निःशुल्क या उधार दिए जा सकते हैं । उन्हें कुछ विशेष कपड़े ही खरीदने होंगे ।

(v) प्रशिक्षण के दौरान सर्विस कैडेटों को अपने मूल रैंक के वही वेतन और वही भत्ते मिलेंगे जो वे कैडेटों के चुने जाने के समय नाविक या सेवक या अप्रेंटिस के पद पर काम करते हुए प्राप्त कर रहे होंगे । यदि उन्हें उस रैंक में वेतन वृद्धि दी जाती हो तो वे उस वेतन वृद्धि को पाने के भी हकदार होंगे यदि उनके मूल रैंक का वेतन और भत्ते, सीधे भर्ती होने वाले कैडेटों को मिलने वाली वित्तीय सहायता से कम हों तथा वे उप सहायता को प्राप्त करने के पात्र हों तो उन्हें उपर्युक्त दोनों राशियों के अंतर को राशि भी मिलेगी ।

- (vi) सामान्यतः किसी कैडेट को प्रशिक्षण के दौरान त्यागपत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी । जिस कैडेट को भारतीय नौसेना जहाजों और प्रसिष्ठानों में कोर्स पूरा करने के योग्य नहीं समझा जाएगा उसे सरकार के अनुमोदन से प्रशिक्षण से वापस बुलाया जा सकता है तथा उसे प्रशिक्षण से हटाया भी जा सकता है । इन परिस्थितियों में किसी सर्विस कैडेट को उसकी मूल सर्विस पर वापस भेज दिया जाएगा । जिस कैडेट को इस प्रकार प्रशिक्षण से हटाया जाएगा या मूल सर्विस पर वापस भेजा जाएगा, वह परवर्ती कोर्स में द्वारा दाखिल होने का पात्र नहीं रहेगा । किन्तु जिन कैडेटों को कुछ कारणजस्य कारणों के आधार पर त्यागपत्र देने की अनुमति दी जाती है उनके मामलों पर गुणा-वर्ग के आधार पर विचार किया जाता है ।

2. किसी उम्मीदवार के भारतीय नौसेना में कैडेट चुने जाने से पूर्व माता-पिता/अभिभावक को

- (क) इस प्राणय के प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भली भाँति समझता है कि यदि उसके पुत्र को या आश्रित को प्रशिक्षण के दौरान या उसके कारण कोई चोट लग जाए या शारीरिक दुर्बलता हो जाए या उपर्युक्त कारणों या अन्य कारण से चोट लगने पर किए गए आपरेशन से या आपरेशन के दौरान मृत्यु करने की शोषधि के प्रयोग के फलस्वरूप मृत्यु हो जाए तो उसे या उसके पुत्र या आश्रित को सरकार से मुआवजा माँगने के दावे का या सरकार से अन्य सहायता माँगने का कोई हक नहीं होगा ।

- (ख) इस प्राणय के बाद पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी ऐसे कारण से जो उनके नियंत्रण के अधीन हो, यदि उम्मीदवार कोर्स पूरा होने से पहले वापस जाना चाहे या यदि कमीशन दिए जाने पर स्वीकार न करे तो शिक्षा, शुल्क, भोजन, वस्त्र वेतन तथा भत्ते, जो कैडेटों ने प्राप्त किए हैं, उनका मूल्य या उनका वह अंश जो सरकार निर्णय करे, चुकाने की जिम्मेदारी वह लेता है ।

### 3. वेतन और भत्ते

#### (क) वेतन

रैंक	वेतनमान	सामान्य सेवा
मिडशिपमैन	560.00	रुपए
एक्टिंग सब-लेफ्टिनेंट	750.00	रुपए
सब-लेफ्टिनेंट	830-870	रुपए
लेफ्टिनेंट	1100-1450	रुपए
लेफ्टिनेंट कमोडोर	1450-1800	रुपए
कमाण्डर (न्यूनतम मान द्वारा)	1750-1950	रुपए
कमाण्डर (समय वेतन द्वारा)	1800.00	रुपए (नियत)
कैप्टन	1950-2400	रुपए (कमोडोर वही वेतन प्राप्त करता है जिसके लिए वह कैप्टन के रूप में परिष्ठा के आधार पर हकदार होता है) ।
रियर एडमिरल	2500-125/2-2750	
वाइस एडमिरल	3000	रुपए

**(क) भत्ते**

वेतन के अतिरिक्त अफसरों को निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं:—

- (i) सिविलियन राजपत्रित अफसरों पर समय-समय पर लागू हों और शर्तों के अनुसार उन्हें भी नगर प्रतिकर तथा मंहगाई भत्ता मिलता है।
- (ii) 50/- रु० प्रति मास की दर से फिट अनुकरण भत्ता (कमोडोर रैंक के तथा उन से नीचे के रैंक के अफसरों को)।
- (iii) जब अफसर भारत के बाहर सेवा कर रहा हो, तब धारित रैंक के अनुसार 50/- रुपए से 250/- तक प्रतिमास प्रवास भत्ता।
- (iv) 70/- रु० प्रति मास के हिसाब से इन अफसरों को नियमित भत्ता मिलेगा:—
  - (i) जिन विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाएगा जहाँ वे परिवार सहित नहीं रह सकते।
  - (ii) जिन विवाहित अफसरों को आई० एन० जहाजों पर तैनात किया जाएगा अथवा जितनी अवधि के लिए वे बेस पत्तनों से दूर जहाजों पर रहेंगे।
  - (iii) जितनी अवधि के लिए बेस पत्तनों से दूर जहाजों पर रहेंगे, उसी अवधि के लिए उन्हें मुफ्त राशन मिलेगा।

टिप्पणी I:—उपर्युक्त के अलावा संकट के समय काम करने की राशि पन-डुब्बी भत्ता, पनडुब्बी वेतन, सर्वोच्च आमुक्तिक/ग्रहता वेतन/अनुदान तथा गोताखोरी वेतन जैसी कुछ विशेष रियायत भी अफसरों को दी जा सकती है।

टिप्पणी II:—अफसर पनडुब्बी तथा विमानन सेवाओं के लिए अपनी सेवाएं प्रर्शित कर सकते हैं। इन सेवाओं में सेवा के लिए चुने गए अफसर बड़े हुए वेतन तथा भत्तों को पाने के हकदार होते हैं।

**4. पदोन्नति****(क) समय वेतनमान द्वारा**

मिडशिपमैन से एक्टिंग सब-लेफ्टिनेंट

तक 1/2 वर्ष

एक्टिंग सब-लेफ्टिनेंट से सब-लेफ्टिनेंट

तक 1 वर्ष

सब-लेफ्टिनेंट से लेफ्टिनेंट तक

एक्टिंग और स्थायी सब-लेफ्टिनेंट (वरिष्ठता के लाभ/सम्पन्नकरण के अधीन) रूप में 3 वर्ष

लेफ्टिनेंट से लेफ्टिनेंट कमोडोर तक

लेफ्टिनेंट के रूप में 8 वर्ष की वरिष्ठता

लेफ्टिनेंट कमोडोर से कमोडोर तक

24 वर्ष की संगणित कमोडोर प्राप्त सेवा।

यदि ज्वन द्वारा पदोन्नति न हुई हो)

**(ख) ज्वन द्वारा**

लेफ्टिनेंट कमोडोर से कमोडोर तक

लेफ्टिनेंट कमोडोर के रूप में 2—8 वर्ष की वरिष्ठता।

कमोडोर से कैप्टन तक

कमोडोर के रूप में 4 वर्ष की वरिष्ठता।

कैप्टन से रियर एडमिरल और

कोई सेवा प्रतिबन्ध नहीं।

उससे ऊपर तक।

**5. तैनाती**

अफसर भारत और विदेश में कहीं भी तैनात किए जा सकते हैं।

टिप्पणी:—यदि किसी और सूचना की आवश्यकता हो तो वह निवेशक कार्मिक सेवा, नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली-110011 से प्राप्त की जा सकती है।

(ग) अफसर ट्रेनिंग स्कूल, मद्रास में भर्ती होने वाले उम्मीदवारों के लिए:

1. इससे पूर्व कि उम्मीदवार अफसर ट्रेनिंग स्कूल, मद्रास, मद्रास में भर्ती हो:—

(क) उसे हम आशय से प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भली भाँति समझता है कि उसे या उसके वैध धारिनों को सरकार से मुआवजे या अन्य किसी सहायता के दावे का कोई हक नहीं होगा, यदि उसे प्रशिक्षण के दौरान कोई चोट या शारीरिक दुर्बलता हो जाए या मृत्यु हो जाए या उपर्युक्त कारणों से चोट लगने पर किए गए आपरेशन या आपरेशन के दौरान मूर्च्छित करने की औषधि के प्रयोग के फलस्वरूप ऐसा हो जाए।

(ख) उसके माता पिता या अभिभावक को एक बाण्ड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी कारण से जो उसके नियंत्रण के अधीन मान लिया जाए यदि उम्मीदवार को पूरा करने से पूर्व वापिस जाना चाहे या यदि किए जाने पर कमीशन स्वीकार न करे या अफसर ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण, प्राप्त करते हुए शादी कर ले हो उसे शिक्षा, खाना, वस्त्र और वेतन तथा भत्ते जो उसने प्राप्त किए हैं, उनकी लागत या उनका वह अंश जो सरकार निर्णय करें, चुकाने के जिम्मेदार होंगे।

2. जो उम्मीदवार अंतिम रूप से चुने जाएंगे उन्हें अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 महीने का प्रशिक्षण कोर्स पूरा करना होगा। इन उम्मीदवारों को "सेना अधिनियम के अन्तर्गत जेंटलमैन कैडेट" के रूप में नामांकित किया जाएगा। सामान्य अनुशासन की दृष्टि से ये जेंटलमैन कैडेट अफसर ट्रेनिंग स्कूल के नियमों तथा विनियमों के अंतर्गत रहेंगे।

3. प्रशिक्षण की लागत जिसमें आवास, पुस्तकें, बर्तन, भोजन तथा चिकित्सा सुविधा शामिल हैं, सरकार वहन करेगी और उम्मीदवारों को अपना जेब खर्च स्वयं वहन करना होगा। कमीशन पूर्व प्रशिक्षण के दौरान न्यूनतम 55 रु० प्रतिमास से अधिक खर्च की संभावना नहीं है। किन्तु यदि उम्मीदवार कोई फोटोग्राफी, शिकार खेलना, सैरसपाटा इत्यादि का शौक रखता हो, तब उसे अतिरिक्त धन की आवश्यकता होगी, यदि कोई कैडेट यह न्यूनतम व्यय भी पूर्ण या आंशिक रूप में वहन नहीं कर सके तो उसे समय-समय पर परिवर्तनीय दरों पर इस हेतु वित्तीय सहायता दी जा सकती है बशर्ते कि कैडेट और उसके माता पिता/अभिभावक की आय 450 रुपए प्रति मास से कम हो। वर्तमान आदेशों के अनुसार वित्तीय सहायता की दर 55 रुपए प्रति मास है। जो उम्मीदवार वित्तीय सहायता प्राप्त करने का हकदार हो, उसे प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने जाने के बाद निर्धारित प्रपत्र पर एक आवेदन अपने जिले के जिला मैजिस्ट्रेट को भेजना होगा जो अपनी सत्यापन रिपोर्ट के साथ आवेदन पत्र को कमांडेंट, अफसर ट्रेनिंग स्कूल, मद्रास को भेज देगा।

4. अफसर ट्रेनिंग स्कूल में अंतिम रूप से प्रशिक्षण के लिए चुने गए उम्मीदवारों को वहाँ पहुँचने पर कमांडेंट के पास निम्नलिखित धन राशि जमा करनी होगी:—

(क) 55.00 रु० प्रतिमास की दर से दस महीने के लिए जेब खर्च— 550.00 रुपए।

यदि कैडेटों को आर्थिक सहायता स्वीकृत हो जाती है तो उन्हें उपर्युक्त धन राशि वापस कर दी जाएगी।

5. समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अन्तर्गत परिधान भत्ता मिलेगा।

कमीशन मिल जाने पर इस भत्ते से खरीदे गए वस्त्र, तथा अन्य आवश्यक चीजें कैडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जाएगी। यदि कैडेट प्रशिक्षणाधीन अवधि में त्याग पत्र दे दे या उसे निकाल दिया जाए या कमीशन से पूर्व वापस बुला लिया जाए तो इन वस्तुओं को उससे वापस ले लिया जाएगा। इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित को दृष्टिगत रखते हुए निपटारा कर दिया जाएगा।

6. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान त्याग-पत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। लेकिन प्रशिक्षण प्रारंभ होने के बाद त्याग-पत्र देने वाले जेंटलमैन कैडेटों को पल सेना मुख्यालय, द्वारा उनका त्याग-पत्र स्वीकृत होने तक घर जाने की आज्ञा दी जा सकती है। प्रस्थान से पूर्व उनसे प्रशिक्षण भोजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाला खर्च



बसूल किया जाएगा। अफसर प्रशिक्षण स्कूल में उम्मीदवारों को भर्ती किए जाने से पूर्व उन्हें तथा उनके माता-पिता/अभिभावकों को इस आशय का एक बॉर्ड भरना होगा।

7. जिस जैटलमैन कैडेट को प्रशिक्षण का संपूर्ण कोर्स करने के योग्य नहीं समझा जाएगा जैसे सरकार की अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीदवार को उसकी रेजिमेंट कोर में वापस भेज दिया जाएगा।

8. कमीशन प्रदान कर दिए जाने के बाद वेतन तथा भत्ते, पेंशन, छुट्टी तथा अन्य सेवा शर्तें निम्न प्रकार होंगी।

#### 9. प्रशिक्षण

1. चुने गए उम्मीदवारों को सेना अधिनियम के अन्तर्गत जैटलमैन कैडेटों के रूप में नामांकित किया जाएगा तथा वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 मास तक प्रशिक्षण कोर्स पूरा करेंगे। प्रशिक्षण सफलता पूर्वक पूरा करने के उपरान्त जैटलमैन कैडेट को प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख से सीक्रेट लेफ्टिनेन्ट के पद पर अल्पकालिक सेवा कमीशन प्रदान किया जाता है।

#### 10. सेवा की शर्तें—

##### (क) परिबीक्षा की अवधि

कमीशन प्राप्त करने की तारीख से अफसर 6 मास की अवधि तक परिबीक्षाधीन रहेगा। यदि उसे परिबीक्षा की अवधि के दौरान कमीशन धारण करने के अनुपयुक्त बताया गया तब उसकी परिबीक्षा अवधि के समाप्त होने से पूर्व या उसके बाद किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त किया जा सकता है।

##### (ख) तैनाती

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त करने पर उन्हें भारत या विदेश में कहीं भी नीकरी पर तैनात किया जा सकता है।

##### (ग) नियुक्ति की अवधि तथा पदोन्नति

नियमित बल सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रदान किया जाएगा जो अफसर सेना में पांच वर्ष के अल्पकालिक सेवा कमीशन की अवधि के बाद सेना में सेवा करने के इच्छुक होंगे वे, यदि हर प्रकार से पात्र तथा उपयुक्त पाए गए, तो संबंधित नियमों के अनुसार उनके अल्पकालिक सेवा कमीशन के अंतिम वर्ष में उनकी स्थाई कमीशन प्रदान किए जाने पर विचार किया जाएगा। जो पांच वर्ष की अवधि के दौरान स्थायी कमीशन प्रदान किए जाने की अर्हता प्राप्त नहीं कर पाएंगे। उन्हें पांच वर्ष की अवधि पूरी होने पर निर्मुक्त कर दिया जाएगा।

##### (घ) वेतन और भत्ते

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर वही वेतन और भत्ते प्राप्त करेंगे जो सेना के नियमित अफसरों को प्राप्त होता है।

सीक्रेट लेफ्टिनेन्ट और लेफ्टिनेन्ट के वेतन की दर इस प्रकार है:—

सीक्रेट लेफ्टि०, 750-790 रु० प्रति मास।

लेफ्टि०, 830-950 रु० प्रति मास।

तथा अन्य भत्ते जो नियमित अफसरों को मिलते हैं।

##### (ङ) छुट्टी

छुट्टी के संबंध में वे अफसर अल्पकालिक सेवा कमीशन अफसरों के लिए लागू नियमों से शासित होंगे जो सेना अवकाश नियमावली खंड-1 बल सेना, के अध्याय पांच में उल्लिखित है। वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल के पाठ्यक कार्यक्रम करने पर तथा ब्यूटी ग्रहण करने से पूर्व उक्त नियम 91 में दी गई व्यवस्थाओं के अनुसार भी छुट्टी के हकदार होंगे।

##### (च) कमीशन की समाप्ति

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर को पांच वर्ष सेवा करनी होगी किन्तु भारत सरकार निम्नलिखित कारणों से किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त कर सकती है:—

(i) अवकाश करने या असंतोषजनक रूप से सेवा करने पर; या

(ii) स्वास्थ्य की दृष्टि से अयोग्य होने पर;

(iii) उसकी सेवाओं की धीरे धीरे आवश्यकता होने पर; या

(iv) उसके किसी निर्धारित परीक्षण या कोर्स में अर्हता प्राप्त करने में असफल रहने पर।

तीन महीने का नोटिस देने पर किसी अफसर को करणार्थ्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्याग-पत्र देने की अनुमति दी जा सकती है किन्तु इसकी पूर्णतः निर्णायक भारत सरकार ही होगी। करणार्थ्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्याग-पत्र देने की अनुमति प्राप्त कर देने पर कोई अफसर सेवानिवृत्त पाने का पात्र नहीं होगा।

##### (छ) पेंशन लाभ

(i) वे अभी विचारार्थी हैं।

(ii) अल्पकालिक सेवा कमीशन अफसर 5 वर्ष की सेवा पूरी करने पर 5000.00 रु० का सेवानिवृत्त पाने के हकदार होंगे।

##### (ज) रिजर्व में रहने का दायित्व

5 वर्ष की अल्पकालिक सेवा कमीशन सेवा या बढ़ाई गई कमीशन सेवा पूर्ण करने के बाद वे 5 वर्ष की अवधि के लिए या 40 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, रिजर्व में रहेंगे।

##### (झ) विविध

सेवा संबंधी अन्य सभी शर्तें, जब तक उनका उपर्युक्त उपबंधों के साथ भेद नहीं होता है, वही होगी जो नियमित अफसरों के लिए लागू हैं।

#### परिशिष्ट IV

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री .....

सुपुत्र श्री ..... जी गांव/कस्बा\* .....  
..... जिला/मंडल\* .....  
.....

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र\* ..... के निवासी हैं ..... जाति / जनजाति\* के हैं जिसे निम्न-लिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित\* जनजाति के रूप में मान्यता दी गई है :—

संविधान (अनुसूचित जातियां) प्रादेश, 1950

संविधान (अनुसूचित जनजातियां) प्रादेश, 1950\*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) प्रादेश, 1951\*

संविधान (अनुसूचित जनजातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) प्रादेश, 1951\*

[अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जनजातियां सूचियां (आशोधन) प्रादेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971, और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जनजातियां प्रादेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा तथा संशोधित]

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां प्रादेश, 1956\*

संविधान (मंड्रान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जनजातियां प्रादेश, 1959\* अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जनजातियां प्रादेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा तथा संशोधित।

संविधान (बादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां प्रादेश, 1962\*.

संविधान (बादरा और नागर हवेली), अनुसूचित जनजातियां प्रादेश, 1962\*

संविधान (पाकिजरी) अनुसूचित जातियां प्रादेश, 1964\*

संविधान (अनुसूचित जनजातियां) (उत्तर प्रदेश), प्रादेश, 1967\*

संविधान (गोआ, दमन और दीयू) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968\*

संविधान (गोआ, दमन और दीयू) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968\*

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970\*

2 श्री ..... जिला/मण्डल\*

और/या\* उक्त परिवार धाम तौर से गांव/कस्बा\* .....

..... जिला/मण्डल\* .....

राज्य/संघ\* राज्य क्षेत्र ..... में रहता है।

हस्ताक्षर .....

\*\*पदनाम .....

(कार्यालय की मोहर के साथ)

राज्य/संघ\* राज्य क्षेत्र

स्थान .....

तारीख .....

\*जो शब्द सामू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट :— यहाँ "आम तौर से रहता है" का अर्थ वही होगा जो "रिप्रिजेंटेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950" की धारा 20 में है।

\*\*जाति/जनजाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/क्लेक्टर/डिप्टी कमिशनर/एडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी क्लेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टेशनरी मैजिस्ट्रेट/ सिटी मैजिस्ट्रेट/ \*सब डिप्टीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मजिस्ट्रेट/ एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/ एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर।

(प्रथम श्रेणी के स्टेशनरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं)।

(ii) चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब डिप्टीजनल अफसर जहाँ उम्मीदवार और/या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।

(v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/सेबलपमेंट अफसर (लक्षद्वीप)।

#### परिशिष्ट V

#### संघ लोक सेवा आयोग

#### उम्मीदवारों को सूचनाय विवरणिका

#### क. वस्तु पत्रक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं, उसको "वस्तुपत्रक परीक्षण" कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में आपको उत्तर फैलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) आपको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

#### ख. परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न पत्र "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3 ..... के क्रम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे a, b, c, क्रम में संभावित प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही या यदि एक से अधिक प्रत्युत्तर सही है तो उनमें से सर्वोत्तम प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। (अंत में दिए गए नमूने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

#### ग. उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिए आपको अलग से एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जांचे नहीं जाएंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांशों की संख्याएं 1 से 200 तक चार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d, e... के क्रम से प्रत्युत्तर छपे होंगे। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर को बरानि बाने आयत की पेन्सिल से काला बनाकर उसे अंकित कर देना है, जसा कि संलग्न उत्तर पत्रक के नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के आयत को काला नमूने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

1. [a] [b] [c] [d] [e]

2. [a] [b] [c] [d] [e]

3. [a] [b] [c] [d] [e]

आपके उत्तर पत्रक में दिए गए उत्तरों का मूल्यांकन एक मूल्यांकन मशीन से किया जाएगा जो गलत उत्तर, एच० बी० पेन्सिल के अतिरिक्त दूसरी पेन्सिल के प्रयोग और विकृत उत्तर पत्रक को पहचानने में बड़ी सुग्राही है। इस लिए यह जरूरी है कि प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किस्म की एच० बी० पेन्सिल (पेंसिलों) ही लाएं और, उन्ही का प्रयोग करें। दूसरी पेन्सिलों या पेन के द्वारा बनाए गए निशान संभव है, मशीन से ठीक ठीक न पड़े जाएं।

2. अगर आपने गलत निशान लगाया है, तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबर भी लाएं।

3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए या उसमें मोड़ व सलबट आदि पड़ जाएं और वह टेढ़ा हो जाए।

#### घ. कुछ महत्वपूर्ण नियम :

1. आप को परीक्षा आरंभ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुँचना होगा और पढ़ते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।

2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौंप दें। (आप को परीक्षण पुस्तिका परीक्षा-भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इन नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ा बंद दिया जाएगा।

5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, अपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या स्याही से साफ साफ लिखें। उत्तर पत्रक पर आप कहीं भी अपना नाम न लिखें।

6. परीक्षण पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। चूंकि मूल्यांकन मशीन के द्वारा होता है, इसलिए संभव है कि इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नंबर कम

हो जाएं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि राखी है, तो उस प्रश्नांश के लिए आपको कोई नंबर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के लिए गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरंभ या समाप्त करने को कह दें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण पत्र साथ लाएं। आपको अपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रबड़, एक पेंसिल शार्पेनर और नीली या काली स्थायी वाली कलम भी लानी होगी। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा, पैमाना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप अच्छा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को पास कर दें।

#### इ विशेष अनुदेश

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देगे। प्रत्येक परीक्षण पुस्तिका पर हाथिये में सील लगी होगी जिससे कि परीक्षण शुरू हो जाने के पहले उसे कोई खोल नहीं पाए। जैसे ही आपको परीक्षण-पुस्तिका मिल जाए, मग्न आप देख ल कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है और सील लगी हुई है। अन्यथा, उसे बदलवा लें। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक के संश्लेष खाने में अपनी परीक्षण पुस्तिका की कम मक्का लिखनी होगी जब तक पर्यवेक्षक परीक्षण पुस्तिका की सील तोड़ने को न कहें तब तक आप उसे न तोड़ें।

#### च कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का, दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जल्दी आगे बढ़ सकते हैं, बड़ें, पर साफरसाली न हो। अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हैं तो चिंता न करें। आप को जो पत्रक अत्यंत कठिन मालूम पड़ें उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। आपके द्वारा भक्ति नहीं प्राप्तियों की गंभीरता के आधार पर आपको अंक दिए जाएंगे।

प्रश्न इस तरह बनाए जाते हैं कि उनसे आपकी स्मरण शक्ति की अपेक्षा, जानकारी सूक्ष्म और विश्लेषण-क्षमता की परीक्षा हो। आपके लिए यह लाभदायक होगा कि आप संगत विषयों को एक बार सरसरी निगाह से देख लें और इस बात से आश्वस्त हो जाए कि आप अपने विषय की अच्छी तरह समझते हैं।

#### छ परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बंद करने को कहे, आप लिखना बंद कर दें। जो उम्मीदवार इस तरह बच नहीं करते हैं, वे दंड के भागी होंगे।

जब आपको उत्तर लिखना समाप्त हो जाए तब आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके यहां आकर आपको परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक न ले जाएं और आपको "हाथ" ठोड़ने की अनुमति न दें। आपको परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस निदेश का उल्लंघन करने वाले दंड के भागी होंगे।

#### नमूने के प्रश्न

1. मौर्य वंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरवाची नहीं है ?

- अशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजोर थे।
- अशोक के बाद साम्राज्य का बिभाजन हुआ।
- उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।
- अशोकोत्तर युग में आर्थिक रिक्तता थी।

उत्तर (d)

2. संसदीय स्वरूप की सरकार में

- विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

उत्तर (c)

3. पाठशाला के छात्र के लिए पाठ्यपुस्तक-कार्य-कलाप का मुख्य प्रयोजन

- विकास की सुविधा प्रदान करना है।
- अनुशासन की समस्याओं की रोकथाम है।
- नियत कक्षा-कार्य से राहत देना है।
- शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है।

उत्तर (a)

4. सूर्य के सबसे निकट ग्रह है,

- शुक्र
- मंगल
- बृहस्पति
- बुध

उत्तर (d)

5. वन और बाढ़ के पारस्परिक संबंध को निम्नलिखित में से कौन-सा विवरण स्पष्ट करता है ?

- पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, मिट्टी का क्षरण, उतना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।
- पेड़ पौधे जितने कम होते हैं, नदियां उतनी ही गहरी होती हैं जिससे बाढ़ होती है।
- पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, नदियां उतनी ही कम गहरी होती हैं जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
- पेड़ पौधे जितने कम होते हैं उतनी ही धीमी गति से बर्फ पिघल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

उत्तर (c)

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 18th November 1978

No. A. 32014/1/78-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following permanent Assistants of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to officiate as Section Officer, on *ad-hoc* basis, for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier :—

S No.	Name	Period for which promoted as Section Officer	Remarks
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	S. R. Khanna	for a period from 1-9-78 to 15-11-78	—
2.	N. K. Dhingra	for a period from 14-9-78 to 12-11-78	—
3.	B. L. Sharma	for a period from 17-9-78 to 15-11-78	—
4.	Kailash Chandra	for a period from 22-9-78 to 6-11-78	—
5.	N. M. L. Bhatnagar	for a period from 9-10-78 to 23-11-78	—
6.	M. N. Arora	for a period from 3-11-78 to 18-12-78	—

The 28th November 1978

No. A38013/5/76-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri R. L. Jhingan, a permanent Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 30th November 1978 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated the 24th November, 1973.

S. BALACHANDRAN, Under Secy.  
(Incharge of Administration),  
Union Public Service Commission.

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL &amp; A. R.)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 30th November 1978

No. A-20014/5/75-Ad.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri M. K. Banerjee an Officer of West Bengal Police on deputation as Inspector in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central Bureau of Investigation/EOW Calcutta Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 23-10-1978 until further orders.

RIPDAMAN SINGH,  
Administrative Officer (E)/C.B.I.

## DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 1st December 1978

No. O.II-1094/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Swarupananda Naik as GDO; Grade-II (Dy. S.P./Coy. Commander) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 28th September, 1978 until further orders.

The 2nd December 1978

No. O.II-1098/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Rabindra Nath Behera as a General Duty Officer Grade-II (Dy. S.P./Coy. Commander) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the afternoon of 5th October, 1978 until further orders.

No. O.II-1099/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Yogendra Prakash as DGO; Grade-II (Dy. S.P./Coy. Commander) in the C.R.P. Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 3rd November, 1978 until further orders.

The 4th December 1978

No. O.II-845/72-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Krishna Kishore Saini as a Senior Medical Officer (Com-

mandant) in the C.R.P. Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 20th Oct. 1978 until further orders.

2. Consequent on his appointment as a Senior Medical Officer, Dr. Krishna Kishore Saini relinquished charge of the post of GDO; Gd-I in Base Hospital-I CRPF, New Delhi on the forenoon of 6th Oct. 1978.

No. II-1/78-CB(Estt.).—The President is pleased to accept resignation of Lt. Col. R.L. Sircar, Medical Superintendent of the Dto. General, CRPF, New Delhi with effect from 29-8-1978.

A. K. BANDYOPADHYAY,  
Assistant Director (Adm.)

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 29th November 1978

No. 10/6/78-Ad.I.—In supersession of this office notification of even number dated 17-6-1978, the President is pleased to appoint Shri V. P. Pandey, an officer of the Selection Grade Select List of the C.S.S., as Deputy Registrar General, India, on a purely temporary and *ad-hoc* basis for a period of three months with effect from the afternoon of 26 May 1978 to 25 August, 1978.

2. The President is also pleased to appoint Shri V. P. Pandey to the post of Deputy Registrar General, India, on a regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 26 August, 1978, until further orders.

3. The headquarters of Shri Pandey are at New Delhi.

The 4th December 1978

No. 11/5/77-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 19-9-1978, the President is pleased to extend the appointment of Shri S. Jayashankar, an Investigator in the office of the Director of Census Operations, Kerala as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, with his headquarters at Trivandrum, on a purely temporary and *ad-hoc* basis for a further period of three months with effect from 1-10-1978 to 31-12-1978, or until further orders, whichever period is shorter.

P. PADMANABHA,  
Registrar General, India

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR,  
WESTERN RAILWAY, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1978

No. SA/HQ/Admn./PC/5412.—Shri H. T. Kanai, Officiating Audit Officer retired from service on 31-8-1978 (AN) on attaining the age of superannuation.

A. N. BISWAS,  
Chief Auditor

MINISTRY OF DEFENCE  
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE  
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 29th November 1978

No. 80/78/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri T. P. Ghosh, Offg. Assistant Manager (Subst. and Permt. Foreman), retired from service w.e.f. 28-2-1978 (A/N).

V. K. MEHTA,  
Assistant Director General, Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE  
CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION  
(DEPARTMENT OF COMMERCE)  
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS  
AND EXPORTS

New Delhi, the 29th November 1978

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL  
(Establishment)

No. 6/661/62-Admn.(G)/8429.—On attaining the age of superannuation, Shri H. N. Sahai, Controller of Imports and Exports in the office of the Deputy Chief Controller of Imports and Exports (Now Joint Chief Controller of Imports and Exports), Kanpur, was permitted to retire from Government service on the afternoon of the 30th April, 1976.

2. This office Notification No. 6/661/62-Admn.(G)/2462 dated 31-3-1977 stands cancelled.

K. V. SESHADRI,  
Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF STEEL AND MINES  
(DEPARTMENT OF STEEL)

IRON AND STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 26th September 1978

No. EI-13(107)/78.—Shri Hari Mohan Das, Superintendent is hereby appointed to officiate in the ex-cadre post of Asstt. Commissioner of payments (HISCO COMPENSATION) on an *ad-hoc* basis, purely as a stop-gap measure, for a period of three months for the present, with effect from 13-9-1978 (F.N.).

The 20th October 1978

No. EI-12(10)/78(.).—Shri A. K. Misra, Accounts Officer, Office of the Senior Deputy Accountant General, Commerce, Works and Miscellaneous, Calcutta is hereby appointed on deputation as Accounts Officer, with effect from the afternoon of 6th October, 1978, until further order.

P. K. SARKAR,  
Iron and Steel Controller

SURVEY OF INDIA  
SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun the 28th November 1978

No. C-5438/707—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each, purely on *ad-hoc* provisional basis:—

Sl. No.	Name and Designation	Unit/Office	With effect from
1	2	3	4
1.	Shri J.B. Pawsey, Surveyor Sel. Gde.	No. 2 Party (W.C.) Mussoorie.	16th May 1978 (FN.)
2.	Shri Z. Kerketta, Survey Asstt. Sel. Gde.	No. 75 Party (SEC), Madhupur.	12th October, 1978 (FN).
3.	Shri Nathu Ram Sharma, Surveyor Sel. Gde.	No. 74 Party (SEC), Ranchi.	16th October, 1978 (FN).
4.	Shri Somra Tirkey, Surveyor Sel. Gde.	No. 74 Party (SEC), Ranchi	23rd October, 1978 (FN)
5.	Shri Jagdish Chandra, Surveyor Sel. Gde.	No. 26 (Photo) Party (NC), Dehra Dun.	24th October, 1978 (FN)
6.	Shri Jai Chand Rekhi, Surveyor Sel. Gde.	No. 26 (Photo) Party (NC), Dehra Dun.	24th October, 1978 (FN)
7.	Shri S.M. Uniyal, Surveyor Sel. Gde.	No. 1 Party (NC), Dehra Dun.	8th November, 1978 (FN)

K. L. KHOSLA,  
Major General  
Surveyor General of India.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING  
DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 28th November 1978

No. 4/47/77-SI.—Consequent upon the acceptance of his resignation, Shri Peter B. Shangpliang, relinquished charge of the post of Programme Executive of All India Radio, Kohima on the afternoon of 29th September, 1978.

A. K. BOSE  
Dy. Director of Administration  
for Director General

FILMS DIVISION

Bombay-26, the 29th November 1978

No. A24013/39/78-Fst-I.—On expiry of the leave granted to Shri P. V. Rao, officiating Branch Manager, Films Division—386 GI/78

sion, Hyderabad, Shri S. A. Naik officiating Branch Manager, Films Division, Hyderabad reverted to the post of Salesman with effect from the forenoon of 6-11-1978.

M. CHANDRAN NAIR  
Administrative Officer,  
for Chief Producer.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 27th November 1978

No. A.38012/2/78(HQ)Admn.I.—On attaining the age of superannuation Smt. K. S. Bhatia, Deputy Director (School of the Directorate General of Health Services retired from Government Service on the afternoon of the 30th June, 1978.

No. A.32014/6/78(SJH)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Onkar Singh

Gujral, Head Clerk, Safdarjang Hospital, New Delhi to the post of Assistant Administrative Officer at the same Hospital, with effect from the forenoon of the 1st November, 1978, on temporary basis and until further orders.

The 1st December 1978

No. A.39013/1/78-Admn.I.—Consequent on the acceptance of his resignation, Dr. S. S. Luthra relinquished charge of the post of Dental Surgeon, Central Government Health Scheme Meerut on the afternoon of 11th April 1978.

S. L. KUTHIALA  
Dy. Director Administration

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION  
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)  
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 27th November 1978

No. A.12026/2/78-A.III.—Consequent on his repatriation

to his parent cadre i.e. Office of the Director of Accounts (Postal), Shri B. A. Pasarkar, Accounts Officer has been relieved of his duties at Branch Head Office, D.M.I. Nagpur w.e.f. 3-11-78 (AN).

The 1st December 1978

No. A.19025/117/78-A.III.—Shri K. Jeyanandan, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at Madras with effect from 13-11-1978 (FN) upto 31-12-1978, or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

B. L. MANIHAR  
Director of Administration  
for Agricultural Marketing Adviser

BHA BHAATOMIC RESEARCH CENTRE  
(PERSONNEL DIVISION)

BOMBAY-400 085, 3rd JULY 1978

No. PA/81(11)/78-R-IV—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints the undermentioned officers of the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity, with effect from the forenoon of February 1, 1978, until further orders:—

Sl. No.	Name	Pmt. post held, if any	Officiating as
1.	Shri Aravind Bhaburao Phadnis	—	Scientific Assistant (C)
2.	Shri Poolakkal Rajendran Nair	Assistant Security Officer	Foreman
3.	Shri Nagasundaran Viswanathan	Scientific Assistant (B)	Scientific Assistant (C)
4.	Shri Hans Raj Mittal	Draughtsman (B)	Draughtsman (C)
5.	Shri John Jitendra Charan	—	Scientific Assistant (C)
6.	Shri Vishnu Jayaram Khadekar	Draughtsman (A)	Draughtsman (C)
7.	Shri Pillalmarri Hanumanta Rao	Scientific Assistant (B)	Scientific Assistant (C)
8.	Shri Silverster John Karkada	Assistant Foreman	Foreman
9.	Shri Bijan Kumar Ghosh	Do.	Do.
10.	Shri Narciso Ignatius Silveira	Do.	Do.
11.	Shri Narayan Supdu Pimpale	Scientific Assistant (A)	Scientific Assistant (C)
12.	Shri Koti Kulam Narayanan	Do.	Do.
13.	Shri Gurbachan Singh	Do.	Do.
14.	Shri Kuriyal Shridhara Somayaji	Do.	Do.
15.	Shri Girdhar Jha.	Do.	Do.
16.	Shri Gurunath Balwantrao Joshi	Scientific Assistant (B)	Do.
17.	Shri Cholakara Subramania Suryanarayanan	Do.	Do.
18.	Dr. Prakash Chandra Verma	—	Do.
19.	Smt. Poonam Hari Pardasani	Scientific Assistant (B)	Do.
20.	Shri Virendra Singh	Scientific Assistant (B)	Scientific Assistant (C)
21.	Shri Ashok Trimbak Soman	—	Do.
22.	Shri Harbans Lal Verma	Draughtsman (A)	Draughtsman (C)
23.	Shri Pandurang Dattatraya Bhurke	Assistant Foreman	Foreman
24.	Shri Noor Mohammed Gaffur Peerzada	Chargehand	Foreman
25.	Shri Nadukkudi Poomadathil Sethuram	Scientific Assistant (A)	Scientific Assistant (C)
26.	Shri Mangesh Shankarrao Dalvi	Do.	Do.
27.	Shri Mohammedbai Ebrahim Doctor	—	Do.
28.	Shri Modugula Satyanarayana	—	Do.
29.	Shri Ajay Kumar Bandyopadhyay	—	Do.
30.	Kum. Vidya Sadashiv Kambli	Scientific Assistant (A)	Do.
31.	Shri Chandrakant Bapuji Gokhale	Scientific Assistant (B)	Do.
32.	Shri Harikisan Zumerlal Kangla	Do.	Do.
33.	Shri Kamal Abdulkarim Sayed	—	Do.
34.	Shri Bhagwan Narayan Mahajan	—	Do.
35.	Kum. Madanlal Usha Kumari	—	Do.
36.	Shri Raghunath Vithal Phatak	Scientific Assistant (B)	Scientific Assistant (C)
37.	Shri Anil Vaman Apte	—	Do.
38.	Shri Dattatraya Krishnaji Jadhav	Draughtsman (A)	Draughtsman (C)
39.	Shri Chthukadu Harisharan	—	Scientific Assistant (C)
40.	Shri Narayanan Anantharaman	Scientific Assistant (A)	Do.
41.	Shri Ganesh Trimbak Marathe	Chargehand	Foreman

The 22nd September 1978

No. PA/73(13)/78-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. (Kum) Varinder Balwantsingh Kaur as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in purely temporary capacity with effect from the forenoon of September 13, 1978 to the afternoon of October 25, 1978 vice Dr. (Smt.) S. R. Tribhuvan granted leave.

No. PA/73(13)/78-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. (Smt.) Chandraprabha Satyaprakash Mittal as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of September 19, 1978 to the afternoon of November 10, 1978 vice Dr. (Smt.) P. K. Ajbani granted leave.

The 16th October 1978

No. PA/85(1)/78-R-IV.—On transfer from the Heavy Water Project, Kota of Department of Atomic Energy, Director, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri Shelke Prabhakar Suryabhan in a temporary capacity as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of April 24, 1978 until further orders.

The 20th October 1978

No. PA/68(6)/77-R-IV.—On relief from the Civil Engineering Division of the Department of Atomic Energy, the Director, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri Pongaliur Kandasamy Mysamy as Scientific Officer/Engineer Grade SB in a temporary capacity in the Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of June 19, 1978 until further orders.

The 25th September 1978

No. 5/1/78-Estt. II/3399.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undementioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Assistant Accounts Officer for the period shown against their names:

Sl. No.	Name and Designation	Appointed to officiate as	Period	
			From	To
1.	Shri F. D'Souza Asstt. Accountant	Asstt. Accounts Officer	10-4-78 (FN)	31-7-78 (AN)
2.	Smt. S.P. Mherjee Asstt. Accountant	Asstt. Accounts Officer	3-7-78 (FN)	2-9-78 (AN)

No. 5/1/78-Estt II/3400.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Administrative Officer-II/Assistant Personnel Officer for the period shown against their names :

Sl. No.	Name & Designation	Appointed to officiate as	Period	
			From	To
1.	Shri S.R. Dongre Asstt. Personnel Officer	Administrative Officer-II	26-12-77 (FN)	9-5-78 (AN)
2.	Shri S.D. M:hta Asstt. Personnel Officer	Administrative Officer-II	10-4-78 (FN)	30-8-78 (AN)
3.	Shri A.K. Katre Assistant	Asstt. Personnel Officer	26-12-77 (FN)	30-8-78 (AN)

The 5th October 1978

No. 5/1/78-Estt. II/4089.—On transfer from Directorate of Purchase and Stores, Kota, Shri Gajanan Laxmanrao Haldipur, (a permanent Asstt. Accountant) has assumed charge as Accounts Officer II in the Bhabha Atomic Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of September 11, 1978 until further orders.

The 13th October 1978

No. 5/1/78-Estt. II/4234.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Dev Narayan Pradhan, Pmt. Assistant Security Officer to officiate as Security Officer in this Research Centre for the period from 26-7-1978

The 10th November 1978

No. PA/73(13)/78-R-IV.—In continuation of Notification of even number dated September 22, 1978, the Director, BARC appoints Dr. (Kum.) Varinder Balwantsingh Kaur as Resident Medical Officer in the Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity for a further period from the forenoon of October 26, 1978 to the afternoon of October 27, 1978 vice Dr. (Smt.) S. R. Tribhuvan granted leave.

S. RANGANATHAN  
Dy. Establishment Officer (R)

Bombay-400085, 1978

No. B/488/Estt. II/4083.—Consequent on attaining the age of superannuation, Shri Manohar Damodar Bapat, permanent Assistant Administrative Officer (Grade Rs. 650—960/-) retired from Government Service with effect from 31-8-1978 (AN).

No. M-4/Accts/Estt. II/4085.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre has accepted the resignation from service tendered by Shri Furrokh Erachshaw Mistry, permanent Assistant Accountant and officiating Assistant Accounts Officer, Accounts Division with effect from the afternoon of August 31, 1978.

The 18th September 1978

No. 5/1/78/Estt. II/3301.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri F. D'Souza, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer on an *ad hoc* basis in this Research Centre with effect from 30-3-1977 (FN) to 22-4-1977 (AN) vice Shri R. G. Masurkar, Assistant Accounts Officer granted leave from 30-3-1977 to 30-4-1977.

(FN) to 29-9-1978 (AN) vice Shri D. N. Bagchi, Security Officer granted leave.

The 19th October 1978

No. 5/1/78-Estt. II/4326.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri K. R. C. Pillai, Assistant, to officiate as Assistant Personnel Officer on an *ad hoc* basis in this Research Centre with effect from 11-9-1978 (FN) to 16-10-1978 (AN).

The 23rd October 1978

No. 5/1/78/Estt. II/4405.—In continuation of this Division Notification No. 5/1/77/Estt. II/2764 dated November

15, 1977, the Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri U. R. Menon, Assistant, to officiate as Assistant Personnel Officer on *ad hoc* basis for a further period from 15-9-1977 (FN) to 20-10-1977 (AN).

The 27th October 1978

No. 5/1/78-Estt.II/4579.—The Controller, Bhabha Ato-

mic Research Centre appoints Shri N. C. Gop, Assistant Security Officer to officiate as Security Officer in Variable Energy Cyclotron, Calcutta for the period from 13-2-1978 (FN) to 18-3-1978 (AN) *vice* Shri A. K. Chakraborty, Security Officer granted leave.

The 7th November 1978

No. 5/1/78-Estt.II/4671—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials officiate on an *ad-hoc* basis as Administrative Officer-II/Assistant Personnel Officer for the period shown against their names :

Sl. No.	Name and Designation	Appointed to officiate as	Period	
			From	To
1.	Shri S.K. Kapur Asstt. Personnel Officer	Administrative Officer-II	11-9-78(FN)	21-10-78(AN)
2.	Shri B.K. Swamy Asstt. Personnel Officer	Administrative Officer-II	25-9-78 (FN)	27-10-78(AN)
3.	Shri P.B. Karanlikar Assistant	Asstt. Personnel Officer.	20-9-78 (FN)	27-10-78(AN)
4.	Shri B.M. Nuk S.G.C.	Asstt. Personnel Officer	25-9-78 (FN)	27-10-78(AN)

The 15th November 1978

No. 5/1/78/Estt.II/4740—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an *ad-hoc* basis as Assistant Personnel Officer for the period shown against their names:

Sl. No.	Name & Designation	Appointed to officiate as	Period	
			From	To
1.	Shi .L.B. Gawde Assistant	Asstt. Personnel Officer	27-9-78 (FN)	7-11-78 (AN)
2.	Shri N.K. Bhide Sn.G.C.	Asstt. Personnel Officer	27-9-78 (FN)	7-11-78(AN)

The 17th November 1978

No. P/2269/Estt.II/4781.—On transfer from Power Project Engineering Division, Shri Tulsidas T. Pishori a permanent Asstt. Personnel Officer in PPED assumed charge of the post of Asstt. Admn. Officer in the grade of

Rs. 650—960/- in this Research Centre in an officiating capacity with effect from the Forenoon of November 1, 1978 until further orders.

M. S. RAO  
Dy. Establishment Officer

Bombay-400 085 The 30th September 1978

No. 5(5)/78-Confirmation/1857—The Director, Bhabha Atomic Research Centre hereby appoints the undermentioned officers in a substantive capacity as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in Bhabha Atomic Research Centre with effect from February 1, 1977.

Sl. No.	Name	Present Grade	Division	Permanent post held in BARC
1	2	3	4	5
1.	Shri S.S. Salni	SC	Primary Isotope Section	D'man C
2.	Shri K.N. Mandke	SC	R-5 Project	D'man C
3.	Shri R.D. Kale	SB	Health Physics	SA C
4.	Shri S.K. Roy	SC	Central Workshops	Foreman
5.	Shri M.V. Joshi	SC	PREFRE	SA C
6.	Shri V.D. Kandekar	SB	Electronics	SA C
7.	Shri D.S. Bisht	SC	Nuclear Physics	SA C
8.	Shri D.K. Mulaokar	SB	Radio Chemistry	D'man C
9.	Shri S.G. Shukla	SC	Nuclear Physics	SA C
10.	Shri G. Subramanian	SC	Health Physics	SA C
11.	Shri M., Tambwekar	SC	Analytical Chemistry	SA C
12.	Shri A. Sethumadhavan	SC	Spectroscopy	SA C
13.	Shri N.E. Mcherji	SB	Lib. & Inf. services	SA C
14.	Shri G.S. Panicker	SB	Technical Services	Foreman
15.	Shri L.R. Chorge	SC	Technical Services	Foreman
16.	Shri A.D. Ingale	SB	Electronics	SA C
17.	Shri V.N. Kamath	SB	Electronics	SA C
18.	Shri M.P. Sankaran	SC	Division of Radiological Protection	SA C
19.	Shri K.L. Guliani	SC	Technical Services	'D' man A
20.	Shri V.P. Ranade	SB	Transport Maint. Unit	Foreman
21.	Shri R.S. Udyavar	SB	Nuclear Physics	SA C
22.	Shri N.K. Mehta	SB	Health Physics	SA C
23.	Shri M.R. Phiske	SC	Neutron Physics	SA C



1	2	3	4	5
24. Shri K. Rajamani	.	SB	Technical Services	Foreman
25. Shri S.G. Rege	.	SB	Fuel Reprocessing	SA C
26. Shri P.L.K. Sastry	.	SB	Health Physics	SA C
27. Shri P.C. Mitra	.	SC	Neutron Physics	SA C
28. Shri K.D. Vinak	.	SC	Reactor Operations	Foreman
29. Shri G.L.C. Gonsalves	.	SB	Technical Services	Foreman
30. Shri V.S. Nigudkar	.	SB	Technical Services	Foreman

No. 5(5)/78-Confirmation/1858—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints the undermentioned officers in a substantive capacity as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in Bhabha Atomic Research Centre with effect from February 1, 1977.

Sl. No.	Name	Present Grade	Division
1.	Shri A.R. Nayak	SC	Health Physics
2.	Shri B.R.S. Gund	SC	Central Workshops
3.	Shri S.P. Mukherjee	SC	Landscape & Cosmetic Maintenance section.

Kum. H.B. VIJAYAKAR  
Dy. Establishment Officer

#### REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam-603102, the 16th November 1978

No. A. 32013/6/78-R.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints the following temporary officials of this Centre as Scientific Officers Grade-SB in scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in the same Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1978 until further orders.

1. Shri M. R. Janardhanam—Scientific Assistant 'C'.
2. Shri K. Chenchu Naidu—Foreman.
3. Shri R. Umapathaiiah—Foreman.
4. Shri K. Narayanan—Foreman.
5. Shri Benedict Rayon—Draughtsman 'C'.

A. SETHUMADHAVAN  
Administrative Officer  
for Project Director, Reactor Research Centre

#### MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 2nd December 1978

No. E(I)03892.—On attaining the age of superannuation Shri A. Sadagopan, offg. Assistant Meteorologist, office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, India Meteorological Deptt., retired from the Government service with effect from the afternoon of 31-10-1978.

No. E(I)04287.—On attaining the age of superannuation Shri V. Sundaresa Rao, officiating Assistant Meteorologist, office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, India Meteorological Department, retired from the Government service with effect from the afternoon of 31-10-1978.

The 4th December 1978

No. E(I)00843.—Resignation of Shri G. Nagaraja Rao, Assistant Meteorologist, Headquarters Office of the Director General of Meteorology, India Meteorological Department

has been accepted, with effect from the afternoon of 10-5-1978.

G. R. GUPTA  
Meteorologist  
for Director General of Meteorology

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 24th November 1978

No. A-32013/10/77-E.I.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. W. H. Jafri, substantive Librarian in this Department to the post of Chief Librarian (Group 'B' Gazetted) on *ad hoc* basis in this Department in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/-, for a period of six months with effect from 17-11-1978 (Forenoon) or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A. 32013/7/78-E.I.—The President has been pleased to appoint Shri S. C. Majumdar, Deputy Director to the post of Director, Radio Construction & Development Units on *ad hoc* basis beyond 25-10-1978 and upto 30-8-1979 or till regular appointment to the post is made whichever is earlier, in continuation of this office Notification No. A-32013/7/78-E.I., dated 22-9-1978.

C. K. VASTA  
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 28th November 1978

No. A-32013/5/77-EA.—The President has been pleased to promote Shri H. W. Ambler, Aerodrome Officer to the post of Senior Aerodrome Officer, on an *ad hoc* basis, with effect from the 26th October, 1978 for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier. Shri Ambler is posted at the Civil Aviation Training Centre, Bamrauli (Allahabad).

No. A-39013/6/78-EA.—The Director General of Civil Aviation hereby accepts the resignation from Govt. service of Shri N. Kaushal, Asstt. Aerodrome Officer, Civil Aerodrome, Varanasi with effect from the 24th November, 1978.

The 30th November 1978

No. A. 32013/3/78-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri J. S. Bist in a substantive capacity in the post of Radio Officer in the Calibration Unit in the Civil Aviation Deptt. With effect from 21-11-1978.

The 1st December 1978

No. A. 32013/77-EA.—The President has been pleased to appoint the following Asstt. Aerodrome Officers to the grade of Aerodrome Officer, in the Air Routes & Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department in an officiating capacity,

with effect from the date noted against their names and until further orders :—

S. No.	Name	Date	Station of posting.
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	Shri J.S. Gill	5-5-78	Amritsar.
2.	A.K. Sinha	21-7-78	Dum Dum.
3.	B.S. Chawla	11-7-78AN	Bhopal.
4.	S.C. Srivastava	13-11-78	CATC Bamrauli (Allahabad).
5.	C.K. Gharat	26-6-78	Bombay Airport.
6.	V.K. Shroff	10-5-78	Safdarjung Airprt.
7.	Harsaran Singh	16-10-78	Jodhpur.
8.	S.K. Rastogi	21-7-78AN	Udaipur.
9.	K.K. Punj	6-5-78	Nagpur.
10.	J.S. Ahuja	11-7-78	Udhampur.
11.	S.N. Khanna	11-7-78	Porbandar.
12.	R.C. Kochar	1-8-78	Agra.
13.	G.S. Advani	31-5-78	Bombay Airport.
14.	P.V.A. Nair	10-8-78	Calcutta Airport.
15.	Shco Rattan Lal	8-5-78	Calcutta Airport.
16.	Sadhu Singh	22-7-78	Bombay Airport.
17.	Y.K. Vohra	19-7-78	Calcutta Airport.
18.	K.V. Krishnan	6-5-78	Hyderabad.
19.	G.G. Naseri	6-5-78	Nagpur.
20.	S.K. Matta	23-5-78	Madras.
21.	S.K. Lala	2-6-78 AN	Palam.
22.	T.V. Ramaswamy	6-5-78	Gauhati.
23.	S.K. Handa	10-7-78 AN	Gauhati.
24.	M.N. Parthasarthy	8-5-78	Bombay Airport.
25.	B.L. Dhar	12-7-78	Raipur.
26.	P.C. Louis	20-6-78	Madras.
27.	S.P. Sikki	18-8-78	Delhi Airport, Palam.
28.	B.C. Bistry	17-5-78	Bhubaneswar.
29.	Kamal Kant	10-5-78AN	Bombay Airport.
30.	Asa Ram	29-6-78 AN	Port Blair (Lamba Lines).
31.	William Minz	10-7-78	Gaya.
32.	T.N. Som	14-8-78	Dum Dum.
33.	V. Panchapakesan	30-8-78	Tirupathi.
34.	S.N. Banerjee	25-8-78AN	Panagarh.
35.	P.R. Jadav	27-7-78	Bombay Airport.
36.	S.S. Singh	31-7-78	Bombay Airport.
37.	C. Vijaykumar	26-7-78	Bombay Airport.
38.	B.R. Kakar	26-7-78	Bombay Airport.
39.	S.N. Ray	28-8-78AN	North Lakhimpur.

S.L. Khandpur,  
Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 30th November 1978

No. A. 32013/11/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri K. S. Narasimhan, Technical Officer in the office of the Director, Radio Const. & Dev. Units, New Delhi to the grade of Senior Technical Officer on regular basis w.e.f. 10-7-1978 (FN) and to post him in the same office until further order.

No. A. 32013/3/78-EC.—In continuation of this Department Notification No. A. 32013/5/77-EC dated 27-12-1977 and No. A. 32013/5/77 dated 7-1-1978, the President is pleased to appoint the following three officers (at present holding the appointment of Asstt. Director of Communication in DGCA's Office, on *ad hoc* basis) w.e.f. 13-7-1978 to the grade of Assistant Director of Communication on a regular basis until further orders and to post them in the same office :—

1. Shri R. P. Sharma.
2. Shri L. R. Garg.
3. Shri P. S. Dhunta.

No. A. 32013/5/78-EC.—In continuation of this Department Notification No. A-32013/5/78-EC, dated 13-11-1978, the President is pleased to sanction the continuance of *ad hoc* appointment of Shri R. P. Sharma, as Deputy Director of Communication in the Civil Aviation Deptt. beyond 25-10-1978 and upto 30-8-1979 or till the vacancy in the

grade is available, whichever is earlier and to post him in the DGCA office.

The 4th December 1978

No. A. 38012/1/77-EC.—Shri G. R. Verma, Assistant technical Officer o/o the Director, Radio Const. & Dev. Units, New Delhi relinquished charge of his office on the 30th Sept, 1978 (AN) on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation.

No. A. 32014/1/78-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri R. K. Gupta, Communication Assistant, A.I.S. Section, DGCA (HQ) to the grade of Assistant Communication Officer on *ad hoc* basis w.e.f. 7-6-78 and to post him in the same office *vice* Shri P. L. Yuhanna, Assistant Communication Officer granted earned leave for 81 days w.e.f. 23-5-1978 to 11-8-1978.

S. D. SHARMA  
Deputy Director of Administration

#### OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 27th November 1978

No. 1/467/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri P. V. Suryanarayana Murthy, as Assistant Engineer, in an officiating capacity in New Delhi with effect from the forenoon of the 1st September, 1978, and until further orders.

2. This office Notification of even number dt. 25-10-1978 is hereby cancelled.

P. K. G. NAYAR  
Director (Admn.)  
for Director General

#### OFFICE OF THE COLLECTOR CENTRAL EXCISE

Patna, the 2nd Decmber 1978

No. II(7)2-ET/78/12136.—In pursuance of Ministry's order No. 153/78 dated 22-9-1978, Sri S. R. Bhattacharjee, Superintendent of Central Excise Group "A" of this Collectorate assumed charge as Assistant Collector, Central Excise & Customs, Patna in the afternoon on 27-9-1978.

No. II(7)2-ET/78/12150.—Following officers appointed Communication Officer vide Ministry's order No. 79/78 dated 24-5-78 in the scale of Rs. 700-40-900-E.B.-40-1100-50-1300 plus special pay of Rs. 100/- per month assumed charge as Communication Officer of Customs, at the places mentioned below:—

Name	Place of posting	Date of assumption of charge
1. Lt. Cmdr. Joginder Singh	Motihari	14-7-78 (F.N.)
2. Wg. Comdr. K.R.Nambir	Patna	21-6-78 (F.N.)
3. Capt. Pradcep Vimani	Forbesganj	13-10-78 (F.N.)

D.K. Sarkar  
Collector,  
Central Excise : Patna

#### MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

##### DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 1st December 1978

##### MERCHANT SHIPPING

No. 6(2)CRA/78.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the Director General of

Shipping is pleased to appoint Shri D. P. Chatterjee, Officiating Dy. Director, Seamen's Employment Office, Calcutta (on *ad hoc* basis), as Dy. Director, Seamen's Employment Office, Calcutta, on a long-term basis with effect from the 31st August, 1978 (F.N.), until further orders.

K. S. SIDHU  
Dy. Director General of Shipping

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 6th November 1978

No. 1/8/78-Adm. III.—The Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri K. C. Gupta, to the post of Hindi Officer in the Central Water Commission in a purely temporary and *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/—, with effect from 30-10-1978 unto the 29-4-1979 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The appointment of Shri K. C. Gupta to the post of Hindi Officer in the Central Water Commission, will be in the nature of a purely local arrangement and will not confer upon him any right of claiming appointment to the post of Hindi Officer in the Central Water Commission, on a regular basis.

JASWANT SINGH  
Under Secretary  
Central Water Commission

#### DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 30th November 1978

No. 1/98/69-ECIX.—S/Shri S. S. Gupta and J. P. Krishna Architects of this Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 30-11-1978 (A.N.).

KRISHNA KANT  
Dy. Director of Administration

#### CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-22, the 28th November 1978

No. 5/6/78-Adm. II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the undermentioned supervisors/Technical Assistants/Head Draftsman to the grade of Extra Assistant Directors/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity with effect from the dates shown against their names until further orders :—

S/Shri

1. Subhash Manchanda, Technical Asstt.—30-10-78.
2. Ramesh Bahri, Technical Assistant—30-10-78.
3. S. K. Chowdhury, Technical Asstt.—30-10-78.
4. S. L. Ohri, Head Draftsman—30-10-78.
5. Harbans Lal Khurana, Tech. Asstt.—30-10-78.
6. Jadav Datta, Technical Assistant—30-10-78.
7. A. K. Chakraborty, Technical Asstt.—7-11-78.
8. A. K. Rastogi, Supervisor—1-11-78.
9. Gian Chand Bagga, Supervisor—30-10-78.
10. K. K. Bhattacharya-II, Supervisor—30-10-78.
11. Mohan Lal Tahliramani, Supervisor—30-10-78.
12. V. K. Bhalla, Supervisor—8-11-78.

The 30th November 1978

No. 6/11/78-Adm. II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri S. P. Gupta, Technical Assistant to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service

in an officiating capacity with effect from the forenoon of 28-10-1978 until further orders.

S. BISWAS  
Under Secy.

#### NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 28th November 1978

No. 33.—The following officers of Stores Department, Northern Railway have finally retired from Railway Service from the dates noted against each :—

1. Shri B. B. Bansal, Addl. COS/Const.—31-3-1978.
2. Shri M. M. S. Bhalla, ACOS/AMV-LKO—30-4-1978.
3. Shri S. K. Sabharwal, COS/N. Rly., NDLS.—31-6-1978.
4. Shri K. L. Malhotra, ACOS/IC, Hd. Qrs.—31-10-1978.

R. SRINIWASAN  
General Manager

#### MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Meta Krafts Engineering Private Limited*

Jaipur, the 28th November 1978

No. STAT/1610/8389.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date of hereof the name of the M/s. Meta Krafts Engineering Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Mahalaxmi Laghu Udyog Private Limited*

Jaipur, the 30th November 1978

No. STAT/1984/8455.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Mahalaxmi Laghu Udyog Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Vijay Laxmi Company Private Limited*

Jaipur, the 30th November 1978

No. STAT/595/8452.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Vijay Laxmi Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

R. D. KUREEL  
Registrar of Companies  
Rajasthan, Jaipur

*In the matter of the Companies Act 1956, and of  
M/s. Kartar Savings Fund Private Limited*

Cuttack, the 28th November 1978

No. S.O./650/3149(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Kartar Savings Fund Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Progressive Technicians Private Limited*

Cuttack, the 28th November 1978

No. S.O./299/3150(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Progressive Technicians Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. New Students Stores Private Limited*

Cuttack, the 28th November 1978

No. S.O./218/315(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. New Students Stores Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Orissa Enterprises Private Limited*

Cuttack, the 28th November 1978

No. S.O./469/3152(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Orissa Enterprises Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Mahanadi Industries Private Limited*

Cuttack, the 28th November 1978

No. S.O./432/3153(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Mahanadi Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

D. K. PAUL  
Registrar of Companies, Orissa

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Southern Poly Plastic Private Limited*

Madras-600 006, the 1st December 1978

No. 6284/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Southern Poly Plastic Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Christian Mutual Benefit Fund (Coimbatore) Limited*

Madras-600 006, the 1st December 1978

No. 6421/560(3)/C. IV/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Christian Mutual Benefit Fund (Coimbatore) Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Annai Nadu Publications Limited*

Madras-600 006, the 1st December 1978

No. 6243/560(3)/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Annai Nadu Publications Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Landscape Developers Private Limited*

Madras-600 006, the 1st December 1978

No. 6261/560(3)/C.IV/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Ms. Landscape Developers Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN  
Assistant Registrar of Companies  
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Tara Kanambi Sri Varthakabhivridhi Company Ltd.*

Bangalore, the 29th November 1978

No. 133/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Tara Kanambi Sri Varthakabhivridhi Company Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Emes Wires Private Ltd.*

Bangalore, the 29th November 1978

No. 2766/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Emes Wires Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Boeaccio Agencies Private Ltd.*

Bangalore, the 29th November 1978

No. 2413/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Ms. Boeaccio Agencies Private Ltd unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. N. GUHA  
Registrar of Companies  
Karnataka, Bangalore

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE III,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 5th December 1978

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/12-78/320.—Whereas I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J-13/36 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 15-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
6—386 GI/78

(1) Shri Kirori Ram s/o Sh. Lakhi Ram,  
R/o J-10/49, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kulwant Rai s/o Sh. Dwarka Dass, Gali Mandir wall, H. No. 2241/2, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop-cum-residential House No. J-13/36, Rajouri Garden, New Delhi built on plot of land measuring 215 sq. yds. and is bounded as under :—

East : Plot No. 13/35.  
West : House property No. 13/37.  
North : Road & Park.  
South : Service Land.

D. P. GOYAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
Delhi/New Delhi

Date : 5-12-1978.  
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Smt. Nurunnissa Beevi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri P. P. Abubacker.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS,  
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 23rd October 1978

Ref. No. L.C. 252/78-79.—Whereas, I V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No.

as per schedule situated at Guruvayoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kottappady on 2-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

68½ cents of land vide document No. 200/78 of S.R.O. Kottappady.

V. MOHANLAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ernakulam.

Date : 23-10-1978.  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd December 1978

Ref. No. ASR/78-79.—Whereas, I G. L. GAROO, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 2309/12 situated at Bazar Ram Saran Dass, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on 1 April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Shiv Kumar s/o Shri Goverdhan Dass,  
5A, Maqbool Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Ram Asra s/o Shri Atma Ram,  
59, Hide Market, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 2309/12, Bazar Ram Saran Dass, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 275 of April 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 2-12-1978.

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd December 1978

Ref. No. ASR/78-79.—Whereas, I G. L. GAROO, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 2309/12 situated at Bazar Ram Saran Dass, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on 1 April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rajwati wd/o Shri Goverdhan Dass,  
5A, Maqbool Road, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Shri Ram Asra s/o Shri Atma Ram,  
59, Hide Market, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 2309/12, Bazar Ram Saran Dass, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 273 of April, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 2-12-1978.

Seal :



## FORM ITNS

(1) Shri Chiman Lal s/o Shri Goverdhan Dass,  
5A, Maqbool Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Ram Asra s/o Shri Atma Ram,  
59, Hide Market, Amritsar.

(Transferee)

\*(3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person  
in occupation of the property)\*(4) Any person interested in the property. (Person whom  
the undersigned knows to be interested in the  
property)Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 2309/12, Bazar Ram Saran Dass, Amritsar as  
mentioned in the Registered Deed No. 274 of April, 1978 of  
Registering Authority, Amritsar City.G. L. GAROO, IRS,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 2-12-1978.

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd December 1978

Ref. No. ASR/78-79.—Whereas, I G. L. GAROO, IRS,  
being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.House No. 2309/12 situated at Bazar Ram Saran Dass,  
Amritsar(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at  
Amritsar City on 1 April, 1978for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th November 1978

Ref. No. CHD/112/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 1001 sq. yards bearing No. 2168, Sector 15-C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Sant Singh Brar s/o Sh. Inder Singh, Advocate, Muktsar through General Attorney, Sh. Sukhdarshan Singh, r/o V & P.O. 60-B Telegraph Office, Sri-Karanpur (Rajasthan).

(Transferor)

- (2) Shri Harbans Singh s/o Sh. Sant Singh, r/o H. No. 228, Sector 9-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 2168, Sector 15-C, Chandigarh measuring 1001 sq. yards.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1344 of March, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 10 Nov. 1978.

Seal :

## FORM IINS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th November 1978

Ref. No. CHD/121/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House Property No. 305, Sector 21-A, Chandigarh on a plot measuring 500.5 sq. yards

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagat Bhushan Kaushal s/o Banarsi Dass,  
r/o 1, Sector 26, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri Gurdial Bhasin s/o Sh. Jiwan Dass Bhasin,  
r/o 1162, Sector 21-B, Chandigarh.

(Transferee)

- \* (3) Shri D. C. Nanda (Tenant)

Kothi No. 305, Sector 21-A, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property No. 305, Sector 21-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1441 of March, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10 Nov. 1978,  
Seal ;

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th November 1978

Ref. No. LDH/138/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 10 kanal 8 marlas situated in Village Bhairo Munna, Tehsil Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Malkiat Singh s/o Shri Dharam Singh and Shri Amrik Singh s/o Shri Karam Singh, r/o Village Bhairo Munna, Tehsil Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Darshan Kumar Oswal s/o Shri Rattan Chand Oswal, r/o 534/B-XIX, College Road, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 10 kanal 8 marlas situated in village Bhairo Munna, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 6524 of March, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10 Nov. 1978.  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th November 1978

Ref. No. LDH/352/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop on land measuring 40½ sq. yds situated on Chauri Sarak, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
17—386GI/78

- (1) Shri Amar Nath Sood s/o Shri Duni Chand,  
r/o Chauri Sarak, Ludhiana. (Transferor)
- (2) S/Shri Radhey Sham Girdhar Gopal sons  
of Shri Prem Sagar, r/o  
780, Lakkar Bazar, Ludhiana. (Transferee)
- (3) M/s. Jyoti Parsad Prem Sagar  
Chauri Sarak, Ludhiana.  
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop on plot measuring 40½ sq. yds. situated at Chauri Sarak, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3864 of March, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10 Nov. 1978.  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th November 1978

Ref. No. LDH/389/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 4-B measuring 367 sq. yards situated in Industrial Area A, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shmt. Kusam Lata w/o Shri Kailash Kumar, r/o B-9, 1061, Sanglanwala Shivala Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Brij Rattan w/o Shri Mangal Chand, s/o M/s Aggarwal Wool Traders, Chauri Sarak, Sunehri Gurudwara, Ludhiana.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4-B, measuring 367 sq. yards situated in Industrial Area A, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4351 of March, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10 Nov. 1978.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Gurnam Singh s/o Shri Bahadur Singh,  
r/o 38-E, Sarabha Nagar, Ludhiana.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Gamdoor Singh s/o Sh. Bhagwan Singh,  
r/o Village Narangwal, Tehsil Ludhiana.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 10th November 1978

Ref. No. LDH/394/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 15-A, Sarabha Nagar, Ludhiana measuring 450 sq. yards situated at Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 15-A, Sarabha Nagar, Ludhiana measuring 450 sq. yards.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4396 of March, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

**NATHU RAM,**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10 Nov. 1978.  
Seal:

FORM I.T.N.S.-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th November 1978

Ref. No. LDH/403/77-78.—Whereas I, NATHU RAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property No. B-IV-333, situated at Bazar Sarafan, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Hukmi Mal Sham Lal, through Sh. Hari Chand s/o Sh. Sham Lal, N-90, Greater Kailash, New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Shri Parshotam Lal s/o Shri Amar Nath, Uchi Gali, Kucha Shivdayal, Ludhiana c/o M/s Pishori Lal Amar Nath, Bazar Sarafan, Ludhiana.

(Transferee)

(3) 1. Shri Sant Ram,  
2. M/s Krishan Chand Rattan Chand &  
3. Shri Ved Parkash  
c/o Shop No. B. IV-333, Bazar Sarafan, Ludhiana.  
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of property No. B. IV-333, situated at Bazar Sarafan, Ludhiana.

(The Property as mentioned in the Registered Deed No. 4450 of March, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10 Nov. 1978.  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th November 1978

Ref. No. LDH/404/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Portion of Shop No. B-IV-333 on plot measuring 43 sq. yds. situated in Bazar Sarafan, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Hukmi Mal Sham Lal, through Shri Hari Chand, s/o Sh. Sham Lal, N-90, Greater Kailash, New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Shri Amar Nath s/o Shri Ram Chand  
r/o Samrala Road, Moh. Harbans Pura,  
Ludhiana  
c/o M/s Pishori Lal Amar Nath,  
Sarafan Bazar, Ludhiana.

(Transferee)

(3) 1. Shri Kanhaya Lal Thakur,  
2. Sh. Amrit Lal,  
3. M/s Krishan Chand Rattan Chand &  
4. Sh. Ved Parkash c/o  
Shop No. B-IV-333, Bazar Sarafan, Ludhiana.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property No. B. IV-333, on a plot measuring 43 sq. yds. situated at Bazar Sarafan, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4451 of March, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10 Nov. 1978.  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th November 1978

Ref. No. LDH/410/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 4-A measuring 517.2/3 sq. yards situated at Industrial Area A, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Kailash Kumar s/o Sh. Sat Parkash, r/o B-9, 1061, Shivala Sanglawala Road, Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Shri Brahm Datt s/o Shri Mangal Chand, c/o M/s Aggarwal Wool Traders, Chauri Sarak, Sunheri Gurudwara, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 517.2/3 sq. yards situated in Industrial Area A, Ludhiana bearing No. 4-A.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4558 of March, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10 Nov. 1978.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th November 1978

Ref. No. LDH/69/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot measuring 203.7/9 sq. yards situated at Taraf Peerubanda, Tehsil Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Prem Parkash s/o Shri Hari Ram,  
H. No. B. 3. 369, Purana Bazar, Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Shri Lashkari Ram s/o Shri Kartar Chand,  
c/o M/s Guide Electric Co., Saban Bazar,  
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 203.7/9 sq. yards situated at Taraf Peerubanda, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2001 of August, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10 Nov. 1978.

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th November 1978

Ref. No. CHD/146/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House property No. 20, Sector 2-A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Mrs. Chand Rani w/o Sh. K. C. Dhupa and Smt. Krishna Watl Gopal d/o Sh. K. C. Dhupa, r/o 12/26, Punjab Agriculture University Campus, Ludhiana,

(Transferor)

- (2) Shri Mohinder Singh Gill s/o Shri Arjan Singh Gill, 20, Sector 2-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property No. 20, Sector 2-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 157 of May, 78 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10 Nov 1978,  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1978

Ref. No. BGR/39/77-78.—Whereas 1. RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Industrial Plot No. 78, Sector 6, situated at Faridabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabhgarh in March, 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—386 GI/78

- (1) M/s. Allied Industrial Syndicate,  
138, Canning Street,  
Calcutta.

(Transferor)

- (2) M/s. Bermaco Fabricators,  
19, Industrial Area,  
Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Industrial plot No. 78 with construction thereon situated in Sector 6, Faridabad. The area of plot is 5000 sq. yds.

(Property as mentioned in the sale deed registered at serial No. 3502 dated 10-3-1978 with the Sub-Registrar, Ballabhgarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 7-11-1978.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1978

Ref. No. BGR/41/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

B.P. No. 49, N.H. 1, situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabhgarh in March, 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Orient Steel & Industries Ltd., Calcutta through Shri R. K. Rajgarhia, Director. (Transferee)
- (2) (1) Smt. Shakuntla Devi w/o Shri Mange Ram,
- (2) Sh. Suraj Nath s/o Sh. Ishwar Dass,
- (3) Sh. Harish Chander s/o Sh. Amar Nath Residents of N.I.T., Faridabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bungalow plot No. 49, N.H. 1, Faridabad. The area of plot is 1200 sq. yards.

(Property as mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5789 of March, 78 with the Sub-Registrar, Ballabhgarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 7-11-1978.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1978

Ref. No. BGR/42/77-78. & Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 248 kanal 19 marlas situated at Village Kaboolpur Khadar Patti Mehtab (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in March, 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Narain Dass, Arjan Dev, Yudhister Lal sons of Sh. Parma Nand, R/o W-17, Rajauri Garden, New Delhi.

(Transferor)

- (2) S/Shri Partap Singh, Mohinder Singh, Gajraj Singh, Anand Singh sons of Sh. Dal Chand, R/o Aminabad Alias Niyana (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 248 kanal 19 marlas situated in Village Kaboolpur Khadar Patti Mehtab.

(Property as mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5838 of March, 78 with the Sub-Registrar, Ballabgarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 7-11-1978.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1978

Ref. No. LHR/1/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 208 kanal situated at Vill. Mohta, Teh. Loharu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Loharu in April, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Narain Dass s/o Sh. Bhoja Ram  
R/o Rampura Township, through  
G.P.A. Sh. Ved Parkash,  
(2) Smt. Vidya Rani D/o Smt. Basanti Bai,  
(3) Smt. Basanti Bai Wd/o Sh. Dida Ram,  
R/o Vill. Mohta, Teh. Loharu, Distt. Bhiwani.  
(Transferor)

- (2) S/Sh. Umed Singh, Manmar and Anant Ram,  
sons of Sh. Tota Ram,  
Sh. Ran Singh, Sh. Dan Singh and Sh. Maha Singh  
sons of Shri Hetu Ram,  
R/o Village Madan, Teh. Bhiwani.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 208 kanal situated at Vill. Mohta, Teh. Loharu, Distt. Bhiwani.

"Property as mentioned in sale deed registration No. 7 of April, 1978 and registered in the office of the Registering Authority, Loharu."

RAVINDER KUMAR PATHANIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 7-11-1978.

Sd :



## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1978

Ref. No. THN/10/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 155 kanal 17 marlas situated at Vill. Bhuna, Teh. Tohana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Tohana in April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Ram Dittl D/o  
Sh. Hari Ram, R/o  
Vill. P.O. Bhuna,  
Teh. Tohana, Distt. Hissar. (Transferor)
- (2) S/Sh. Rajinder, Wazir Singh, Hari Singh,  
Mahender sons of Sh. Sher Singh,  
Sh. Sher Singh, Ramji Lal, Dalip Singh  
sons of Sh. Bhagirath and  
Sh. Pirthi Singh, Satbir sons of Sh. Dharam Pal  
Vill. Baijampur, Teh. Tohana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 155 kanal 17 marlas situated at Vill. Bhuna, Teh. Tohana, Distt. Hissar.

"Property as mentioned in sale deed registration No. 65, dated 17-4-1978 and registered in the office of the Registering Authority, Tohana.

RAVINDER KUMAR PATHANIA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 7-11-1978.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1978

Ref. No. RTK/DLI/17/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 177-L, situated at Model Town, Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Sh. Rakesh Kumar Sharma, Rajesh Kumar Sharma, sons of Sh. Walaiti Ram Sharma, through Sh. Madan Lal Sudan R/o House No. 176-L, Model Town, Rohtak.

(Transferor)

- (2) Sh. Hans Raj s/o Sh. Chhabil Dass, 44, East Avenue, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 177-L, situated at Model Town, Rohtak.

(Property as mentioned in sale deed registration No. 268 of May, 1978 and registered in the office of the Registering Authority, Delhi.)

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 7-11-1978.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1978

Ref. No. HSR/1/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 210 kanal situated at Village Kemri, Teh. & Distt. Hissar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hissar in May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Sh. Sahdev Arya, Advocate, Hissar.

(2) S/Sh. Tirlak Chand, Jai Dev,  
Satya Paul, Anand Dev sons of  
Sh. Fateh Chand,  
R/o Hissar.

(Transferor)

(2) Shri Amar Singh s/o  
Shri Chhabil Dass,  
R/o Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 210 kanal bearing Khewat No. 7, Min 71, Khatoni No. 21 and 110-111, situated in Vill. Kemri, Teh. Hissar.

(Property as mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 302 of May, 78 with the Sub-Registrar, Hissar).

RAVINDER KUMAR PATHANIA  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 7-11-1978.

Seal :

## FORM ITNS

(1) R. Prasad, S/o Radhakrishnan,  
B. Radhakrishnan S/o Bashyam Reddier,  
24/D, Giri Road, T. Nagar, Madras-17.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss N. Satyavathi, D/o V. V. Satyanarayana  
66, Archbishop Mathias Avenue, Madras-28.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-2,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 13th November 1978

Ref. No. F. 6168.—Whereas I, T. V. G. KRISHNAMURTHY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

24/C situated at Giri Road, T. Nagar, Madras  
No. 273/78)

has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of  
has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
T. Nagar on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reasons to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 24/C, Giri Road, T. Nagar, Madras-17  
(Doc. No. 273/78)

T. V. G. KRISHNAMURTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Madras-6.

Date : 13-11-1978.  
Seal.

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

MADRAS-6, the 13th November 1978

Ref. No. 6178.—Whereas, I. T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3/16A, situated at Mount Road, Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane, Madras (Doc. No. 215/78) on March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

19—386 GI/78

- (1) Attorneys of the Beneficiaries of late D. D. Italia. (Transferor)
- (2) Musee Musicals, 3/16, Mount Road, Madras. (Transferee)
- \*(3) Musee Musicals, Mount Road, Madras-2. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 3/16A, Mount Road, Madras-2 (part)  
(Doc. No. 215/78)

T. V. G. KRISHNAMURTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date : 13-11-1978.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 13th November 1978

Ref. No. 6119.—Whereas, I T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, situated at Greams Road, Madras-6 (1/5th share) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. No. 219/78) on March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) 1. M. Murugesu Naicker, 2. M. Thirunavukkarasu  
3. M. Anandan, No. 1, 1st Link St., Madras-4  
4. T. Govindaswamy, 62B, Mowbrays Road,  
Madras-18.

(Transferor)

- (2) S. J. Varadan, S/o Seni Naicker, Sole Prop :  
Sri Rajan Transports, 132, Mannarswami Koil  
St., Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/5th share in Plot Nos. 5 & 6 of No. 5, Greams Road, Madras-6.

T. V. G. KRISHNAMURTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 13-11-1978.

Seal :

## FORM ITNS

- (1) M. S. Sarveswaran, S/o Sivasubramanian Chettiar, 28, Masilamani St., Balajinagar, Royapettah, Madras-14.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Jayaprakash, & Annayyan, S/o Kasi Viswanatha Chettiar 82, Kalvey Subbaraya Chettiar St. Pondy.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 13th November 1978

Ref. No. F. 8156.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 54 & 54 Bis situated at Bharathy St., Pondicherry (Covered by Doc. No. 631/78)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pondy on April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

54 & 54 Bis, Bharathy St., Pondicherry (Doc. No. 631/78)

T. V. G. KRISHNAMURTHY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date : 13-11-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) M. S. Mahadevan & Mahadevan Ashok  
116, 28th Cross Road, 7th Block  
Jayanagar, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) R. Nawaz Hussain, 52, Santhome  
High Road, Madras-28.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-2,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 13th November 1978

Ref. No. F. 6164.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNA-MURTHY,

Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3 situated at Seethanagar Main Road, Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras Doc. No. 265/78 on March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons ~~namely~~ :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 3, Seethanagar Main Road, Madras-34.

T. V. G. KRISHNAMURTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date : 13-11-1978.  
Seal :



## FORM ITNS ———

(1) Shri Nila Kanta Sarma Bardalei, Revenue Department of Secretariat, Dispur, Gauhati.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Khemka Ware Housing Corporation, Dishpur, Gauhati.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 2nd December 1978

Ref. No. A-199/Gan/78-79/6253-54.—Whereas, I R. N. BARA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Dag No. 565, K. P. Patta No. 113 situated at Village Jafrigog, Mouza Beltola, Gauhati, Assam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gauhati on 4-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 (One) Bigha of village Jafrigog mouza Bellola, Gauhati near Ulubari, G. S. Road in the district of Kamrup, Assam.

R. N. BARA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Shillong

Date : 2-12-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 2nd December 1978

Ref. No. A-198/JKT/78-79/6246-48.—Whereas, I R. N. BARA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Dag No. 579, 574 and 2815 P. Patta No. 252, 486 &amp; 297 situated at A. T. Road, Jorhat, Assam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jorhat on 15-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sri Indar Chand Bothra, A.T. Road, Jorhat.  
(Transferors)
- (2) 1. Shri Banshidhar Agarwalla, A.T. Road, Jorhat.  
2. Shri Premsukh Khetan, A.T. Road, Jorhat.  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3 (three) Kathas 12.1/3rd Lessas along with one R.C.C. two storeyed building and two Assam type houses situated at A. T. Road, Jorhat, in the district of Sibsagar, Assam.

R. N. BARA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Shillong

Date : 2-12-1978  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th November 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas, I Hari Shanker being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

— situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 29-4-78.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Basanti Lal Agarwal, E-168 Masjid Moth, Near Greater Kailash Part II Extension Scheme, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Radhamohan Agarwal, 632 Behind Chandi Ki Taksal, Jaipur.

(Transferee)

- (3) Shri Baldeo Goswami, B-204, Bapu Nagar, Jaipur (Tenant).

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of Plot No. B-204 Bapunagar, Jaipur and more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Jaipur vide registration No. 995 dated 29-4-78.

HARI SHANKER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 8-11-78

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th November 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas, I Hari Shanker being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 29-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

(1) Shri Basanti Lal Agarwal, E-168 Masjid Moth, Near Greater Kailash Part II Extension Scheme, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri O. P. Gupta, B-204, Rajender Marg, Bapunagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of Plot No. B-204, Bapunagar, Jaipur and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1006 dated 29-4-78.

HARI SHANKER  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 8-11-78  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Inderchand S/o Khub Chand Jain Oswal resident of Chandni Chowk Delhi at present at Nathmalji Ka Gher, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Vimla Devi wife of Shri Motilal Rasta Khejrewalon Ka Chandpole Bazar, Jaipur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th November 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas, I HARI SHANKER being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4343 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 8-3-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—386 GI/78

## THE SCHEDULE

Second and third floor of house bearing No. 4343 Chokri Ghat Gate Rasta Purani Kotwali and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 487 dated 8-3-78.

HARI SHANKER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 8-11-78

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri Inderchand S/o Khub Chand Jain Oswal resident of Chandni Chowk Delhi at present at Nathmalji Ka Gher, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th November 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas, I Hari Shanker being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4343 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 8-3-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (2) Shri Motilal S/o Choteylal Jain, Khejrewalon Ka Rasta, Jaipur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ground floor and first floor portion of house Bearing No. 4343 Chokari Gate Rasta Purani Kotwali, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 488 dated 8-3-78.

HARI SHANKER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 8-11-78

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 8th November 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3, situated at Udaipur and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Udaipur on 2-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Narendarsingh S/o  
Shri Pratapsingh, Rajput Surajpole Bazar,  
Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Balkishan S/o Heeralal Teli,  
Telepada,  
Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of residential house bearing No. 3, Saraswati Marg, Outside Surajpole, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Udaipur vide registration No. 401 dated 2-3-1978.

HARI SHANKER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (C.A.)  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 8-11-1978  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR**

Jaipur, the 8th November 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

31-A, situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Udaipur on 14-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Narender Singh S/o Pratapsingh Rajput,  
Surajpole Bazar,  
Udaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Pratibha Rani, w/o  
Shri Narendarsingh Rajput Bhagawatprakash,  
outside Surajpole, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Two shops situated at 31-A Saraswatomarg, Udaipur and more fully described in the conveyance deed registered by the S.R. Udaipur vide registration No. 488, dt. 14-3-1978.

**HARI SHANKER**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 8-11-1978  
Seal :



FORM ITNS—

(1) Sri Sukhdeo Das Bahati.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Indumati Parik.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Calcutta, the 10th November 1978

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. AC-41/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

111, situated at Block 'C', Bangur Avenue

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Calcutta on 18-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land, measuring 6 cottahs 8 chittaks together with partly one storied and partly two storied building thereon situated at Plot No. 111, 'C' Block Bangur Avenue, Calcutta-53 more particularly as per deed No. 1493 dated 18-3-1978.

S. K. DASGUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Rani Tika Kumari Devi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) M/s. Suman Plywood Industries Pvt. Ltd.

(Transferees)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA**

Calcutta, the 15th November 1978

Ref. No. AC-42/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Mouza Oaks P.S. Jorabangalaw, Dist. Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 15-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that piece and parcel of land measuring an area of 423.21 acres together with all messuages, bungalows and other structures whatsoever forming parts of the tea garden known as the Oaks Tea Estate in Mouza Oaks, Parganah Sonada, P.S. Jorabangalaw, Dist. Darjeeling more particularly as per deed No. 1438 dated 15-3-1978.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 15-11-1978  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,  
POONA-411004

Poona-411004, the 9th November 1978

Ref. No. CA5/Haveli-I/July '78/373.—Whereas I, Smt. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 6 out of CTS No. 2-B, Erandawana, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-I, on 25-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Govind Atmaram Dhopesti,  
Workman, through his power of Attorney holder  
Smt. Malati P. Sulakhe,  
Fergusson College Road, Pune.

(Transferors)

(2) Mrs. Malati Devidas Dharmadhikari,  
359, Sadashiv Peth, Pune-30,

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 6 out of C.T.S. No. 2B, Erandawana within the limits of Pune Municipal Corporation. Area : 5516.50 sq.ft.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1815 dated 25-7-78 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I).

Smt. P. LALWANI  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona

Date : 9-11-1978  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE,  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,  
POONA-411004

Poona-411004, the 9th November 1978

Ref. No. CA5/Haveli-I/July '78/372.—Whereas I, Smt. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 34, Hissa No. 1/A in Hissa No. 6, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-I on 25-7-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Babasaheb Bhausaheb Pawar,  
'Jayashri' Flat No. 25,  
75, Abdul Gafoorkhan Road,  
Worli, Bombay-25.

(Transferor)

(2) Shri Sanjay Vasantrao Thakur,  
1219, Shukrawar Peth,  
Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Survey No. 34, Hissa No. 1/A in Hissa No. 6, Bhosale Nagar, Pune Corporation bearing No. 37—Arca 5455 sq. ft. (Property as described in the sale deed registered under No. 1489 dated 28-7-1978 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I.).

Smt. P. LALWANI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona

Date : 9-11-1978

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,  
60/61, FRANDAWANA, KARVE ROAD,  
POONA-411004

Patna-411004, the 10th November 1978

Ref. No. CA5/Haveli-II/Aug '78/374.—Whereas I, Smt. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F.P. No. 343 &amp; 344, Sub plot No. 3, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II on 14-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri B. Karmarkar,  
Plot No. 17/61, Pune Building,  
Napean Sea Road, Bombay-6.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Pundalik Sarode,  
Block No. 60, Vadar Housing Society,  
Shivaji Nagar, Pune-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Pune Shivajinagar Town Planning Scheme No. 1, F.P. No. 343 and 344 sub plot No. 3. Area : 505.85 sq. mts.  
(Property as described in the sale deed registered under No. 1328 dated 14-8-78 in the office of the Sub-Registrar,

Smt. P. LALWANI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21---386GI/78

Date : 10-11-1978  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 17th November 1978

Ref. No. III-281/Acq/78-79.—Whereas J. M. N. TIWARY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna, Bihar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khata No. 60 Circle No. 252, Ward No. 34, Thana No. 10 under Patna Municipal Corporation situated at Salimpur Dumra P.S. Gardanibagh, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Patna on 20-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Md. Serajul Haque Khan S/o  
Hazi Abdul Sakoor Khan (late)  
Village : Salempur Dumra, P.S. Gardanibagh,  
Dist. Patna,

(Transferor)

(2) M/s. Orient Plastic Industries, Bording Canal Road,  
Patna (R.F.) through Shri Sheo Kumar Agrawal,  
partner.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Homestead land measuring 6 decima's i.e. about 2 Kathas bearing Khata No. 60, Circle No. 252, Ward No. 34, Thana No. 10 under Patna Municipal Corporation, situated at Salimpur Dumra, P.S. Gardanibagh, Dist. Patna described in deed No. 1755 dated 20-3-1978 registered with the District Sub Registrar, Patna.

M. N. TIWARY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Patna  
Bihar

Date : 17-11-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 17th November 1978

Ref. No. III-282/Acq/78-79.—Whereas I, M. N. TIWARY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna, Bihar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Holding No. 185, Circle No.

27, Ward No. 16, Plot No. 1430, Sheet No. 86 of Patna Municipal Corporation, situated at Anni Basant Road, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patna on 10-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Arun Chandra Mitra, Tarun Chandra Mitra, Arupchandra Mitra, Niroop Chandra Mitra S/o Late Sarad Chandra Mitra, Resident of Govind Mitra Road, P.S. Pirbahore, Dist. Patna.

(Transferor)

- (2) (i) Smt. Sudha Sinha W/O Shri Ram Nandan Sahay Sinha, B. M. Das Road, Patna.  
(ii) Shri Rabinandan Sahay, S/o Shri Ramnandan Sahay Sinha, B. M. Das Road, Patna-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2 Katha 11 Dhur and 11 Dhurki with building bearing holding No. 185, Circle No. 27, Ward No. 16, Plot No. 1430 Sheet No. 86 situated at Anne Basant Road, Patna, described in deed No. 1543 dated 10-3-78 registered with the District Sub Registrar, Patna.

M. N. TIWARY  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Patna

Date : 17-11-1978  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 17th November 1978

Ref. No. III-283/Acq/78-79.—Whereas I, M. N. TIWARY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna, Bihar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Holding No. 184, Circle No. 27, Ward No. 16, Plot No. 1430, Sheet No. 86 of Patna Municipal Corporation situated at Anne Basant Road, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 10-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Arun Chandra Mitra, Tarun Chandra Mitra, Arupchandra Mitra, Niroop Chandra Mitra S/o Late Sarad Chandra Mitra, Resident of Govind Mitra Road, P.S. Pirbahore, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) (i) Shri Ram Nandan Sahay Sinha, S/o Shri Girish Chandra Nandan Sahay Sinha, B. M. Das Road, Patna-4.

(ii) Shri Rajnandan Sahay, S/o Shri Ramnandan Sahay Sinha, B. M. Das Road, Patna-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

3 Katha 2 Dhur and 8 Dhurki with building bearing holding No. 184, Circle No. 27, Ward No. 16, Plot No. 1430, Sheet No. 86, situated at Anne Basant Road, Patna described in deed No. 1544 dated 10-3-1978 registered with the District Sub Registrar, Patna.

M. N. TIWARY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Patna

Date : 17-11-1978

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 17th November 1978

Ref. No. III-284/Acq/78-79.—Whereas I, M. N. TIWARY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna, Bihar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khata No. 369 (new) 360(old) Khesra 432 (new) 917 (old) situated at Bibiganj, Brahampura, Dist. Muzaffarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 3-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

30—376GI/78

- (1) Shri Pramod Kumar Sah and Subodh Kumar Sah, S/o Shri Prayagjee Sah,
2. Shri Prabhudayal Sah S/o Shri Raghojee Sah and Shri Ramashish Sah S/o Shri Raghunathjee Sah, of Bibiganj, Brahampura, Dist. Muzaffarpur.

(Transferor)

- (2) Shri Lalan Kumar Jha, S/o Shri Ramudar Jha, Imlichatti, Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land area 69 decimal situated in village Bibiganj, Brahampura, Muzaffarpur bearing Khata No. 369 (new) 360(old), Khesra No. 432 (new) 917(old) described more fully in deed No. 3068 dated 3-3-1978 registered with the District Sub Registrar, Muzaffarpur.

M. N. TIWARY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Patna

Date : 17-11-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 17th November 1978

Ref. No. III-285/Acq/78-79.—Whereas I, M. N. TIWARY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna, Bihar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khata No. 369(new) 360(old), Khesra No. 432(new), 917(old), situated at Bibiganj, Brahampura, Muzaffarpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at—Muzaffarpur on 3-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kailashbihari Sah S/o Shri Raghunathjee Sah, of Village Bibiganj, Brahampura, Muzaffarpur, (Transferor)
- (2) Shri Jawaharlal Jha, S/o Shri Ramudar Jha Mohalla Imlichatti, Muzaffarpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land area 27 decimal situated in Bibiganj, Brahampura, Muzaffarpur bearing Khata No. 369 (new) 360(old), Khesra No. 432 (new) 917(old) described morefully in deed No. 3069 dated 3-3-1978 registered with the District Sub Registrar, Muzaffarpur.

M. N. TIWARY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Patna

Date : 17-11-1978  
Seal :

FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 17th November 1978

Ref. No. III-286/Acq/78-79.—Whereas I, M. N. TIWARY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khata No. 59, 6 &amp; 60, Circle No. 252, Ward No. 34, Thana No. 10 under Patna Municipal Corporation, situated at Salempur Dumra, P.S. Gardanibagh, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patna on 20-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Md. Gaffar Khan & Bibi Zobaida Khaton,  
Vill. Salempur Dumra,  
P.S. Gardanibagh,  
Dist. Patna.

(Transferor)

(2) M/s. Orient Plastic Industries, Boring Canal Road,  
Patna (R.F.) through Shri Bishwanath Agrawal,  
partner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Homestead land measuring 29 decimals i.e. about 10 Kathas bearing Khata No. 59, 6 & 60, Circle No. 252, Ward No. 34, Thana No. 10 under Patna Municipal Corporation situated at Salempur Dumra, P.S. Gardanibagh, Dist. Patna described in deed No. 1753 dated 20-3-1978 registered with the District Sub Registrar, Patna.

M. N. TIWARY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar  
Patna

Date : 17-11-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 17th November 1978

Ref. No. III-287/Acq/78-79.—Whereas I, M. N. TIWARY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khata No. 59, 6 & 60, Circle No. 252, Ward No. 34, Thana No. 10 under Patna Municipal Corporation situated at Salempur Dumra, P.S. Gardanibagh, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 20-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Md. Waizul Haque and his son Md. Mokhtar Khan, Vill. Salempur Dumra, P.S. Gardanibagh, Dist. Patna,

(Transferor)

(2) M/s. Orient Plastic Industries, Boring Canal Road, Patna (R.F.) through Shri Niranjan Kumar Agrawal, partner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Homestead land measuring 31 decimals i.e. about 10 Kathas bearing Khata No. 59, 6 & 60, Circle No. 252, Ward No. 34, Thana No. 10 under Patna Municipal Corporation, situated at Salempur Dumra, P.S. Gardanibagh, Dist. Patna described in deed No. 1754 dated 20-3-1978 registered with the District Sub Registrar, Patna.

M. N. TIWARY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar  
Patna

Date : 17-11-1978  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 18th November 1978

(1) Dr. Ravendra Bhushan Ghosh, S/o  
Late Shri Surapati Ghosh  
P.O./P.S. Chirkunda,  
Dist. Dhanbad.

(Transferor)

(2) Shri Majit Singh Chimni, S/o  
Late Mahendra Singh, C/o  
Laxmi Talkies,  
P.O./P.S. Chirkunda,  
Dist. Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. III-288/Acq/78-79.—Whereas I, M. N. TIWARY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mouza No. 253 Khata No. 3, Plot No. 13  
situated at Chirkunda Road, Dhanbad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 13-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

22—386GI/87

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Home stated land measuring about 11 katha together with a double storeyed building bearing Mouza No. 253, Khata No. 3, Plot No. 13, situated at Chirkunda, Distt. Dhanbad described in deed No. 2594 dated 13-3-1978 registered with the district Sub Registrar, Dhanbad.

M. N. TIWARY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar,  
Patna

Date : 18-11-1978

Seal :

## FORM ITNS -----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 39/Meerut/78-79.—Whereas I, VIJAY BHARGAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muzaffar Nagar on 15-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

(1) Mohd. Idrish S/o Buddhu & others. (Transferor)

(2) S/Shri Mahendra, Kiran, Satyabir, S/o Shri Babu Singh R/o Kukra, Pargana & Tahsil Muz. Nagar. (Transferee)

(2) As in 2 above. [Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Kukra Pargana & Tahsil Muz. Nagar transferred for an apparent consideration of Rs. 66,000/- as against fair market value of Rs. 1,00,425/-.

VIJAY BHARGAV  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-11-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 106/Muz. Ngr./78-79.—Whereas I, VIJAY BHARGAV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budhana, Muzaffar Nagar on 30-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mofijuddin, Shamma, Shahzada, Firozuddin  
S/o Maujit Jat  
R/o Kalyanpur, Shikarpur,  
Muzaffar Nagar.

(Transferor)

(2) S/Shri Yashpal, Preetam Singh Ss/o  
Shri Sujan Singh & others,  
R/o Vill. Kalyanpur, Shikarpur,  
Muzaffar Nagar.

(Transferee)

(3) As in 1 above.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Kalyanpur, Shikarpur, Distt. Muzaffar Nagar transferred for an apparent consideration of Rs. 74,900/- as against Rs. 98,500/- as per Stamp value.

VIJAY BHARGAV.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-11-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 191/Knp./78-79.—Whereas I, VIJAY BHARGAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 3-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Kalawati (Widow)  
Late Bishram Singh R/o  
Vill. Araj, Ishpur, Bilhaur,  
Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Jagendra Singh, Jalendra Singh & Others,  
R/o As above.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Ishpur, Bilhaur, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 80,000/- as against Stamp value of Rs. 1,21,000/-.

VIJAY BHARGAV  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-11-1978  
Seal :



## FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Babulal S/o Shri Bhagwan Das.  
2. Rajendra, Sishupal, Prem Chandra  
Sons of Shri Bhagwan Das  
R/o Gali Chagan,  
Hathras, Aligarh.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) S/Shri Nesiram, Jawahar Singh, Ramna Singh, Hari Singh, Kanhaiya, Raghubir Singh S/o Hateram, Onkar Singh,  
R/o Tal Garhi,  
Hathras, Aligarh.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

- (3) As in 2 above.

[Persons in occupation of the property]

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 989/Acq./Hathras/78-79.—Whereas I, VIJAY BHARGAV,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hathras, Aligarh on 29-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Hathras Tahsil, Distt. Aligarh transferred for an apparent consideration of Rs. 43,000/- as against stamp value of Rs. 1,25,000/-.

VIJAY BHARGAV,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-11-1978  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th November 1978

Ref. No. RAC. No. 189/78-79.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9/85, situated at Pallipat Road, Nagari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagari on 1-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Koveri Avanakshammal, W/o Thangavelu, Mudali, R/o Pallipat Road, Nagari-Post, Puttur-Tq, Chittoor-Dist.

(Transferor)

- (2) Sri Veeri Bhakthavatchalam Naidu, S/o Abboji Naidu, Thalari Street, Nagari-Post, Puttur-Tq, Chittoor-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 9/85 at Pallipat, Nagari Road, Puttur-Tq. Chittoor-Dist, registered vide Document No. 183/78 in the office of the Sub-Registrar Nagari.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-11-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th November 1978

Ref. No. RAC. No. 190/78-79.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-7-612, situated at Khaleelwadi, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Nizamabad on 4-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Sri Puranlal S/o Desraj,  
R/o Khaleelwadi,  
Nizamabad.

(Transferor)

(2) Sri Gope Ramesh S/o Gope Gangadhar  
R/o Gurbabadi,  
Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House building No. 5-7-612 situated at Khaleelwadi, Nizamabad, registered vide Document No. 661/78 in the Office of the Sub-Registrar, Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-11-1978  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD**

Hyderabad, the 10th November 1978

Ref. No. RAC. No. 191/78-79.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot 7-1-39/6, situated at Mirchi Compud, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 19-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :—

(1) Smt. Ratna Devi, W/o G. Gangareddy,  
1-9-837 at Mohan Talkies, Chowrasta,  
Nizamabad.

(Transferor)

(2) Smt. Savithri Devi W/o Dingarmal,  
C/o Balaji Babulal, Nehru Park,  
Nizamabad.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Open plot in H. No. 7-1-39/6 situated at Mirchi compound Nizamabad, registered vide Document No. 940/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Nizamabad.

**K. S. VENKATARAMAN**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-11-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri V. P. Visalakshamma, W/o  
Dorasaminaidu,  
R/o Gurapanaidu Street, Chittoor.

(Transferor)

(2) S/Shri  
1. P. Radhakrishnaiahetty,  
2. B. Sathyanarayanachetty,  
3. S. Pandurangiahchetty,  
all partners in M/s Andhra Timber Co.,  
Chittoor.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD

Hyderabad, the 13th November 1978

Ref. No. RAC. No. 192/78-79.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

18-7-24, situated at Koil Street, Chittoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chittoor on 22-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of House No. 18-7-24 situated at Ponniamman Koil St. Chittoor, registered vide Document No. 1316/78 in the office of the Sub-Registrar, Chittoor.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-11-1978

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD

Hyderabad, the 13th November 1978

Ref. No. RAC. No. 193/78-79.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shops 3-4-500, situated at Barakatpura, Hyderabad has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 30-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. E. Indira Devi, W/o  
late Sri E. Ramachandra Reddy,  
H. No. 3-4-500 at Barakatpura,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri A. Anantha Reddy, Advocate,  
H. No. 3-4-500 Barakatpura, Hyderabad  
(L.G. H. 8/14 RT) Barakatpur.  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Five Shops and a stair case room with total area 150 Sq. Yds in the premises bearing M. No. 3-4-500 (8/4 RT) Barakatpura, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1105/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-11-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD

Hyderabad, the 13th November 1978

Ref. No. RAC. No. 194/78-79.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land in S. No. 59, situated at Kareemnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kareemnagar on 31-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri B. Narsimhloo,  
2. Sri A. Jeevan Reddy,  
S/o Malla Reddy,  
both residing at Kareemnagar.

(Transferor)

- (2) Sri Mangilal Mundada, S/o  
SecthaRam Kareemnagar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land measuring One acre 37 Guntas, 52 Sq. Yds. in survey No. 59, situated at Agricultural Market Kareemnagar, Kareemnagar, registered vide Document No. 954/78 in the Office of the Sub-Registrar, Kareemnagar.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-11-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
HYDERABAD

Hyderabad, the 13th November 1978

Ref. No. RAC. No. 195/78-79.—Whereas I, K. S.  
VENKATARAMAN,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.82/B, situated at Yadawa Street, Thirupathi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Thirupathi in March, 1978for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reasons to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilities the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of section 269 D of the said Act to the following  
persons namely :—

- (1) Sri Mudupula Radhakrishnaiah,  
Karunala Street,  
Thirupathi.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. M. Dhanabhagya, W/o  
Sri Kudppaiah, Thirupathi  
2. Sri B. Balramiah, S/o Dharmaiah,  
Chittoor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 82-B Yadawa Street, Thirupathi, registered vide  
Document No. 599/78 in the Office of the Sub-Registrar,  
Thirupathi.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 13-11-1978

Seal :



## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th November 1978

Ref. No. RAC No. 196/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22-5-131 to 138 situated at Gulzar House Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Azampura, in March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri Ram Kunwar, 2. Sri Viswanand, both residing at H. No. 21-2-540/1 at Urdu Sherif Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) 1. S/Smt. Santosh Bai, 2. Vimala Bai, 3. Vimal Gupta, 4. Smt. Kusumalata, all residing at H. No. 21-2-429 at Mittika Sher, Charkaman, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House M. No. 22-5-131 to 138 situated at Patel Gally, Gulzar House, Hyderabad, registered vide Doc. No. 377/78 in the Office of the Sub-Registrar Azampura, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 13-11-1978.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri A. V. Prabhakara Sastry, H. No. 7-1-212/3 at Sanjeevareddynagar, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Qaisar Sattar, W/o M. A. Sattar, 2, Smt. Muleka Aziz, D/O M. A. Aziz, H. No. 11-6-852 at Red Hills, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th November 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC No. 197/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 6 situated at Red Hills, Nampally, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad in 30-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. 6 by the side of H. No. 11-5-152/6/A at Red Hills, Nampally, Hyderabad, registered vide Document No. 786/78 in the Office of the Sub-Registrar Khairtabad, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 13-11-1978.  
Seal :

## FORM ITNS.-----

- (1) Universal Cooperative House Construction Society Ltd. by Secretary Sri Giriraj. H. No. 5-3-1053 Osmangunj, Hyderabad.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Sri Jagdishprasad H. No. 21-2-293 at Ghansi Bazar Hyderabad.

(Transferees)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th November 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC No. 198/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Open plot situated at 5-8-510 Mukarabjung land (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in March 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Open plot of land in M. No. 5-8-510 situated at Mukarabjung lane Hyderabad, registered vide Document No. 635/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 13-11-1978.  
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sher Banoo, W/O Ahmed Ali, H. No. 5-7-287 at Aghapura, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Syed Taquiuddin 2. Syed Raziuddin, both are minors, under guardianship of their father Sri Syed Giasuddin, H. No. 5-7-287 at Aghapura, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 13th November 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC No. 199/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 5-7-287 situated at Agapura, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House bearing M. No. 5-7-287 at Aghapura, Hyderabad, registered vide Document No. 1115/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 13-11-1978.

Seal :

FORM JTNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th November 1978

Ref. No. RAC No. 200/78-79.—Whereas, I,  
K. S. VENKATARAMAN,  
being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Mugl No. 5-4-448/1 at Nampallay, Station Road,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Hyderabad in March 78  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the Income-tax  
Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income  
arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
24--386GI/78

(1) Mr. Mohd. Omar, S/o Mohd. Siddique, H. No.  
220/2 Shivajinagar, Jalgaon, Maharashtra-State. 2.  
Mr. Mohd. Osman, S/o Mohd. Siddique, H. No.  
220/2 Shivajinagar, Jalgaon, Maharashtra-State.

(Transferor)

(2) Sri Ch. Ramakrishna, S/o late Ch. Kondappa, H. No.  
10-2-385/8, Vijayanagar, Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter,

## THE SCHEDULE

M. No. 5-4-448/1 consisting a mulgi, and open space at  
Nampally Station Road, Hyderabad, registered vide Doc. No.  
783/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Dated : 13-11-1978.  
Seal ;

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 13th November 1978

Ref. No. RAC No. 201/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4 of 7-2-936 situated at Hissamgunj, Secunderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration officer at Secunderabad in 13-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) 1. Poddaturi Inder Prakash, 2. Poddaturi, Lakshamma, both at H. No. 7-1-77 at Old Jail St. Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Dwarakadas Puneria, H No 7-2-936 at Hissamgunj, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Mugl No. 4 M. No. 7-2-936 situated at Hissamgunj, Secunderabad registered vide Document No. 596/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 13-11-1978,  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th November 1978

Ref. No. RAC No. 202/78-79.—Whereas, I,  
K. S. VENKATARAMAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
Mulgi No. 5 in 7-2-937 situated at Hissamgunj,  
Secunderabad,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Secunderabad in March 78  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reasons to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the Income-tax  
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income  
arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

- (1) 1. Poddaturi Inder Prakash, 2. Poddaturi Laksh-  
mamma both residing at H. No. 7-1-777 Old Jail  
Street, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) 1. Amarnath Puneria, 2. Kadarnath Puneria both  
residing at H. No. 7-2-936 at Hissamgunj,  
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mulgi No. 5 in H. No. 7-2-937 situated at Hissamgunj,  
Secunderabad, registered vide Document No. 608/78 in the  
office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 13-11-1978.  
Seal :

FORM ITNS-----

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**

**ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 13th November 1978

Ref. No. RAC No. 203/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 333 in Chandralok Complex, S.D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in March 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Swastik Construction Co., at 111-S.D. Road, Secunderabad.  
(Transferor)  
(2) Sri K. L. N. Reddy, 2. Sri K. V. Ramesh Reddy, both at H. No. 3-6-200 at Himayatnagar, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Office premises No. 333 in III-rd floor of Chandralok Complex at 111-Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 828/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 13-11-1978.  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th November 1978

Ref. No. RAC No. 204/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 8-2-337 situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Khairtabad in 27-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. G. Urmila Devi, W/o Sri G. Shyam Sunder Reddy, 2. Sri G. Sampathkumar Reddy, both residing at H. No. 14-A at Vallabhdas Blocks, Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Bollareddy Kumar Koti Reddy, S/O Venkateswara Reddy, R/o Ganapavaram Village, Mylavaram Sub-Dist. Vijayawada-Tq. Krishna, Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land in the premises No. 8-2-337 admeasuring 1126 Sq. Mts. at Banjara Hills, Hyderabad, registered vide Document No. 755/78 in the office of the Sub-Reg Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 13-11-1978.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 13th November 1978

Ref. No. RAC No. 205/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 32 situated at Chandralok Complex Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Smt. Usha Kumari W/O Sri K. Kanakaraju, Jeealimatla, Secunderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri N. Satyanarayana, 2. C. H. Satyanarayan, both residing at Shop No. 32 in Chandralok Complex Building at Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Shop No. 32 in Chandralok Building in compound No. 111-Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide Document No. 758/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 13-11-1978.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri P V. Ananda Rao, R/O Rayadurg, G.P.A. Sri Colony, Malakpet, Hyderabad.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Nallani Chakravartula Venkata Rangachari, II  
No. 1-10-212, Ashoknagar, Hyderabad.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th November 1978

Ref. No. RAC No. 227/78-79.—Whereas, I,  
K. S. VENKATARAMAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
Plot 37-B situated at Rajbagh, Ashoknagar, Hyderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Hyderabad in 3-3-1978  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid  
property, and I have reasons to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or  
the transferor to pay tax under the said Act, in res-  
pect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot of land No. 37-B in Survey No. 176 situated at Raja  
Bagh Ashoknagar, Hyderabad, registered vide Document No.  
693/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby  
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-  
perty by the issue of this notice under sub-section (1) of  
Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to  
the following namely:—

Dated: 18-11-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th November 1978

Ref. No. RAC No. 228/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 48 situated at Gagan-mahal Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 30-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following namely:—

- (1) Sri Sura Rajagopalan Reddy, H. No. 2-8-289/22 at Shantinagar, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) Sri U Gregory Reddy, S/o late Sri Jogi Reddy, H. No. 3-5-899 at Himayatnagar, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 48 admeasuring 385 Sq. Yds. in part of Survey-No. 186 at Daira Village of Gaganmahal, Hyderabad, registered vide Document No. 1110/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 18-11-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th November 1978

Ref. No. RAC No. 229/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part 4-1-587 situated at 588 Troopbazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following namely:—  
25—386GI/78

- (1) 1. S/Shri M. A. Rasheed Khan, 2. Premchand Jethanand, 3. Hardasmal Gokaldas Rochalani, S. No. 1 and 2 are represented by S. No. 3, resident of H. No. 19 at Bank Street, Bombay-1.

(Transferor)

- (2) S/Shri Syed Mohd. Pasha Quadri, 21-4-201, Husalnai Alam, Hyderabad. 2. M. A. Waheed, 3-5-782/62 at King Koti, Hyderabad. 3. Sri Vijaya Singh H. No. 5-4-631 at Kattalmandi, Station Road, Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of premises M. No. 4-1-587 and 588 at Troop Bazar, Hyderabad admeasuring 369 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 674/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 18-11-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th November 1978

Ref. No. RAC No. 230/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of 4-1-587 and 588 situated at Troop Bazar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following namely:—

- (1) 1. S/Sri M. A. Rasheed Khan, 2. Premchand Jethanand 3. Hardasmal Gokaldas Rochalani, S. No. 1 and 2 are represented by S. No. 3, resident of H. No. 19 at Bank Street, Bombay-1.

(Transferor)

- (2) S/Sri Syed Mohd. Pasha Quadri, 21-4-201, Husaini Alam, Hyderabad. 2. M. A. Wadheed, 3-5-782/62 at Kingh Koti, Hyderabad. 3. Sri Vijaya Singh, H. No. 5-4-631 at Kattalmandi, Nampally Station Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of premises M. No. 4-1-587 and 588 situated at Troop Bazar, Hyderabad admeasuring 327 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 675/78 in the office of Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 18-11-1978

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th November 1978

Ref. No. RAC No. 231/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part 4-1-587 & 588 situated at Troop Bazar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri M. A. Rasheed Khan, 2. Prem Chand Jethanand, 3. Hardasmal Gokaldas Rochlani, S. No. 1 and 2 are represented by S. No. 3, H. No. 19 Bank Street Bombay-1.

(Transferor)

(2) S/Sri Syed Mohammed Pasha Qadri, 21-4-201 at Inside Musa Qadri Compound, Hussaini Alam, Hyd. 2. Sri M. A. Wadheed, 3-5-782/62 at Wing Koti, Hyderabad. 3. Vijay Singh 5-4-631 at Kattalmandi, Station Road, Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of premises M. No. 4-1-587 and 588 situated at Troop Bazar, Hyderabad, admeasuring 314 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 676/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 18-11-1978  
Seal :

## FORM ITNS —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th November 1978

Ref. No. RAC No. 232/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part 4-1-587 & 588 situated at Troop Bazar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S/Sri M. A. Rasheed Khan, 2. Prem Chand Jethanand, 3. Hardasmal Gokaldas Rochlani, S. No. 1 and 2 are represented by S. No. 3 at 19 Bank Street, Bombay-1.

(Transferor)

- (2) S/Sri Syed Mohammed Pashu Qadri, 21-4-201 at Inside Musa Qadri Compound, Hussaini Alam, Hyd. 2. Sri M. A. Wadheed 3-5-782/62 at King Koti, Hyderabad. 3. Sri Vijay Singh 5-4-631 at Kattakmandi, Station Road, Namply, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of premises No. 4-1-587 and 588 situated at Troop Bazar, Hyderabad, admeasuring 239.00 Sy. Yds. registered vide Doc. No. 677/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 18-11-1978  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Smt. Savitri Devi W/o  
Late Mehta Moti Ram R/o  
5/10-B, Roop Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gurcharan Singh S/o  
Shri Darshan Singh and  
Shri Mohinder Pal Singh  
S/o Shri Darshan Singh,  
R/o B-44, Shankar Garden, New Delhi-18.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 14th December 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ-III/12-78/321.—Whereas, I,  
D. P. GOYAL

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),  
(hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Plot No. 44-B, situated at Shankar Garden, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi on 17-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
said exceeds the apparent consideration therefore by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Free-hold plot of land bearing No. 44 in Block B measur-  
ing 400 sq. yds. situated in Shankar Garden New Delhi and  
bounded as under :—

North : Lane 15'

South : Road 36'

East : Plot No. B-45

West : Plot No. B-43

D. P. GOYAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

Date : 14-12-1978

Seal :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

## 3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY

## NOTICE

## COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION

MAY, 1979

New Delhi, the 23rd December 1978

No. F.8/9/78-EI(B).—A Combined Defence Services Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing from 1st May, 1979 for admission to the undermentioned courses :—

<i>Name of the Course</i>	<i>Approximate No. of Vacancies</i>
Indian Military Academy, Dehra Dun (68th Course commencing in January, 1980)	120
[Includes 32 vacancies reserved for NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders].	
Naval Academy, Cochin (Course commencing in January, 1980)	80
Officers' Training School Madras (31st course commencing in May, 1980)	160

NOTE I : NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders may also compete for the vacancies in the Naval Academy and Short Service Commission (Non-Technical) Courses, but since there is no reservation of vacancies for them in these courses, they will be treated as general candidates for the purpose of filling up vacancies in these Courses. Candidates who have yet to pass NCC 'C' Certificate (Army Wing) examination, but are otherwise eligible to compete for the reserved vacancies, may also apply but they will be required to submit the proof of passing the NCC 'C' Certificate (Army Wing) examination to reach the Commission's office by 31st December, 1979.

NOTE II : In the event of sufficient number of qualified NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders not becoming available on the results of the examination to fill up the vacancies reserved for them in the Indian Military Academy Course, the unfilled reserved vacancies shall be treated as unreserved and filled by general candidates.

Admissions to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board, of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, standard and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy/School, and (c) brief particulars of service etc. for candidates joining the Indian Military Academy, Naval Academy and Officers' Training School, are given in Appendices I, II and III respectively.

NOTE : THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

2. CENTRES OF EXAMINATION.—Ahmedabad, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Jaipur, Jammu, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patiala, Patna, Shillong, Simla, Srinagar and Trivandrum.

## (a) Nationality

A candidate must either be—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Bhutan, or
- (iii) a subject of Nepal, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not however, be necessary, in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also be provisionally admitted to the Academy or School, as the case may be, subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

## (b) Age limits, sex and marital status :—

- (i) For I.M.A. and Naval Academy : Unmarried male candidates born not earlier than 2nd January, 1958 and not later than 1st January, 1961 are only eligible.
- (ii) For Officers' Training School—Male candidates (married or un-married) born not earlier than 2nd January, 1957 and not later than 1st January, 1961 are only eligible.

NOTE : Date of birth as recorded in Matriculation/Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

(c) Educational Qualifications :—Degree of a recognised University or equivalent. Candidates who have yet to pass the degree examination can also apply but they will be required to submit proof of passing the degree examination to reach the Commission's office by the following date failing, which their candidature will stand cancelled :—

- (i) For admission to I.M.A. & Naval Academy—on or before the 31st December, 1979.
- (ii) For admission to Officers' Training School—on or before 4th April, 1980.

Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degrees would also be eligible for admission to the examination.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

**NOTE I :** Those candidates who have yet to qualify in the Degree Examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit proof of passing the Degree examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of basic qualifying University Examination, delay in declaration of result or any other ground whatsoever.

**NOTE II :** Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of Commission in the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.

**NOTE III :** Naval Sailors (including boys and artificer apprentices) except Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagements are not eligible to take this examination. Applications from Special Service Sailors having less than six months to complete their engagements will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.

**4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION.**—Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates). Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.

**5. REMISSION OF FEE.**—The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and has migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1st November, 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

**6. HOW TO APPLY.**—Only printed applications on the form prescribed for the Combined Defence Services Examination May, 1979 appended to the Defence will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources :—

- (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.
- (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's office.
- (iii) Free of charge from nearest Recruiting Office, Military Area/Sub-Area Headquarters, N.C.C. Directorates and Naval Establishments.

All candidates whether already in Government service including those serving in the Armed Forces or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service including those serving in the Armed Forces, whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees, are, however, required to obtain the permission of Head of their Office/Department/Commanding Officer before they are finally admitted to the examination. They should send their applications direct to the Commission after detaching the 2 copies of the form of certificate attached at the end of the application form and submit the said forms of certificate immediately to their Head of Office/Department/Commanding Officer with the request that one copy of the form of certificate duly completed may be forwarded to the Secretary, Union Public Service Commission, New Delhi, as early as possible and in any case not later than the date specified in the form of certificate.

#### 7. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS IN THE COMMISSION'S OFFICE :—

- (i) From candidates in India 12th February 1979.
- (ii) From candidates abroad or in Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep 26th February 1979.

#### 8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION.

##### (A) By all candidates :—

- (i) Fee of Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Tribes candidates) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador, or Representative abroad as the case may be for credit to the account Head "051 Public Service Commission—Examination fees" and the receipt attached with the application.

- (ii) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm approx.) photographs of the candidate duly signed on the front side.

##### (B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates :—

Attested/certified copy of certificate in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe.

##### (C) By candidates claiming remission of fee :—

- (i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.

- (ii) An attested/certified copy of a certificate from the following authorities in support of the claim to be a *bona fide* displaced person/repatriate—

- (a) Displaced person from erstwhile East Pakistan ;  
(i) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranaya Project or of Relief Camps in various States.

OR

- (ii) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be a resident.

OR

- (iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

- (iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.

OR

- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

- (b) Repatriates from Sri Lanka ;

High Commission for India in Sri Lanka.

- (c) Repatriate from Burma ;

Embassy of India, Rangoon or District Magistrate of the area in which he may be resident.

(D) By NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders competing for the vacancies reserved for them in the I.M.A. Course.

An attested/certified copy of a certificate to show that he is a NCC 'C' Certificate (Army Wing) holder or a certificate to the effect that he is an applicant who appeared in the N.C.C. 'C' Certificate (Army Wing) examination.

9. REFUND OF FEE.—No refund of fee paid to the Commission with the application will be entertained except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection :—

- (i) A refund of Rs. 15/- (Rs. 4/- in case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the degree examination or will not be able to submit the proof of passing the degree examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.  
(ii) A refund of Rs. 15/- (Rs. 4/- in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be allowed in the case of a candidate who took the Combined Defence Services Examination November 1978 and is recommended for admission to any of the courses on the results of that Examination provided his request for cancellation of candidature for the Combined Defence Services Examination May, 1979 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 15th October, 1979.

10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATIONS.—All applications received in the prescribed form for this examination will be acknowledged. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from

the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. RESULT OF APPLICATION.—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. ADMISSION TO THE EXAMINATION.—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT.—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—

(a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or

(b) to be debarred either permanently or for a specified period—

(i) by the Commission, from any examination or selection held by them.

(ii) by the Central Government, from any employment under them; and

- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

**14. Original Certificates—Submission of.**—Candidates who qualify for interview on the results of the written examination will be required to submit original certificates in support of their age and educational qualification etc. to the Commission soon after the declaration of the results of the written examination. The results of the written examination are likely to be declared in the month of July, 1979.

**15. COMMUNICATION REGARDING APPLICATIONS.**—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—

- (1) NAME OF EXAMINATION
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS)
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

**N.B.**—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

**16. CHANGE OF ADDRESS.**—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15 above.

**CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, A.G.'S BRANCH RTG. 6(SP)(e)(ii) WEST BLOCK, 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS/LETTERS FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.**

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

**17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION.**—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, A.G.'s Branch RTG, 6(SP)(e)(ii) West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in very genuine circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ will be the sole deciding authority.

26—386G1/78

The candidates called for SSB interview at different Services Selection Centres will bring with them the following articles:

- (a) Passport size photographs in white shirt—6 Nos
- (b) Bedding and blankets, (according to season)
- (c) Two pairs of white shirts and shorts.
- (d) A pair of white PT shoes and two pairs of white socks
- (e) Two pairs of trousers and shirts
- (f) Fountain Pen, ink and pencils
- (g) Boot Polish and white blanco
- (h) One mosquito net.

**18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.**—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests.

Candidates who qualify in the written examination for IMA (D.E.) Course and/or Navy (S.E.) Course irrespective of whether they have also qualified for SSC (NT) Course or not, will be detailed for S.S.B. tests in August/September, 1979 and candidates who qualify for SSC (NT) Course only will be detailed for SSB tests in December, 1979/January, 1980.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief, from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Candidates will be required to sign a certificate to this effect on the form appended to the application.

To be acceptable, candidates should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination and (ii) S.S.B. tests as fixed by the Commission in their discretion. The candidates will be placed in the order of merit on the basis of the total marks secured by them in the written examination and in the S.S.B. tests. The form and manner of communication of the results of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success at the examination confers no right of admission to the Indian Military Academy, the Naval Academy or the Officers' Training School as the case may be. The final selection will be made in order of merit subject to medical fitness and suitability in all other respects and number of vacancies available.

**19. DISQUALIFICATIONS FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE:**—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, Indian Military Academy, Air Force Flying College, Naval Academy, Cochin, Officers' Training School, Madras but were removed therefrom on disciplinary grounds will not be considered for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy or for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the Indian Military Academy for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

Candidates who were previously selected as Special Entry Naval Cadets but were withdrawn from the National Defence Academy or from Naval Training Establishments for lack of Officer-like qualities will not be eligible for admission to the Indian Navy.

Candidates who were withdrawn from Indian Military Academy Officers' Training School, N.C.C. and Graduate Course for lack of Officer-like qualities will not be considered for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the N.C.C. and Graduates' Course for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

**20. RESTRICTIONS ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY:**—Candidates for the Indian Military Academy Course or Naval Academy Course must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application, though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

No candidate for the Short Service Commission (N.T.) Course—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for admission to the Officers' Training School/grant of Short Service Commission.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

**21. OTHER RESTRICTIONS DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY:**—After admission to the Indian Military Academy or the Naval Academy, candidates will not be considered for any other Commission. They will also not be permitted to appear for any interview or examination after they have been finally selected for training in the Indian Military Academy, or the Naval Academy.

**22. INTELLIGENCE TEST— INFORMATION ABOUT:**—The Ministry of Defence (Directorate of Psychological Research) have published a book with the title "A Study of Intelligence Test Scores of candidates at Services Selection Boards." The purpose of publishing this book is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Services Selection Boards.

The book is a priced publication and is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publication Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001.

**23. PAMPHLETS CONTAINING RULES AND QUESTION PAPERS OF PREVIOUS EXAMINATIONS—INFORMATION ABOUT.**

With the introduction of objective type questions for all the papers included in the scheme of this examination with effect from the Combined Defence Services Examination, May 1978, the printing of pamphlets containing rules and question

papers for this examination has been discontinued. However, copies of pamphlets containing rules and question papers of preceding examination upto Combined Defence Services Examination held in November, 1977 are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

R. S. AHLUWALIA  
Deputy Secretary

## APPENDIX I

(The scheme, standard and syllabus of the examination)

### A. SCHEME OF THE EXAMINATION

#### 1. The Competitive examination comprises :—

(a) Written examination as shown in para 2 below :

(b) Interview for intelligence and personality test (*vide* Part 'B' of this Appendix) of such candidates as may be called for interview at one of the Services Selection Centres.

2. The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows :—

(a) For admission to Indian Military Academy

Subject	Duration	Maximum Marks
1	2	3
<i>Compulsory</i>		
1. English . . . . .	2 Hours	100
2. General Knowledge . . . . .	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics . . . . .	2 Hours	100

*Optional:*—Any one of the following

Subject	Code No.	Time allowed	Maximum Marks
1	2	3	4
Physics . . . . .	01	2 Hours	150
Chemistry . . . . .	02	2 Hours	150
Mathematics . . . . .	03	2 Hours	150
Botany . . . . .	04	2 Hours	150
Zoology . . . . .	05	2 Hours	150
Geology . . . . .	06	2 Hours	150
Geography . . . . .	07	2 Hours	150
English Literature . . . . .	08	2 Hours	150
Indian History . . . . .	09	2 Hours	150
General Economics . . . . .	10	2 Hours	150
Political Science . . . . .	11	2 Hours	150
Sociology . . . . .	12	2 Hours	150
Psychology . . . . .	13	2 Hours	150

## (b) For Admission to Naval Academy :

Subject	Time allowed	Maximum marks
1	2	3
<b>Compulsory</b>		
1. English	2 Hrs.	100
2. General Knowledge	2 Hrs.	100
<b>Optional</b>		
*3. Elementary Mathematics or Elementary Physics	2 Hrs.	100
*4. Mathematics or Physics	2 Hrs.	150

\*Candidates offering Elementary Mathematics will take Physics as their 4th paper and Candidates offering Elementary Physics will take Mathematics as their 4th paper.

## (c) For Admission to Officers Training School

Subject	Time allowed	Maximum Marks
1. English	2 Hours	100
2. General Knowledge	2 Hours	100

The maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be equal for each course i.e. the maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be 450, 450 and 200 each for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy and Officers' Training School.

3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

4. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

## B. STANDARD AND SYLLABUS OF THE EXAMINATION

## STANDARD

The standard of the paper in Elementary Mathematics will be of Matriculation Examination and that of Elementary Physics will be of Higher Secondary Examination.

The standard of papers in other subjects will approximately be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

There will be no practical examination in any of the subjects.

SYLLABUS  
ENGLISH

The question paper will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanlike use of words.

## GENERAL KNOWLEDGE

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

## ELEMENTARY MATHEMATICS

## Arithmetic

Number System—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers. Fundamental operations—addition, subtraction, multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work. Percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory—Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11. Multiples and factors. Factorisation Theorem. H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

## Algebra

Basic Operations; simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. of polynomials. Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns—analytical and graphical solutions. Simultaneous linear inequations in two variables and their solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations or inequations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expressions and conditional identities. Laws of indices.

## Trigonometry

Sine X, Cosine X, Tangent X when  $0^\circ \leq x \leq 90^\circ$ .

Values of  $\sin x$ ,  $\cos x$  and  $\tan x$ , for  $x = 0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$  and  $90^\circ$ .

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometrical tables.

Simple cases of heights and distances.

## Geometry

Lines and angles, Plane and plane figures. Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and its properties including tangents and normals, (ix) Loci.

## Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circles. Areas of figures which can be split up into these figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

**Statistics**

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms, bar charts, pie charts etc.

Measures of central tendency.

**ELEMENTARY PHYSICS**

(a) *Mensuration*.—Units of measurement; CGS and MKS units. Scalars and vectors. Composition and resolution of forces and velocities. Uniform acceleration. Rectilinear motion under uniform acceleration. Newton's Laws of Motion, concept of Force. Units of Force. Mass and weight.

(b) *Mechanics of Solids*.—Motion under gravity. Parallel forces. Centre of Gravity. States of equilibrium. Simple Machines. Velocity Ratio. Various simple machines including inclined plane, Screw and Gears. Friction angle of frictions, coefficient of friction. Work, Power and energy, Potential and kinetic energy.

(c) *Properties of fluids*.—Pressure and Thrust. Pascal's Law, Archimedes principle. Density and Specific gravity. Application of the Archimedes principle for the determination of specific gravities of solids and liquids. Laws of floatation. Measurement of pressure exerted by a gas. Boyle's Law. Air pumps.

(d) *Heat*.—Linear expansion of solids and cubical expansion of liquids. Real and apparent expansion of liquids. Charles Law. Absolute Zero; Boyles and Charles' Law; specific heat of solids and liquids; calorimetry. Transmission of heat; Conductivity of metals. Change of State. Latent heat of fusion and vaporization. SVP humidity, dew point and relative humidity.

(e) *Light*.—Rectilinear propagation. Laws of reflection, spherical mirrors; Refraction, laws of refraction, Lenses, Optical instruments, camera, projector, epidiascope, telescope Microscope, binocular & periscope. Refraction through a prism, dispersion,

(f) *Sound*.—Transmission of sound; Reflection of sound. resonance. Recording of sound-gramophone.

(g) *Magnetism & Electricity*.—Laws of Magnetism, Magnetic field. Magnetic lines of force, Terrestrial Magnetism, Conductors and Insulators. Ohm's Law. P.D. Resistances EMF (Resistances in series and parallel). Potentiometer, Comparison of EMFs. Magnetic effect of an electric current; A conductor in a magnetic field. Fleming's left hand rule. Measuring instruments—Galvanometer, Ammeter Voltmeter, Wattmeter, chemical effect of an electric current, electroplating; Electromagnetic induction, Faraday's Laws; B.A.T. AC & DC-generator.

**PHYSICS (Code—01) Basic****1. General properties of matter and mechanics**

Units and dimensions, scalar and vector quantities; Moment of Inertia, Work, energy and momentum. Fundamental laws of mechanics; Rotational motion; Gravitation. Simple harmonic motions, simple and compound pendulum. Elasticity, Surface tension; Viscosity of liquids. Rotary pump.

**2. Sound**

Damped, forced and free vibrations. Wave motion. Doppler effect, velocity of sound waves; effects of pressure, temperature and humidity on velocity of sound in a gas. Vibration of strings, membranes and gas columns. Resonance, beats; Stationary waves. Measurement of frequency, velocity and intensity of sound. Elements of ultra sonics. Elementary principles of gramophone, talkies and loudspeakers.

**3. Heat and Thermodynamics**

Temperature and its measurement; thermal expansion; Isothermal and adiabatic changes in gases. Specific heat and thermal conductivity; Elements of the kinetic theory of matter; Physical ideas of Boltzmann's distribution law; Van der Wall's equation of state; Joule Thompson effect; liquefaction of gases; Heat engines; Carnot's theorem; Laws of thermodynamics and simple applications. Black body radiation.

**4. Light**

Geometrical optics. Velocity of light. Reflection and refraction of light at plane and spherical surfaces, Spherical and chromatic defects in optical images and their correction. Eye and other optical instruments. Wave theory of light, interference.

**5. Electricity and Magnetism**

Energy due to a field; Electrical and magnetic properties of matter; Hysteresis permeability and susceptibility; Magnetic field due to electrical current; Moving magnet and moving coil galvanometers. Measurement of current and resistance; Properties of reactive circuit elements and their determination, thermoelectric effect; Electromagnetic induction; Production of alternating currents. Transformers and motors; Electronic valves and their simple applications.

**6. Modern Physics**

Elements of Bohr's theory of atom, Electrons. Discharge of Electricity through gases; Cathode Rays and X-rays. Radioactivity. Artificial radioactivity, Isotopes, Elementary ideas of fission and fusion.

**CHEMISTRY (Code—02)****1. Inorganic Chemistry**

Electronic configuration of elements. Aufbau Principle Periodic classification of elements. Atomic number. Transition elements and their characteristics.

Atomic and ionic radii ionization potential, electron affinity and electronegativity.

Natural and artificial radioactivity. Nuclear fission and fusion.

Electronics Theory of valency. Elementary ideas about sigma and pi-bonds, hybridization and directional nature of covalent bonds.

Warner's theory of coordination compounds. Electronic configuration of complexes involved in the common metallurgical and analytical operations.

Oxidation states and oxidation number. Common oxidising and reducing agents. Ionic equations.

Lewis and Brønsted theories of acids and Bases.

Chemistry of the common elements and their compounds treated especially from the point of view of periodic classification. Principles of extraction, isolation (and metallurgy) on important element.

Structures of hydrogen peroxide, diborane, aluminium chloride and the important oxyacids of nitrogen, phosphorus, chlorine and sulphur.

Inert gases; Isolation and chemistry.

Principles of inorganic chemical analysis.

Outlines of the manufacture of Sodium carbonate, sodium hydroxide, ammonia, nitric acid, sulphuric acid, cement, glass and artificial fertilizers.



## 2. Organic Chemistry :

## MATHEMATICS (Code—03)

Modern concepts of covalent bonding. Electron displacements—Inductive, mesomeric and hyperconjugative effects. Resonance and its application to organic chemistry. Effect of structure on dissociation constants.

Alkanes, alkenes and alkynes. Petroleum as a source of organic compounds. Simple derivatives of aliphatic compounds. Alcohols, Aldehydes, ketones, acids, halides, esters ether, acid anhydrides chlorides and amides. Monobasic hydroxy ketonic and amino acids. Organometallic compounds and acetoacetic esters. Tartaric, citric, maleic and fumaric acids. Carbohydrates classification and general reaction. Glucose, fructose and sucrose.

Stereochemistry : Optical and geometrical isomerism. Concept of conformation.

Benzene and its simple derivatives : Toluene, xylenes, phenols, halides nitro and amino compounds. Benzoic salicylic, cinnamic, mandelic and sulphonic acids. Aromatic aldehydes and ketons. Diazo, azo and hydrazo compounds. Aromatic substitution. Napthalene, pyridine and quinoline.

## 3. Physical Chemistry :

Kinetic theory of gases and gas laws. Maxwell's law of distribution of velocities. Van der Waal's equation. Law of corresponding states. Liquefaction of gases. Specific heats of gases. Ratio of  $C_p/C_v$ .

Thermodynamics. The first law of thermodynamics. Isothermal and adiabatic expansion. Enthalpy. Heat capacities. Thermochemistry—heats of reaction, formation, solution and combustion. Calculation of bond energies. Kirchhoff equation.

Criteria for spontaneous change. Second Law of Thermodynamics. Entropy, Free energy. Criteria of Chemical equilibrium.

Solutions. Osmotic pressure, Lowering of vapour pressures, depression of freezing point elevation of boiling point. Determination of molecular weights in solution. Association and dissociation of solutes.

Chemical equilibria. Law of mass action and its application to homogeneous and heterogeneous equilibria. Le Chatelier principle. Influence of temperature on chemical equilibrium.

Electrochemistry : Faraday's laws of electrolysis conductivity of an electrolyte; equivalent conductivity and its variation with dilution; solubility of sparingly soluble salts; electrolytic dissociation. Ostwald's dilution law; anomaly of strong electrolytes; solubility product; strength of acids and bases; hydrolysis of salts; hydrogen ion concentration; buffer action theory of indicators.

Reversible cells. Standard hydrogen and calomel Electrodes. Electrode and red ox-potentials. Concentration cells. Determination of pH. Transport number. Ionic product of water Potentiometric titrations.

Chemical Kinetics, Molecularity and order of a reaction. First order and second order reactions. Determination of order of a reaction temperature coefficients and energy of activation. Collision theory of reaction rates. Activated complex theory.

Phase rule : Explanation of the terms involved. Application to one and two component systems. Distribution law.

Colloids : General nature of Colloidal solutions and their classification; general methods of preparation and properties of colloids. Coagulation. Protective action and gold number Adsorption.

Catalysis Homogeneous and heterogeneous catalysis Promoters Poisoning.

Photochemistry. Laws of photochemistry, Simple numerical problems.

## 1. Algebra

Algebra of Sets, relations and functions; inverse of functions; composite function; equivalence relation; De Moivre's theorem for rational index and its simple applications.

## 2. Matrices

Algebra of Matrices, determinants, simple properties of determinants, product of determinants; adjoint of a matrix; inversion of matrices, rank of a matrix. Application of matrices to the solution of linear equations (in three dimensions).

## 3. Analytical Geometry

*Analytical Geometry of two dimensions*

Straight lines, pair of straight lines, circles, systems of circles, ellipse, parabola, hyperbola (referred to principal axis). Reduction of a second degree equation to standard form. Tangents and normals.

*Analytical Geometry of three dimensions*

Planes, straight lines and spheres (Cartesian co-ordinates only).

## 4. Calculus and Differential Equation

*Differential calculus*—Concept of limit, continuity and differentiability of a function of one real variable, derivative of standard functions, successive differentiation. Rolle's theorem. Mean value theorem; Maclaurin and Taylor series (proof not needed) and their applications; Binomial expansion for rational index, expansion of exponential, logarithmic trigonometrical and hyperbolic functions. Indeterminate forms. Maxima and Minima of a function of a single variable, geometrical applications such as tangent, normal, subnormal, subnormal, asymptotic curvature (cartesian co-ordinates only). Envelope : Partial differentiation, Euler's theorem for homogeneous functions.

*Integral calculus*—Standard methods of integration. Reimann definition of definite integral of continuous functions. Fundamental theorem of integral calculus. Rectification, quadrature, volumes and surface area of solids of revolution. Simpson's rule for numerical integration.

*Differential equations*—Solution of standard first order differential equations. Solution of second and higher order linear differential equations with constant coefficients. Simple application of problems on growth and decay, simple harmonic motion. Simple pendulum and the like.

## 5. Mechanics (Vector methods may be used)

*Statics*.—Conditions of equilibrium of coplanar and concurrent forces. Moments. Couples, Centre of gravity of simple bodies. Friction, Static and limiting friction, angle of friction, equilibrium of a particle on a rough inclined plane. Virtual work (two dimensions).

*Dynamics*.—Kinematics Displacement, speed velocity and acceleration of a particle, relative velocity. Motion in a straight line under constant acceleration. Newton's laws of motion. Central Orbits. Simple harmonic motion. Motion under gravity (in vacuum). Impulse work and energy. Conservation of energy and linear momentum. Uniform circular Motion.

6. Statistics. Probability—Classical and statistical definitions of probability, calculation of probability of combinatorial methods, addition and multiplication theorems, conditional probability. Random variables (discrete and continuous), density function. Mathematical expectation.

Standard distributions—Binomial distribution, definition, mean and variance, skewness, limiting form simple application; Poisson distribution,—definition, mean and variance additive property fitting of Poisson distribution to given data. Normal distribution, simple properties and simple applications, fitting a normal distribution to given data.

Rivariate distribution—Correlation, linear regression involving two variables, fitting of straight line, parabolic and exponential curves, properties of correlation coefficient.

Simple sampling distribution and simple tests of hypothesis; Random sample. Statistics, Sampling distribution and standard error. Simple application of the normal,  $t$ ,  $\chi^2$  and  $F$  distributions to testing of significance of difference of means.

*Note* :—Out of the two topics No. 5 Mechanics and No. 6 Statistics, the candidates will be allowed the option of answering questions on any one of the two topics.

#### BOTANY (Code—04)

1. *Survey of the plant Kingdom*.—Differences between animals and plants : Characteristics of living organism : unicellular and multicellular organism : Viruses : basis of the

division of the plant kingdom.

2. *Morphology*.—(i) Unicellular plants—cell, its structure and contents : division and multiplication of cell.

(ii) *Multicellular plants*.—Differentiation of the body of non-vascular plants and vascular plants : external and internal morphology of vascular plants.

3. *Life history*.—Of at least one member of the following categories of plants :—Bacteria, Cyanophyceae, Chlorophyceae, Phaeophyceae Rhodophyceae, Phycomycetes Ascomycetes Basidiomycetes Liverworts. Mosses. Pteridophytes. Gymnosperms and Angiosperms.

4. *Taxonomy*.—Principles of classification, principal systems of classification of angiosperms : distinctive features and economic importance of the following families :—

Graminae Scitamineae. Palmaceae. Liliaceae. Orchidaceae Moraceae, Loranthaceae. Magnoliaceae, Lauraceae, Cruciferae, Rosaceae, leguminosae, Rutaceae, Meliaceae, Euphorbiaceae, Anacardiaceae, Malvaceae, Apocynaceae, Asclepiadaceae; Dipterocarpaceae, Myrtaceae, Umbelliferae, Labiatae, Solanaceae, Rubiaceae, Cucurbitaceae Vervenaceae and Compositae.

5. *Plant Physiology*.—Autotrophy, heterotrophy. Intake of water and nutrients, transpiration, photosynthesis, mineral nutrition, respiration, growth, reproduction : plants-animal relation, symbiosis, parasitism enzymes, auxins, hormones photoperiodism.

6. *Plant Pathology*.—Cause and cure of plant diseases. Disease organisms. Viruses, deficiency disease; Disease resistance.

7. *Plant Ecology*.—The basic facts relating to ecology and plant geography with special relation to Indian flora and the botanical regions of India.

8. *General Biology*.—Cytology, genetics, plant breeding Mendelism, hybrid vigour. Mutation, evolution.

9. *Economic Botany*.—Economic uses of plants, especially flowering plants in relation to human welfare, particularly with reference to such vegetable products like foodgrains, pulses, fruits, sugar and starches, oilseeds, spices, beverages, fibres, woods, rubber, drugs and essential oils.

10. *History of Botany*.—A general familiarity with the development of knowledge relating to the botanical science.

#### ZOOLOGY (Code—05)

Classification of the animal kingdom into principal groups distinguishing features of the various classes.

The structure habits and life-history of the following non-chordate types :

Amoeba, malarial parasite, a sponge, hydra, liverfluke tapeworm, roundworm, earth worm, leech, cockroach, housefly mosquito scorpion freshwater mussel pond snail and starfish (external characters only).

Economic importance of insects, Bionomics and life-history of the following insects; termitelocust, honey bee and silk moth.

Classification of Chordate up to orders.

The structure and comparative anatomy of the following chordate types.

Branchiostoma; Scolidon; frog; Uromastix or any other lizard (skeleton of Varanus) pigeon (Skeleton of fowl); and rabbit; rat or squirrel.

Elementary knowledge of the history and physiology of the various organs of the animal body with reference to frog and rabbit. Endocrine glands and their functions.

Outlines of the development of frog and chick structure and functions of the mammalian placenta.

General principles of evolution, variations heredity, adaptation; recapitulation hypothesis; Mendalian inheritance; asexual and sexual modes of reproduction; parthenogenesis; metamorphosis alteration of generations.

Ecological and geological distribution of animals with special reference to the Indian fauna.

Wild life of India including poisonous and non-poisonous snakes; game birds.

#### GEOLOGY (Code—06)

##### 1. General Geology :

Origin age and interior of the Earth, different geological agencies and their effects on topography, weathering and erosion; Soil types, their classification and soil groups of India; Physiographic sub-division of India. Vegetation and topography. Volcanoes, earthquakes, mountain diastrophism.

##### 2. Structural Geology :

Common structures of igneous, sedimentary and metamorphic rocks, Dip, strike and slopes; folds faults and unconformities including their effects on outcrops. Elementary ideas of methods of Geological Surveying and Mapping.

##### 3. Crystallography and Mineralogy :

Elementary knowledge of crystal symmetry. Laws of Crystallography. Crystal habits and twinning.

Study of important rock-forming including clay minerals with regard to their chemical composition, physical properties, optical properties, alteration, occurrence and commercial uses.

**4. Economic Geology :**

Study of important economic minerals of India including mode of occurrence. Origin and classification of ore deposits.

**5. Petrology :**

Elementary study of igneous, sedimentary and metamorphic rocks including origin and classification. Study of common rock types.

**6. Stratigraphy :**

Principles of Stratigraphy; lithological and chronological sub-divisions of geological record. Outstanding features of Indian Stratigraphy.

**7. Palaeontology :**

The bearing of palaeontological data upon evolution. Fossils, their nature and mode of preservation. An elementary idea of the morphology and distribution of representative forms of animal and plant fossils.

**GEOGRAPHY (Code—07)**

(i) *Elementary Geomorphology*.—Origin of the solar system and the earth, landforms, land sculpture, elementary geology, rocks and soil formation.

(ii) *Climatology*.—Climate and its elements, temperature pressure, humidity, wind system elementary knowledge of cyclones and anti-cyclones, precipitation types of rain.

(iii) *Oceanography*.—Distribution of land and water, movements of ocean-water, tides, currents, salinity, deposits, of the ocean beds.

(iv) *Plant Geography*.—Types of vegetation, their relation to geographical environment, forests, grasslands, deserts, major natural regions.

(v) *Human Geography*.—Man in environment races of mankind, man's activities and distribution of population.

(vi) *Economic Geography*.—Principal vegetable, animal and mineral products, their distribution and geographical background principal industries and their localisation; international trade in raw material, food-stuffs and manufactured goods.

(vii) *Regional Geography*.—India in detail and the U.S.A., the U.K., the U.S.S.R., China, Japan, South-East Asia, the Middle East, Sri Lanka, Burma and Pakistan in outline.

**ENGLISH LITERATURE (Code—08)**

Candidates will be expected to show a general knowledge of the history of English literature upon the time of Spencer to the end of the reign of Queen Victoria with special reference to the works of the following authors :—

Shakespeare, Milton, Johnson, Dickens, Wordsworth, Keats, Carlyle, Tennyson and Hardy.

**INDIAN HISTORY (Code—09)**

India from 1600 to the establishment of Indian Republic, including the constitutional developments during this period.

NOTE.—In this subject candidates should be acquainted with geography in its relation to history. When a fixed date is given for the beginning of the period candidates will be expected to know in general outline how the initial position was reached.

**GENERAL ECONOMICS (Code—10)**

Candidates will be expected to have a knowledge of economic theory and should be prepared both to illustrate theory by facts and to analyse facts by the help of theory. Some knowledge of the economic history of India and of England and of economic conditions in these countries will be expected.

**POLITICAL SCIENCE (Code—11)**

Candidates will be expected to show a knowledge of political theory and its history, political theory being understood to mean not only the theory of legislation but also the general theory of the State. Questions may also be set on constitutional forms (Representative Government, Federalism etc.) and Public Administration. Central and Local. Candidates will be expected to have knowledge of the origin and development of existing institutions.

**SOCIOLOGY (Code—12)**

Nature and Scope of Sociology; Study of Society; Sociology and its relation to other Social Sciences.

Basic concepts Status and Role; Primary and Secondary Groups; Social institutions; Social structure; Social control and Deviant behaviour; Social Conflict; Social Change.

Basic Social Structures and Institutions; Marriages; Family and Kinship; Political Institutions; Religious Institutions Social stratification—Caste, Class and Race.

Environment, society and culture.

Sociology of India; Caste and Casteism; Family and Kinship; Village community; Social change in modern India.

**PSYCHOLOGY (Code—13)****General Psychology**

Definition and subject-matter of Psychology; methods of Psychology; Concept of adjustment and behaviour mechanism; Physiological basis of behaviour; (a) receptors—visual and auditory; (b) general idea of the nervous system; (c) effectors;—muscles and glands.

Factors in human development—heredity and environment, maturation and learning.

Motivation and emotion—their nature, kind and development.

Perception and its nature; Perception of form; colour and space.

Learning : its nature, conditioning, insight and trial and error.

Memory and forgetting—factors effecting the processes; efficient methods of memorising.

Thinking and reasoning.

Intelligence and abilities—their nature and measurement.

Personality—nature, determinants and measurement.

**Abnormal Psychology**

Abnormal behaviour—its concept and causes.

Frustration and conflicts; defence mechanisms.

Forms of psychological disorders—neurotic, psychotic, personality and psychophysiological disorders.

General idea of treatment of mental disorders—psychotherapy.

*Social Psychology*

Group processes; individual and the group; leadership morale and crowd behaviour.

Propaganda and psychological warfare.

**INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST**

In addition, to the interview the candidates will be put to Intelligence Tests both verbal and non-verbal, designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests such as group discussions, group planning, outdoor group tasks, and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

**APPENDIX II***(Physical Standards for Admission to the Academy/School)*

**NOTE.—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARD. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.**

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A sufficient number of suitable candidates recommended by the Services Selection Board will be medically examined by a Board of Service Doctors. A candidate who is not declared fit by the Medical Board will not be admitted to the Academy or the School. The mere fact that medical examination has been carried out by a Board of Service Doctors will not mean or imply that the candidate has been finally elected. The proceedings of the Medical Board are confidential and cannot be divulged to anyone. The results of candidates declared unfit/temporarily unfit are intimated to them along with the procedure for submission of fitness certificate and appeal. No request for the results of Medical Board will be entertained by the President of the Medical Board.

Candidates are advised in their own interest that if their vision does not come up to the standard they must bring with them their correcting glasses if and when called for Services Selection Board Interview/Medical Examination.

1. To be passed fit for admission to the Academy/School a candidate must be in good physical and mental health and free from any disability likely to interfere with the efficient performance of duty.

2. It will, however, be ensured that—

- (a) there is no evidence of weak constitution, imperfect development, serious malformations or obesity;
- (b) there is no maldevelopment or impairment of function of the bones or joints;

**NOTE :** A candidate with a rudimentary cervical rib in whom there are no signs and symptoms referable to the cervical rib may be considered fit. However, the defect is to be recorded as a minor disability in the medical board proceedings.

- (c) there is no impediment of speech;
- (d) there is no malformation of the head or deformity from fracture or depression of the bones of the skull;
- (e) there is no impaired hearing, discharge from or disease in either ear, unhealed perforation of the tympanic membranes or signs of acute or chronic suppurative otitis media or evidence of radical or modified radical mastoid operation;

**NOTE :** A soundly healed perforation without any impairment of the mobility of the drum and without impairment of hearing should not be a bar to acceptance of a candidate for the Army.

- (f) there is no disease of bones or cartilages of the nose or nasal polypus or disease of the nasopharynx and accessory sinuses;

**NOTE :** A small asymptomatic traumatic perforation of the nasal septum would not be a cause for outright rejection. But such cases will be referred to the Adviser in Otology for examination and opinion.

- (g) there are no enlarged glands in the neck and other parts of the body and that thyroid gland is normal;

**NOTES :** Scars of operations for the removal of tuberculosis glands are not a cause for rejection provided that there has been no active disease within the preceding 5 years and the chest is clinically and radiologically clear.

- (h) there is no disease of the throat palate, tonsils or gums or disease or any injury affecting the normal function of either mandibular joint;

**NOTE :** Simple hypertrophy of the tonsils, if there is no history of attacks of tonsillitis is not a cause for rejection.

- (i) there is no sign of functional or organic disease of the heart and blood vessels;
- (j) there is no evidence of pulmonary tuberculosis or previous history of this disease or any other chronic disease of the lungs;
- (k) there is no evidence of any disease of the digestive system including any abnormality of the liver and spleen;
- (l) there is no inguinal hernia or tendency thereto;

**NOTE :** (1) Inguinal hernia (unoperated) will be a cause for rejection.

(2) Those who have been operated for hernia may be declared medically fit provided :

- (i) One year has elapsed since operation. Documentary proof to this effect is to be produced by the candidate.
- (ii) General tone of the abdominal musculature a good.
- (iii) There has been no recurrence of the hernia or complication thereto concerned with the operation.

(m) there is no hydrocele or definite Varicocele or any other disease or defect of the genital organs.

**N.B.—**(i) A candidate who has been operated for hydrocele will be accepted if there are no abnormalities of the cord and testicle and there is no evidence of filariasis.

- (ii) Undescended inter abdominal testicle on one side should not be a bar to acceptance provided the other testicle is normal and there is no untoward physical or psychological effect due to the undescended testicle. Undescended testis retained in the inguinal canal or the external abdominal ring is, however, a bar to acceptance unless corrected by operation.

- (n) there is no fistula and/or fissure of the anus or evidence of haemorrhoids;
- (o) there is no disease of the kidneys. All cases of Glycosuria or Albuminuria will be rejected;
- (p) there is no disease of the skin unless temporary or trivial scars which by their extent or position cause or are likely to cause disability or marked disfigurement are a cause for rejection;
- (q) there is no active, latent or congenital venereal disease;
- (r) there is no history or evidence of mental disease of the candidate or his family. Candidates suffering from epilepsy, incontinence of urine or enuresis will not be accepted;
- (s) there is no squint or morbid condition of the eyes or of the lids which is liable to a risk of aggravation or recurrence;
- (t) there is no active trachoma or its complication and sequelae.

NOTE—Remedial operations are to be performed prior to entry. No guarantee is given of ultimate acceptance and it should be clearly understood by the candidates that the decision whether an operation is desirable or necessary is one to be made by their private medical adviser. The Government will accept no liability regarding the result of operation or any expense incurred.

### 3. Standards for Height, Weight and Chest Measurement—

#### (a) Height—

- (i) The height of a candidate will be measured by making him stand against the standard with his feet together. The weight should be thrown on the heels, and not on the toes or outer sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres, decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored; 0.5 centimetre will be recorded as such and 0.6 cm. and above will be recorded as one.
- (ii) The minimum acceptable height for a candidate is 157.5 cm. (157 cm. for the Navy) except in the case of Gorkha, Nepalese, Assamese and Garhwali candidates in whose case the height in correlation table at (b)(i) below may be reduced by 5.0 cm. The minimum height of naval candidates from MANIPUR, NEFA, MEGHALAYA AND TRIPURA may also be reduced by 5 cm. and 2 cm. in the case of candidates from LACCADIVES.

#### (b) Weight—

- (i) Weight will be taken with the candidate fully stripped or with underpants only. In recording weight fraction of 1/2 kg. will not be noted. A correlation table between age, height and average weight is given below for guidance :—

Age last birth day	Height without shoes	Weight	
		Average Minimum	Average Maximum
Years	Centimetres	Kgs.	Kgs.
17 to 18	157.5 & under 165.0	43.5	55.0
	165.0 & under 172.5	48.0	59.5
	172.5 & under 183.0	52.5	64.0
	183.0 & upwards	57.0	—
19	160.0 & under 165.0	44.5	56.0
	165.0 & under 172.5	49.0	60.5
	172.5 & under 178.0	53.5	65.0
	178.0 & under 183.0	58.0	69.5
29 & upwards	183.0 & upwards	62.5	—
	160.0 & under 165.0	45.5	56.5
	165.0 & under 172.5	50.0	61.0
	172.5 & under 178.0	54.5	66.0
	178.0 & under 183.0	59.0	70.5
	183.0 & upwards	63.0	—

#### HEIGHT AND WEIGHT STANDARDS

For Navy only

Height in Centimetres	Age		
	18 years	20 years	22 years
Weight in Kilograms			
157	47	49	50
160	48	50	51
162	50	52	53
165	52	53	55
186	53	55	57
170	55	57	58
173	57	59	60
175	59	61	62
178	61	62	63
180	63	64	65
183	65	67	67
185	67	69	70
188	70	71	72
190	72	73	74
193	74	76	77
195	77	78	78

- (ii) It is not possible to lay down precise standards for weight in relation to height and age. The correlation table is, therefore, only a guide and cannot be

applied universally. A 10 per cent ( $\pm 6$  kg. for the Navy) departure from the average weight given in the table is to be considered as within normal limits. There may nevertheless be some individuals who according to the above standard may be overweight but from the general build of the body are fit in every respect. The overweight in such cases may be due to heavy bones and muscular development and not to obesity. Similarly for those who are underweight, the criteria should be the general build of the body and proportionate development rather than rigid adherence to the standards in the above table.

(c) *Chest*.—The chest should be well-developed with a minimum range of expansion of 5.0 cm. The candidate's chest will be measured by making him stand erect with his feet together, and his arms raised over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and its lower edge the upper part of the nipples in front. The arms will then be lowered to hang loosely by the sides. Care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum and minimum expansion of the chest will be carefully noted. The minimum and maximum will then be recorded in cm. thus 84/89 and 86/91 etc.

In recording the measurements, decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored; 0.5 centimetre will be recorded as such and 0.6 cm. and above will be recorded as one.

#### For Navy

"X-Ray" of chest is compulsory.

#### 4. Dental Condition—

It should be ensured that sufficient number of natural and sound teeth are present for efficient mastication.

(a) A candidate must have a minimum of 14 dental points to be acceptable. In order to assess the dental condition of an individual points are allotted as under for teeth in good apposition with corresponding teeth in the other jaw—

(i) Central incisor, lateral incisor, canine, 1st and 2nd pre-molar and under developed 3rd molar—1 point each.

(ii) 1st and 2nd molar and fully developed 3rd molar—2 points each.

When all 32 teeth are present, there will be a total count of 22 points.

(b) The following teeth in good functional apposition must be present in each jaw—

(i) any 4 of the 6 anteriors.

(ii) any 6 of the 10 posteriors.

NOTE.—Candidate for direct commission and technical graduates, with well fitting dentures will, however, be accepted for commission.

(c) Candidate suffering from severe pyorrhoea will be rejected. Where the state of pyorrhoea is such that in the opinion of the dental officer it can be cured without extraction of teeth, the candidate may be accepted.

#### 5. Visual Standard (Army)

	Better eye	Worse eye
Distant vision (corrected)	6/6	6/18

Myopia of not more than  $-3.5$  D including astigmatism  
Manifest Hypermetropia of not more than  $+3.5$  D including astigmatism.

NOTE 1. Fundus and Media to be healthy and within normal limits.

2. No undue degenerative signs of vitreous or chorio-retina to be present suggesting progressive myopia.

3. Should have good binocular vision, fusion faculty and full field of vision in both eyes.

4. There should be no organic disease likely to exacerbations or deterioration.

Myopia—Not to exceed 0.5 dioptre in any one meridian.

#### Binocular Vision

The candidates must possess good binocular vision (fusion faculty and full field of vision in both eyes).

#### Colour Vision

Candidates who do not possess the minimum colour perception standard CP-3 (Defective Safe), defined below will be declared Unfit:—

CP-3 (Defective Safe)—Candidates should be able to recognise white, signal red and signal green colours correctly as shown by Martin's Lantern at a distance of 1.5 metres or read the requisite plates of Ishihara Book/Tokyo Medical College Book.

#### Visual Standard (Navy)

##### (a) Visual Acuity

Standard I	Better eye	Worse eye
	V-6/6	V-6/9

##### Distant Vision

Correctable to 6/6

Navy (i)—Visual standard I. No glasses will be worn by candidates for the Executive Branch but these standards may be relaxed if permitted by Naval Headquarters, for a limited number of otherwise suitable candidates of Engineering, electrical and Supply and Secretariat Branches up to 6/18, 6/36 correctable to 6/6 both eyes with glasses.

##### (ii) Special requirements:

Normally Cadets/Direct entry officers for all Branches of the Navy will not be tested for Della Case for Night Vision acuity (NVA) as a routine and will be asked to furnish the following certificate at the time of medical examination which will be attached to the medical board proceedings:—

'I hereby certify that to the best of my knowledge there has not been any case of congenital night blindness in our family, and I do not suffer from it'.

Signature of the candidate

Countersignature of the Medical Officer.

**Heterophoria**

Limits of Heterophoria with the Maddox Rod/Wing tests (provided convergence insufficiency and other symptoms are absent) must not exceed :—

## (a) At 6 metres—

Exophoria 8 prism dioptres  
Esophoria 8 prism dioptres  
Hyperphoria 1 prism dioptre

## (b) At 30 cms—

Esophoria 6 prism dioptres  
Exophoria 16 prism dioptres  
Hyperphoria 1 prism dioptre

Executed level

Limits of hypermetropia (under homatropine)  
Better Eyes

Hypermetropia . . . 1.5 dioptres

Simple Hypermetropic . . 0.75 dioptre

**Astigmatism**

Compound Hypermetropic Astigmatism . . . The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 1.5 dioptres of which not more than 0.75 dioptre may be due to astigmatism.  
Worse-Eyes

Hypermetropia . . . 2.5 dioptres

Simple Hypermetropic Astigmatism . . . 1.5 dioptres

Compound Hypermetropic Astigmatism . . . The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 2.5 dioptres of which not more than 1.0 dioptre may be due to astigmatism.

**6. Hearing Standard—**

Hearing will be tested by speech test. Where required audiometric records will also be taken.

(a) *Speech test*.—The candidate should be able to hear a forced whisper with each ear separately standing with his back to the examiner at a distance of 609.5 cm. in a reasonably quiet room. The examiner should whisper with the residual air; that is, to say at the end of an ordinary expiration.

(b) *Audiometric record*.—The candidate will have no loss of hearing in either ear at frequencies 128 to 4096 cycles per second. Audiometry reading between plus 10 and minus 10. (Not applicable to Navy).

**APPENDIX III**

(Brief Particulars of service etc.)

**(A) FOR CANDIDATES JOINING THE INDIAN MILITARY ACADEMY, DEHRA DUN.****1. Before the candidate joins the Indian Military Academy—**

(a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or

other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment any injury received as aforesaid or otherwise;

(b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that if for any reason considered within his control, the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

2. Candidates finally selected will undergo a course of training for about 18 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as 'gentlemen cadets'. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Indian Military Academy.

3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Indian Military Academy are not likely to exceed Rs. 55.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 450.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately after his son/ward has been finally selected for training at the Indian Military Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will, with his recommendations, forward the application to the Commandant, Indian Military Academy, Dehra Dun.

4. Candidates finally selected for training at the Indian Military Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival :—

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 55.00 per month.—Rs. 275.00

(b) For items of clothing and equipment.—Rs. 800.00

Total : Rs. 1075.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them :—

Pocket allowance for five months at Rs. 55.00 per months—Rs. 275.00.

5. The following scholarships are tenable at the Indian Military Academy :—

(1) **PARSHURAM BHAI PATWARDHAN** Scholarship.—This scholarship is awarded to cadets from MAHARASHTRA AND KARNATAKA. The value of one scholarship is up to the maximum of Rs. 500.00 per annum for the duration of a cadet's stay at the Indian Military Academy subject to the cadet making satisfactory progress. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.—This Scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to an eligible Maratha cadet who should be a son of ex-serviceman. The Scholarship is in addition, to any financial assistance from the Government.

6. An outfit allowance at the rates adn under the general conditions applicable at the time for each cadet belonging to the Indian Military Academy will be placed at the disposal of the Commandant of the Academy. The unexpended portion of this allowance will be—

- (a) handed over to the cadet on his being granted a Commission; or
- (b) if he is not granted a commission, refunded to the state.

On being granted a commission, article of clothing and necessities purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles will, however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The article withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

7. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Indian Military Academy. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may, with permission of the Government, be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

8. Commission will be granted only on successful completion of training. The date of commission will be that following the date of successful completion of training. Commission will be permanent.

9. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service after the grant of commission will be identical with those applicable from time to time to regular officers of the army.

#### Training :

10. At the Indian Military Academy, Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous military training for a period of 18 months aimed at turning out officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd Lt. subject to being medically fit in S.H.A.P.E.

#### 11. Terms and Conditions of Service

##### (1) PAY

Rank	Pay scale Rs.	Rank	Pay Scale Rs.
2nd Lieut	750—790	Lt. Colonel (Time scale)	1800 fixed
Lieut	830—950	Colonel	1950—2175
Captain	1100—1550	Brigadier	2200—2400
Major	1400—1800	Maj General	2500—125/2-2750
Lt. Colonel (By selection)	1750—1950	Lt. General	3000 p.m.

##### (ii) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer at present receives the following allowances—

- (a) Compensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted Officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- (c) Expatriation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.
- (d) Separation allowance : Married officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 70 p.m.

##### (iii) POSTING

Army officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

##### (iv) PROMOTION

###### (a) Substantive promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks :—

###### by time scale

Lt.	2 years of Commissioned Service
Capt.	6 years of Commissioned Service
Major	13 years of Commissioned Service
Lt. Col. from Major	25 years of Commissioned Service
(if not promoted by Selection)	

###### by selection

Lt. Col	16 years of Commissioned Service
Col.	20 years of Commissioned Service
rigdier	23 years of Commissioned Service
Major Gen	25 years of Commissioned Service
Lt. Gen.	28 years of Commissioned Service
Gen	No restriction

###### (b) Acting promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum Service limits subject to availability of vacancies :

Captain	3 years
Major	5 years
Lt. Colonel	6-1/2 years
Colonel	8-1/2 years
Brigadier	12 years
Major General	20 years
Lt. General	25 years

##### (B) FOR CANDIDATES JOINING THE NAVAL ACADEMY, COCHIN.

1. (a) Candidates finally selected for training at the Academy will be appointed as cadets in the Executive Branch of the Navy. They will be required to deposit the following amount with the Officer-in-Charge, Naval Academy, Cochin.

###### (1) Candidates not applying for government financial aid :

- (i) Pocket allowance for five months @ Rs. 45.00 per month . . . Rs. 225.00
- (ii) For items of clothing and equipment . . . Rs. 460.00

Total . . . Rs. 685.00



## (2) Candidates applying for Government financial aid :

(i) Pocket allowance for two months, @Rs. 45.00 per month . . . . .	Rs.	90.00
(ii) For items of clothing and equip- ment . . . . .	Rs.	460.00
Total . . . . .	Rs.	550.00

(b) (i) Selected Candidates will be appointed as cadets and undergo training in Naval Ships and Establishments as under :—

- (a) Cadets Training including afloat training for 6 months . . . . . 1 year
- (b) Midshipmen afloat Training . . . . . 6 months
- (c) Acting Sub-Lieutenants Technical Courses 12 months
- (d) Sub-lieutenants—

A minimum period of 6 months sea service to obtain a watch-keeping certificate.

(ii) The cost of training including accommodation and allied services, books, uniform, messing and medical treatment of the cadets at the Naval Academy will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses while they are cadets. When a cadet's parent or guardian has an income less than Rs. 450 per mensem and is unable to meet wholly or partly the pocket expenses of the cadet, financial assistance up to Rs. 55 per mensem may be granted by the Government. A candidate desirous of securing financial assistance may immediately after his selection, submit an application through the District Magistrate of his District, who will, with his recommendations, forward the application to the Director of Personnel Service, Naval Headquarters, New Delhi :

Provided that in a case where two or more sons or wards of a parent or guardian are simultaneously undergoing training at Naval ships/establishments, financial assistance as aforesaid may be granted to all of them for the period they simultaneously undergo training, if the income of the parent or guardian does not exceed Rs. 400 p.m.

(iii) Subsequent training in ships and establishments of the Indian Navy is also at the expense of the Government. During the first six months of their training after leaving the Academy financial concession similar to those admissible at the Academy vide sub-para (ii) above will be extended to them. After six months of training in ships and establishments of the Indian Navy, when Cadets are promoted to the rank of Midshipman they begin to receive pay and parents are not expected to pay for any of their expenses.

(iv) In addition to the uniform provided free by the Government cadets should be in possession of some other items of clothing. In order to ensure correct pattern and uniformity these items will be made at Naval Academy and cost will be met by the parents or guardians of the cadets. Cadets applying for financial assistance may be issued with some of these items of clothing free or on loan. They may only be required to purchase certain items.

(v) During the period of training Service Cadets may receive pay and allowances of the substantive rank held by them as a sailor or as a boy or as an apprentice at the time of selection as cadets. They will be able to receive increments of pay, if any, admissible in that rank. If the pay and allowances of their substantive rank be less than the financial assistance admissible to direct cadets and provided they are eligible for such assistance, they will also receive the difference between the two amounts.

(vi) No cadet will normally be permitted to resign while under training. A cadet who is not considered suitable to complete the full course at the Indian Naval Ships and establishment may, with the approval of the Government be withdrawn from training and discharged. A service cadet under these circumstances may be reverted to his original appointment. A cadet thus discharge or reverted will not be eligible for re-admission to a subsequent course. Cases of cadets who are allowed to resign on compassionate grounds may, however, be considered on merits.

2. Before a candidate is selected as a cadet in the Indian Navy, his parent or guardian will be required to sign—

(a) A certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or whose bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

(b) A bond to the effect that if for any reasons considered within the control of the candidate, he wishes to withdraw from training or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

## 3. PAY AND ALLOWANCES

## (a) PAY

Rank	Pay Scale	
	General Service	
Midshipman . . . . .	Rs.	560
Ag. Sub. Lieut. . . . .	Rs.	750
Sub. Lieut. . . . .	Rs.	830—870
Lieut. . . . .	Rs.	1100—1450
Lieut. Cdr. . . . .	Rs.	1450—1800
Commander (By selection) . . . . .	Rs.	1750—1950
Commander (By time scale) . . . . .	Rs.	1800 fixed
Captain . . . . .	Rs.	1950—2400
	(Commodore receives pay to which entitled according to seniority as Captain).	
Rear Admiral . . . . .	Rs.	2500-125/2-2750
Vice Admiral . . . . .	Rs.	3000

## (b) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer receives the following allowances :—

- (i) Compensatory (City) and dearness allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted officers from time to time.
- (ii) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- (iii) When officers are serving outside India expatriation allowance ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held; is admissible.
- (iv) A separation allowance of Rs. 70 p.m. is admissible to—
  - (i) married officers serving in non-family station; and
  - (ii) married officers serving on board I.N. Ships for the period during which they remain in ships away from the base ports.
- (v) Free ration for the periods they remain in the ships away from the base ports.

NOTE I :—In addition certain special concessions like hard-lying money, sub-marine allowance, sub-marine pay, survey bounty, qualification pay/grant and diving pay are admissible to officers.

NOTE II :—Officers can volunteer for Service in Sub-marine or Aviation Arms. Officers selected for Service in these arms are entitled to enhanced pay and special allowances.

## 4. PROMOTION

## (a) By time scale

Midshipman to Ag. Sub. Lieut.	1/2 year
Ag. Sub. Lieut. to Sub. Lieut.	1 year
Sub. Lieut. to Lieut.	3 years as Ag. and confirmed Sub. Lt. (Subject to gain forfeiture of seniority).
Lieut. to Lieut. Cdr.	8 years seniority as Lieut.
Lieut. Cdr. to Cdr. (if not promoted by selection)	24 years (reckonable commissioned service)

## (b) By selection

Lieut. Cdr. to Cdr.	2—8 years seniority as Lieut. Cdr.
Cdr. to Capt.	4 years seniority as Cdr.
Capt. to Rear Admiral and above.	No Service restriction.

## 5. POSTING

Officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

NOTE.—Further information, if desired, may be obtained from the Director of Personnel Service Naval Headquarters, New Delhi-110011.

## (C) FOR CANDIDATES JOINING THE OFFICERS' TRAINING SCHOOL, MADRAS.

1. Before the candidates joins the Officers Training School, Madras—

- (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training, or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
- (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that, if for any reason considered within his control the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission if offered or marries while under training at the Officers' Training School, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.

2. Candidates finally selected will undergo a course of training at the Officers' Training School for an approximate period of 9 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as 'gentlemen cadets'. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Officers' Training School.

3. While the cost of training, including accommodation books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses during pre-Commission training are not likely to exceed Rs. 55 per month but if the cadets pursue any hobbies such as photography, Shikar, hiking, etc. they may require additional money. In case, however, the cadet is unable to meet wholly or partly even the minimum expenditure, financial assistance at rates which are subject to change from time to time, may be given provided the cadet and his parent/guardian have an income below Rs. 450 per month. The rate of assistance under the existing orders is Rs. 55 per month. A candidate desirous of having financial assistance should immediately after being finally selected for training submit an application on the prescribed form through the District Magistrate of his district who will forward the application to the Commandant Officers Training School, MADRAS along with his verification report.

4. Candidates finally selected for training at the Officers Training School will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival :—

(a) Pocket allowance for ten months at Rs. 55.00 per month	Rs. 550.00
--	------------

This amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them.

5. Outfit allowance will be admissible under orders as may be issued from time to time.

On being granted a commission articles of clothing and necessities purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles, will, however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The articles withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

6. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Officers Training School.

7. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may with permission of Government be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

8. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service, after the grant of commission, are given below.

#### 9. Training

1. Selected candidates will be enrolled under the Army Act as Gentlemen Cadets and will undergo a course of training at the Officers Training School for an approximate period of nine months. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Short Service Commission in the rank of 2/Lt from the date of successful completion of training.

#### 10. Terms and conditions of Service

##### (a) Period of probation

An officer will be on probation for a period of 6 months from the date he receives his Commission. If he is reported on within the probationary period as unsuitable to retain his commission, it may be terminated at any time, whether before or after the expiry of the probationary period.

##### (b) Posting

Personnel granted Short Service Commissions are liable to serve anywhere in India and abroad.

##### (c) Tenure of appointment and Promotion

Short Service Commission in the Regular Army will be granted for a period of five years. Such officers who are willing to continue to serve in the Army after the period of five years' Short Service Commission may if eligible and suitable in all respects, be considered for the grant of Permanent Commission in the last year of their Short Service Commission in accordance with the relevant rules. Those who fail to qualify for the grant of Permanent Commission during the tenure of five years, would be released on completion of the tenure of five years.

##### (d) Pay and Allowances

Officers granted Short Service Commission will receive pay and allowances as applicable to the regular officers of the Army.

Rates of pay for 2/Lt and Lieut, are :—

Second Lieut.	Rs. 750—790 p.m.
Lieut.	Rs. 830—950 p.m.
Plus other allowances as laid down for regular officers	

(c) *Leave* : For leave, these officers will be governed by rules applicable to Short Service Commission Officers as given in Chapter V of the Leave Rules for the Service Vol. I—Army. They will also be entitled to leave on passing out of the Officers Training School and before assumption of duties under the provisions of Rule 91 *ibid*.

(f) *Termination of Commission* : An officer granted Short Service Commission will be liable to serve for five years but his Commission may be terminated at any time by the Government of India—

- (i) for misconduct or if services are found to be unsatisfactory; or

- (ii) on account of medical unfitness; or
- (iii) if his services are no longer required; or
- (iv) if he fails to qualify in any prescribed test or Course.

An officer may on giving three months notice be permitted to resign his Commission on compassionate grounds of which the Government of India will be the sole judge. An officer who is permitted to resign his Commission on compassionate grounds will not be eligible for terminal gratuity.

##### (g) Pensionary benefits

- (i) These are under consideration.
- (ii) SSC officers on expiry of their five years' term are eligible for terminal gratuity of Rs. 5,000.00.

##### (h) Reserve Liability

On being released on the expiry of the five years Short Service Commission or extension thereof, they will carry a reserve liability for a period of five years or up to the age of 40 years whichever is earlier.

(i) *Miscellaneous* : All other terms and conditions of Service where not at variance with the above provisions will be the same as for regular officers.

## APPENDIX IV

*The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes Candidates applying for appointment to posts under the Government of India.*

This is to certify that Shri \_\_\_\_\_ son of Shri \_\_\_\_\_ of village/town\* \_\_\_\_\_ in District/Division\* \_\_\_\_\_ of the State/Union Territory\* \_\_\_\_\_ belongs to the \_\_\_\_\_ Caste/Tribe\* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe\* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order 1950\*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951\*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Orders, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962\*

the Constitution (Pondicherry), Scheduled Castes Order, 1964\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968\*.

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order 1968\*.

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*.

2. Shri \_\_\_\_\_ and/or\* his family  
ordinarily reside(s) in village/town\* \_\_\_\_\_ of \_\_\_\_\_  
District/Division\* of the State/Union Territory\* of \_\_\_\_\_

Signature.....

\*\*Designation.....

State/Union Territory\*.....  
(with seal of office)

Place.....

Date.....

\*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term 'ordinarily reside(s)' used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

\*\*Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates :

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner /Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

## APPENDIX V

### CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

#### A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called on 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

#### B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, ... etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, .....etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best response. (see "sample items" at the end.). In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

#### C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet, number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts'. Against each item, responses, a, b, c, d, e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.

1. ☐ a ☐ b ☒ c ☐ d ☐ e

2. ☐ a ☐ b ☐ c ☐ d ☒ e

3. ☒ a ☐ b ☐ c ☐ d ☐ e

Your answer sheet will be scored by an optical scoring machine which is sensitive to improper marking, use of non-HB pencils, and mutilated answer sheets. It is, therefore important that—

1. You bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items. The machine may not read the marks with other pencils or pens correctly.
2. If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also;
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spindle it.

#### D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for starting of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have passed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator Supervisor. You ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.

5. Write clearly in ink the name of the examination/test, your Roll No., Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.

6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. Since the evaluation is done mechanically, you may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

#### E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your sheet in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet. Each Test Booklet will be sealed in the margin so that no one opens it before the test starts. As soon as you have got your Test Booklet, ensure that it contains the booklet number and it is sealed, otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet. You are *not* allowed to break the seal of the Test Booklet until you are asked to do so by the supervisor.

#### F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct response indicated by you.

The questions are designed to measure your knowledge, understanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant topics, to be sure that you UNDERSTAND the subject thoroughly.

#### G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Candidates who do not stop writing will be penalised. After you have finished answering, remain in your seat and wait till the invigilator collects the Test Booklet and answer sheet from you and permits you to leave the Hall. You are NOT

allowed to take the Test Booklet and the answer sheet out of the examination Hall. Those who violate this direction shall be severely penalised.

#### SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty ?

- (a) the successors of Asoka were all weak.
- (b) there was partition of the Empire after Asoka.
- (c) the northern frontier was not guarded effectively.
- (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.

(Answer—d)

2. In a parliamentary form of Government

- (a) the Legislature is responsible to the Judiciary.
- (b) the Legislature is responsible to the Executive.
- (c) the Executive is responsible to Legislature.
- (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.
- (e) the Executive is responsible to the Judiciary.

(Answer—c)

3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to

- (a) facilitate development.
- (b) prevent disciplinary problems.
- (c) provide relief from the usual class room work.
- (d) allow choice in the educational programme.

(Answer—a)

4. The nearest planet to the Sun is

- (a) Venus
- (b) Mars
- (c) Jupiter
- (d) Mercury

(Answer—d)

5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods ?

- (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
- (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
- (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
- (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.

(Answer—c)

